॥ सुन्दरी सर्वस्व ॥

श्रीमन्महाराज द्विजराज श्री ५ प्रताप ना-
रायण सिंह बहादुर अवधेसजू के वि-
नोदार्थ काशी बासी द्विजकवि पं०
मन्नालाल ने विरचि के

बनारस अमर यन्त्रालयमे श्रीअम्बिकाच-
रण चट्टोपाध्याय द्वारा मुद्रितकराया
सं० १९४२
1885

Registered
Under act XXV of 1867.

॥ भूमिका ॥

एक दिन श्रीमन्महाराज द्विजराज श्री५प्रतापनारायण सिंह जू अवधेस के दरबार मे प्राचीन कविता की चरचा हो रही थी उस समय कैएक सभासदों ने प्राचीन सवैयायें पढ़ीं किसी ने बेनी औ किसी ने प्रवीनबेनी किसी ने रघुनाथ औ किसी ने गोकुलनाथ की येह सुन के श्रीमन्महाराज अवधेस ने यह फर्माया कि प्राचीनही पर तथा नहीं है, नवीन से भी तो देखिये द्विजदेव महाराज मानसिंह, सेवकरामजी, हनुमानजी इन लोगों की काव्य कैसी अनूठी है प्राचीन औ नवीनही पर कुछ तथा नहीं है, जो उक्ति अनूठी लावै औ वाच्यार्थ जिसका साफ हो वही कवि उत्तम है, यह कह कर श्रीमन्महाराज अवधेस ने मेरी ओर मंदमुसकान सहित हेर के कहा कि पंडित मन्नालालजी आप अब ऐसा एक ग्रन्थ सवैया छन्द से बनाइये कि जिसमे प्राचीन औ नवीनो के चुनिन्द उदाहरन औ लच्छन लच्छ सहित रहैं कि जिससे सब रसिकों को वह सुखद हो श्रीमन्महाराज की यह आज्ञा पा कर मै ने प्राचीन औ नवीनो के ग्रंथो को देस बिदेस से मगा कर संग्रह कर अपनी अल्प बुद्धि के अनुसार रसीली कविता चुन के यह ग्रंथ तैयार किया है॥ आशा है कि जो कबिकोबिद रसज्ञ हैं वे इस ग्रन्थ को देख कर अवश्य मनमुदित होंगे औ श्रीमन्महाराज अवधेस की कोविदता औ रसिकता पर अत्यन्त प्रसन्न हो कर धन्यवाद देंगे॥

॥ कवियों की नामावली जिनके उदाहरन इसमे हैं ॥

१ श्रीपति
२ श्रीधर (बाबूभाभा)
३ आलम
४ ईस
५ केसव
६ कविन्द
७ कमलापति (काशीनिवासी)
८ कविराज
९ किसोर (प्राचीन)
१० गोकुल (काशीनिवासीरघुनाथ [केपुत्र)
११ गंग
१२ गोपाल
१३ गुलाब
१४ गुंधर
१५ ग्वाल
१६ गिरधरदास
१७ घनआनंद
१८ घनस्याम
१९ चन्द
२० चंदन
२१ छितिपाल (राजाअमेठी माधव [सिंह)
२२ जगदीस
२३ जसवन्त (बघेल)
२४ ठाकुर
२५ तुलसी (ओझाजी जोधपुर के)
२६ तोष
२७ देव
२८ द्विज (मन्नालाल शर्मा)
२९ द्विजदेव (महाराज मानसिंह)
३० दास
३१ दत्त
३२ दयानिधि
३३ दिनेस
३४ दूलह
३५ दिवाकर भट्ट
३६ धुरंधर
३७ निवाज
३८ नृपसंभु
३९ नूर
४० नाथ
४१ नरेस
४२ नागर
४३ नवीन
४४ नरेन्द्रसिंह (महाराजपटियाला)
४५ पदमाकर
४६ प्रेम
४७ प्रवीन
४८ पारस
४९ पंगु
५० पजनेस
५१ परमेस
५२ परसाद
५३ पीतम
५४ बेनी
५५ प्रतापसिंह जी (महाराजजैपुर
५६ भगवन्त
५७ ब्रज
५८ ब्रह्म
५९ विजय (राजाचरखारी)
६० बेनीप्रवीन
६१ बलभद्र
६२ बोधा
६३ बलदेव
६४ बीर
६५ विजयानन्द जी पंडित
६६ महेसजू (राजाबस्ती)
६७ मतिराम
६८ मनिकंठ

६९ मसारख
७० महाकवि
७१ मीरन
७२ मण्डन
७३ मणिदेव (काशीनिवासी)
७४ मनिलाल
७५ मनि
७६ मारकण्डे
७७ मधुसूदन
७८ रघुनाथ(महाराज काशिराजके [कवि)
७९ रसीले
८० रसराज
८१ राम
८२ रिषिनाथ (ठाकुरकविके पिता)
८३ रसरूप
८४ रसखान
८५ रसिया नजीबखां (सभासद् म-
[हाराजानरेन्द्रसिंह पटियालाके)
८६ रतनेस
८७ लालमुकुन्द
८८ लाल

८९ ललित
९० लच्छीराम (प्राचीन)
९१ सेख (रंगरेजिनि)
९२ सरदार
९३ संभु
९४ सेवकराम (ठाकुरकविके पौत्र)
९५ साहबराम
९६ सुमेरहरी (बाबासुमेर सिंहजी
९७ सुन्दर [साहबजादे)
९८ सेखर(महाराजपटियालेकेकवि)
९९ सोभ
१०० सुखदेव
१०१ ससिनाथ
१०२ सिंह
१०३ संकर (सेवककविजीके भ्राता)
१०४ शिव
१०५ सिरोमनि
१०६ हरिऔध
१०७ हनुमान (काशीनिवासीसगि-
[देवजीकेपुत्र)
१०८ हरीचंद (बाबूभारतेन्दु)

॥ सुन्दरी सर्वस्व ॥

——0०0——

श्रीगणेशजी सहाय ॥ दोहा ॥ सुमनकुंजबिहरतसदाँ
हैगलबाहींलाल। बन्दोंचरनसरोजतिन जुगुललाड़िलीला-
ल ॥ १ ॥ जिनव्रजवीथिनमैंसदाँ विहरतस्यामास्याम। सक-
लमनोरथमंजुमम तेपुजवहुसुखधाम ॥ २ ॥ श्रीराधाबाधाह
रनि करनिसुमंगलमूल। भूपप्रतापद्विजेन्द्रपैं सदाँरहहुअनु
कूल ॥३॥ दाताज्ञातासुघरबर जनत्राताअवधेश। तापैं कृप
याकीरयुत निरखहुतुमहुँ ब्रजेस ॥ ४ ॥ चिरजीवीरहिवो-
करो भूपप्रतापउदार। जबलौंरविससिगगनमहँ बिचरहिँ
तमहिँविदार ॥५॥ कविकोविदकोकलपतरु बीरधीरअवनीप
धर्मकर्मजुतराजहौ दूजोमनहुंदिलीप ॥ ६ ॥ तासुहेतुमैंच-
हतहौं करनग्रन्थनिरमान। कविकोविदहूरीझिहैं जेहैंर-
सिकमहान ॥ ७ ॥ पहिलेमैंकीन्होरच्यो तिलकसुन्दरीरूप
भूपप्रतापबिनोदहित अबसुन्दरिसरबस्व ॥ ८ ॥ हैप्रधानसब
रसनमैं रससिङ्गारसुजान। सोउपजततियपुरुषतें सबकवि
करतबखान ॥ ९ ॥ तातें प्रथमहिंनायिका नायककहवसमो
द। जिनतेंरसिंगारको बाढ़तबिबिधबिनोद ॥ १० ॥ ति-
हिंअन्तरपहिलेकरत नखसिखसहज[illegible]मुनिपाछे सब-
कहहुंगो भेदबिन[illegible] सम्बतभुजश्रुतिनिधिमही
मधुमासरुसितपच्छ। शनिबासरशुभपञ्चमी किन्होग्रन्थमत-
च्छ ॥ १२ ॥

॥ अथ चरण वर्णन ॥ छन्द सवैया ॥

कोउकहैजपाजावकरंगको कोउकहैअरुनाईसहावको
कोउकहैगुललालागुलालको कोउकहैरँगरोरीकेआवको
प्यारीकेपायनकोउपमा द्विजकोंसबजानपरीजिमिखावको॥
पंकजपातकीबातकहा जिनकोमलताल‍ईजीतिगुलावकी॥१
एउनकोउनसैअनुहार्योन हार्योनमानहियेसरमातहैं। पंकजकेबीचपरेसरसै नड़ बेसरमैएफुलावतगातहैं॥ अंटनहींकहूंयाछबिसों रबिसोंकरजोरेखरेहहाखातहैं॥ राधेजुघोवतपाँवतिहारेहीं कौलधौंकाहेकोंअैंठसेजातहैं॥ २॥ कोहरकौलजपादलविद्रुम काइतनीजोवँधूकलैकोतहै। रोचनरोरीरचीमेहँदी नृपसंभुकहैंमुकतासलपोतहै॥पाँयधरैढरैईगुरसो तिनसैलनिपायलकोघनोजोतहै। हायहैतौनिलोंचारिहूंओरतें चाँदनीचूनरीकेरँगहोतहै॥ ३॥ विंबप्रवालबँधूकजपा गुललालागुलाबकीआभालजावति। संभुनूकंजखिलेटटके किसलैबटकेसटकेगिरागावति॥पाँवधरैअलिओरजहाँ तिहिँओरतें रंगकीधारसीधावति। मानौमजीठकीमाठढुरी एकओरतें चाँदनीबोरतिआवति॥ ४॥ सीसजटाधरिनन्दनमैं मुनिइन्द्रनमैंबहुकालबिताए। बल्कलचीरलपेटिशरीर महासुरतीरथनीरनहाए॥ आठहूंजामसहीहिमघाम सुरं‍न्ध्रासहूंकामबढ़ाए। यौंकलपद्रुमकोटिउपाय कियेतुवपाँयसेपातनपाए॥ ५॥ जिनसोंहैँकहाचलीपंकजकी जोसकैसमह्वै कहूंखावमेंहै। जबचन्दनखावलीदेखिचख्यौ तबजोतिकितौसहतावमेंहैं॥ कमलापतिप्यारिकेपा

यनकी समताकौंनहींकछुज्वावमें है । तहँआवगुलावकौ-
कौनकहै नरहीलखितावसहावमें है ॥ ६ ॥

॥ अथ भूषनसह पदअँगुरीवर्णन ॥

चम्पकलौदलहूतें भलौ पदअंगुलीबालकौरूपरसे हैं । सु
असुवेसलसैंनखयौं जनुपीतसकेहगदेवलसे हैं । बाँकेअनौटवनी
बिछियान विभूषितजोतिजरावगसे हैं । केसवसोससरोजनि
ऊपर वोपिसनोतनचानकसे हैं ॥ १ ॥ राधेकेपायनकीअँगु-
री मेहँदीसोंरँगीसोभएनवरातहैं ॥ कैनृपशंसुजूईंदवधू जु-
रिबैठीसिहीजेसरोजकेपातहैं ॥ कैवटकेटटकेवरपानपैंआरे
केफारेप्रवालसुहातहैं ॥ कैधौंचकोरनचोंचदयौ चिनगारी
केधोखेचुनीनचवातहैं ॥ २ ॥ कैसोसुढारगढ़ोहैसुनारसु
कोरदवायदईवहुँ याकी प्यारीकेकोमलपाँयनकीअँगुरीनर
हीढरिरंचकबाँकी ॥ कंजनकीपँखुरीनचढ़ी जुहीफूलिरही
हैमनोसुखमाकी । सानसयानसबैचुटकीन उड़ावतिहैचुट-
कीललनाकी ॥ ३ ॥

॥ अथ पिँडुरीवर्णन ॥

गोरीगुलारीसुढारसौसाँचेकी देखतदेहिनकोमलका-
की । रंभकुसुंभकिधौंहैकिधौंछबि छौनतकंचनकेकलिकाकी
कामगढ़ोवड़हीहै किधौं रतिकेरतिकौवेकोंपापलिकाकी ॥
तोषविलोकिबिलोचनमैंन बस्योबलिपींडुरीयामलिकाकी १
बरगोलसुडौलवनेहैंअमोल ढरेमनोसाँचेसुभायनसे । अस
ऐजगहैजिनकोंलखिकै नहिंहोतमनोजकेचायनमे ॥ कम
लापतिकामचितेरहूतौ नसकैलिखिकेहूँउपायनसे । असपे

खतप्यारीकेगुल्फनकों लगैंकुल्फनकौनकेपायनमे ॥ २ ॥

॥ अथ जंघवर्णन ॥

जानकिधौंहैरतीरतिनाथको सोनकेजोनरच्योपचवाजु है। बानहैफावतआनकेमानहै कीकदलीबिपरीतउठाजुहै ठानहैंऐसेनहींकरिकेवार तोपचितैजेहिंकाह्विकाजुहै। कानकरैंयहसौतिनके परमानसेप्यारीसुजानकीजाजुहै ॥ १ कैबिधिकंचनगारसिँगारकै दीन्हे वनायअनूपसरंगके। कै-कदलीउलटेह्वै बिराजत कैकरिसुंडदिखातउमंगके ॥ ऐसी लसैउपमातिनकी द्विजभापतहैंसुभायप्रसंगके। प्रानप्रि-याकेसुराजतएदोउ जंघकिधौंहैंनिखंगअनंगके ॥ २ ॥

॥ नितम्ववर्णन ॥

खाड़िलीकेबरनैकोनितंबन हारिरहीरसनाकविजेतके कैनृपसंसुजूमेरुकीभूमिसें रेतकेकूराभयेनदीसेतके ॥ कैधौं-तमूरनकेतवला रँगिओंधेधरेकरिरंभाकेलेतके। कंचनकी चकेपायेमनोहर कैभरनाहैंमनोजकेखेतके ॥ १ ॥ त्रिवली-तटिनीतटकीपुलिनाई कोजवहिजाइकवौंफविमे। जनु-चक्रकुँभारजुवाकेथलो छिपेवावरीबीचपरेदविमे। गतिमं दकेपोछोचहैरिसलै हरिसेवकसोछोचहैनविमे ॥ सुघराई सुकामबिरंचिकोहै तियतेरेनितंबनिकीछविमे ॥ २ ॥

॥ अथ कटिवर्णन ॥

रंचकदीठिकेभारलहे वहुबारविलोकनिईठिअनैसी। टटिहैलागिहैलोकअलोकत वैहठकूटिहैजूटिहैकैसी ॥ मौन वहैव्रजदेहमैलागति देखिपरैनहींआँखिनजैसी। तैसीहै-

सूच्छमकामोदरीकटि केहरिकोहरिलंकनाऐसो ॥ १ ॥
सिंहभसैबनधाँवरीदेतऔ ताँवरीझ्कीभईकरिखेदै। संभु-
भनैचससाचखदैके बिरंचिरचौविसराइकैबेदै। राधिकालंक
कोसंकरदौजनि संकरहोनहींजानतभेदै। जोमनहैपरिमा-
नसलान निगोडीतजतिहिंमेकरेकेहै ॥ २ ॥ हैतनहींमेल-
खातिनहीं बरबूझियेजायतौहैंसबसाखो। मानिलईसबही-
अनुमानकै पेखौनकाहूपसारिकैआँखो। जानतसाँचौकैया-
तें जहाँन जोआगेतें बेदपुराननिभाखो॥ ब्रह्मलौंसूच्छम-
है कटिराधेकि देखौनकाहूसुनौसुनराखो॥ ३ ॥ जोकहिये
बिधिनाहींरची सिखतें धरक्यौंपगकोसंगलीन्हो। जोकहि-
येकिबिरंचिरचीहै तौदेखौनजातिकितोहगदीन्हो॥ कीन्हे
विचारनआवैसनै नृपसंभुभनैतब्रमोमतिचीन्हो। जोचित-
चोरकोचित्तचुरावत राधेकेलंकलोकंजनकीन्हो॥ ४ ॥ प्या-
रीकेगातवनाइवेकोंबिधि मागिलईद्युतिदेवनअंगकी। आ-
ननमैससिराखिदियो हरिबासकियोरचिभौंहनिभंगकी ॥
आपनेआसननैनरचे नृपसंभुजूबैनसुधासवसंगकी। मागसुरे-
सडरोजलहेस बलाहककेसनिलंकअनंगकी॥ ५ ॥

॥ पीठि वर्णन ॥

दासप्रदीपसिखाउलटीकी पतंगभईअवलोकतिदीठिहै।
संगलमूरतिकंचनपत्रकी मैनरचीमनआवतनीठिहै। काटि
कियौंकदलीदलगोभकौं दीन्होजमायनिहारिअगीठिहै ।
काँधतें चाकरीपातरीलंकलौं सोभितमानौसलोनीकिपीठि
है ॥ १ ॥ सोभासुमेरुकीसंधितटी कियौंमैनमवासगढ़ीसकी

घाटी। कैरसराजमवाहकोमारग वेनीप्रवाहसोयौंहगठा-
टी। कामकलाधरिकैपदईकिधौं पीतमप्यारेसढ़ावनपाटी।
जानकीपीठिलखेंघनआनद आननआनकेहोतिउचाटी ।२॥
मानोमनोजकीपाटीलिखी हितमंचनकीपरिपाटीबसोठिहै।
जातिउनैउनैकांतिकेभारनि जातिदुनैदुनैजोपरैदीठिहै ॥
गोकुलवालकेअंगबिलोकिहौ औरनकीतबप्रीतिउबीठिहै ।
कंचनकेकदलीदलऊपर सोवतिसाँपिनिवेनीनपीठिहै ॥३॥

॥ अथ नाभीवर्णन ॥

प्यारीकिलाभिहौंसोवरनै जोलड़ायोहैगोरीकेलाडिले
लाड़कै। रूपकोकूपसरोवरसो उपमाकविलोगपुकारतडा-
ड़कै। रोमलताकोकहैंदहला नृपसंभुएहोवरनीनहौं चाड़
कै। धूरिकोकोटमनोभोअनंग रह्योगडिकंचनरेतमैगाड़-
कै॥ १॥ रूपकोकूपबखानतहैंकबी कोउतलावसुधाहीकेसं
गको। कोउतुरंगमोहारिकहै दहलाकलपद्रुमभाषतअंग
को। बारहीबारविचारकियो नृपसंभुनयालतमोमतिसंग-
को॥ सीसीउरोजनतेंसदधार रूमावलीनाभीनप्यालाअनं-
गको॥ २॥ क्योंमनमूढ़छबीलीकेअंगनि जायपर्योरससा-
जिमिभीरमै। ठानीअठानअयानजोआपुतौ ताहीकोंआ-
निसकैपुनिनीरमै। जोबनपूरबिलासतरंग उठैमनमोदउमंग
सरीरमै। सैलउरोजह्वैकूदिपर्योमन नाभीप्रभानदभौंरगँ-
भीरमै॥ ३॥

॥ अथ त्रिवलीवर्णन ॥

प्यारीकेअंगबनावतहौ नृपसंभुजूदेवभयेअनमेखे। कंज-

केसंटकसालजस्यो भयोचंदमलीनअजौंलगिदेखै। लाजमई-
सुरबासमई पद्धितान्योखयंभूमहामनसेखै। दूसरीऔरव-
नाइवेकों त्रिवलीखँचीतीनांतलाककीरेखै॥ १ ॥ एकैकहैंसु
खमालहरैं मनकेचढ़िवेकोसिढ़ीएकपेखैं॥ कान्हकोटोनोक
ह्योकछुकाल कवीस्वरएकयहैअवरेखैं॥ राधिकाकेत्रिवली
कोवनाव विचारिविचारियहैहमलेखैं॥ औरौनऔरनऔ
रनऔरहै तीनखँचायदईविधिरेखैं॥ २॥ उसरेंपटदेखि
परेंत्रिवली गुनैसेवकस्यामहुलासधरैं॥ तियकोसमदूजोन-
हींसुखसोई त्रिरेखलिख्योविधिबासधरैं॥ तिरवीत्रियेरूप-
नदीकोसुजो रसवैसचईकोविलासधरैं॥ हरनैनसोंभीतम-
नोजमनो सरतीनिसुगेहकेपासधरैं॥ ३ ॥ नैनबिसासिनके
सँगगो सुखमालखिवेतियकेअँगअंगमै। ताहीसमैपटनाभि
तटीको गयोउडिसेवकपौनप्रसंगमै। हौसरहीमनकीमनमै
तितजाइपरयोमदकेउतमंगमै। बूड़िगयोमनमेरोभटू त्रिव-
लीवलिरूपनदीकीतरंगमै॥ ४ ॥

॥ अथ रोमराजी वर्णन ॥

जोवनवाहरआयोनहीं तनभीतरहीवढोआभाअपारसो।
ज्योंनृपसंभुजूकाँचकेकुंभ धरीकछुचीजलखीपरैबारसो।
आमिलमानोउरोजकढीं चहै सायतकामधरेसुभसारसो।
ऐसोरूमावलीदेखीपरै ज्योंधरीपरैअंजनरेतकोधारसो॥१
मनोहरअंगकीभाठीरची रिसुताईजराईअनंगकलार। भ
नैनृपसंभुजूदीपतिज्वाल अँगारसेराजतलालकेहार। लसैं-
सिरवारज्योंधूमकोधार वन्योतरेंभाजननाभीसुढार। ढ-

आवलीकंचनकुंभउरोजन तें सनीन्हें चलीचारसवधार ॥ २ ॥
कैनिधिछौरकेवीचलैजाय कलिंदीकोनीरनयोकरको । नृप
संभुजूकैधौंसरालकोमालकै वीचभुजंगलग्योसरको । वड़ेको
तीकोहारलसैकुचदूपैं रुमावलीतें तरकोंलरको । किधौंगं
गकेसंगसुमेरसिला वहिपातरोलाग्योजटाहरको ॥ ३ ॥
कनकाचलअंदरअंदरतें निरवातसिंगारलतालटकी । ति-
यरुमावलीकिधौंसंकरद्वै लखिवालभुजंगिनिह्वैठटकी । च-
कवातकिकैकविलालमुकुंदजू मोरसिवारदईफटकी । किधौं
मैनमलंगचढ्योथलितुंग जंजीरअरीनपरैखटकी ॥ ४ ॥ पा-
रसीपाँतिकीपीपरपत्र लिख्यौकिधौंसोंहिलीसंचसुहावली ।
तोषकिधौंअधरारसकोंचली नाभीथलीतें पिपीलिकाआव-
ली । कोउककालकिसानवई सोजमीकिधौंवेलिसिंगारकी-
साँवली । हावलीबावलीसोंतैंभई लखिरोलवावलीतेरोरु-
मावली ॥५॥ जोरतिनायककोहरो हठिनैनहुतासनजोति
जरायो । सोतुवनाभीसुधासरसें निजअंगअँगारनआयबुका
ओ ॥ तासधितें मृगलोचनीसेचक धूमसमूहउठ्योसनभायो ।
सो ईरुमावलीकोछलपाय दुवोकुचकुंभनवीचआयो ॥६॥ रू
पकेरासिकीरूपरुमावली जंनकेलंनकेतंनकेतारसी । प्रेमज
प्रानतें प्यारीलगी अँधियारीलगीअँखियानकोंआरसी । आल
वलीनवलीअवली पिकवेनीचिवेनीकेवेनीकेवारसी ॥ कञ्चनके
गिरिकंचनभूमिपैं धूमरीधूमरीधूमकीधारसी ॥७॥ जोवनफू
ल्योवसन्तलसै तेहिंअङ्गलतालपटीअलिसेनी । नाभीविलोक
तजातसुधाकों थकीसुखदेखतनागिनिवेनी । राजतरोमन

कीतनराजिव है रसबीजनदीसुखदेनी। आगेभईप्रतिबिम्बितपाछेविलम्बितजोलूननैनीत्रिवेनी ॥ ८ ॥

॥ अथ कुच वर्णन ॥

सोनेके चूरनसैंचसकै किरचैंसीउठैछविपुंजभावा के। हानलेतबिरौलइकै मखतूलकेफूलनजोरजवाके। गंगबड़े बड़े मोतिनकेसंगसोहतथोरेथोरेकुचवाके। अंडनिकेसनोमण्डलसध्यतेहैंनिकसेचकुलाचकवाके॥१॥ उरमेउलहेसुलहे ह्वैउरोज सरोजकरैंगुनदासवके। नृपसंभुजूकुंभीकेकुंभलहा समकीजैबँधेरहैंपासवके। फलश्रीफलकेकहेंआवतिलाज कहागिरिस्टङ्गहैंवासवके। सुमनोछविअंगअनङ्ग धरे उलटायपियालेहैं आसवके ॥ २ ॥ जगजोवनकोफलजानिपर्यौ घनिनैननिकोंठहरैयत है। पद्माकरज्योंहुलसैपुलकै तनसिंधुसुधाकेअन्हैयत है। मनपैरतसोरसकेनदसै अतिआनदसैंमिलिजैयत है। अवजूँ चउरोजलखें तियके सुरराजकेराजसोपैयत है॥ ३ सोईहुतीपलँगापरबालखुले अंचरानहिँजानतकोज। जूँचेउरोजनकंचुकीऊपर लालनके चरचेहगदोज। सोछविपीतमदेखिछके कवितोपवाहैउपमायहहोज। मानोमढ़ेसुलतानीवनातमे साहमनोजकेगुंमजदोज॥ ४ ॥ कोऊकहैकुचकंचनकुंभ सुधारससोंभरिराखेहैंवोज। श्रीफलसंभुसुमेरसमान मनोजकेगेंदकहैंकविकोऊ। सोमनमैउपमाअसआवति भाखतहौंपुनिहोउनाहोज। जीतिसबैजगओंधिधरेहैं मनोजमहीपकेदुंदुभीदोऊ ॥ ५ ॥ कंचुकीमाहकसेउकसेपरैं कामिनीउँचउरो-

जतिहारे। दत्तकहै जनुविश्वविनैकारि मैनधरेउलटकैनगारे। जोबनजोरकढेहियफोरकै औरहीतें एकठौरनिहारे । गैं दकैगुंसजकैगिरिकैगज कुंभकेगर्वगिरावनहारे ॥ ६ ॥ श्रीफलकंजकलीसिविराजत कैविविसौनीवसेढिगगंगके । कैगिरिहैलकेसंपुटसोनेके राजतसंभुसनौं रसरंगके। कैजु गकोककैसोकविमोचन कैधों सिलीमुखसैननिषंगके। कैधौं रसालकेतालफलेकुच दोजमहालजगीरअनंगके ॥ ७ ॥ कंजकेसंपुटहैंपैखरे हियमैगडिजातज्यौंकुंतलकोरहैं। मेरु हैंपैहरिहाथनाआवत चक्रवतीपैवडेईकठोरहैं। भांवती तेरेउरोजनसै गुनदासलखेसवऔरहीऔरहैं । संभुहैंपै उपजावैंमनोज सुवृत्तहैंपैपरचित्तकेचोरहैं ॥ ८ ॥ वैध- रें अंगभुजंगकेभूखन येहूभुजंगरहैंहियधारे। वैधरैं चंदसैं वारिकैभालमै येकनखच्छतचंदसँवारे। संभुकीऔकुचकी समता कविकोविदभेदइतोईविचारे। संभुसकोपहै जाल्यौ मनोज उरोजमनोजजगावनहारे ॥ ६ ॥ ठाढ़े रहैंदृग- आसनकै कुटीकंचुकीकेपटखोलतना । मालसुगंधप्रवाहबहै तेहिंमेंडठिनेकुकलोलतना। कारेभएकरिङग्गकोध्यानजु लाएतें काहूकेडोलतना। येतपसीद्वै गरूरभरेदुनियाँतें द यानिधिवोलतना ॥ १० ॥ यौवनछत्रपतीकेमनोसर कंचन- कुंभसों आनिछएहैं। कामकेवासमनोसिवकेसिर कामिनी सुंदरबुंदरएहैं । श्रीफलमैंमनोकोउविहंगम कौंलनकेदल- तोरिगएहैं। लालीअलीकुचअग्रनकी लखिनूरसुलालनचूर भएहैं ॥ ११ ॥ लाडिलीकेकुचदेखतही सिरनायसरोज-

लगायविछूरत । दाडिमकोहियरोफटिजात गवैकहूं कंचु
को छोरकोंभूरत । संभुसतावतहैं जगकों हैं कठोरमहा-
सबकोमदहूरत । छूहकैकैकरसारैं लहो लखिकुंभनवारन
छारनपूरत ॥ १२ ॥ रूपअनूपबनीसखीआज सुतानप-
भानकोपानसोभूपर । पूरनभागमहामनिकंठसो वारोक-
छाहूनसोहनीजूपर । रीझिरँग्योअँचराकुसुभीं हूंसिडोलत
वातलगें कुचऊपर । लालधुजामदारम्भनको फहरातिमनो
गजराजकेऊपर ॥ १३ ॥

॥ कुचकंचुकी सहितवर्णन ॥

मधुराकाकिरातिसखीजुरिराधिके उज्जलभूषितनूपु-
रलौं । अवलीसवरीचकफेरीफिरैं नपरैडिगपाइतसूपर
लौं । अँगियाअुनकारीखरीसितजारीकी सेदकनोकुचदूपर
लौं । मनोसिंधुमथेसुधाफेनवढ्यो सोचढ्यौगिरिसृंगनिऊप
रलौं ॥ १ ॥ जौतिवेकोंरतिकेलिहरीलसे आएमनोजमहो
पतिकेहै । देखतवाढ़ कठोरमहा जिन्है कातरताईकहूं
नगईछुवै । बीचहरामनिकोकिरनै नहथ्यारनकोसनिजो-
तिरहीछुवै । जालीकिअँगीकसीयों उरोजनि मानोसिप्राही
सिलाहकियैहै ॥ २ ॥ लोचननीरजदेखिनअेछवि दन्तनदा
मिनिकोदफनी । वेनीवनीसोमनोमनिकाज पद्मौससिपै फ
नफाटफनी । पीनपयोधरऊपरहै दरकोअँगियाउपमाउफ
नी । राजसोलूटिकैमैननरेस महेसकोंमानोदइकफनी ॥३॥
असराफअसोलखुमालीखरे जिनकोंपरदेकोसदाँसरसैं । उ
वटेचुपरेरँगकेसरिके जिनकोसमतानचमीकरसै । उरपै

अतिखासीखुली अँगिया कविसाहबरामलगेभरमै । सिर आदेलनोखुवसूरतसे सिरटोपीदैबैठिरहेघरमै ॥ ४ ॥ रज नीमधिप्यारीनेगौनकियो निरखीअँखियाँपियरंगभरी । कवि आलमरंभनकीमलक्यो रतिलालचहूँ हियलायहरी । खरी खोनहरेरँगकीअँगिया दरकोप्रगटीकुचकोरसरी । अस कैजुगजारसिवारनमै चकवानकीचोंचैमनौनिकरी ॥ ५ ॥ प्रातसमैवृषभानसुता चलिआवतहीजमुनाजलन्हाये । नीर सोंचीरलग्योसवदेहमै दूनीदिपैछविअोपवढ़ाये । दरियाइ किकंचुकीमैकुचकीछवि योंकलकैकविदेतवताये । वाज केत्रासलनोचकवा जलजातकेपातमैगातछिपाये ॥ ६ ॥

॥ अथ हारवर्णन ॥

आजगुपाललखीवहवाल प्रभाकीमसालसीकामगढीहै अंचलखोलैनकंचुकीअंगसों संभुकहैदुतिदूनीचढीहै । मो तीकेहारलसैंकुचबीच रोमावलीतेझिलिजोतिवढ़ीहै । मानोसुमेरहिंअंगकैगंगलै भानुतनूजाकोंसंगकढ़ीहै ॥१॥ दानेमनोहरमानधरे वहुदोपतिताकीकहाकहैवारिकी । संभुजूमंजुगुहेगुनसों उरडारतऔरैवढ़ीदुतिनारिकी । ला लकेहारलसैं उरयों कैरूमावलीवेलिलखीहैउजारिकी । मानोसुमेरकेरंगनतें उतरीदरीआवतिपाँतिदवारिकी ॥ २

॥ ग्रीवावर्णन ॥

कंबुबिलोकतहीजिहिंकों दुरयोजायकैदूरकहूंकोउतालहै । सौतैंबिलोकिभईहैंबिहाल कपोतनकेकोकहैजसहालहै । जा निपरीद्विजकोंउपमा तिहिंभाषतहीमनहोतनिहालहै ।

प्रानकोपीकलसैतियकंठ मनोपोखराजसिसोरंगलालहै ।१।
लखिकैवहिप्रानपियारीकेकंठकों कंबुलईसुधितालनकी । ति
हुंलोककीसुन्दरतालैचिरेख दईविधिजोतिकेजालनकी ।
कमलापतिकौनवखानिसकै छविछीनतमानिकमालनकी ।
द्रुमिगोरेगरेलसैपीकसनो द्रुतिलालगुलूवंदलालनकी ॥ २॥
किधौंरूपसरोवरमेतेंकढ्यो लसैकंवुभरयोसुरसातकोहै ।
किधौसांवरेनूगुनरावरेको याकपोतफंद्योवड़ीजातकोहैं ।
सुसरेसनूकीधौसुकोकिलाकोसुरसाधिधर्योविधिहातकोहै
।वरकंठमैगोरीकेकंठालसै सुकतारनतारनकाँतिकोहै ॥३॥

॥ करवर्णन ॥

राधिकारूपनिधानकेपाननि आनिसवैछिंतिकीछविछा
ई । दीहअदीहनिसूछमथूल गहैहगगोरीकीदौरिगोराई ।
मेहँदीलसैंबुंदवनेतिनलै मोहनकेमनमोहनीलाई । इन्दवधू
अरविंदकेमंदिर इंदिराकोंमनोपूजनआई ॥ १ ॥ वैठीसवै
दधिराधाउतै कछुडोलतनंदललाचितचायकै । वंकविलो-
कनिझांकतिज्यों कोउजानतनावँधरैनावनायकै । काढ़त-
माखनताखनमै मेहँदीकरवुन्दरहीछविछायकै । छीरसमु
द्रमैडोलैममारख इन्दवधूज्यौंसुधासोंअन्हायकै ॥ २ ॥ क-
रतारकरेइहिंकामिनीकेकर कोमलताकलतालुनिकै ।
लघुदीरघपातरीथूलोतहीं सुसमाधिटरैसुनिकैसुनिकै । ति
नमैमेहँदीनकेवुन्दवने यहतोषकहैउपमागुनिकै । सखिला-
लसरोजकेपातमनोज विसातीविछाईचुनीचुनिकै ॥ ३ ॥
लाडिलीकेकरकोमेहँदी छविजातकहीनहींसंभुस्वरूपर ।

भूलिहू जाहिविलोकतही गडिगाढे रहैं अतिही दृगदूपर। कुन्दवधूवटकेटटकेदल बैठीविछाइज्यौंकंचनरूपर। बाँधील लोरँगरेजसनोजजु चूनरीनीरजपातकेऊपर ॥ ४ ॥

॥ कलाइवर्णन ॥

चुरियानहू मैंचपिचूरभयो दविछंदपछेलिनघाईकहू। सबुसैनकुँभारसुकंचनको भृतिकालैसुसंनिवनाईकहू। हरिसेवकैज्यायोचहैतौसुनै जदिसौंधीसुधाजियज्याईकहूँ। लखिपाईकलाईतेरीजबतें तवतें उनकौंनकलाईकहूँ॥ १ ॥
दौठिपरीनदलालैकहूँ नयभानललीकोसुश्रेकलाई। ताछिनतें तजिखानऔपान सुहायरीहायरहैगजिलाई। औसीदसालखिकैउन्हको सबुआयोरसीलेतवोनाकलाई। चूनतहैंत्रजवीथिनलै रटलायरहेहैंकलाईकलाई ॥ २ ॥
सुन्दरसूधीसुगोलरचीविधि कोमलताअतिहीसरसातहै। त्योंहरिऔधजराबजरेखरे कंकनकंचनकेदरसातहैं। चूरीहरीविलसैंजिहिमें तिहिदेखिहियोसबकोहुलसातहै। औसीकलाइलखें विकलाई भईकलआइनहींदिनरातहै ॥ ३ ॥

॥ बाहुवर्णन ॥

गिरिराजधरीजनकीसरहह विराजतकंचनकीभुवभासी। हारहमेललरंगनसंग सुमेलसुधारसकीसरितासी। गोरीसुभायहीभायभतारी सरूपसहाठगकीजुगफाँसी। कामसहीपभुजाकीभुजा तुवकोमलवालमृनाललतासी ॥१॥
दूरितेदीपतिदेखतही प्रतिपच्छवधूनकेहोतरजाहै। वारमयोधिघटानकेबीच जुरीबिजुरीकोमनोतनुजाहै। याछवि

सौंसरसातमनोहर राधिकाकीअँगिरातिसुजाहै। कान्ह केआननअंकितअंकित जेनकीमानोविजैकीधुजाहै॥ २ ॥

॥ मुखवर्णन ॥

दृगभौंरसैहै कैचकोरभए जेहिठौरपैपायोवडोसुखहै। लहरैंउठै सौरभकीसुखदा सच्योपून्योप्रकासचहूँरुखहै। ठगिसेरहैसेवकश्यामलखे सपनोहैकिधौंयहसौंतुखहै। वनश्रंवरसेश्ररविंदकिधौं सुचिहूदुकैराधिकाकोमुखहै॥१॥

दिनरैनिसेभावनकेरचैगोत उदोतमईनितजान्योपरै। हरकेढिगश्रंगश्रनंगसदैं सुखसंगपैकोकसेसान्योपरै। हरिसेवकभाँवतीकोमुखयों श्रुतिवंतहै चोरपिछान्योपरै। भोसुधाछविसिंधुतैं सोश्ररविंदसों दूदुसोकैसेवखान्योपरै॥२॥

सूरसोंलागिप्रभाप्रतिपून्योकि छीरसमुद्रमेंजाइन्हात-है। उज्जलकैकरनीश्रपनी रघुनाथकियेरँगलालविभातहै रोजकीहारिचितैंसशिप्यारीसों जीतिवेकोंकितनोललचात है। कौनकथाकहियेसुखदेखत न्यायसोंचंदहुपेदहै जातहै३।

फूलेहूफूलनकोंतुमसोंहि पठावतीफूलेजितैसतपातहैं। फूलसीजातिहै होंहूँतितै कारतोरतफूलनमेंरेश्रघातहैं। राधेजूताकोंकहाहौंकरौं इनसोचनमेंरोतोकाँपतगातहैं। फूलेहूफूलहौंलावतीहौं सुखदावरोदेखिकलीभयेजातहैं॥४॥

॥ बानीवर्णन ॥

सोठीश्रनूठीकढ़ैंवतियाँ सुनिसौतिनकीछतियाँदरकीपरै। कोकिलकूकनिकीकाचली कलहंसनहूकेहियेधरकीपरै। प्यारीकेश्राननतेंरौकढै तिहिंकीउपमाद्विजकोंफरकी

परै। धारसुधारसुधाधरतें सु मनोवसुधामैंसुधाढरकोपरै ॥१॥ फूलनसोंझरिस्फूलहरै हरिजीवनमूलहै औनकेईठौ । दूरिलौंदौरतदंतनकीदुति ज्योंअधराउधरैअतिनीठौ । तोषसरौसुसकाहटसोद सुहोतहैसौतिसबैलखिसीठौ । जखपियूषमयूपकोभूख मिटैवातिआवतियाँसुनिमीठौ ॥ २ ॥ आजुलखौललनापढ़िवेमे कहाकहौंमैहूंभयोअनुरागो । वारकतोपहिलेसुनलेतिहै सुन्दरबोलगुरूतेंसभागो । अन्तरह्वैसु हतें सुनियेउचरैफिरिबोलसुधारसपागो । सोहतयोंसु पढ़ावनहारकों आपुहीमानोपढ़ावनलागो ॥ ३ ॥

॥ अथ दंतवर्णन ॥

दाडिमदेखितपोवनसेवत मानिकसिंधुसमायगएहैं । मंगलकेकुलकेमनोबालक नूरकहैएअकासछएहैं । दूतरूनोरँगदंतनतें सु सुनीनहूंकेमनमोललएहैं । लालकहाउपमावरनौ रदलाललखें रदलालभएहैं ॥१॥ पाँयधुवावतहौ नदलालसों औंठिअमेठनरंगभरौसो । चारुमहाकविकोकवितासो लसैरसमैदुलहौउमहौसो । सोवोकरैसोअवानकेआवत देहँदिपैदिननेहज्यौंसौसो । दंतनकीदुतिवाहिरह्वै मरजाहिरहोतिजवाहिरकोसो ॥ २ ॥ वारिजमैबिलसैंअलिपाँति किधौंअलिअच्छरमंत्रवसीके । मैनमहीपसिंगारपुरी निजबांहवसाईहै मध्यससीके । आनदसोंदरसोदसनावलि स्यामिसोमिलिसौलसीके । फूलनकीफुलवारिनमै मनोखेलतहैं लरिकाहबसीके ॥ ३ ॥ घुंघुटओनेदुकूलकोभूलें भूकैंदगबंकितकाननह्वै ॥ जगमोंहनकोचयक्योमनमोहन

ओठनलालरह्योरँगवै। चंदहूँदेतखनागरिकोसुख चोपन
कौउपमातवहै। तिलिरावलीसाँवरेदंतनकेहित मैनधरेस
नोदीपकहै ॥ ४ ॥ कोवरनैउपमाकविगंग सुतोहीसेहैंगुन-
अरवलीके। वादिनतेंदरसेसुखआनिसों कान्हभएवसतेरीहूँ
सीके। चंदसेआननसैछविछाजत ऐसेविराजतदंतमिसीके
फूलनकीफुलवारिमसै मनोखेलतहैंलरिकाहबसीके ॥ ५ ॥

॥ अथ अधरवर्णन ॥

लालनकेमनतेंजिनको छिनएकननेकुछुट्योविसरासहै।
विद्रुमसेतिनओठनको वरनैंरसराजसुतोमतिकामहै। जो
मतिमानिसुधाजलतें हरिकोअनुरागमहारसिवालहै। ढा
रिकैहैमसुधाधरसाँचे रच्योविधिनैअधराअभिरामहै ॥ १॥
हैठविचारिविरंचिकियो रचिअंगसुढंगसवैउपमानको। हे
रतहीविरहानलव्यापिहै कोपुनियापिहैप्रानप्रमानको।
हैवसुधाजैनऔषधिआन सुमेरहरीसुभऔसुखदानको। च
न्द्रवहेटिससेटिसुधारस कौन्होतवैतियकेअधरानको ॥ २ ॥
वरविद्रुमसैअहोलालीहूतौ कहँकोमलताजपाऐसोगहै। क
हँलालसैलालप्रकासहूतो ममताकहँवापुरोविंवलहै। कहाँ
जपलयूपसएतोमिठास पियूषहूनाहरिऔधकहै। जितौचा
रुताकोमलतासुकुमारता माधुरताअधरामैअहै ॥ ३ ॥

॥ ठोढ़ीवर्णन ॥

आरसीअंकुरनोअसिंगारसौ कौवरहोपरकारनिसानौ
कैविरहीनकेहायकोदाग अहैवदनौलकनौअनुमानौ। कीच
कैछन्दसेहैतमकंद कलिंदजाबुंदलसैदरसानौ। नेहमईतिल

ढोढ़ीकिगाड़ले पेरिदईसलुप्रेमकोबानो ॥ १ ॥ ष्यानसयोज बते तबतें तिय एकलखोमनिआपअतूलमै। दामिनिज्यौंज सुनाग्रतिबिंबित यौंझलकैतननीलदुकूलमै। देखतहीसुखदे खेबिनादुख जायपरीकितते उतभूलमै। ठोड़ीपेंस्यामलबिंदु गुपाल लसोअलिबालगुलाबकेफूलमै ॥ २ ॥ प्यारीकिठोढ़ी कोबिंदुदिलेस किधौंविसरामगुबिंदकेजीको। चारुचुभ्योक- निकासनिलीलको कैधौं जमावजम्योरजनीको। कैधौंअनंग सिंगारकोरंग लिख्योवरलंबरूवकोकरपीको। फूलेसरोजसे- औंरीबसीकिधौं फूलसरोमेलग्योअरसीको ॥ ३ ॥

॥ नासिकावर्णन ॥

बनवासीकियेसुकपीठिनिवासी तुनीरजोबीरविलासिका है। तिलफूलप्रसूनहूं खेतगिरे गुहासेवकसिद्धनिवासिका है भुवतेगसुनैनकेबानलिये सतिवेसरिकीसंगपासिका है। बहु भावनिकीपरकासिका है तुवनासिकाधीरविनासिका है ।१। लदसातीलनोजकेआसवसों अँगजासुमनोरँगकेसरिको। स हजैनथनाकते खोलिधरी कधौकौनधों फंदयासेसरिको। क मलापतिदेदिदेरावरहे लख्योओरनहींद्दहिंकोसरिको ॥ क रिकौनउपायवचौंकेदई सोछिदेधतनेधयाबेसरिको ॥२॥ कुं डलरूपअनूपविराजत ताविचमोतीकीजोतिप्रकासी। सो जगदीसविलोकतआनि गड़ीहियमेनहीजातिनिकासी। जा हिलखेतें फसेमुनिकौसिक एकबच्योजोरच्योअविनासी। रा जतिप्यारीकीनासिकामे यहनथ्थकिधौंमनमध्यकीफाँसी ३।

॥ कपोलवर्णन ॥

नहिँबानियेवौनेविरंचिरचे ससताकहैंलाखनगोलन
की । किलिकाजकेदर्पनकौहौंकहौं कुवसाइनकेसँगतोलनकी
कासलापतिदेखिछकैसेरहे सुधिनेकुरहीनहिंवोलनकी । तव
कैंसेकैभाखिसकैंउपमा अनमोलयेगोलकपोलनकी ॥ १ ॥केस
रिकेसनेचंदकेबीच रचेमनोलालगुलालजुनीगन । यौंउजरा
ईपिराईललाई मलाईहूकेनजुलाइलौहैतन । लोनेसलोनेसेसो
नेसेसोभित होनेनकैसेविधातहुकेधन । लोलतनाहिनैडोलत
लाल सुगोलकपोलनसोललयोमन ॥२॥ नैननगडैंतोगड़ै उनमै
छविलैनकेवाननकौसरसातिहैं । जोकुचकोरकठोरगडैंतो
गड़ोवहतोकठिनैदिनरातिहैं । वेअलवेलेतुहुं अलवेली वि-
न्है सुखलोरइतैमुसकातिहै । कौनअचंभोकहौंयहताके क-
पोलकोगाडहियेगड़िजातिहै ॥३॥ कोरैंहियेंहगकोरहीरा
करी कासोंकहौंकोउहोतनआड़ैं । खेलखरीहुमैटेढ़ियेभौंहैं
रहैंहसेनितरारिसौमाड़ैं । काहूसौंकाहूकोंदौनैउराहनो
आवैंइहाँहलआपनीचाड़ैं पैपलमैमुसकानसमै हमैलेतीहैं
लोलकपोलकौगाड़ै ॥ ४ ॥

॥ तिलवर्णन ॥

रूपकौरासिमैकैरसराजको अंकुरआनिकढ्योमुअहोना
कैससिनैतमग्रासकियो तिहिँकोरह्योसेसदिखातसोकोना ।
प्यारीकेगोलकपोलनपैँ द्विजराजिरह्योतिलस्यामसलोना ।
कैमधुपानपर्योअलमस्त किधौंअरविंदलखिंदकोछौना ॥ १ ॥
लखोआजअचानकइंदुमुखो चलीसामुहेंआवतिहौंकढ़िकै

उघर्‍योपटघूँघुटपौनग्रसंग गेनैनचकोरतहाँलढ़िकै। कलला पतियोंतिलसोभितहोतहैं गोलकपोलछिपैंचढ़िकै। जलुखु न्दरिकोमुखइंदुलसै तिलएकअयंकहतेंबढ़िकै ॥ २ ॥

॥ अथ अलकवर्णन ॥

तीयनदीजलसुन्दरता कुचकोकसुवारसिवारलसै। दृगकं- जतरंगवलीरसरोस दरारेलखैं सुधिसातींनसै। लटकीलट वेसरिकैवनसी मुकुतामनिकंठसुचारोफसै। मनलोहनकोमन मीनविधायकै रीमिकैसानोंमनोजहसै ॥ १ ॥ हैंकचस्याम सोईतनयारवि तेजकढ़ीएकसौतिनवीनहै। कैमधुपावलीमं जुमनोहर बैठिरहीदृगकंजअधीनहै। वंकपरीलटएकदृगं- तर सोछविदेखतप्यारेप्रवीनहै। रूपप्रवाहनदीतटखेलत मैनसिकारीवझावतमीनहै ॥ २ ॥ कनमैंनसुरारविंदुलीदिये भाल सोनैकनमोमनतैंटहलै। मनुइंदुकेबीचमैंकीचअमी अलिवालकआयपर्‍योचहलै। कविब्रह्मअनैंघुघुंरीअलकैं अप नेवलकाढ़नकोंकहलै। जुरिबैठेसयंककेकूलदुहूंदिसि कोज नपैठिसकैपहलै। ॥ ३ ॥ रैनिभनीदीप्रियापलिकापर सोभा समूहइकैठरहीहै। सोछविप्यारेप्रवीनविलोकत आनदसों हियपैठिरहीहै। गोलकपोलपरीलटएक सनेहसनीकछूऐंठिरहीहै। हेतुअसौनिसिपालकेऊपर व्यालवधूमनोबैठिर- हीहै ॥ ४ ॥ औनदलालगोपालकेकारन कीन्होसिंगारजुरा धेबनाई। कुंकुमआडसुकंचनदेह दिपै मुकताहलकोझलका ई। सीसतेंएकछुटीलटसुन्दर आनिकैयोंकुचपैंलपटाई। गं गकहैमनोचंदकेबीचहै संभुकोंपूजननागिनिआई ॥ ५ ॥

॥ नेत्रवर्णन ॥

कंजनखंजनगंजनहैं अलिअंजनहू मदभंजनवारे। एकनरा
रेढ़रारेपियारे विसारेनजातविसारेविसारे। अंचलओटअ
खारेसैखेलततारेनिहारेहैं चंचलतारे। सोमसुधासरकेम
धिडोलत मानहु मीनभएमतवारे ॥ १ ॥ लसैं बीरैं चकासी
चलैं स्रुतिसै भ्रुकुटीगुवारूपरहीछविछ्वै। अलकावलिडो-
रीकसीनृपसंभुजू सूतअनंगदईछरीछ्वै। तमछाँवरे रंगहि
जानतहै हठिपीछूपरेहैं चलैं जितह्वै। करछालतआव-
तनैनकिधौंए सुधाकरकेरथकेमृगद्वै ॥ २ ॥ कंजसकोचेगडेर
हैं कीचनि मीननिबोरदियोदहनीरनि। दासकहैमृगहूकों
उदासकै वासदियोहैअरन्यगँभीरनि। आपुसमैउपमाउपमे
यह्वै नैनयेनिंदतहैं कविधीरनि। खंजनहूकोंउडायदियो
हलकोकरदीनअनंगकेतीरनि ॥ ३ ॥ आइहौं देखिसराहेन
जातहैं याविधिघूँघुटसेफरकेहैं। मैतोयों जानीमिलेदोउ-
पौछेह्वै कानलख्योकिउन्हैहरकेहैं। रंगनतेँ रुचितें रघुना
थवे चारुकारेकरताकरकेहैं। अंजनवारेसहीदृगप्यारीके खं
जनप्यारेविनापरकेहैं ॥ ४ ॥ चंचलचोखेसेचोकनेसे चटका-
रेसेचौगनेरूपभिरामके। मानसगेसेबिखानलगेसे सयानप
गेसेरँगेसेललामके। साजेममारखदैविषअंजन सोधेसेबोधे
हृदैघनस्यामके। वानचितैंदृगतेरेपियारी रहेसरकामकेए
कौनकामके ॥ ५ ॥ प्रानपियारीसिँगारसँवारि लियेकरआ
रसीरूपनिहारै। चंदसेआननकीदुतिदेखति पूरिरह्योउ
रआनदभारै। अंजनलैनखसोंरसनों दृगअंजितयोंउपमा-

नविचारै । चीरकैचौंचचकोरनकीमनो चोपतें चंदचुगा वतचारैं ॥ ६ ॥ पंकजकेदलद्वै परद्वै अंवरीरसलालचहेत लगीहै । है नटनीसुरनायककी निरतैंकलहावसौंभावप-गीहैं । वालकेनैनकीपतरियाँ निसिवासरलालकेहीमेखगो है । कंचनकीअखरूपडवीनसै खोलधरीमनोनीलनगीहैं ।७ सुंदरीसाजसिँगारसुधारति सौतिकेगर्वहिगंजनकौं । गंगलि येकरसारसुता मनमोहनकेमनरंजनकौं । कज्जलचारदिये अँगुरी तिहिलैमेहँदीरँगअंजनकौं । ऐसीजचीहियसैउपमा मनोगुंजचुंगावतखंजनकौं ॥ ८ ॥ मनमोहनीमूरतिराधि-काकी लखिमोहनकेमनप्रेमपग्यौं । चहुँ ओरतैं फैलीहैचंद्र कसी सुखकीछविनंदकुमारग्यौं । दुहुँ नैननवीचसेकाजर-रेख विराजतरूपअनूपजग्यो । रविकौंतजिचंदसौंनेहकियो अरविंदमानोकलंकलग्यो ॥ ९ ॥

॥ अथ भौंहवर्णन ॥

गोरीकिसोरीसुहोरीसीदेहतैं दामिनीकीदुतिदेतिवि दारैं । नारिनवैसवनारिनिकी जबप्यारीकोरूपअनूपनिहा रैं । भौंरसीभौं हनसोहिरही सुरकीउरतें नटरैपलटारैं । भोजेमनोमुखअंबुजकेरस भौंरसुखावतपंखपसारैं ॥ १ ॥ नासिकाऊपरभौंहनकेमधि कुंकुमविंदुमृगंमदकोकनु । पू-छतें पंखपसारिउड्यो सुखओरखगालखिमोतिनकोगनु । दे वकेनैनतुलानपलाधरि भागसुहागकेतालतटीतनु । नारि-हियेँ त्रिपुरारिबँध्योलखि हारिकेमैनउतारिधर्योधनु ॥२॥

॥ श्रौनवर्णन ॥

कीधौंसुधाधरजूहुं ओर सुधारधरे सुसुधाकेहिदोनहैं
कीधौंनिसानरलोचनवानके औंहकसानकेआसकेचोनहैं ।
कोनहैकोनहिं लोहहीदेखि किधौंसवैजहैंतौनहीं सौनहैं ।
सौनहैंध्यानकेसानकेदोनहैं श्रौनहैंतीयजूजीयकेरौनहैं ॥१॥
दासदनोहरआननवालको दीपतिजाकीदिपैसवदीपैं । श्रौन
सुहावैविराजिरहे सुकताहलसंयुतताहिसमीपैं । सारीस-
हीनसोलीनविलोकि विचारतहैंकविकेअवनीपैं । सोदरजा
निससीहीसिली सुतसंगलियेमनोसिंधुसैसीपैं ॥ २ ॥ हेम-
सोअंगहियोहुलसै हरिनाक्षीसुनेहनयोमनवंधे । ठौरहीठौ
रजलौसदनहति ताहिरप्रेलकेसायकसंधे । वीरीनहोंहूवि-
राजतआनन जाननकोमनलावतधंधे । लैकरआंअवजावन
कोंसु चढ्योमनोचंदसुमेरकेकंधे ॥ ३ ॥ वसिवर्षहजारपयो-
निधिसै वहुभाँतिनसीतकोभीतसहौ । कविदेवजूत्योंचितचा
हभरी सुचिसंगतिसुक्तनहूं कीगहौ । इहिभाँतिनकोनोसवै
तपजाल सुरीतकछू कनवाकीरहौ । आजहूँ नहूतेपरसीप
दवैहूनआननकोसमतानलहौ ॥ ४ ॥

॥ यथ लिलाटवर्णन ॥

कीधौंसिंगारकेवारिजकोदल नूतनरूपवतीसरसीको ॥
कीधौंअनंगकोआसनलै दमकैछविकंचनजोतिलसीको । पा
रसनेकविलोकतही वसकैमनलेतहैकान्हरसीको । बालको-
भालवन्योअतिसुंदर भागभव्योमनोभागससीको ॥ १ ॥ भा
लकोभौनसुहागकोचौंतरो सुंदरताकोसिंघासनसोई । साग

रहैरसकोपुलप्रेसको लोचनपंथिनकोसुखहोई । नूरकहैन सुनैलभवावरी चंदहिदोषकछूनभलोई । होतनहींसरितेरे लिलाटको तौससिचौथकोदेखैनकोई ॥ २ ॥ सोहतअंगसु भायकेभूषन औरकेभायलसैंलटछूटी । लोचनलोलअमोल विलोकत तोयतिह्रंपुरकीछबिलूटी । नाथलटूभयेलालनजू लखिभालिनीभालकोबंदनबूटी । चोंपसोंचालसुधारसलोभ बिधीविधुलैमनोचंदवधूटी ॥ ३ ॥ एकैलसैइष्टप्रभानुसुता पर- भातहीकामकीकेलिवनाई । नैननकीलखिआरतिकीरति कीरतिसोतिनलालसुहाई । वेंदीजरावलिलाटदिये गहिडो रीदोऊपटियापहिराई । वल्लभनैरिपुनानिगल्यो रविकोसु- सकैंजनुराहुचढाई ॥ ४ ॥

॥ अथ पाटीवर्णन ॥

चीकनीचारूसनेहसनी चिलकैदुतिसेचकताईअपारसों जीतलियेलखतूलकेतार तमीतमतारहिरेफकुमारसों । पा- टीदुहूँबिचमागकीलाली विराजिरहीयौं प्रभाविसतारसों मनोसिंगारकीटाटीसनोरव सींचतहैअनुरागकीधारसों ।१ मंजनकैतियबैठीअवासमें पासखवासिनिहैंसवठाढी । सारी सुगंधसचिक्कनकै सुभवेनीबनायगुहीअतिगाढी । पाटिनबी- चसिंदूरकीरेख मुखीलखियोंउपमाअतिबाढी चंदकेलोलन कोंभुकिराहु मनोरसनासुखवाहिरकाढ़ी ॥ २ ॥ सोवतबा लगोपाललखी सुखअंचरटारिकैसोदभरेउर । कोकबिज छबिभाखिसकै भसभूरिरहे मनपूरिसुरासुर । मागमैसेंदुर सोहिरह्यो गिरधारनहैउपमानतिह्रंपुर । मानोमनोजको

कारीछपान फलोकाटिवीचते राहुवराकुर ॥ ३ ॥ वैठीसिं-गारसिंगारकैवार दयोलनविंदुरूपसआलपैं काकछियैउ पलातिहिंकी वुंवुवारीलुरैं अलकैं दोउगालपैं। पाटिनवी-चसिंदूरकीलीक विराजति है द्विजऐसेसुहालपैं। मैनमहीप लनोजगजीतिकै खूनभरीवरछीधरीढालपैं ॥ ४ ॥

॥ अथ वेनीवर्णन ॥

नागनैनीकीपीठपैवेनीलसै अतिसोंधेसुगंधसनोयरही । कचचिक्कनस्यामचुभेचितमै सुसुकेसीसुकेसनवोयरही । उप माकविदत्तकहाकहियै रविकीतनयातनतोयरही । सनोकं चनकेकदलीदलऊपर साँवरीसाँपिनिसोयरही ॥ १ ॥ रा-खोलयंकपैपाछेफनीफन रूपवखानतयाकोहितूपर ॥ नेह सनीवनीवेनीगुलाव निसेनीकोजसुखकीनहींदूपर। पीठिमै काहुकिदीठिधसैन उपायविलोकियेयावृजभूपर । अंमृतपीव तपूँछुलै सनोकंचनकेकदलीदलऊपर ॥२॥ कैमधुपावलीसं जुलै अरविंदलगीमकरंदछिपोहै । कैरजनीसनिकंठरिसा अकै पाछेकोंगोनकियोअरिसोहै । वेनीकिधौंयाकलंकचुवे किधौंरूपससालकोधूमकरोहै ॥ कंचनखंभकेकंधचढी थकि चंदगहैसुखसाँपिनीसोहै ॥ ३ ॥ सेजतेंठाढ़ीभईउठिवाल ल ईउलटीअंगिरायजह्माई । रोमकीराजीविराजीविसालसि टीठवलीअरुपीठिखिलाई । बेनीपरीपगऊपरपाछेतें मह्म यहैउपमाउरआई। लोकत्रिलोककेजीतिवेकारन सोनेकि कामकमानचढ़ाई ॥ ३ ॥

॥ केसवर्णन ॥

हठिआगतवाटकिधौंलछिमीकी सरोजसोंआनिसिवा-
रअरे। किधौंआरसीकेघरतें उतसंभु समूहफनीछविसों
वगरे। इमिराधिकाकेमुखकेचहुँ ओर विराजतवारमहा
सुथरे। भजिचंदचल्योविचल्योरनतें तमवृंदमनोजुरिपा
छेपरे।१। कैसोछवीलीकोछायरहोछवि छूटिरहेकचकुं-
चितकारे। कौनकुहूघनकौनकितौक करैतिनसोंतमक्यौंस
मतारे। सोहतआननऊपरयौं अलिवारिजवोंचसहासतवा
रे। कैविधुऊपरहेतुअवै अहिकेसिसकेसवसोसमुधारे॥२॥
जनुइन्द्रउयोअवनीतलतें चहुं ओरछटाछविकोछहरी।
तहाँदेखतसंभुगोपालखरे तियकेमुखकोसुखमासिगरी।ब
ढ़िएडिनलौंउमड़ेबड़ेवार अद्भुतटराधिकान्हायखरी। जनु
सोतसमेतधरेतनदि[illegible]मधुनालिकरी॥३॥
अंजनकौतियवैअगार वगारदयेजनुमारकुमारहैं। कोज
कहैतमताभकोधार कोजलखतूलकेतारसिवारहैं। कौनक
हैउपमातिनकी द्विजकेसमुकेसीकेडारतछारहैं। सारहैंपो
तमकेहगके विधुरेसुथरेअलवेलीकेवारहैं॥४॥

इति नखसिख।

॥ अथ नायिकालच्छन ॥

दोहा॥ जिहिंविलोकिसंबसमयलै मनरसवसह्वै जात॥
ताहिवखाननायिका सकलसुमतिअवदात॥

यथा। ताराकिधौं विधुदारकिधौं घृतधारसीपावकहैप
रिरंभौ। कामकीकामिनीकैमधुजामिनी दीपसिखाकिधौं-

विज्जुसदंभौ। देखौनजातिविसेखौवधू किधौंहेमवरे खौरसा
रुचिरंभौ। सांझससीकौप्रभातकौभानु किधौंवृषभानकेभौ-
नअचंभौ ॥ १ ॥ चंदकलाकौकलाकलधौंतकी कैचपलाथिर
ह्वै छविछाजै। कैससिसूरजकौकिरनै इकठौरह्वै रूपअनूप
ससाजै। कौपतिजोतिकौज्वालकिधौं अवलोकतहीदुखदोर-
घभाजै। पावकज्वालकैदीपकमालकै लालकौमालकैबालवि
राजै ॥ २ ॥ दासललानवलाछविदेखिकै सोमतिहैउपमान
ततासी। चंपकमालसीहेमलतासीकि हीरजवाहिरकौलव
लासी। जोतिसौंचित्रकौपूतरीकाढ़िकि ठाढ़ीमनोजहिकौ
अवलासी। दीपसिखासीमसालप्रभासी कहौंचपलासीकिचं
दकलासी ॥ ३ ॥ राधेकेअंगगोराईसौऔरगोराईविरंचिवनाव
नलीन्हौ। कैसतबुद्धिविवेकसौंएक अनेकविचारनसैसतिदीन्हौ
वानिकतैसौवनौनावनावत केसवप्रस्तुतहोगईहीनौ। लैतब
केसरिकेतकौकंचन चंपककेदलदामिनीकीन्हौ ॥ ४ ॥ रूपअ
नूपलख्योजितनो रघुनाथकहैव्रजकौवनिताको। ऐं नहिंऐसो
पख्योकोउदीठि वन्योइहिभाँतिनतेंसिरपाको ॥ औरकहौं
सोसुनोचितदै जिहिंभाँतिनतेंनिरख्योगुनवाको। जातदि
गंतजलौंचलिकै मिलिसाथसमीरकेसौरभजाको ॥ ५ ॥
विहँसैदुतिदामिनिसीदरसै तनजोतिजुन्हाईउईसीपरै। ल
खिपायनकीअरुनाईअनूप ललाईजपाकीजुईसीपरै ॥ निकरै
सीनिकाईनिहारेनई रतिरूपलुभाईतुईसीपरै। सुकु-
मारतामंजुमनोहरता सुखचारुताचारुचुईसीपरै ॥ ६ ॥
कुंदनकोरंगफीकोलगै झलकैइमिअंगनचारुगोराई। आँखिन

मैअलवानिन्हितौनिसै संगुविलासनकौसरसाई। कोविनमो लविकातनहीं सतिरासलहै सुसकानिसिठाई। ज्योंज्योंनि हारियेलीरेहै दैननि त्यौं त्यौं खरीनिखरैसौनिकाई ॥ ७ ॥ आईहुतीअन्हवावननाइन सौंधैलियेकरसूधेसुभाइन। कंचु कीछोरधरीउवटैवेकों ईंगुरसेरँगकीसुखदाइन। देवजूरू-पकीरासिनिहारति पाँयतेंसीसलौंसीसतेंपाइन। ह्वैरही ठौरहीठाड़ीठगीसी हँसैकरडोढ़ीदियेठकुराइन ॥८॥ सुन्द रजोवनरूपअनूप महागुनज्ञानकीरासिअचौंढ़ । सौलभ्रौ कुललोकउजागरि नागरिपूरनप्रेमपचौढ़ं। भागकोभौन सुहागसौंभूखित भूमिकोभूषनसाँचोसचौढ़ं। आठहूअंगत रंगनरंग सबैसचिसंचिविरंचिरचौढ़ँ ॥ ९ ॥ राधिकारू-पविरंचिरच्यो सबलोकनकोसुखसासुभलैलै। अंगकेरंगन केढिगजात ह्वैजातहैसंसुसबैरँगमैलै। लालनसोंपरवाल नसोंबँधी लालनजानिपरै— ... लै। पाँवधरैजितहीवल्पाल तहा... ...लालसोफैलै ॥ १० ॥ जाहिरैजागतिसीज-मुना जबबूड़ैवहैउमहैवहवेनी। त्यौंपदमाकरहीरकेहारन गंगतरंगनकोसुखदेनी। पायनकेरँगसोंरँगिजातिसीभाँ तिहीभाँतिसरस्वतीसेनी। पैरैनहाँईजहाँवहवाल तहाँत हाँतालमैहोतित्रिवेनी ॥ ११ ॥ उसरैपटपौनप्रसंगनसौं दुति दामिनीकेसलदौरतिहैं। वतरायसखीजनसोंसुसकाय सुचाँ दनीकोछविछोरतिहै। अधिकायसुगंधनिसेवकचारु सलिं दनकोंभकभोरतिहै। धनिवालसुचालसोंफालभरेलौं म-होरँगलालसैबोरतिहै ॥ १२ ॥ चंदसोआननचाँदनीसोपट

तारेसीमोतीकीमालविभातिसी। आँखैकुमोदिनीसीहुलसी
मनिदीपनिदीपकदानकीजातिसी। हेरघुनाथकहाकहियेपिय
कीतियपूरनपुन्यविसातिसी। आईजुन्हाइकेदेखिवेकोंवनि पू
ल्योकिरातिमैपून्योकिरातिसी ॥ १३ ॥ चिनगोचमकैविचञ्चं
चलसोन लताकेमताभटकेरहिगे । दुतिदौरैकिदामिनीऔ
रैकोउ गतिचोरैखरेखटकेरहिगे । सबअंगलखेविनकाक
हिये गुनसेवकसौंहटकेरहिगे । जितजाइपरेतितहीकेभये
हगमेरेटकेअटकेरहिगे ॥ १४ ॥ चमकैदसनावलीकीनिक
रैं चपिचाँदनीहूसुरक्षानीरहै । करपायनकीअरुनाई
लखें कमलावलीहूविलखानीरहै । नरनागरीकीहनुमा
नकहा सुरनागरीसोभासकानीरहै । गतिहेरिमरालील
जानीरहै छविपैरतिरानीविकानीरहै ॥ १५ ॥ प्रभाचप
लाकीकहैकोभलो लजीजासोंदवीघनमैघहराति । छपाक-
रछौनमलीनमहा दुतिताकीनहींमुखपैंठहराति । कहौह-
नुमानपरैतियक्यौं प्रतिअंगनतें उपमालहराति । नहींतनु-
रूपविलोकिपरै तनजपरह्वै छवियौंछहराति ॥ १६ ॥ मद
मैनसों योंअलसानीलसै जनुजागीभलेंभरिजामिनीहैं । म-
दुवैनसुनेहनुमानकहै कहाकोकिलमंजुकलामिनीहै । चक-
चौंधसीलागैलखेअँखियां तबकैसेकहौंरतिकामिनीहै । पर-
जंकपैसोहैसोहागभरी यौंमनौथिरह्वै रहीदामिनीहै ।१७।
गतिमंदयौंजाकीमजाकीलखें हँसीहोतिगयंदकेचालकी है।
सुखहेरिकैचंदलजोईरहै रुचिकोकहैकंजकमालकीहै । ह
नुमाननखावलीपैंतियके अवलोपरैफीकीप्रवालकीहै । द-

विद्रामिनीजातिप्रभानिरखें कितनीछविसंभुमसालकीहै १८
दासललानवलाछविदेखिकै सोभतिहैउपमानलतासी। चंपक
मालसीहेमलतासी किहोइजवाहिरकीलवलासी। जोतिसों
चित्रकीपूतरीकाढ़ि किठाड़ीमनोजहिकीअवलासी। दीप
सिखासीमसालप्रभासी कहौंचपलासीकिचंदकलासी ॥१९॥
लखिकैंदृगमीनदुरैजलमे मनमेअरविंदसकानेरहैं। बढ़िवेनी
भुवंगमदेखिचपे कटिकेहरिचाहिलजानेरहैं। उकसोहैं उ
रोजनदेखिविनै मनदेवनकेललचानेरहैं। मुखचंदकोदेखि
प्रभादिनसै चितसैचकवाचकवानेरहैं ॥ २० ॥

दोहा ॥ तीनिभाँतिसोनायिका वरनतसुकविबिचारि।
स्वकियापरकीयावहुरि सामान्यानिरधारि। तत्रस्वकीया
लच्छन। जानैसनवचकर्मसों पतिहीकहपरमेस। लाजसी-
लगुनखानितेहिं स्वकियाकहौंसुवेस ॥

——oOo——

॥ स्वकीयाजथा ॥

व्याहिकैआईहैजादिनतें रवितादिनतें लखीछाँहनजा
की। हैंगुरुबालसुखीरघुनाथ निहालहैंसेवकनीसुखदाकी। से
वाभयोवसभाँवतोहै हौंकहाकहियैबुधिउज्जलताकी। मेरेतो
जानिसियागुनगौरिसी है सिरमौरतियास्वकियाकी ॥१॥
रावरेकेवसरावरोभाँवतो क्योंनरहै अतिचातुरलीख्यो।
सीलसयानसुधाईकोस्वाद अहोरघुनाथभलें जिन्हचीख्यो। है
धनसैधनिआनुधरापर मैधनिजोतुमैआइकैदीख्यो। तासोंउ
माऔरमासैगईवलि चाहैंपतिव्रतकोव्रतसीख्यो ॥ २ ॥ सं-

चिविरंचिनिकाईमनोहर लाजतेंमूरतिवंतवनाई। तापर तोपरभागबड़ो लतिरालललैपतिप्रीतिसुहाई। तेरेसुसील सुभायभलो कुलनारिनकोंकुलकानिसिखाई। तैहींमनोपतिदेवताकेगुन गौरिसवैगुनगौरिपढ़ाई ॥ ३ ॥ बोलनिबीच भलोजेहिकोंरघुनायकहैप्रगटैपरैचीन्हो। आननकोदुतिश्रै सोलसै जसुछौनछपाकरकोछविलीन्हो। औरकहाँलोंकहोंगुनगौरिके गौनेहतोप्रभुताप्रभुकीन्हो। सौतिकेमानहिँ पीकेगुमानहिँ आवतआपुपराजयदीन्हो ॥ ४ ॥ डोलनिमंद मनोहरबोलनि चारुचितौनिमैलाजहैभारी। रोसननेकऊकूमनमैकविराजकहैपतिकोहितकारी। सीलकोरासमुधाईप्रकास विरंचिसुधाधररूपसुधारी। धन्यधनीधरनीतलमैजेहिंकेघरऐसीपतिव्रतनारी ॥ ५॥ पटतेंनकरैतनवाहरयोँ गिरिजाहरसूमकरैनधनै। गुनसीलसुभावसनेहपतिव्रत वारिधिकोअवसीनसनै। कहितोखकवौंनकढ़ैघरतेंगुनैहारकोदेहरौनागफनै। निजनैननितेंतजिनंदकिसोरहि औरहिचौथिकोचंदगनै ॥ ६ ॥ पगवाहिरदेहरीकेधरिबो फलिबोससमानहिँमानतोहै। धनसूमकोश्रैसोनऔरलहै सखियानसोंवैनयोंगानतोहै। निजभौंनतेंऔरकेभौनहियेसेहँदीपगतीयलोंआनतोहै। पतिकोंतजिऔरजुवाजगतीतल चौथिकोचंदहिजानतोहै ॥ ७ ॥ निजचालसोंऔरजोबालतिन्है कुलकोकुलकानिसिखावतोहै। ननदीऔजेठानीहँसांवैंतऊ हँसीओठनहींलोंवितावतोहै। हनुमाननकेकौनिहारैकहूं दृगरंचेकियेसुखपावतोहै। बड़भागनीपीके

सोहागभरी कबोंआंगनहूँलौँनआवतीहै ॥ ८ ॥ रूपकी
रासिरचीबिधिनै रतिरंचकजासमचित्तचढ़ैना। भागसो-
हागभरीसुघरी पतिप्रेमप्रनालीकथाअपढ़ैना। सेवरगेह-
केकाजसबैकरै साँभसबेरेहुबेरबढ़ैना। भालुवैकैउबैसि-
तिभानु दलानतेआवतीभूलिकढ़ैना ॥ ९ ॥ सासुजेठानिन
तेंदबतीरहै, लीन्हेरहैरुखत्यौंननदीको । दासिनसोंसत
रातिनहीं हरिचंदकरैसनमानसखीको ॥ पीयकोंदच्छिन
जानिनदूसति नूतनचावबढ़ैयाललीको । सौतिनहूंकोअ
सीसैसोहाग करैकरआपनेसैं दुरटीको ॥ १० ॥ लखिसासु-
हीहासछिपाएरहै ननदीलखिज्यौंउपजावतिभीतहि । सौ
तिनसोंसतरातिचितौति जेठानिनसोंनिजठानतीप्रीतहि ।
दासिनहूँसोंउदासनदेव बढ़ावतिप्यारेसोंपीतिप्रतीतहि ।
धायसोंपूछतिवातैंविनैकी सखीनसोंसीखैसोहागकीरीतहि
॥ ११ ॥ सासुकेसौहैंचितैबोकहा ननदीलखिनैननीचेनिहा
रति। स्यानीजेठानीनजानीकवौ कवपानीपियैकवबानीउ-
चारति। सोभसकोचसमानीरहै ठकुरानीसखीनसोंसीलै
सँभारति। साँसनसाधिकैसेजपैसुंदरी बारकबालमहूँसों
बिहारति ॥ १२ कोयेननाधिकटाच्छसकैं मुसक्यानिनह्वै सकै
ओठनिबाहिर। मंजुमहामृदुबोलनिकीगति प्यारेकेकान-
नहींलगिजाहिर। अंगविभूषितकैकोसकै भएभूषितअंगन-
हीँतेंजवाहिर। रूपौसुधासोसुभायभरी पैखरीरतिकेलि
कलानमैसाहिर ॥ १३ ॥ नैननकीगतिकोरनलौं अरुकोरन
कीगतिकानलौंजानौ। काननकीगतिजौभलौंहै गतिजौभ

कौकंठतरेंलौंवखानो। कंठतरेंतेंगिराग़तिहै यसवंतस-
दारसनालौंप्रसानो। है रसनागतिओठनलौं गतिओठन-
कौसुसकानिलौंआनो॥ १४॥ वैनकौसौनसखीस्मुतिलौंदृग
कौगतिकोरनलौंचलिजाँहीं। हासविलासदुवोअधरालगि
रूसवेसौंरहैरूसदाँहीं। जेवेकिऔधिहैकेलिकेमंदिर औ-
वेकिऔधिसुमंदिरमाहीं। औरसवैमितलाडिलीके पियप्या
रेकेप्रेमलहींकौमितनाहीं॥ १५॥ रूपकौराखितेंवोलैनअंग
लजातिकुरूपसौमानिसुरूते। दैवअपाकलराइगकौ पलकैं
नवठैंजिहिंसौंनिजवूते। वैनसुनेनपरैंस्मुतिलौं सुसकैंवोसिलै
अधरानकेक्रूते। नौगुनेकाहैवसौकरते वससौगुनेसैवकसैव
कहूते॥ १६॥ परगाँवकौपासपरोसहूकौ अलगेहकौनंदजे
ठानीसवै। गुरिआईविलोकनकौंदुलहौ उलहौउरप्रीतिवि
कानीसवै। तिनकेपदसैवकवासकुए बिनकामवैसंकनसानी
सवै। हूतरानीहियेसतरानीकछु वतरानीसिरानीलजानी
सवै॥ १७॥ तोहितसुंदरदेवनकी लिखवाईसवौमनिमंदि
रमाहीं। कौतुकहेतसहेतसवैसो करीनिजपीतमतोचितचा
हीं। जानिपरौनकछूहमकौं मतिपाईभट्टतैंकहाँकिहिंपा-
हीं। देखौअनोखौनईनवला यहकाहैतेंचित्रविलोकतिना
हीं॥ १८॥ पूजतींऔरसवैवनिता तिनकेमनमेअतिप्रीति
सुहातिहै। कौनकौसोखधरौमनमे चलिकैवलिकाहैनजोक
नजातिहै। औंसरयावरसायतकौ वरसायतअैसौनऔरदे-
खातिहै। कौनसुभावरीतेरोपद्यो वरपूजतकाहैंहियेसकु
चातिहै॥ १९॥

दोहा ॥ तौनरूकीयातौनविधि बरनतमतिकेधाम ।
मुग्धासध्यावहुरियौं प्रौढ़ापूरनकाम ॥

॥ तत्रमुग्धालच्छन ॥

अभिनवजोबनजोतिजेहिं अंगनिमेदरसाय । मुग्धाता-
सोंकहत हैं सुकविनकेसमुदाय ॥

॥ मुग्धायथा ॥

दीन्हौउन्है अरुभायसखीन सुहाहाहहाकैहँसैभरमोद
मै । बालनसंगमैखेलतती ललानाहकहीलरेवागविनोदमै ।
साखीहैवेनीप्रवीनजुपै अवहीहूतैभागिहुरैकहूंकोदमै ।
कोहैंहमारेकहैंक्यौंहमैंकछू जोंसुसकैभरीसासुकीगोदमै ।१।
छातीकसीउकसीनअजौं सुवढ़ावनचाहतिहैचितचायन ।
काननलागेबड़ेबड़ेनैन रहेमिलिबैनसुधाकेसुभायन । आगे
धौंह्वैहैकहाअवहींतौ चितौतहियेसेकियेघनेघायन । घेर
कोघांघरीघूंटनिलौं सिरओढ़नीबैजनीपैंजनीपाँयन ॥ २ ॥
देखिएदेखियाग्वालिगँवारिकी नेकुनहींथिरतागहतींहैं ।
आनदसोंरघुनाथपगी पगीरंगनसोंफिरतैरहतींहैं । छोर
सोंछोरतछोनाकोछ्वैकरि ऐसीवड़ीछबिकौंलहतींहैं । जो-
बनआइवेकीमहिमा अँखियाँमनोकाननसोंकहतींहैं ॥३॥
लावतमैनसुगंधलख्यौ सबसौरभकौतनदेतदसोहै । अंजनरं
जनहूंविनस्याम बड़ेबड़ेनैननरेखलसोहै । ऐसोदसार-
घुनाथलखे इहिंआचरनैमतिमेरीफँसीहै । लालीनबेली
केओठनमे विमपानकहाँतेधौंआनिबसीहै ॥ ४ ॥ सैसव

कोतनकोटविजैकरि सैनअनीतकौरीतविचारी । चंच-
लतापगकौचखकोंदइ लैचखकौथिरतापगधारी । पीनतालं
कनितंवननेकु नितंवकोखीनतालैकटिपारी । अंतरतें तस
ताकोंनिकारि सुरोसनकेसिसह्वै उरधारी ॥ ५ ॥ अरिसै
सबैजीतिहैत्रेगिअरी सिगरीगुनिवातकसूरकौहै । अधरा-
नसैलालीअछूकधरी करीनेसुकभौंहमरूरकौहै ॥ उभरेकु-
चत्यौंहनुमानलसैं तिनकौउपमाभरपूरकौहै । जनुजोवन
भूपतिकेउरसैपरी आनिकैगाँठिगरूरकौहै ॥६॥ सिसुताप-
निकोधनलूटिवेकों हियेजोवनजोरजमावैलग्यौ । अपनोकि-
योचाहतथानतहाँ मनमंजुलमोदमढ़ावैलग्यौ । तियकेतनदी
पतियौंउलगी हनुमानसोभाववतावैलग्यौ । अतिनेहसोंसं
जुसनेहसई मनुमैनमसालदेखावैलग्यौ ॥ ७ ॥ अईतियकी
तनदीपतिऔर गयोपरिसंदगुकुंदनसोन । लईगजकीगति
मंदकछुक वनैहनुमानवखानतजोन । कछूकजरापनकौछवि
छ्वै चखचंचलदेखिसराहतकोन । अरीसिसुतापनपंजरतें
जनुखंजनचाहतबाहिरहोन ॥ ८ ॥ नवनागरीकेवरवैनविचि
त्र भलेईसुधासोंपगेपैपगे । ससिकेभ्रमतें सुखओरचितै चहुँ
ओरचकोरखगेपैखगे । तियकेमनसंजुसनेहरथआनि कहै
हनुमानजगेपैजगे । सुखदैनसरोजकलीसेभले उभरैयेउरोज
लगेपैलगे ॥ ९ ॥ गरवानेनितंवकछुकभले कटिकेहरितें छा-
सपेखियोरी । अधरानिसैनेसुकलालीचढ़ी वतरानिसैखा-
दविसेखियोरी । हनुमानभएदृगऔरईसे गजलौंगतिमंद-
निरेखियोरी । उकसैकुचकंजकलीलौंलगे यालसीकीभलो

छविदेखियोरी ॥ १० ॥ लरिकाँईकेखेलछुटेनवनाय अजौंन
मनोजकेबानलगे । तरुनापनआयोनहींसजनी तरुनीनकेबै-
नसोंहानलगे । हरिकोहै कहाँकेहैंकोनकेहैं येबखानकछू-
कहितानलगे । अबतौतिरछेचलिजानलगे दृगकानलगेल
लचानलगे ॥ ११ ॥ लेकहूमानैनसीखअली भलीभाँतिसिखा
वतिधायसुजानरी । खेलतिहैगुड़ियानकोखेल लऐंसँगरी
सजनीसुखदानरी । पैतुलसीतियकेअँगमै झलकीतरुनाईद्दु-
तेकतीआनरी । नैनलगेकछुपैनेसे होन गहीअधरानकछू
मुसकानरी ॥ १२ ॥ छोटीसीछातीछपाकरसोमुख छाजति
औरैकछूछबिछाई । काननलागिरहेअबतौ कछुसीखननैन
लगेकुटिलाई । खेलतहूगुड़ियानकोखेल कटीलीह्वैआव-
तिदेँहसुहाई । रीझेनिहारिनिहारिनरेस कहूँनईवैसक-
हूतरुनाई ॥ १३ ॥ एअलियावलिकेअधरानमे आनिचढ़ी
कछुमाधुरईसी । ज्यौंपदमाकरमाधुरीत्यौं कुचदोउनपैंचढ़
तीउनईसी । ज्यौंकुचत्यौँहीनितंबचढ़े कछूज्यौँहींनितंब
त्यौंचातुरईसी । जानीनऐसीचढ़ाचढ़िमै केहिधौंकटिबीच-
हीलूटिलईसी ॥ १४ ॥ कौनकेप्रानहरैंहमयौँ दृगकाननला
गिमतोचहैंबूझन । त्यौँकछुआपुसहीसैउरोज कसाकसीकै
कैचहैँबढ़िजूझन । ऐसेदुराजदुहूँवयके सबहीकोंलग्योयह-
चौचँदसूझन । लूटनलागीप्रभाकढ़िकै बढ़िकेसछवानसोंला
गेअरूझन ॥ १५ ॥ भारीपस्यौतुबभोंहनरूप सुरूपदुहूँल-
चिछोरनडोलै । नीकोचुनीकोजरावकोटीको सुवैंचिखेला
रखरीगुनखोलै । बालपनोतरुनापनोबालको देवबराबरकै

वरवोलै। दोऊजनवाहिरलौहरीसैन सुनैनपलानितुलाधरि
तोलै॥ १६ ॥ जोवनभानुनहीँउदयो ससिसैसवह्लकोप्रकास
नाऊन्यो। ज्यौंहरदीसअकोपियराई जुह्नाईकोतेजभयोमि
लिचून्यो। देवरच्योअँगअंगनरंग वढ़ोसोसयानअयानननू-
न्यो। वैसवरावरदोऊदेखातहै गोरीकेगातप्रभातज्योँपू
न्यो॥ १७॥ धूरीकपूरिसौपूरिरहौअंग दूरितैँदेखिहैदा
मिनीज्यैांघन। कोमलकंनसेहाथऔपाँयहैं खेलतिखेलके-
मौचदियेमन। चालचितौनिवहैकविसौरन कालिहौतैँकछू
औरैभयोतन। सैसवसैंकलक्योंइमिजोवन भालमैजैसेपता-
लधस्योधन॥ १८॥ नहिँनैननचंचलताप्रगटौ पुनिवैननसैन
सयानधस्यो। कविगंगअजौंपगआतुरीहै चितचातुरीनाहिँ
प्रवेसकस्यो। कवहूंकवहूंतनयौँफलकै अरीजोवनसैसवमा-
भिदुस्यो। निसिग्राहसहागहिरेजलसै उछलैदुरिजातअलो
लभस्यो॥ १६॥ अवलोकनिसैपलकोनलगैं पलकोअवलोकेवि
नाललकै। पतिकेपरिपूरनप्रेमपगी मनऔरसुभावलगेनल
कै। तियकौविहँसौंहौंविलोकनिसै मनआँखिनआनदयोंछ
लकै। रसवंतकवित्तनकोरसज्यौं अखरानकेऊपरह्वैभल-
कै॥ २०॥ जँहँनाइनवौरीविधाइनिकौ चतुराइनिसेवकचू
रिभई। पटहारिनिसूचीप्रकारिनिसाभु सोनारिनिकौग
तिभूरिभई। लिखतेलखतेजिहिँरूपकोंराम चितेरिनिकौ
मतिदूरिभई। धनदैजकौचंदकलाअवला सोललाकौसजीव
नमूरिभई॥ २१॥ सोमुग्धाहैभाँतिकौ प्रथमभेदअज्ञात ॥
दूजोवरनतभेदहैं ज्ञातसुकविअवदात॥

॥ अथ अज्ञातलच्छन ॥

दोहा ॥ तनसहँजोबनआयबो जोनहिंजानतिबाम ।
तेहिंअज्ञातजोबनतिया कहतसकलमतिधाम ॥

॥ अज्ञातजोबनाजथा ॥

—◦O◦—

सखितेंहूँहुतीनिसिदेखतही जिनपैवैभईंहौंनिछाव-रियाँ ॥ जिनपानिगह्योहुतोमेरोतबै सबगायउठींब्रजडाव रियाँ । अँसुवाभरिआवतमेरेअजौं सुमिरेंउनकीपगपाँ रियाँ । कहिकोहैंहमारेवैकौनलगैं जिनकेसँगखेलीहिभाँ रियाँ ॥ १ ॥ कंचनकीकजरौटीलिये गुड़ियानकोंकज्जलपा-रनआई । रोमावलिकीयोंप्रभाउलही लखिसोछबिदेखिन जातिबताई । चौंकिपरीसोपरीजसवंत भरीभ्रमसोंससी भरिआई । पूछतिधायसोंजायगोराईसै दीपसिखाकीलगी करिआई ॥ २ ॥ धायसोंजायकैधायकह्यो कहूँधायकैपूछि येकातेंठईहै । बैठिरहीसुचितीसोकहा सुनिमेरीसबैसुधिभूलिगईहै । सुंदरदेखिडेरातइन्है उपजीउरमाझउपाधिन-ईहै । काचीकलीसीहौकाल्हिपरीं अबछोटीसुपारीसीआज भईहै ॥ ३ ॥ जातिपरीकटिछीनखरी भरीजंघटरीचपलाग तियापैं । आवतिआँखहूँचौखींचौभौंह भयोभ्रमआवतहै सतियापैं । मेरीसौंमोहिसुनावसखी रघुनाथसतोखबौतो बतियापैं । कौनदसायहमोहिदईदई देखुकहाभईहै छति-यापैं ॥ ४ ॥ बूझ्योमैजायसयानीसखीन भयोजियलैडरखा यहाहाहै । सूधेनकाहबतायोकछू मनयाहीतेंमेरोभयोरि-

सहा है । लोहिलगैछतियाँगदई दिनहैते भयोयहसोचमहा है । काहेते भतरहेतिनहूँ अँचरासुखदैअँठिलातिकहा- है ॥ ५ ॥ देखियेआनिकछू दिनते डरते उठेव्याधिकेअंकु रवारे । कीजियोवेगिउपायनतौ दुखपायहैं आगेभएपरभा रे । होप्रियसेवकप्रानतुह्मै सुखदेहैं अनोखेविरंचिसँवारे । वोरअधीरक्यौंहोतिखरीअरी पीरसहैं गेविलोकनहारे ॥६॥ जातनसोपैचल्योसजनी जननीसौंकहैकिनजायसबेरी । कौ तौउपायतुहीकरवेग नपाँयपरैंकछुआगेकोंएरी । भाँति अईउरकीअवऔर लखैंकविराजडेरातिघनेरी । काहेते है वढ़िआएनितंव गईघटिकाहेतेँ हैकटिमेरी ॥ ७ ॥ आजुमि- ल्योजोहिसाँवरोसोएक पीतपिछौरीकीबाँधेहोगाती । मोत नदीठितिरीछौनिहारि कह्योकहाँजातीहौनेहकीवाती । भारीलगैंयेनितंवऔजंघ भईकटिछीनकहीनहिंजाती । वो रकीसोंजबतें उनदेख्योहै गाँठिसीएपरिआइहैंछाती ॥८॥ दिनहूँयेचकोरचितैहोरहैं विकसैंनसरोजविसेखियोरी । नटरैंमनमोहनीचाहिरहैं सवसौतैं सकानीनिरेखियोरी । हनुमानयाकौनवलायवसी कछुपूछेते नातुमतेखियेरी । हितमानिहमारोहमारेकहे भलामोमुखकौछविदेखियो- री ॥ ६ ॥ स्वासप्रसेदसोमालतीऔर गुलावकेअसेसुवासल एहैं । केसरचिक्कनहू सहनें कटिदेसहू आनिछवानिछए- हैं । सोयहकाहेते एरीसखी रघुनाथवतायमैतोहिदएहैं । कानलगेवढ़केविनअंजन खंजनसेदृगकाहेभएहैं ॥ १० ॥ को- किलकूकसुनेउमंगैमन औरसुभावभयोअवकोको । फूलील-

ताहुलसंजसोहान लगेअलिगुंजनभावनजीको । कारनकौ
नभयोसजनीयह ख्याललगैगुड़ियानकोफीको । काहेतेंसाँ
वरोअंगछबीलो लगैदिनद्वै कतेंनैननजीको ॥ ११ ॥ नेकौसु-
हातिनजातिगड़ौउर पीरबड़ीगहिगाढ़ौगसौक्यौं । खैंचिख
एनिखरौखरकैनहिं नीठिखुलैखुभिपीठिधँसौक्यौं । देवक
हाकहौंतोसौंजुमोसोंतैं आनकरौविनकानहँसौक्यौं । गाँ-
ठितैंतोरितनौछिनछोरिदै छातीपैकंचुकौअैंचिकसौक्यौं ।१२।
खेदकोभेदनकोउकहै इतआँखिनह्व अँसुवानकोधारो । त्यौं
पदमाकरदेखतौहौ तनकोतनकंपनजातसँभारो । ह्वैधौंदा
हाकोकहायोंगयो दिनद्वैकहौतेंकछूख्यालहसारो । कान
नमैवसौबाँसुरौकौधुनि प्राननमैवस्योबाँसुरौवारो ॥ १३ ॥
कालिहौगूंदिबवाकिसोंमै गजमोतिनकौपहिरौअतिआला ।
आईकहाँतेंतहाँपोखराजकौ संगगईयमुनातटवाला । न्हा
तउतारौमैवेनौप्रवीन हसैंसुनिवैननैनरसाला । जानतिना
अँगकौवदलौकबिसोबदलौबदलौकहैमाला ॥ १४ ॥ रूपर-
सालबिसालबन्यो मनमथ्थकोजालपस्योलखिलैरौ । होनल
गेलघुतेंदृगदीरघ कंचनओपउरोजउभैरौ । पंगुकहैनवजो
बनअंग चुभैरसरंगनहूसमुभैरौ । चौरकोचोरौलगावति
मोहि सरीरकौतोहिकछूसुधिहैरौ ॥ १५ ॥ जानतिआनिप
रौसफरौ जबनैननकोप्रतिबिंबनिहारै । बातकहेसोंखिनैसब
सों कछुचंचलताकौसुधैनासँभारै । अैसेसुभायभएहैंनए नु
गजासगएअरकौंनसिधारै । चौरसोंछालिकैनीरभरैफिरि
तौरपैआनिकैगागरौढारै ॥ १६ ॥

॥ अथ ज्ञातयौवनालक्षण ॥

जानैजोवनआगमन अपनेतनजोबाल।
ज्ञातजौवनाकहतहैं ताकहँसुमतिविसाल ॥

॥ ज्ञातजौवनायथा ॥

—०O०—

जौलवधूतनतौलतिडोलति बोलतिसौतिनकैमनमाखै। जङ्घनितंबनकीगरुताबहि पाँयगयंदनकोमदनाखै। आगमभीतरुनापनको विसरामभई कछुचंचलआँखै। खंजनके जुगसावकमे उड़िआवतनाफरकावतपाँखै॥ १॥ खेलति संगकुमारिनके सुकुमारिकछूसकुचीमनमाहीं। कामकला प्रगटीअँगअंग विलोकिविलोकिहँसैपरछाँहीं। अञ्चलनैनर हैउरअंचल लैछिनहीँछिनचंपतिबाहीं। डारतिहैसिवके सिरअंबर मानोदिगंबरराखतिनाहीं॥ २॥ जादिनतेंपल्यो जोबनजानि नवेलीकोंतादिनतेंसुखछावति। रीझअसीरघु नाथकीसौंह अनेकनरीझिकीबातेंबनावति। ढाँपतिछाधन सोंफिरिखोलति हेरतिफेरडरोजैछपावति। चित्तमेचोपचो रायसखीनसों नित्तनईअँगियाबेंवतावति॥ ३। पंकजसी विकसीदुतिदेहकी दौरिगोराईगईहैदिसासी। जागिउठीचतुराईचिरीसी भईमतिसौतिकीमौनकिसासी। गोकुलकेचखसेंचकचावगो चोरलौंचौंकिअयानविसासी। जोबनभोरभयोतियकेतन जातिरहीलरिकाईनिसासी॥४॥ आरसीमैअवलोकतिआनन भूषनभूखिसँभारतिबाँहै। संगसखीनमैसीखतिसुंदरि कामकलाकमनीयकथाहै। जानदरी

तनजोबनजोनत छौनतसौकाबिसोभराहै । फूलेसरोजनके
हरवासिस ओछेउरोजनचोजनचाहै ॥ ५ ॥ अवतोतियबै
ठिइकंतसखौनसों कोककथाबिबिधारैलगी ॥ सुबिजौतिनके
गुनकोचरचा द्विजजूतियसौंहुमरोरैलगी । ननदौकीडिठा-
मिलतेंहुरिकै रतिभौनमैजातनतोरैलगी । अभिलाखभरे
पियप्रौननिसै दिनद्वैनैंपियूखनिचोरैलगी ॥ ६ ॥ गोकुल
जोवनजानिपरौ दिनद्वैकतेंह्वै गईबावरंगोली ॥ भूखनभू
खेजराधिनकें पहिरैफरियारंगिसौरमसोली ॥ केसरिसोंसु
खमाजतिआँजति लोचनबोलतिबालरसोली ॥ रीभरौझ
पनीछबिकी चलैगैलमैछांहचितौतिछबोली ॥ ७ ॥ जोवनजा
लिपऱ्यौजबसों तबसोंरहैभावअनेकनथापति । सामैनजाय
गोपालकेगेह घरौघरोधायकितेकजदापति । दैअनजोरौ
गिरायकैअंचल गोकुलहेरहसौंहौंह्वै कांपति ॥ बारहबार
कजायइकंत अलौकुचह्वाथनसोंललौनापति ॥ ८ ॥ बालप-
नेकेहुतेअँगजोर तेआयअनंगकियेकछुऔरै । आननचंदस
मानभयो अरुखंजननैनभएबरजोरै । कौंलकलौसेकरेकुच
उन्नत औरउपायभएनहींथोरै । दौपतिआपनीदेखिछकी
तिय आरसौआगेतेंटारैनभोरै ॥ ९ ॥ छातीनितंबलखेदु-
लहौके सखीनहूँकोमनसालचानी ऐसौनवेलौकेनायकहू
जेहि आगुसमैसबयौं बतरानौ सुन्दरजोबनरूपसराहत सु-
न्दरौआंखिनहौंमैलजानौ । दौठिबचायसखीनहूँकौ निजदे
हकोंदेखिउह्वौमुसक्यानौ ॥ १० ॥ बारहौंबारबिलोकतिछा
तोकों बातैं कढ़ै कहुँ जौभरसोलौ । देखतिआरसौमैमुसक्या

तिहै छाड़िदईवतियाँअरवौलो। आँचरसौंचिकैअंगढुरावति
छोननपावतिजैनियौढोलो। धोरेईछौसनसोंलखिलालच-
लैवहदेखतछाँहँछनौलो ॥ ११ ॥ रंगअनूपदैअंगकछू नखते
सिखलौंफिरिसोधसुधारे। सौखिजेकोंतरुनापनके सएवाल
पनेकेविलासविसारे। रूबेहीदेखतहैदृगजे ततकालहिंतेज
तिरौछेकेडारे। औँचकआयोअहाँतेंधौं जोवन खोइवेकों
अवख्यालहसारे ॥ १२ ॥ काह्लकिपूरनपुन्यलतासुतौ वेलि
अपूरवहूउलहीहै। सोनेसोनाकोसरूपसबै कारपल्लवकाँति
कहाउमहीहै। फूलहँसीफलहैंकुचजाहिके हाथलगैसुकृ-
तौसोसहीहै। आलौकरीसुनिकैवतियाँ मुसुकायतिया
सुखनायरहीहै ॥ १३ ॥ केसरिवारहीवारउतारति केसरि
अंगलगावनलागौ। आइहैनैननिचंचलता दृगअंचलवास
छबावनलागौ। दूरहकेअवलोकनिकोंवा अटानिअरोखन
आवनलागो। छौसहोतौनकतेंवतियाँ मनभावनकोसनभा
वनलागो ॥ १४ ॥ खेलनकोरसछाड़िदियो दिनहैकतेंराति
कहाँवसतीहौ। अंडनअंगसँवारनकोंनित केसरिचंदनलैघँस
तौहौ। छातीनिहारिनिहारिकछू अपनीअँगियाकोतनौक
सतौहौ। तोतनकोअँचराउघर्यो अवसोतनताकिकहाहँस
तौहौ ॥ १५ ॥ चौकमैंवैकौनरायजरी तेहिँजपरवारवना
रतिसौंधे। छोरिधरौहरौलंचुकौहानकों अंमनतेंजगेजो-
तिकेकौंधे। छाईउरोजनकीछवियों पदुमाकरदेखतहौँच-
कचौँधे। भाजिगईलरिकाईमनो करिकंचनकेदुहुँदुंदुभौ
औंधे ॥ १६ ॥ नदसासुजेठानौपरोसिनकोंतजि सौतिनकेअ

बसेरोकरै । उरअंचलकोकरसौँ तनिकै हियरेकेहरालखि फेरोकरै । रतिमंदिरकेमनिपुंजनिमै प्रतिबिंबनिआपनेहे-रोकरै । कछुद्यौसतैँकौनवयारिलगी पियसेवकैमूढ़चिते रोकरै ॥ १७ ॥

॥ अथ नवोढ़ालच्छण ॥

दोहा ॥ जोमुग्धाभयलाजवस चहैनपतिपरसंग ।
वर वसगहिपियरतिकरै गुनहुनवोढ़ाढंग ॥

॥ नवोढायथा ॥

जाअललैदुलहीसोंमिलायहैं नीकोमहूरतविप्रबतावै । सोसुनिनारिनवोढ़हिये नवसंगसकेडरकोघरछावै । पौरीप रीसुखबौरीनखाति गरेहिलकीभरेबोलबरावै । गोकुलऔरकहालौँकहौं दिनबूड़तहीजियबूड़तआवै ॥ १ ॥ कोरिउपायनतैँदुलहीकों सखीछलिल्याईअनंगअपारहै । बावरीयाजुभईछबिसों सुनिकुंजकीओरकरीसुखसारहैं । मंडनजालबन्योपरजंक कटाच्छकेबानछुटैसुसारहै । नंदकिसोरकीजोरजलूससों रंगकीरातिरचीलौसकारहैं ॥ २ ॥ काहेकोंमोहिसतावतीहौ सिगरीमिलिलैनहूहांतैँ हलौंगो । मैकहौंजोसोसहौकरोही रघुनाथसखीनहुँलैहोंनछलौंगौँ । जानिपर्योसुखसोहूकोंहोयगो आगेअनेकअनंदभलौंगो । तेरीसौं तेरेकहेपियप्यारेपै आजुतौनाहूँपैकालिचलौंगो ।३। खेलतहीसजनीनकेसंग नईदुलहीसुरनारिकोनाई । वैसोवछूछबिलागतिनीकी सुताकेहूभाँतिकहीनहींजाई । ताहीसमैतहँआयवोलालको ख्यालहीमैकह्योकाहूलुगाई । चौं

खिउठीयइरानीखरी मुखपीरीपरीअँखियाँभरिआई ॥४॥
अवतैं हूं कहैतिहिँभाँतिकीवातैं कठोरहियेकीभईतौकहा।
हरिनीकोंचहैहरिसंगखिलायो अबूझमैंबुढ़िगईतौकहा।
बिधिअैसियैजोरचिराखीअली बिसवासिनीआडलईतौकहा
सेवकाईभलीहमैसौतिहीकी दयातोहिदईनदईतौकहा॥५॥
सुखआकरमानैनिसाकरकोन दिवाकरतैंअनुरागीरहै।
तजिलाजकेथ्यानपरोसिनहूंकों जेठानिनतैंज्वरजागीरहै
कविसेवककूठिसहैलिनसों सुठिसासुकेप्रेमनपागीरहै। चि-
तआनिकैवानिपरीथोंकहा नितसौतिकेसासनखागीरहै।६।
दिसिपूरवपच्छिमदाहिनेवाँए अधोरधसंकनमेलीफिरै। स-
खिसौतिकेपीछेंलगेछिनजैसें गुरायिनीकेसंगचेलीफिरै।ट
हरैठहरैनहींसेवकयौं खरपौननज्यौंवनवेलीफिरै।मन
मोहनकेडरमैघरमै अलवेलीअकेलीअकेलीफिरै॥ ७ ॥
सायसखीकेनईदुलहीकों भयोहरिकोहियोहेरिहिमंचल।
आइगयेमतिरामतहाँ घरजानिएकंतअनंदसोचंचल। दे-
खतहीनदलालकोंबालके पूरिरहेअँसुवाँनदृगंचल। बातक-
हीनगईसुरही गहिहाथदुहूँसोंसहेलीकोअंचल॥८॥बाल
नवेलीकोंऔंचकलाल गहीगहिआसविलासकलाको। चंच
लहोतिअनेकनभाँति छुटैवेकोंछूटैनमूठिललाकी।अैसीवसी
छविभूषनसों रघुनाथलसीउपमाअवलाकी। मूरतिवंतवला
हकहाथ जरीमनिमानोछरीचपलाकी॥ ९॥

॥ अथ नवोढाकीसुरति ॥

कौंपतिहैतनकांपवडोडर आवतमोलिनबूंटिगरोगो। छुटि

वेकौंनउपायचलै छलगोकुलनाथकरोपकरोतो। नारिनवो
ढकौदेखिदसा दूहिँद्यौसकेसंकटमेनपरोको। कोरतनीवी-
किडोरीभरो धनलूटतमेवमनोकछकरोसो ॥ १० ॥ महिलार
तिमंदिरमैपियकों पहिलेईमिलायोचहैअबलै। मुखप्यारे-
कोनाम्सुनेझिझिकै वहसोनविनाजललौंकसलै। मुहँमाहीं
लगीजकनाहीँ मसारख छांहीँ छुएकरकैउछलै। निकलै
छितिमैसगकौंलदलै पगयौंमसलैमचलैनचलै ॥ ११ ॥ लैपर
जंकनिसंकनवेलीको अंकमैलायलगेगहिगूँसन। जवनसोँ
कसिकैकविसंभु भुजाभरिभेंटिलगेमुखचूमन। गोरेकरेरे
तरेरेउरोजनि देकरलागेललाकुझिझूमन। गूँजनलागोग
रोअलबेलीको नीरभरोपुतरीलगीघूमन ॥ १२ ॥ आईहौ
गौनेनईदुलही उलहीछबिसोंपरजंकमैसोई। औंचकनंदकि
सोरगह्योतिय अंकससंकरहीभयभोई। चौंकिपरीउचकी-
नसकीभुकी योंपरजंककेबाहिरजोई। इन्दुसनोअपनेकरतें
बिंदियाअँसुवानकेबुन्दसोधोई ॥ १३ ॥ भूखनप्यासकछू सिग-
रोदिन आवतभूषनभेषवनैवो। लोचनलाजलगोयेरहैं रति
केघरकोँमनआवैनऐवो। केलिकथानसुनेडरपै नसुहायस
हेलिनकोसमुझैवो। प्यारेलईछतियामेछपाय पैचाहैतजाछ
लसोंछुटिजैवो ॥ १४ ॥ नवलाकोंभुलायमिलाईसुतो रति
रूपकेजोरजवालेपरो। अधराधरखंडनमंडनसोंद अनंगत
रंगनवालेपरो। सिसिकैसुसुकैरसकैरिसकै प्रियसेवककेअँवा
वालेपरो। मृगराजछुधारतआरतके हरिनीमनुहायहवा
लेपरो ॥ १५ ॥ मृनालकेतारहुतेँ सुकुमार नईदुलहीरतिकै

सेसहै । वाहैरासञ्चानकाञ्चकभरी परीनेसुकाहूनिचलीन-रहै । सरकौडरिकैञ्चरकैवरकै पारकैनरकैभचिवोईचहै । तियसोवोगहैनितञ्चोढनपीवौ गरीवोगहैकारनीवोगहै।१६।

॥ अथनवोढाकोसुरतांत ॥

राकाकिरैनउदौतञ्चोचंद नहोयससानजोकोजियेहूलसो । वैसनईञ्चलनाईनई लखिसौतिनकेतनवाढ़तसूलसो । सोर-तिकेस्रमखेदसन्यो कारचंपिकेनेरेभयोसुखमूलसो । ञ्चानन सोंतियञ्चाननलायो गुलावसों भौज्योगुलावकेफूलसो ।१७। जामिनीजागीजगाईहैलालन नीदलखौञ्चंखियांसेरहीभरि सेजसंवारनपाईनफेरिकै घेरिकैञ्चालसञ्चानिरहीपरि । सोवनदेहुजूसोभालखौ रघुनाथखरेपलिकाकेतरेहरि । ञ्चै-सीलसैविधिनैथिरकैमनो राखौहैवारिधिमैविजुरीधरि।१८। छूटीचिकैंपरीप्यारीतहाँ भरजंकतेंफैलिरहीप्रभाभूपर । लै वरजोरीकरीपजनेस वसीकरसीतसबीरवधूपर । देखुरीपी नपयोधरपैंनख लागेललालचाततिहूंपर। मानोखरादच ढेरविकौ किरनैगिरीञ्चानिसुमेरकेजपर ॥ १६ ॥ विथुरी ञ्चलकैंभालकैंस्रमवारि सखौकोंगहेकरहालतसी । हगनी दूभरेमुखजंचौउसास सुगंधदसौंदिसिचालतसी । रघु-नाथसतंगजकौगतिगोपि गहेंयियपैरिसपालतसी । तिय-जागिचलीरतिमंदिरतें सवसौतिनकेउरसालतसी ॥ २० ॥ ञ्चातुरह्वै पियकेलिकरीसु भरीनिजञ्चंककरीमनभाई । चं पकमालसीवालमनोज मनोकरमीडतमैकुंभिलाई । गुंध

रहौंनिरखौअबलौं सुखपौरीपरौछतियाँधकछाइ। याँवध रैघहरैकहरैसु मरूँकरिभौंनतेआँगनआइ॥ २१॥

॥ अथ विश्रब्धनवोढालक्षण॥

बहैनवोढाजोकछू पीतमसोंपतियाय।
तौविश्रब्धनवोढतिय बरनतसबकविराय॥

॥ अथ विश्रब्धनवोढायथा॥

जाहिनचाहगहूँरतिकौसु कछूपतिकौंपतियानलगी है। त्यौंपद्माकरआननमेंरुचि काननभौंहँकमानलगी है देतिछतियानछुवैंछतियाँ बतियाँनमैंतौसुसक्यानलगी है। पौतमैपानखवायवेकों परजंककेपासलौंजानलगी है॥ १॥ केलिकैरातिअघानेनहीं दिनहींमैललापुनिघातलगाइ। प्यासलगीकोऊपानीदैजाइयों भीतरवैठिकैबातसुनाइ। जेठौपठाइगइदुलही हँसिहेरिहरैंमतिरामवुलाइ। कान्हकेबोलसैंआननदीन्हो सुगेहकीदेहरीपैंधरिआइ॥ २॥ छुटिकैकटिरंचकछीनभई गतिनैननकौतिरछानलगी। ससिनाथकहैउरऊपरतें अँचराउघरेतेंलजानलगी। लरिकाँईकेखेलपछेलकछुक सयानीसषीनपत्यानलगी। इनह्यौसनतेंपियनामसुने दुरिकैमुरिकैसुसक्यानलगी॥ ३॥ कानसोंलागीबतानकछू हँसिलेनलगीमनमौठीजुवानसों। बानसोंमारिमनोजअवै कहिआवतनेकउरोजउठानसों। ठानसोंलागीचढ़ौदुतिदूनी बढ़ौसुखकौसुखमासरसानसों। सानसोंदौठिचलैलगीजोर दोउहगकोरगईमिलिकानसों४

पाँयनलौंलैचलौंल्याईसखी नखतेंसिखभूखनसाजनुनीको ।
यौंकुसल्योलरिकाईनपिया मिलिजोतोलकेंमनहोतमुनीको।
लागतगाढ़ौमुखसोलैंनवोलै कियोरघुनाथइपायदुनीको। को
टिरंगमहिंएकतरैगनिसि सूलकेआगेसयानगुनीको ॥ ५ ॥
सोयकैलेरीप्रतीतिकैंदेखो हौंभाजिनजाऊंगीयौंहौंडरोज
नि। वेकुदयाकरोआछैखिझावत रातिकीभातिसोंअंकभ-
रोजनि। सायतजारेहौंपौढ़िरहौं परछातीकेऊपरहाथ
धरोजनि। जोकछुभीवेसोकालिपरौं पियपांयपरौंकछूआ
जकरोजनि ॥ ६ ॥ हौंतोकह्यौकछुवातैंकरोगे प्रवीनवड़े
वलदेवकेभैया। तेगुनजानतीतौयहऐनजौं भूलिनसोवती
तौरदुहैया। दाबइलेपरफेरिवुलावत यौंअवआवतमेरोव
लैया। आजतोमैंजोकहौंकरिसोहैंजू आवनरोगेनकालि
कौनैया ॥ ७ ॥ हैंमधुभागनतेंविभना हमरेहितयौंनवसं-
तननावैं। जहैंसिंगारनहौमैंकछूकछुसेवकआदरहौमैंगंवा
वै। एअलिचातुरोकोजैसोई हंसिवोलतखेलतरैनवितावै।
तेरेईसंगपियाढिगजाय चलौफिरितेरेईसंगमेंआवैं ॥ ८ ॥
सैनजौंआईअलोकोलिये पकरीतबसेवकह्वैमुदमातिहै ।
आतुरीदेखतभागीसखी मुगहीपटवाहिरसोंमुसकातिहै।
लाजहकोंनडेरातिअवूझ विसासिनिकेछलकोंपछिताति-
है। केलिसैपीकेपरोसिसंकै रिसकैगह्योअंचलअँचतिजा-
तिहै ॥ ९ ॥ आईहैगौनेनईदुलहो उलहीहियलाजअछूअ
छुटागै। खोलनदेतिनकंचुकीकेवँद हाथसोंहाथगहेंनिसि-
जागै। नाहींकहैमुखसोंमुखलावति गूँघरकोमनप्रेमसौंपागै।

हेरतिहैदृगघूंघुटसैतिय हाहाकरैपैहियेनहिंलागै ॥ १० ॥
करसोंकरफेरैफिरैसिकुरैसुरुरैदुरैअंगबचावतिहै । भजि
जैहींतोफेरिनऐहौंकबौं कहिसेवकयौंललचावतिहै । बिच
घूँघुटओटनहीसैभुकै तुलैदूसरौबातनआवतिहै । ननदी
लखिचोरसौहँसोरौकरी बरजोरीनतौजकोभावतिहै ॥ ११ ॥
पौढिदैपौढ़ीदुरायकपोलन आनैनकोटिपियाजऊपोढ़त ।
बाँहनबीचदियेकुचदोऊ गहैरसनासनहींसनसोंरत । सोव
तजाननेवाजपिया करसोंकरदैनिजओरकरोटत । नीवी
विलोचतचौंकिपरी मृगछौनसीबालविछौनापलोटत ॥१२॥
जंघनिजोरिकठोरज्यौंपाहन बाहनबीचउरोजनिगोवति ।
नीवीकिगाँठिदईगहिगाढ़िकै नाहकयौंसिगरौनिसिखोव-
ति । लालनकेमनसेहूहिंभांति भरीघरीकामसँतापससोवति
लाजकोऔडरकोपटतानि यौंप्यारीपियापियकेसंगसोव-
ति ॥ १३ ॥ पगसोंपगपौंडुरौपौंडुरीसों कविसुंदरजंघनिजो
रिरही । कुचदोउगहेकरएकईसों करएकसोंनीवीहूगाढ़
गही । इहिँभाँतिलियेउरपीतमके संगसोवतहौनवलादुल-
ही । अखिहोंतोगईछकिसौछबिदेखियौं रातिकौरीझिन
जातिकही ॥ १४ ॥ बैरिनमेरौकितैगईवे करछाड़िबिसासि
नदेखनहूँदै । यौंकहिकैउचकोपरजंकतैं पूरिरहीदृगवारि
कोबूंदै । जोरनदेतिनहींसुखसों सुख छोरनदेतिननीवीकोफूं
दै । देवसकोचनसोचनतैं मृगलोचनीलोचनलालकेमूँदै १५
नैननसौलकछूअनसोलति नैसुकनौदकोभावसुभोयो । दावि
रहीपिँडुरीपिँडुरीसँग नेवरकोभनकारविगोयो । छैलछ-

साँझहीसेजलौंल्याईसखी नखतेंसिखसूखनसाजचुनीको ।
यौंहुलस्योलखिप्रानपिया जिमिजोतमिलेंमनहोतमुनीको ।
लाजगड़ीमुखखोलैनबोलैं कियोरघुनाथउपायदुनीको । को
टिरंगैनहिंएकलगैजिमि सूमकेआगेसयानगुनीको ॥ ५ ॥
सोयकैमेरोप्रतीतिलैदेखि हौंभाजिनजाउंगीयौंहौंडरोज
नि । नेकुदयाकरोकाहेखिझावत रातिकीभांतिसोंअंककभ-
रोजनि । साथतिहारेहौंपौढ़िरहौं परछातीकेऊपरहाथ
धरोजनि । जोकछुकीवेसोकालिपरौं पियपाँयपरौं कछूआ
जकरोजनि ॥ ६ ॥ हौंतोकह्यौकछुबातैंकरोगे प्रवीनबड़े
बलदेवकेभैया । येगुनजानतीतौयहसैनहौं भूलिनसोवती
वीरदुहैया । दासदूतेपरफेरिबुलावत यौंअबआवतमेरोव
लैया । आजुतोमैजोकहौकरिसोहैंजू आजकरोगेनकालि
कौनैया ॥ ७ ॥ हैमधुभागनतेंबिग्रना हमरेहितक्यौंनबसं-
तबनावै । जैहैंसिंगारनहीमैकछू कछुसेवकआदरहीमैगंवा
-वै । एअलिचातुरोकौजैसोई हँसिबोलतखेलतरैनबितावै ।
तेरेईसंगपियाढिगजाय चलौफिरितेरेईसंगमैआवैं ॥ ८ ॥
सेजलौंआईअलीकोंलिये पकरीतबसेवकहूमुदमातिहै ।
आतुरीदेखतभागीसखी सुगहीपटबाहिरसोंमुसकातिहै ।
लाजहूकौंनडेरातिअबूझ विसाखिनिकेछलकोंपछितातिहै । केलिमैपीकेपरोसिसकै रिसकैगह्यौअंचलऔंचतिजा-
तिहै ॥ ९ ॥ आईहैगौनेनईदुलही उलहीहियलाजकछूअ
नुरागै । खोलनदेतिनकंचुकीकेबँद हाथसोंहाथगहैंनिरि-
जागै । नाहींकहैसुखसोंसुखलावति गूँघरकोमनप्रेमसोंपागै ।

सुजाघरैं पौढ़े गरे तिरछैं ललनालपटातिलजोहैं । ज्यौं सुख
सोरि कैहै दुलकाय बकायतिया बतियाँ तरोहैं । सो हैं निहा
रिकैकौं दरसेस अनेकनहौं पियध्यावतिसोहैं । सौंहैं नकैहूँ स
कैहूँ सकोचन सौ बनलाडिलीकेललचौंहैं ॥ ४ ॥ हौसभरी
सिगरौ सजनी सजि नीको सुनावतीं कामकहानी । वैनीवसैवृ-
जराजमेप्रान रहै हू हकाजनमें नितसानी । दौरि चलैरतिगे
हकौं नेहतें देहूँसकोचसेयौं अकुलानी । एकौसतो ठहरात
नज्यौं थहरात पुरैनिकेपातकोपानी ॥ ५ ॥ पेख्योचहैपिय
कौंविनओट बनैनकछू विनघूँघट खोलैं । आवैनसंगकुटोपति
को सकुचैनकरैकछु कामकलोलै । चाहतिवातकह्योनकह्योप
रै जातरह्योनरहैअनबोलै । झूलत है मनप्रानपियारीको ला-
जमनोजदुबौचहिंडोलै ॥ ६ ॥ लौलगीलोयनसैलखिवेकी उतै
गुरुलोगनकोभयभारी । प्रेमरह्योभरपूरकिसोरीके लोक
कौलीकनजातिनिवारी । चाहतहौचितचोरकोंसोभ चवाइ
नकोडरगैचरचारी । लाजमनोजकेबैठहिंडोरमैं झूलति है
वृषभानदुलारी ॥ ७ ॥ लाजविलोकनदेतनहौं रतिराज-
विलोकनहौंकोदईमति । लाजकहैसिजियेनकहूँ रतिराज
कहैहितसोंमिलियेपति । लाजहुकौरतिराजहुको कहैतो-
खकछू कहिजातिनहौं गति । लालतिहारियैसोंहकरों वह
वालभईहैदुराजकीरैयति ॥ ८ ॥ कंचनकेपिंजराकविसौं
निजहाथनसोंकमनीयसँवारे । हारिदएपरदातिनपैं प्रति
कालिनिराखिदएरखवारे । सुन्दरलैपकवानवने पयसानख
वावतनायगिनारे । काहेकोंकेलिकेमंदिरमे सुकसारिका

राखतपीतमप्यारे ॥ ९॥ अंगनिअंगउमंगनिसों पहिरेगह नेसबसूभेसुभाइन। केसरिकोअंगरागकियो रचिचंदनखौ-रिचौचितचाइन। बेरकरेंगोंसबैघरकौ हगदेखोअनो-खोतुहीठकुराइन। हौंहरिहारोहहाकरिकै एकनूपुरक्यों पहिरेनहींपाइन॥ १०॥ सिगरीगुरुबालनिखायगई तिय भाँवतेपैहियमोदभरैं। धुनिपायलकीपसरैनकहूं यहजो-मैघरेधरिपाँयहरैं। रघुनाथचितैहँसिठाढ़ीभई पलघूँघुट कैहगनीचेकरैं। सकीसेजपैबैठिनलाजनतें फिरिबैठिगईप लिकाकेतरैं॥ ११॥ दिनचारितेंबातैंबरोबरिकोसुनि जो बनमेंपगधारतीहै। सिसकौनकेखादकेआसलगी निसिबास रखाससुढारतीहै। छविभूमतीहैभ्रुकिभूमकोमें नखराम नमोरिनिहारतीहै। रतिरंगकीचोटेंसहारिबेकों अबना कसरोटैंसँवारतीहै॥ १२॥

॥ मध्याकीरतियथा॥

ऐंहैंप्रवीनमहासिगरी परिहासकेलच्छनलच्छिगनैगी। मोसोंसँवारहीबोलनकों चतुराईकेबैनविचारिचुनैगी। नेकु रहौमतिबोलोअबै मनिपाँयनपैजनियांभभनैगी। जागती हैंसगरीसखियां वलिनेवरकोभनकारसुनैगी॥ १३॥ भाँ-भरियांभनकैंगीखरी खनकैंगीचुरीतनकोतनतोरे। दासजू जागतींपासअलीं परिहासकरैंगींसबैउठिभोरे। सोंहँति-हारीहोंभागिनजाहुँगी आईहौंलालनिहारेहीथोरे। के लिकोरैनपरीहैघरीक गईकरजाहुदईकेनिहोरे॥ १४॥ मुखचुंबनमैसुखलैजोभजे पियकेसुखमैसुखनायोचहै। गल-

बांहीगोपालकेमेलतहौ सुखनाहींकहैमनतेंनकहै । नहिँ
देतिनिवाजकुवैछतियाँ छतियाँमेलगायेतेंलागीरहै । कर
खेंचतसेनकीपाटीगहै रतिमैरतिकीपरिपाटीगहै ॥ १५ ॥
कटिकिंकिनीनेकुनसौनगहै चुपह्वैवोचुरीनसोंमागतीहैं ।
सबदेखतदेवअनोखेनए विछियानकीजीभैंनलागतीहैं । सुक
सारिकातूतीकपोतीपिकी अधरातकलौँअनुरागतीहैं ।
छनएकछमाकरिदेखोइतै घरहांइहहाअबैजागतीहैं ॥१६॥
मायकेमैमनभावनकीरति कीरतिसंभुगिराह्नगावति । हे
रिहरेंहरें हाहाकरै करचाँपिचुरीनकेबोलछिपावति । पैंज
नीमूँदेबजैबिछिया बिछियागहेपैजनीसोरमचावति । किंकि
नीकेडरपीतमकी कटिसोंलपटानलगीकटिआवति ॥ १७॥
धुनिकिंकिनीहोतजगैगीसबै सुकसारिकाचौंकिचितैपरिहैं।
कनखैपुनिलागिरहीहैंपरोसिन सोसिसकासुनिकैडरिहैं ।
जनिदेहुडरोजनमैनखलाल प्रभातसखीसुखिसीकरिहैं । न
दलालहहाअधरानडसो ननदीमुखदेखिवदीकरिहैं ॥ १८ ॥
जागतमोहिजगाईनिसाभरि मानतहौनहीँ फायँपरेमै । वै
ठिवेकोंगुरुलोगनके ढिगमैयहबानिकहाहैधरेमै । गोकुल
नीदभरेआपकैंचख पावतहौकहाऐसीकरेमैं । हायलजायवे
कोंहमकोँ चलिआवतभोरहीभौँनभरेमै ॥ १९ ॥ पठईसस
आयसहेलिनियों कोऊमायकेमेमिलतीनकहा । पलिकापर
लैउरलायलला लपटातमैसंगलजातिमहा । घुघुरूनकोसो
रसुनेसकुचै पियहोतज्यौंज्यौँअतिलालचहा । तियत्यौंत्यौँ
तिरौछीकरैअँखियां अनखातिमहाअरुखातिहहा ॥ २० ॥

दरत्तायकेमेतहाँआधीनिसागए सेजगईपियचायलकी।कवि नासलईउरलायपिया रतिरंगतरंगरिझायलकी । भानकै चखुओरनकेखनकै रसनासुखदावतिकायलकी । सिसकीसु खलैअँगुरीगहिके धनधीरीकरैधुनिपायलकी ॥ २१ ॥ पिय साइकेसैलनभावतीको परजंकनिसंकह्वै अंकभरै । दगमू-दिसकोचनिखातिहहा मतिरामजूबालकलोलकरै । रति रंगसमैगुरलोगनके जिनकाननमेभानकारपरै । दूनलाज-नितैँ करकंजनिचंचल पैजनीपाँयनकीपकरै ॥ २२ ॥ आन दसोँ भरेदंपतिसेजपै लूटतहैनिधिलोचनदूकी । पीयकहीर तिओवतियाँतिय नाहीँ गहीलहीलाजकछूकी। बाढ़िपरेइ हहेरघुनाथ कहाकहियेवुधिनौलवधूकी । दीठिबचायकेलो-लदईछलि पाँयतेखोलिघुडीघुँघुरूकी ॥ २३ ॥ बातनिसोँ छलकैबलकै कछुपीतियसोँरतिधूमसचाई चूरतनीकरिदूर करी अंगियाहिउरोजनतेँछविछाई । चूमिकपोलहिपीअ-धरारस हेरघुनाथकरीजोसुहाई । एकरहीगहिहाथकेजो रन नीवीकीडोरनछोरनपाई ॥ २४ ॥

॥ विपरीतयथा ॥

राजतिहीविपरीतरची हियमेपियसोँतियवँधिकैवानो । हेरघुनाथकहाकहिये दगलाजसोंनीचेकियेसुखसानो । लोल कपोलहिछ्वै लटकीलट लोटैपरीकुचपैँसोहींजानो । कोक संजोगीविलोकससी सोसिवारसोंमारिजुदेकरैमानो ॥२५॥ तियमानीमरूँकरिकैविपरीत मनाईललाविनतीवहुकै । कविबेनीखुलोरसकीबतियाँ मुकुलीअँखियाँछकिआनदछ्वै ।

छतियाँपरलोललुरैं अलकैं सिरफूलअरूभिसोयौंदुतिदै ।
चपिसेसकेरङ्गनिसैचपटै उचकैमनोराहुदिवाकरलै ॥ २६ ॥
विपरीतसमैपियरीनरियाँ अँगियासुपयोधरियाँफबियाँ ।
मदनातुरतीतिनऊपरस्वास दुमेजनकीभ्रमरैं भ्रवियाँ । क-
विलालसकुंदअनंगसुनार गढ़ीअपनेगुनकैंसवियाँ । सनु
भारतचादवरीछिनतें निकसीमालकंचनकीडिबियाँ॥२७॥
अलकैंछिटकीकहितोखनिकी सिखिकीअधहेरतहीयहरै ।
उससेदवित्यौंत्योंवनैकरतें कलकिंकिनियाँकटिकीपकरै ।
बतियाँकहैंनाहींपैनाहींतिया जकिसीथकिसीछतियाँपैपरै
सुकनासासिकोरिउसासैंभरै विपरीतसैप्यारीतमासेकरै २८।

॥ मध्याकोसुरतान्त ॥

रेखकछूकछूअंजनको कछूकंजनकोअरनाईरहैभ्वै । आलस
लाजिपगेरघुनाथ कछूकछूचंचलताकोंरहेछ्वै । ऐसेलखेहग
प्यारीकेप्रातहि भौंहसमेटिरहीउपमाह्वै । वेलिसिंगारकी
द्वैदलकेतर खेलतखंजनकेबिगुलाद्वै ॥ २६ ॥ बालउठीरति
केलिकिये कविसुन्दरसोहतअंगरसोहैं । आरसीलैमुखदेखि
सकोचन सोचनलोचनहोतलजोंहैं । लालहँसेदूंहिंबीच
रही ललनापियकोंतकिकेतिरछोंहैं । योंछिकपोलअँगोछ
तिओंठ असेठतिआँखिनऐंठतिभौंहैं ॥ ३० ॥ प्रातउठीर-
तिसानअटू धुनिलालसिखीकीहियेखटकीहै । चाहभरीअ-
लसातिनितंबिनी बातनमोहनसोंअटकीहै । उन्नतकैकरजो
रिकेबांह बढ़ीछबियोंमुखकेतटकीहै । कंजसनालकेकुंडलमै
मनो सीखतचंदकलानटकीहै ॥ ३१ ॥ केलिकलोलकेरंगमै

सुन्दरी प्रीतमसंगरसौरजनीहै । नेहसनीदरसातिभट्ट अर सातिमआरसातिवनीहै । औरहीसोभाभईद्दगमानु अ नंतन कौसिरसौरजनीहै । नाहकेनेहकीसोहैसनी पटला- जसैंचारूछनीसौवनीहै ॥ ३२ ॥ पियकेसंगरातिजगीसुखसौं छविअंगअनंगकोछायरही । रघुनाथनवानकचायकही ब- नौजैसीवाछूसुखदायरही । तक्रियापरबोऊदयेसुजमूलको बैठीयौंसोरहीआयरही । करलैकैबिरीसुखलायरही अर सायरहीऔलजायरही ॥ ३३ ॥ सोवनदेहुजगाओहूनहैं मत जोयैललाजियबातलोभानो । जागेतें याछविसोंनहींभेंट खरेरघुनाथलखौलखिजानो । कैसीबिराजतिहैपलिका हग नीरभरेअतिआलससानो । खासीलनोजमहीपतिकौ यह बालौधरीनवलासीहैसानो ॥ ३४ ॥ ओरजगीवृषभानललौ अलसैविलसैनिसिकुंजविहारी । केसवपीकछतअंजनओरन पीककौलीकगईसिटिकारी । नैकलग्योकुचबीचनखच्छत दे- खिभईद्दगदूनीलजारी । मानोवियोगवराहहन्यौ जुगसैल केसंधिमैंइंगवैडारी ॥ ३५ ॥

॥ अथ प्रौढालच्छन ॥

दोहा ॥ मनभावनकेप्रेममैं पगीरहैसुखधाम ।
कामकलापरवीनतेहिं जानोप्रौढ़ावाम ॥ १ ॥
सोप्रौढ़ाद्वैभांतिकी रतिप्रीताएकहोय ।
आनंदितसंमोहयौं दूजीकहियेसोय ॥ २ ॥

॥ तत्र प्रौढ़ा जथा ॥

आँखिनि मूँदिबेके मिसि आनि अचानक पीठि उरोज लगावै। केहूँ कहूँ मुसकाय चितै अँगिराय अनूप अंग दिखावै नाह छुई छल सों छतियाँ हँसि भौंह चढ़ाय अनंद बढ़ावै। जोबन के मद मत्त तिया हित सों पति को नित चित्त चुरावै ॥ १ ॥
कोटि बिलास कटाच्छ कलोल बढ़ावै हुलास न मोत म होत र। यौं सनिया लै अनूपम रूप जो मैन का मैन वधू कहि होइ तर। छोरि या लारी सुपेद लै सो हति यौं छवि उँ ये उरोज न कौ तर। जोबन मत्त गयंद के कुंभ लसै जनु गंग तरंग न सी तर ॥ २ ॥ राजति राजत जो कुल मै अति भाग सुहागिनि राज दुलारी। आनन की छवि चंद सी राजति जोबन जोति उदोत उज्यारी। केलि समै अलवेली ने कंचुकी खोलि धरी पलिका पर न्यारी। सौति सबै हरनी सी भगौं मनो कामके चीते की आँखि उघारी ॥ ३ ॥
आठहू जाम बिराजति यों भरी काम गहै सतवारे के हालन्हि। चोप भरी रघुनाथ न एन निति भूषति भूषन भूरि रसालन्हि। कोक मैं जेती कही रति रीति सो तेती सबै लिये नीति बिसालन्हि। बालन्हि बानि परी सिगरी निसि सो खति आपु सिखावति लालन्हि ॥ ४ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा को रति ॥

बाजै चुरी बिछुवा घुँघुँरू सुख स्वास बढ़ै ज्यों सुगंध झकोरसों। ऊँचे उरोज लगे थहरै खुलि केस निवाजर हे चहुँ ओरसों। सो लहि लेति सुहाग भरी चितवै जब लाज भरी हग कोरसों। सो गुनो स्वाद बढ़ावति सुन्दरी वार समै सिसकी न के सोरसों ॥ ५ ॥

अँखियाँअँखियाँसुसक्यायसिलाय हिलायदिभायहियोहरिवो। बतियाँचितचोरनचेटकसी रसचासचरित्रनिजचरिवो। रसखानकेप्रानसुधाभरिवो अधरानपैंत्यौंअधराधरिवो। इतनेसबमैनकेमोहनीजंच पैमंचबसीकरसीकरिवो॥ ६॥ अरविंदकेप्रे ससुचंदहूकेन सिलिंदनकोउपमासेकरै। दुतिदंतनकीदुतिदामिनिकी दुतिदाड़िमहूकोदसासेकरै। छकिछैलकेसंगकरैरतिरंग छबीलीतियानछमासेकरै। ससकीनकेबोरनमासेकरै सिसकीनकेसोरतमासेकरै॥ ७॥ अतिप्रेमकोराखिबढ़ीजरसे सुखनाहींबढ़ीगुनऔगुनोसो। फिरहूगईदीठिलजोहींहसोंहीं सवादबढ़ोचितचौगुनोसो। सुखचुंबनकैनिजचुंबनदै परिरंभनसैभयोनौगुनोसो। बहुरूपकौरासिकीकेलिसमै सिसकीनसैहूगयोसौगुनोसो॥ ८॥ औधरआँवतेप्यारीप्रवीनके रंगभरेरतिसाजनलागे। अंगनअंगअनंगनतें अपनेअपनेसबकाजनलागे। किंकिनीपायलपैंजनियाँ बिछियाघुंघुरूमिलिगाजनलागे। मानोमनोजमहीपतिके दरबारभरातनबाजनलागे॥ ९॥ प्रेमभरेजुटिकैपरजंकपै रंगरच्योसबकोड़िकसूरे। जंघउठायदोजतियकी निजकंठलौंकंतकरैरतिपूरे। ज्यौंससकैगहिकैकरसों कटिसोरधरैपगभूषणभूरे। मानहुकेलिकलान केरागनि गावतमैनबजायतसूरे॥ १०॥

॥ अथ प्रौढ़ाकीविपरीत॥

विपरीतरचीरतिदंपतियों जहाँछायरहेबँगलाखसके। क-

बिंदकुहूँनकेओदबढ्यो कहिसोकबिग्रन्दकथानसके। चूम
तिभाँवतोभाँवतेकोसुख देतिउरोजनकेमसके। रसकेउपजाव
तपुंजखरे पियलेतपरेरसकेचसके ॥ ११ ॥ सेजसजीपसयौव
चिंदपति कुंजकुटीब्रजभूपरसी। कबिआलमकेलिरचौविपरी
त मनोजलसैदृगदूपरसी। सरसौरुखआननतें श्रमबुन्द परें
तेजसोमतिसूपरसी। बरसैबरसानेकिगोरीघटा नदगांवके
साँवरेऊपरसी ॥ १२ ॥ रैनिअँधेरीघनेबनमें तहाँबालगईलि
येसीखसखीकी। संभुधस्योपटछोरतहाँ विपरीतरचौहरि
भाँवतेजीकी ॥केलिकेगेहमनेहभरी प्रगटीदुतिअंगअनंगल-
लीकी। कुंजतेंयोंछबिपुंजकढ़ी मनोघोरघटामैछटाबिजुरी
की ॥ १३ ॥ विपरीतिरचौरतिराजिवनैन सुराधिकाराग-
तितापगमै। कपकैपलकैंविथुरीअलकै अरहारलुरैंमुकता
गलै। कविसुन्दरआंईदोउकुचको आलकैदूसिखामदरस
लमै। छतियाँतरतुंबनदैमकरध्वज मानोतिरैजमुनाजल-
मै ॥ १४ ॥ राजतिहैविपरीतरचें मदमैंनभरीतननापनता-
मै। गोकुललोलयेंरतिकीगति कैसीलसैलखिआँकिलैया
मै। भाँवतोकेसुखकोछबिछाँह सुयोंउपटीहरिकेहियरामै।
मानोसुधाधरकोप्रतिबिंब परयोलहरातअरीजमुनामै ॥१५॥
दमकैदुतिलोलतयोंनलकी मुसकातसैगोलकपोलनिपैं। छ
बिकेसरिकीछहरैतनतें कढ़िगाहिरसेतनिचोलनिपैं। विप
रीतमेंनेरमैललना लटयौंद्युरैदृगलोलनिपैं। मनोफं
दसेद्वैमखतूलकेडारे अहेरीमनोजममोलनिपैं ॥ १६ ॥ क-
हिकैरसकीबतियाँलहिकै रतिकेसुखकोंमनरंजनरो। विप

रीतलचायरहीवहुन्याय अरीगहिग्रीवसुपंजनसों । मणिदे
वकहैंदूसिवेनीयोछोर लुरैलगिनैनसुअंजनसों । लखुआय
अलीअनुरागरई लखुखेलतिनागिनिखंजनसों ॥ १७ ॥ विप
रीतरचीरतिराधिकाश्यामनचैंरतिकामकिधौं नटहै । उर
प्यारेकेप्यारीकेताछिनसै छुइजातउरोजविनापटहै । छुटीवे
नीतेंवेनीप्रवीनकहै तिनऊपरआनिपरीलटहै । जानुचंददै
देखलफंदअरै जमुनाजलकंचनकेघटहै ॥ १८ ॥ श्रीमनमोह
नैराधेमिली विपरीतरचीरतिकोपरनाली । हाररहैनविहा
रसे कविराजपगेरससैवनमाली । सौंधेसनीसुथरीविथुरी
श्रालनैंअलकैंहरिकेउरआली । मानोकुटुंबसमेतसहेत फिरै
जमुनाजलपैंरतकाली ॥ १९ ॥ कोककलानकैवेनीप्रवीन व-
हौअवलानिसैएकपढ़ीहै । आजुललैविपरीतमेंऔंगी सुभाँ
गीनयोंसुखम्नैसीकढ़ीहै । तौलोंनटीगहिकेहफटी निपटीउप
साद्युतिदूनीबढ़ीहै । मानोसहाकरिवैरसोंखोजसु लूटीसनो
जसहेसमढ़ीहै ॥ २० ॥ रीतिअनंतरहीविपरीत करीवहि-
रंतरकेसुखछाए । नूपुरमौनवजैकटिकिंकिनी आनदकौन-
पैंजातगनाए । छूटिपरेभुमकाजसवंत सुश्रानननेंकुचऊप
रआए । पूरववैरक्षमापनकोमनों मैनसहेसपैछत्रचढ़ाए ॥२१॥
कामकलानललावसकै विपरीतकोवालकौंव्यौंतबतायो ।
सोदअरीसिसकैससकै उचकैसचिकैरतिरंगवढ़ायो । कान
तेंटूटितयौनापयौ छबिकोजुमढ़ोकुचऊपरआयो । काम
नापूरीअईपियको तियमानोमहेसकौंछत्रचढ़ायो ॥ २२ ॥
केलिकरैं विपरीतसमैहरि मंदभएघुघुरूसुरभूपर । वेंदीज

रायकोछूटीललाटतें छूटिपरीहरयें हरिजूपर। ब्रह्मअनेक वरीकरछोर विराजतयौंहगचंचलदूपर। पंकजपसारिमनो फनिराज सुयोमनिकाजमयंककेऊपर॥ २३॥ जगदीसमिलेरजनीसमुखी रजनीसजनीकिनरीमपचै। परिपूरनकैरस रीतसबै रतिरीतिसमैविपरीतरचै। कुटिभालसें बेंदीलवे नीसुबारक गोलकपोलनमोदमचै। लखिबाधिमनोअरविंदकोपाँखुरी दूंदुकेआगेफनिन्दनचै॥ २४॥ विपरीतमैराधिकारौंनरमैउपमादैसकैकहुकोतिनको। विथुरीअलकैंभपकीपलकैं छलकैंछटासोमुखजोतिनको। कविवेनीलचैकछिहाँउमचै कुचश्रैसेलरें लुरैंमोतिनको। बढ़िमेरुकेस्टंगनिपैंलहरैं छहरैसनौगंगकेसोतिनको॥ २५॥ विपरीतिरचीट्टषभानसुता बिरहानलमेटिकैलालनको। कविनाथनईरचिकोककला रतिजीतिलईछ्जबालनको। हरिकेउरश्याईसीयोंझलकै तियकेतनमोतिनमालनको। इततें उततें जमुनाजलपें जनुपै रतिपाँतिमरालनको॥ २६॥

॥ अथ रतिप्रीतायथा ॥

दीपकजोतिमलीनभई मनिभूषनजोतिकीआतुरियाहै। दासनकोलकलीविकसी निजमेरीगईलगिआँगुरियाहै। सीरीलगैसुकताहलतेज कपूरकीधूरनिसोंपुरियाहै। पौढ़ेरहोपटतानेलला नहिँबोलीअबैचिरियाचुरियाहै॥ २७॥ दासजूरासकैखालिगई सब राधिकासोयरहीरँगभूमै। गाढ़ेउरोजनदैउरबीच सुजानकोंश्रैंचिभुजानदुहूमै। भोरभयेंपियसैनकोसोनो नगेहकोगौनोसकैकरिदूमै। भोरबड़ी

पैपरेनिसिसोनो वनैनसँजावतराखतस्रूमै ॥ २८ ॥ एरज नीखजनीबिनती रहिजारिघरीलौं भईअनुकूलै। हारहिये मुक्तावलीचारु बिचारिकैसीतलतानतदूलै। हेदिननायक हौसवलायक सोभसहायकभावनभूलै। आँपैदुकूलतियाम्बु तिमूल सरोचकेफूलप्रभातनाफूलै ॥ २९ ॥ कान्हअलिंगन आसनचुंबन कीन्हेंअनेकसोकौनगनावै। यौं रतिमानैतिया कौतक पतिकीछतियाँछिनछोड़ीनभावै। भोरभयोपियना नैननैसैं छूतेपरएचतुराईचलावै। आँचरसों ढकिमोतीकी मालकी सुन्दरिसीतलताईदुरावै ॥ ३० ॥ लैपटपीतसकैप-हिरै पहिरायपियैचुनिचूनरीखासी। त्यौंपदमाकरसाँझ होतैं सिंगारीनिसिकेलिकलापरगासी। फूलतफूलगुलाबन के चटकाहटचौंकिचकीचपलासी। कान्हकेकाननआँगुरी नाइ रहीलपटाइलवंगलतासी ॥ ३१ ॥

॥ आनंदात्संमोहायथा ॥

रीतिरचीविपरीतिरची रतिपीतमसंगअनंगभरीमैं। त्यौंपदमाकरटूटेहराते सरासरसेजपरेसिगरीमैं। यौंकरि केलिविमोहितह्वै रही आनदकीसुघरीउघरीमैं। नीवीनचा रसँभारिवेकी सुभईसुधिनारिकौं चारिघरीमैं ॥ ३२ ॥ केलि केअंतमैकंतकीसेजपैं टूटिपरीमुक्तावलिमेरी। लागिरहैअ धरानमैंदंत दुरायेंदुरैनहिंरीतिघनेरी। छूटिगएअँगराग सबै दरकीअँगियारँगीकेसरिकेरी। मोहिनजानिपरीरज नी वजनीरसनासजनीसिखतेरी ॥ ३३ ॥ हँसिवैसेहीमूदेंवि लोचनलोचति वैसेहीभौंहचढ़ीरिसकी। छुटिवैसेहीवेनी

प्रवीनपरी गजमोतिनहूँकोलरीखिसिकी। रतिअंतरहीन कछूसुधिहै बुधिवैसीरहीपरिहैचिसिकी। लगिअंकमनोपर जंकमैलालके वैसहीबालभरैसिसिकी॥३४॥ नरहीसुधिभूष नधारनकी नसुधारनफुंफुदीफुन्दनकी। कहिवेनीप्रवीनअनं दितलीन भईछबिज्योंअमबुन्दनकी। करिकैलिसकेलिरहीभुज मेलि मनोपियकेतनगुन्दनकी। तरसेपरिरंभितचंपलता हु तिकैसनिखंभमैंकुन्दनकी ॥ ३५ ॥

॥ अथ प्रौढकोसुरतान्त ॥

बाँहदुहूँकोदुहूँकेउसीसै दुहूँहियसोंहियगाढेगहेहैं। ऊ- सरीबाँहदुहूँदुहुँऊपर दोउजनेवानजूनेहलहेहैं। सोहैंदुहूँ केमिलेसुखचंद दुहूँनकेखेदकेबुन्दवहेहैं खोयकैदोउजमनोज व्यथा सजअंकसमोयकैसोयरहेहैं॥३६॥ छतियाँछतियाँसों लगाएदोऊ दोउजीभेदुहूँकेसमानेरहैं। गईबीतिनिशापैनि सानभई नएनेहसैदोउबिकानेरहैं। पटखोलैंनेवाजनभोरभ ए लखिद्योसकोंदोउजसकानेरहैं। उठिनेवेकोंदोउडेरानेर- हैं लपटानेरहैंपटतानेरहैं ॥ ३७॥ छूटीलटैं लटकैं सिरहा नेह्वै फैलिरह्योसुखखेदकोपानो। सोहैं नयेनखदागउरोज न ओठनकोछबिहैसुरझानो। पौढ़ीपियाकेगरेंभुजसेलिकै केलिकैप्यारीनिवाजअघानो। नाहकेबाँहदियेतकिया सुख सोवैतियाछतियाँलपटानो॥३८॥ सामतेंभोरलौंप्यारेजगा ई जगेवेकेज्योंतकछूफिरनाधे। सोवतहीमिसुखेलनके करदो जलैफूलकीमालसों बाँधे। सेजहीमैंअँगिरातिजम्हाति अनेक तमासेबतावतिराधे। आधेखुलेहगआधेमुदें अधरामुहते

लकै लाग्यैहिश्रावै ॥ ३९ ॥ लालकलाकारिकैवनिता पलगाँ परसौंहिरहीश्रलसावदै । त्यौंपदलाकरखेदकैवुन्द रहेसुक ताहलसेतनछायकै । विंदुमदैसेहंदीकेलसैकर ताकरपैर-छोरस्नानछायकै । सोयोहैचंदलनोअरविंदपैं इंद्रवधूनकेहै दपिछायकै ॥ ४० ॥ सोरमयेतकियासौंलगीतिय कुन्तलपुंज रहेकपायकै । कंचनसेकरकेतलऊपर गोलकपोलधरेश्रल सायकै । आननपैंविलसैरदकौछवि श्रीपतिरूपरह्योश्रति छायकै । मानहुँराहुसोंघायलह्वैविधु पौढोहैपंकजकेदल आयकै ॥ ४१ ॥ रतिरंगछकौचखसूदतिज्यौंज्यौं त्यौंत्यौंसन मोहनचोपतसे । कविवेनीइहाकरिहाँसीकेहौस जगावत वारैनकोपतसे । करमंडितमोतिनकेगजरा दृगमौड़तश्रा ननश्रोपतसे । अरिकौलनकौंपकरेमनोतारे कलानिधिभू पतिसौंपतसे ॥ ४२ ॥ राधिकाश्यामलसैंपलिकापर कापर गातदसाकहिहालकौ । आपनेहाथसोंरौभिकैसाँवतौ मौ तिसौंश्रंजुलीजोरीगुपालकौ । ठाकुरतामैंधह्योसुखबालनै कोवरनैउपमाहूहिंश्यालकौ । पाननिसैतियश्राननयौंलसै चंदचढ्योमनोकंजकौनालकौ ॥ ४३ ॥ सोवततैंजगीसुन्दरी प्रात उठीश्रलसातिउतंगउरोजसों । देवहुहूँकरकंचुकीदा बि कसीरसनाउकसीचितचोजसों । सारीसँवारिसवाँरति बार जँभानहरैवहठोढ़ीकेश्रोजसों । इंदुसुधाभरिकैदर-क्योलनो सूद्योसुनारिसनालसरोजसों ॥ ४४ ॥ परजंकपरी पतिसोंरतिकै रतिमैसरसीमतिमैसरसै । सबछूटिकैबा-रसिंगारगये तजकोटिसिंगारसबौदरसै । अमकेकनसिंह

चहूँसुखपैं ढरकैंछबियोंउपमादरसै । ननुराहुकेफंदतेंछूटिसुरिन्दहै आनहुंचंदसुधाबरसै॥ ४५ ॥ कैसिवारकेमध्य फस्यौउकस्यौ बिकस्यौबिलस्यौअरबिन्दनयो । किधौंकोरकेपन्ननकौपरभा बिचसुन्दरआरसीरूपछयो । बिथुरेकचबौचबिराजतआनन संभुनयोउपमानदयो । उरडारिकिधौंअतिसाहसकै तमइन्दमैचंदसमाइगयो ॥ ४६ ॥ सखिभोरउठौबिनकंचुकीकामिनि काँधरसौंकरिकैलिवनी । कविब्रह्मभनै छबिदेखतहौं बलिजातनहौंमुखतेंबरनी । कुचअग्रनखच्छतनाहदियो सिरनायनिहारतियौंसजनी । ससिसेखरकैसिरतेंसुमनो निहुरैससिलेतकलाअपनी ॥ ४७ ॥ अलसेहैंसेअंगलजोहेंसेनैन कछूकखुलेसेसुदेबरहैं । परिपीककीलीकैंकपोलरहीं रिपिनाथअनूपमताधरहैं । नखरेखैंउरोजनपैंभालकैं छलकैंछबियौंमुकतालरहैं । धरेसौसकलाससिकौजुतगंग मनोहरदोउमनोहरहैं ॥ ४८ ॥ रसरंगभरे अँगअंगपिया पियसोंहूगयेसुखदैसुखलै । इहिंबीचजगेहरिजूउघरी अँगियाँपरडीठिगईपरिकै । कुचऊपरदेख्योनखच्छतसुन्दर आठकोआंकसोऐसोलसै । मनहूं मनमथ्यकेहाथौचढ़ोसुमहावतजोबनअंकुसलै ॥ ४६ ॥ सोवतिहीरतिकेलिकिये पतिसंगतियाअतिहीसचुपाये । देखिरूपसखीसबसुन्दर रीभिरहींठगिसीटकुलाये । कंचुकीस्यामसजेकुचऊपर छूटीलटैंलपटीछबिछाये । बैठोहैओढ़िमनोगनखाल महेसभुजंगनिअंगलगाये ॥५० ॥ है कुचसंभुसुमेरुकेबीच लसै मुकताहलगंगसोपावन । स्यामरुमावलीराजिरही सुवहैन

सुनासीलगीमनभावन।तासविदेखनखच्छतकेमिसि आयोहै आपनीशोभबढ़ावन। दोउकोंतीरघसंजमजानिकै न्हातम-यंकक्लंकनसावन ॥ ५१ ॥ केलिकैप्यारीप्रभातउठी अलसा तिनह्यातिउमेठतिगातहिं। लैलैदुकूलसँभारैदुहू कर बो-लतिहैतुतुरायकैबातहिं। आँगीहरीदरियाईमेयों उघरे कुचरंचअदेखोलजातहिं। कंजकलीनजभीतरतें निकरीम नोष्ठोरिपुरैनिकेपातहिं ॥ ५२ ॥ तियप्रातसमैअलसातउठी मनसोहनअंचलचीरगह्यो। प्रगटयोलखिभानविहानभयो मुखमोरिकैयोंसृगनैनीकह्यो। दुमिवेनीदुहूँ कुचवीचविरा-जति सोउपमाकविमह्यलह्यो। ज्योंजनमयजयजग्यसमय दुरितच्छकमेरुकोसंधिरह्यो ॥ ५३ ॥ करिकैविपरीतिथकी ललना पियकेढिगयोंअतिभायरही। श्रमकीपलकैं हनुमान कहै रतिकेसनहूँकोलुभायरही। लटएकलुरीसुखतें कुच पै सुभयोंअसछेदगिरायरही। मनुव्यालिनिचंदतेंलैकै पियूष गिरीसकेसीसचढ़ायरही ॥ ५४ ॥ प्रातउठीरतिभी नतेंवाल विलोकतनैननकोंलजेजावक। खेदकेवुन्दनुरैमुख तेंकुचमानोअनंगकेजंगकेधावक। छूटीकपोलनपैअलकै भालकैछविपुंजभरीजनुनावक। विंदुसुधाकेलियेमुखमै जुग इंदुकेवीचफनिन्दकेसावक ॥ ५५ ॥ कामकलाधिकआधिक रातलौं राधिकाकामकीकेलिजगाई। कामसेकान्हरहूँकु-चदैकर सोइरहेअतिसैसुखपाई। ब्रह्मजरावकोमुद्रिकाहै सुलखीलखिलाखकेभावबनाई। देखतकोंपियकोंतियकी हि यकोअँखियैमनौबाहिरआई ॥ ५६ ॥ दूरितेंदीपतिदेखत

हौ प्रतिपच्छवधूनकेहोतरुजाहै । बारिपयोदघटानकेबी जुरीबिजुरीकीलसोतनुजाहै । याछबिसोंसरसातिसनोह राधिकाकीअँगिरातिभुजाहै । कान्हकेकानअलंकितअंखि त सैनकौमानोबिजैकौध्वजाहै ॥ ५७ ॥ भोरउठीअँगिरा- तिजह्माति सखीजलतेंअरिआननआनो । धोवनलागीति यासुखमंडल हेरिहियोरघुनाथलोभानो । सौनतिआँखिल- सौअँगुरी सँगआरसीकेउपमायहजानो । कंचनकेदलसोंनि सिरंजन खंजनकेपरपोंछतमानो ॥ ५८॥ धोइवेकोंमुखचंदी कौकेऊपरुआयलसौसिगरौनिसिजागौ । सारीसलोटपरी बिथुरेकच आननपैंपियरौरुचिरागौ । हेरघुनाथकहाकहि येछबि आरसौसैपलहैसुखपागौ । लोचनलोलहिलायरहौ लखि दाँतकौपाँतिकपोलनिलागौ ॥ ५६ ॥ काछुभोरहोआजु सुजानकेसंग छकौबनिताछबिछावतिहै । अँगिरातिउठीअ लसातिप्रभा सुसुकातिजँभातिरिझावतिहै । चखजोरिकैदे वसरोरिखएँ जुगजोरिभुजानिउठावतिहै । रसरंगअनं गअथाहबढ़ोसु मनोसुखसिंधुथहावतिहै ॥ ६०॥ अँगिरा तिउठीरँगरातप्रभात उठैंअँगआलसकीलहरैं । तियपैंपि यपासतज्योनपरै बिछुरेहियदोउनकेहहरैं । बिथुरेहूकबा रहौबारबड़े छुटिहारनतैंसुकतायहरैं । अलकैंछतियाँपर ह्वैछलकै सुविछौंननपैछितिपैंछहरैं ॥ ६१ ॥

॥ अथ धीरादिभेद ॥

दोहा ॥ त्रिबिधिहोतिहैमानकरि मध्याप्रौढ़अनूप ।

वीराश्रौरअधीरपुनि धीराधीरास्वरूप ॥ १ ॥

॥ तहाँलध्याधीराकोलच्छन ॥

व्यंग्यवचनतेंकोपको पियपरप्रगटतिनारि ।

लध्याधीराकहतहैं ताहिसुकविनिरधारि ॥ २ ॥

॥ लध्याधीरायथा ॥

भोरहीभूरिभलाईभरे छबभाँतिनभाँतिनकेमनभाये ।
आगवड़ोवहिंभाँवतोको निहिंभाँवतेलैरँगभौनवसाये । भे
टभलोईभलोविधिसोंकरि भूलिपरेकिधौंकाहूभुलाये। ला-
लभलेहौभलेसुखदान भलोभईआनुभलेवनिआये ॥ १ ॥ आ-
वतहीउठिआगेलयो पहिलोईसोनाहसोंनेहजनायो। कंजमु
खीकरिआदरकंतको कंचकोआसनआनिबिछायो । नीरप
टीरसनीरकोवीजनआनिधर्योघनसारविसायो । चाह्योक
छ्योकहिवेकोभई कहिआयोकछू नगरोभरिआयो ॥ २ ॥
सेचकेभाजनसैधरिकै अरुजरूउरूखलतोखनहौसो । तैसी
रईकरिलैननकीअरु प्रीतिकोदामभुजानगहौसो । तक्रभले
दरिद्योग्योभटू रसरूपसवैनवनीतलहौसो । हाहाहमारी
कहौवहकौनतो जौनेतुह्मैमथलीनोदहीसो ॥ ३ ॥ आवत
हीव्रषभानसुता कछुऔरहीरूपलख्योनवपीको । जानिकै
मानतोठान्योहियै परआनिकैबोलीयोंवैठिननीको । सुन्दर
वालप्रवीनमहा चतुराईसोंकोपजनावतजीको । आरसीआ
जुलईहैनई पियदेखोतोदीखतहैमुखनीको ॥ ४ ॥ आयोक

ह्वै रतिमानिकैआँवतो है रदसौंरदकेछदद्रूखे। पीककीलीकपोलनसै रघुनाथलगीरंगह्वै रहे रूखे। लागेप्रसेदकेभीगेजेवागे सोजैसेकेतैसेलखेनहीं सूखे। लेतेहिँकालअभूषनअंगमे होरावि सालकेभूषनभूखे॥ ५॥ आछेहियेमनआदरकै पतिकोंपुनिलेतिप्रजंकसवारक। आँखिनपैंपलपैंपुतरीनपैं आयेहौलालइहाँपगधारक। लालनकेउरलागीहुतीनखरेखसुदृष्टिपरीएकवारक। चातुरनारिउठायदोऊकरबोलिउठीपियचंदसुवारक॥ ६॥ चंपकपेलिचमेलिनमै मधुछाकछक्योअछक्योअनुकूलै। मालतीमंजुगुलावसमीर धहोनहींधीरमनोजकीहूलै। केतकीकेतिकजोहीजुही मनभइछुहीअवगाहिअतूलै। भूल्योरह्योअलिसेवतोआव भयोगरगापगुलावकेफूलै॥ ७॥ छैलछबीलेछबीलीइतीछबि पाईहैआजकहाँबिनजोखे। बानिकहैंपगदेतडगैसु छकायेहौजोबनकेमदचोखे। नैननिलैअरुनाईछईं सुभईकछु पंकजदेखिसरोखे। जाननिहौंअधरापरलाल रह्योवसिभौंरगुलावकेधोखे ॥ ८ ॥ रातिजगेपगेकारजमे सुतोजानिपरैश्रमखेदलहेहौ। आयेहौभौनमेभागनभोर कहाकहियेकछूजातकहेहौ। गोकुलनाथसनाथभई तुमसेदेईआनदकोंउमहेहौ। बैठेकहाअंगिरातजँभातहौ सोइरहोअरसायगयेहौ॥ ९॥ भालपैलालगुलालगुलालसो गेरिगरेगजराअलबेलो। यौंबनिवानकसौंपद्माकर आयेजुखेलनफागुतोखेलो। पैएकयाछबिदेखिवेकेलिये मोबिनतीकैनभोरिनभेलो। रावरेरंगरँगीअँखियाँनमै एवलबीरअबीरनामेलो॥१०॥

क्योंबनख्यासञवैंद्दुचितैभये सोतनदोठिक्वियेसुखदाई। कांच गुलाबहुकीअसनाई नलालगुलालनकोसरसाई। एतेहुपैहू तनोगहिरोरँग हैरंगरेजिनकीचतुराई। साँचीकहौइननै ननरंगकी दीन्हीकहातुमलालरँगाई॥ ११॥ भोरहीन्योति गईतीतुमै वहगोकुलगाँवकीग्वालिनीगोरी। आधिकरात लौंवेनीप्रवीन कहाढिगराखिकरीवरजोरी। आवैहँसीहमै देखतलालन भालमैदीन्हीमहावरघोरी। अतेबड़े ब्रजमंडल मै नमिलीकहूँ मागेहुरंचकरोरी॥ १२॥ आयेहमारेमश्रा वरिमोहन मोको तोमानोमहानिधिटूटी। आजुकोवानक देखतसुन्दर सोजमिलैतियहोइजोरूठी। कैसोबिराजति नौकोनई करकीअँगुरीसैअनूपअँगुठी। प्यारेकह्योहँसि प्यारीसों योतव तेरीसोंतैंसमुझीसवझूठी॥ १३॥

॥ मध्याअधीरालक्षण ॥

परुखवचनकहिजोतिया पियहिजनावैकोप।
मध्यअधीरानायिका बरनतकविकरिचोप॥

॥ मध्याधीरायथा ॥

तनमेरहिआलसजैहैकहूँ अँखियानतैंनींदनहींटरिहै। बनिहैनकछूतबप्यारीमिलें जबबातवलैरसकीअरिहै। रघुनाथकहाअँगिरातजम्हातहौ नावनकोजतुम्हैअरिहै। पलसोयरहौमुखगोयपिछौरीसों फेरितुम्हैजगिवेपरिहै॥ १४॥ कोजनहींबरनैमतिराम रहौतितहौंजितहौंमनभायो।

काहेकों सौहैंहजारकरौ तुमतौकबहूँ अपराधनठायो। सो वनदीजैनदीजैहसैदुख यौंहीं कहारसबादबढ़ायो । मानर- ह्योईनहींमनमोहन मानिनीहोयसोमानैमनायो ॥ १५ ॥ साँचीकहौजाकौमानतसौहँजू कौनकेनेहरहेसरसेहौ। रैन जगीअँखियाँतरजो बिरुझीअँगअंगनसौँपरसेहौ। जेहौन- हौंमिलिआएतहाँ हमकौं इनबातनसौं परसेहौ। चंदहूकै कितहूँ सरसे हमकौं रबिह्वैकरिकैदरसेहौ ॥ १६ ॥ लेखनी कीमसिभाषैचहैं औचहैंसोकहैजूपरेखोनजानो । कोकहै अंजनओठनसैहरि वेनीप्रवीनकहैकछुआनो। जानतीहूँ निहचैकरिकै उनकोजगमैयहजाहिरवानो। जोपरनारि कीप्रीतकरै तिनकेसुखकीसखिमंडनमानो ॥ १७ ॥

॥ अथ मध्याधीराधीरालक्षण ॥

धीरबचनकहिरोयकछु प्रगटतिरिसजोबाम ।
मध्याधीराधीरकवि तासुकहतहैंनाम ॥

॥ अथ मध्याधीराधीरायथा ॥

आजुकहातजिबैठीहौभूषन ऐसहीअंगकछूअरसीले। बो- लतिबोलरखाईलिये मतिरामसनेहसुनेतैंसुसीले। क्यौंन कहौदुखप्रानप्रिया अँसुवानिरहेभरिनैनलजीले। कौनति- न्हैदुखहैजिनके तुमसेमनभावनछैलछबीले ॥ १८ ॥ भोर हीआएकहूँतैसखी रतिकोसिंगरौलगौअंगनिसानौ। प्या- रीकेआँसूचलेदुखतैं लखिबूझीयौंप्यारेकहाउरआनौ। ला-

जतेजतरआयोनऔर कहीतबयौंरघुनाथसयानो। कीन्हो खटोमनसोसोसुदेखि चल्योअँखियानकीजोभतेंपानो॥१९॥ देवजूजौचितचाहियेनाहतौनेहनिवाहियेदेहहर्योपरै ११। जौसखआयसुआइयेराह असारगमैपगधोखेधर्योपरै। नौ- केसेफोकेहैआँसूभरोअत जचेउसासगरोक्यौंभर्योपरै। रावरोरूपपियोअँखियान भर्योसोभर्योउबर्योसोढर्योप- रै॥२०॥ आएकहूंरतिमानिलख्यौ तियकेअँसुवानिकोधा रिचलोहै। देखिकहारघुनाथकह्यौ तोकहोसकुचैंइमि चातुरताछ्वै। रावरेकोमुखचंदचितै येकुमोदिनीआँखेंअ नंदमहाभ्वै। होमेनवंदसकोकरिफूलते जपरहैमकरन्दच ल्योचै॥२१॥ रातिरहेसनिलालकहूं रतिह्याँदुखबालवि योगलहेहैं। आएघरैअरुनोदयहोत सरोसतियागमबैनक- हेहैं। लालभएट्टगकोरनिआनिकै योंअँसुवानववुन्दरहेहैं। चोंचनचाँपिसनौसिथिलै विविखंजनदाडिमबीजगहेहैं॥२२॥

॥ अथ प्रौढ़ाधीरालक्षण ॥

प्रगटकरैनहिंरोसपै रतितेरहैउदास।
प्रौढ़ाधीराकहतकवि ताकहँसहितहुलास॥

॥ अथ प्रौढ़ाधीरायथा॥

सोवैनसेजमजेजमैंसुन्दरि रोसकरैजेकथारससानी। ने हभरेननिहारिबोनैननि बैनबिनोदकोबातबिहानी। सूधी नरीतिसखीजनसों मनकीगतिकाहुवैजातिनजानी। केलि मैकातरताईकरै हरिसोंकरैचातुरताठकुरानी॥१॥ तु- मक्यौंपलिकातेंधरेपुहुमीपर माथेहमारेनपाँयधरौ। क-

हाबोलोसखीनसोंसंभ्रमसों हँसिबोलिहमारेनतापहरौ ।
कितजातिहौमाननआननकों सनिआनिभुजाभरिअंकभरौ
दुखदेतसमैबिनुबादरज्यौं यहआदरआपनोदूरिकरौ । २।
बोलतिकाहेनबोलसुने मधुरीबतियाँमनमोहनभाखैं । बोलैं
काहाकछुचित्तमेहैदुख पिल्लवढ़ेकटुलागतोंदाखैं । ठाढ़े
हैंलालबिलोकैनबालक्यौं तेरीबिलोकनिकोंअभिलाखैं ।
लालभईबिनकाजहोआनुये देखौंकहामेरीदूखतीआँखैं।३।
बहुनायकहौसबलायकहौ सबप्यारिनकेरसकोंलहिये । रस-
नाथसनेनहोंकोजैतुम्है जियमैजुहैबातसहोकहिये । यह T
गतिहौंपियप्यारेसदाँ सुखदेखिवेहोकोहसैचहिये । इतनेके
लियेइतआइयेप्रात रचैजहाँरातितहाँरहिये ॥४॥ आवत
होउठिआदरकीन्हो कछूगुनऔगुननहनगनायो । जान्योकि
जोकछुजानिहैंतो अबहौंफिरिचाहिहैंमोहिमनायो । ठा
ढ़ोसहेलीजितैमिसुघालि तितैतकितेहकोत्यौरसमायो । औ
सीकछूपरबीनतिया पियकोंरसहोरसरोसजनायो ॥ ५ ॥
मोहनरातिरमेअनतै इतबालसोंनेहबढ़ावनआए । बेनीअ
रीअँकवारिलला अवलानतजद्रुगरूखेलखाए । कंचुकीकेब
दकोरिहरे तनतोरिगरेंलगिरंगबढ़ाए । पाएसरोसमु-
हागिनतेरे करेरेउरोजजुपैलचकाए ॥ ६ ॥ आएइतैहौक
पाकरिकै सबभाँतिनतेंहमकोंसुखदाई । गोकुलनाथनिहा
लभई अँगुरीनमैदेखतहौंअरुनाई । बैठेबिलंबकहाकरिये
करिनेहनिबाहिवेहोमैनिकाई । जाउजहाँवहनेहदोहैजेहिं
केपरिपाँयनमेहँदीलाई ॥ ७ ॥ आवतहौमनभावनकेलखि

अंगनबीचनईपरबीतिहै । बाँहछुएडभऔविभुकै नधरै प लिकाँपगज्यौंरतिसीतिहै । नीविहलौंकरजाननदेति करै बहुसैवकाजपरप्रीतिहै । देखिवेफेरिनवोढ़पनौं हरिग्रौरसों ठानीलनोरसरीतिहै ॥ ८ ॥ औरकहाखसिभूलिरह्यौ सत वारकहालकरन्दनपीवै । भोरहीतेंसङ्रातफिरै नहिंना लतमेंलपयोधिकोलीवै । चंचलवारेरच्योहितवंचक तोहि वसायनूवौनकोजीवै । औरलतानकेधोखेग्रहो जिनमाधुरी लंन्,लतानकोंछीवे ॥ ६ ॥

॥ अथप्रौढ़ाग्रधीरालक्षण ॥

तरजनताड़नकरिपियहि कोपजनावैजौन ।
प्रौढ़अधीराकहतहैं ताहिसुमतिकेभौन ॥

॥ अथप्रौढ़ाअधीरायथा ॥

मारदईअरविन्दनकी तजमानतनाहिँनग्रैगुनगारे । गा रीदईपछितानिभरी अवलाजगहोकछूनंदढुलारे । प्रेमकी रासिहमारोहियो सजनीनहमैंगुनगूढ़उघारे । देहते प्रा नपियारेलगें तुमतौमनमोहनप्रानतें प्यारे ॥ १० ॥ जावक रंजितभालकियेमनभावनभाँवतीभौंनसिधारे । दूरितें भौं हकमानचढ़ाइकै सुन्दरिनैनकटाच्छतेडारे । आइकैवालम बाँहँगही ढिगचंदमुखीभुकिकैभिभिकारे । चंपकमालसी कोमलबाल सुलालचमेलीकीमालसोंमारे ॥११॥ भौंहँचढ़ाइ बढ़ाइकैरोस नचाइकैनैनलचाइकैपारो । बोलीनरूखीसिखु खीसीबाल करोयसवंतदियोउँजियारो । आपनीआभाग्र चानकही अवलोकिकैसौतिकोभावबिचारो । स्यामकेसीस-

सिसंतसराहि सनालसरोजफिराइकैमारो ॥ १२ ॥ पीकभरीपलकैं झलकैं अलकैं जुगडीसुलसैंभुजखोजकी । छायरहीछबिछैलकीछातीमै छापलगीकहूँ ओछेउरोजकी । ताहिचितौतबड़ीअँखियानितैं तीखीचितौनिचलीअतिओज-की । बालमओरबिलोकिकैबाल दईखनौखैं चिसनालसरोजकी ॥ १३ ॥ बिंबसेओठनतैं सजनी उमगीछबिहैनवनीलदुकूलसों । तेरेसुओठकीलालीललाके लिलारसैसोहतिऔरहीखूलसों । काहेकोंभौंहैं चढ़ावतितेह रहैनिजगेहहीलैहरिभूलसों । बूझियेतोहिनयोंचहिये डरपावतिमारगुलावकेफूलसों ॥ १४ ॥ गोपअयाईजगेदृगमे अलसाईललाईसवैंदरसायगी । वातैं चबाइनकोसुनिकै रिसिसेवकपैनभलीठहरायगी । कोसलगातनिसाँवरेके उपटेलखिहोसेमहापछितायगी । मारैनतूरसवादभरी कहूँ पाँखुरीफूलनकीगड़िजायगी ॥ १५ ॥ खेलनखेलियेऐसोभटू सुपरोसिनकोजकहूँ लखिलेहै । मानहुनाबरजोहमरो अबकाहेकोंकोजसिखापनदैहै । नन्दकुमारमहासुकुमार बिचारिकैफेरिहियेपछितैहै । मालियेनाइनफूलनको पँखुरीकहूँ अंगनिमेंगड़िजैहै ।१६।

॥ अथ प्रौढ़ाधीराधीरालच्छण ॥

रतिमैरहैउदासअरु तरजनादिव्यापार ।
करैसुधीराधीरतिय प्रौढ़ासुमतिअगार ॥

॥ अथ प्रौढ़ाधीराधीरायथा ॥

आवतदेखिकैप्रानप्रियाकों चलीउतधायमहारसछाकी । ऐंटिवेकोंकरउन्नतकै चितचायरहीछबिदेखिप्रभाकी । ला-

लहियेवलअङ्कहै सनिसैप्रतिबिंबकोमूरतिताकौ। तानि-
कैऔंहँकसालअुलारि दईहरिकेउरतोरिहराकौ ॥ १७ ॥
ओरअएसनसावनआए बनौविनडोरनहौंउरसालहैं। प्रा-
नपियारौरहौहैनिहारि नरूखेईबैनकहैनरसालहैं। नेकुल
लाढिगवैठनदीनो तियाइतनेहौंमैकौनोनिहालहैं। बाँहँग
हौंननहोतवहौभई औंहैंतिरीछौभएहगलालहैं ॥ १८ ॥
रूपकेभारनहोतिहैसौंहौं लनोहिंयैदौठिसुजानपैभूलौ।
लगियेजातिनलागौकहौं निसिजागतहौपलकौगतिभूलौ।
बैठियैजूहियपैठतआन कहाकंहियेउपमाससतूलौ। आए
हौओरअएघनआनंद आँखिनसाझतौसाँझसौफूलौ ॥ १९ ॥
प्रीतमआएप्रभातप्रियागृह रातिरमेरतिचिन्हलिएहौं। बै-
ठिरहौपलिकापरसुन्दरि नैननवाइकैधीरधरेहौं। बाँहँगहे
सतिरासकहैनरहौ रिसिमानिनौकेहठकेहौं। बोलौनबोल
कछूसतरायपै भौंहैंचढ़ायतकौतिरछेहौं ॥ २० ॥ आवत
हौनविलोकौनबोलौ रहौपरजंकहौमैतियबैठौ। वेनौप्रवीन
गयोढिगओरहौ सोंहनखाततजनहौंपैठौ। ज्यौंपरसेकुच
कासिनके अपसानिनसानिकोपतैंऐंठौ। टेढ़ौचितौनिध
रेअधरारद लोचनलालकैभौंहअमेठौ ॥ २१ ॥ काहेकोंसो-
हिसंतावतहौ बिनकाजकियेकहाहोतपरेखो। गोकुलनाथ
भलेहौभले भलेकारजकेबनेआरजदेखो। बैठरहौउतहौक-
ढ़िये करिकैनक्रपाकौंक्रपानिधितेखो। आवतभेखबिचित्र
बनाय कहौहमसौंरहगोकौनसोलेखो ॥ २२ ॥ रावरेपाय
निओटलसै पगगूजरीबारमहावरढारें। सारौअसारौहि

येहलवै छलकैछबिछोरनघूं मधुमारें। आवोजूआवोदुराव नसोहसों देवजूचंददुरैनअँध्यारें। देखौंहैकौनसीछैलछि पाय तिरीछहैंसैवहपीछेतिहारें॥ २३ ॥

॥ अथ ज्येष्ठाकनिष्ठालक्षण ॥

एकनायकहींदोयतिय व्याहीहोंयअनूप।
ज्येष्ठाऔरकनिष्ठिका दुहिं बिधिवरनतरूप ॥ १ ॥
सरसप्यारपियजौनपै करैसुज्येष्ठावास।
तातेंघटिजापैंकरै तासुकनिष्ठानाम ॥ २ ॥

॥ अथ ज्येष्ठाकनिष्ठायथा ॥

खेलतफागुखेलारखरे अनुरागभरेबड़भागकन्हाई। एकहीभौनमैदोउजनदेखिकै देवकरीइकचातुरताई। लाल गुलालसोंलीनीमुठीभरि बालकेगालकीओरचलाई। वाद- गमूंदिवतैचितई इनभेटीइतैब्रषभानकीजाई॥ १ ॥ अनुरा गसोंखेलिकैफागुथक्यौ रह्यौकंतएकंतकहूँटरिकै। पछु- चीदोउसौतेंसमीपतहाँ दुओअंजनआँगुरीमैकरिकै। यह पैंचकियोतहाँछैलछबीले कछूछलरीतिहियेधरिकै। सुहँ एककैदीनीगुलालमुठी लई एककीतौलौंभुजाभरिकै ॥ २ ॥ अतिसुन्दरमंदिरमैरचिसों परजंकविछायदयोहैअली। लखिकामतेस्यामसहाअभिराम बनायकैवानिकभांतिभली। मनभाईनिहारिबिचारिहिये चतुराईकरीतहाँछैलछली। करएकसोंआरसीकैमुखओर गहीकरएकसोंकंजकली ॥ ३ ॥ बैठीहीभांवतीदोउजहाँ तहाँमोहनआनिकरीचतुराई। वेनीजुतेरेविलोचनचाहि कोजकहैकौलनियोंछबिपाई।

होंहूँलख्यौकरिनौरेदुहून वहूकियोभाँवतेदौठिबराई ।
कैवसएकतियावतियानसों एकतियाकतियासोंलगाई ॥४॥
सँगनौलवधूलिएदोजअटापर वैठविलोकतजोन्हअरी । रघु-
नाथगुलावकोधोखोवनाय सगायकैवारनौपासधरी । पियो
आपअौकैहठप्यायोउन्है सरसायकैएकहौनौदभरी। तियए
कसोंकासकलारचिकै सबरातिललारसलूटकरी ॥५॥ तौन
केआलसिँगारकेकाज वरोवरिसाजधस्यौदुहुँआगे । साजै
लगौअपनेकरएक प्रवौनतासेवकसोंसुनिरागे । एकपैरोस
वैहोसवखानत वेंदौविरौकनरावहुवागे । भूखनअंगनअंगन
सेवक आपनेहाथसँवारनलागे ॥ ६ ॥ मध्यदुहूँनकेवैठेल-
ला कियोहासविलासमहासुखपाई । दोउनतें पुनिश्रीधर
जू रसकीवतियाँकहिलौन्हभुराई । एकतें वाँएवतायकह्यौ
लखुनागिनौनेरेअचानकआई । ताकनलागौतियाजवलौं
तवलौंलियोदाहिनौकोंउरलाई ॥ ७ ॥ राजैनवौननिकाई
भरी रतिहूँतें खरौविदुहूँ परजंकमै । आइकैवैठतहाँसनसो
हन ज्योंघनवौचलसैदुमयंकमै । सौसाउसौसाकेसौसतें लैका
र अकैकेसौंप्योजुप्यारेससंकमै । लागौनिहारनआरसौजौल
गि तौलगिदूजौभरौपियअंकमै ॥ ८ ॥

॥ अथ परकीयालक्षण ॥

गुप्तप्रेमपरपुरुषसों करैजोरसवसवास ।
परकीयातासोंकहत सकलसुमतिकेधाम ॥
सोहैदोयप्रकारकौ चतुराईकौखानि ।
प्रथमअनूढ़ामानिये दूजौऊढ़ाजानि ॥

॥ अनूढ़ालक्षण ॥

अनब्याहीकहुँ पुरुषसों करैजोरसवसप्रेम ।
ताहिअनूढ़ाकहत हैं कविकोविदकरिनेम ॥

अनूढ़ायथा ।

गोपसुताकहैगौरिगुसाइन पाँयँपरौंबिनतीसुनिलीजै । दीनदयानिधिदासीकेऊपर नेसुकचित्तदयारसभीजै । देहि जौब्याहिउछाहसोंमोहनै मातुपिताहुकेसोमनकीजै । सुन्दरसाँवरोनंदकुमार बसैउरजोवरसोवरदीजै ॥ १ ॥ प्रीतकी कौरँगभूमिबनाइकै संचमनोरथकेछविधारी । लाखभिलाषनि साथलिये यसवन्ततहाँपधरेगिरधारी । हाथगहेरतिवंदीमनोज बखानस्वयंवरकोकरैभारी । नैनमृनालकीमालचितौनिसै बालहियेनदलालकेडारी ॥ २ ॥ जायनहींकुलगोकुलमै अरुनीदुहूँ दिसिदीपतिजागै । त्यौंपदमाकरजोईसुनैजहाँ सोतहाँआनदमैअनुरागै । एदईंअैसोकछूकरव्यौंत जोदेखेअदेखिनकेदृगदागै । जासैनिसंकह्वैमोहनको भरियेनिजअंककलंकनलागै ॥ ३ ॥ अैसीसुनीहैनरीतिकहूँ बिनहींपहिचानिबढ़ावतहेतहै । होतनहींगृहकाजकछू अकुलातहियेनसुहातनिकेतहै । कोटिउपायकरेबिसरैं नरहैसुधिआएअरीचितचेतहै । बूझतिहौंसजनीकबहूँ मनकोअभिलाषदईकरिदेतहै ॥ ४ ॥ देख्योचहूँनिसिबासरहूँपै नदेखिवेकोकछूजानतिघातैं । मैधौंकहाँतेगईवहिओर गईपरिमेरीधोंदीठिकहाँतैं । ब्याहिदियोचहैंतातकहूँ मोहि मैसखितोहिसिखावतियातैं । तूगुरुलोगनसोंनकरैकिन

वाल्हसों सेंदेईब्याहकीबातें ॥ ५ ॥ मातपितासों विवाति कछू नपै चाहतें उरदूखतगातहै । देखरबैरकरैं सिगरे पुरवासीविलासीअछूखदातहैं । कोऊसिखावनहारनहीं दूनसोंसखुलायकहैंयहबातहै । छाड़िकेमौरसरासिपरोस-हीं कोमलओसपियेजातजातहैं ॥ ६ ॥ जानतिहौंविधिमोच लिखी हरिवाकीतिहारेविछोहकेबानन । जोसिलिदेहुदि-खासोंलिखापकों तौलछुवाकेपरैकलप्रानन । दासजूनाहीय रीतिखुली निजब्याहउछाहकीचाहकोंकानन । वाहीघरीतें लखोरोधरैमन पीरोह्वैआयोपियारीकोआनन ॥ ७ ॥

॥ अथऊढ़ालक्षण ॥

ब्याहीतियपरपुरुषसों करैजुकामविलास ।
ऊढ़ातासोंकहतहैं सकलसुकविसहुलास ॥

ऊढ़ायथा ।

अतिछीनमृनालकेतारहुतें तिहिंउपरपाँवदैआवनो है । सुईवेहकोबेधसकीनतकाँ परतैतकोटाँड़ालदावनोहै । कविबोधाअनीघनीनेजहुकी चढ़ितापैनचित्तडगावनोहै । यहप्रेमकोपंथकराहै री तरवारकीधारकोधावनोहै ॥ १ ॥

रैनदिनाघुटिबोकरैं प्रान झरैंअंखियाँदुखियाँझरना-सी । प्रीतमकीसुधिअंतरमैं कसकैसखिज्योंपँसुरीनमेंगाँ-सी । चौचँदचारुचबाइनके चहुँओरमचैविरचैकरिहाँ-सी । यौंमरियेभरियेकहिंक्यों सुपरोजिनकाहूकेप्रेमकोफाँसी ॥ २ ॥ भूलिहूसोगलीआवैजोमोहन पूरवपुन्यनकोप्रतजू-वै । हायदईनवसायकछू दूरिदेखिवोदूवरछाँहकोंछूवै ।

लागौंयहै विधिनापैवड़ेखिन जौकवहूँ पियआसहीपूजै। चौ-
थिकोचंदलखैं दूजचंदसों लागैकलंकपैजू अरेहूजै ॥ ३ ॥ स-
वरेदिनसासरिसातरहै ननदीनितवोलकुवोलकहै। सखि-
ऊंचेनआँखिसकौंकवहूं गुरुलोगनिकोउपहासदहै। सिखी-
भागनआनिअचानकतूं यहऔसरपाइहियोउमहै। वसतूं-
हीउपायवतावसखी जिहिंलालमिलैंअदलाजरहै ॥४॥ अ-
जूनंदकेनंदनसोंकहिये कहौनैननिरावरोहौसरहै। सँगकाँ-
हँज्योंसासफिरै अनखानी जेठानीढुकाढुकीसौसरहै। कवि-
नाथजूजानतिहौंजियसै वयवीतिगयेंकहासौसरहै। परकौ-
नैकहाइहिंगाँवकोलोग गुहैचरचानकोचौसरहै ॥ ५ ॥ य-
हडौंड़ीसनेहकोऔंड़ीवनै जगभौंड़ीभलीवकहीतौकहा ।
कुलकानितेंकौलौंकनौड़ीरहौं पुरकानिरहीनरहीतौक-
हा। चिततौगड़िगोवाचितौनिहौंसै कहौनाथचहीनचहीतौ
कहा । जवलाजनेवारिभईहरिकी अवलाजरहीनरहीतौ-
कहा ॥ ६ ॥ देखिहसैसवआपुसमैं जोदाकूमनआवतसोकह-
तोहैं । एघरहाईलोगाईंसवै निसिद्यौसनेवाजहसैदहतो-
हैं। वातैंचवावभरीसुनिकै रिसलागतपैचुपव्है रहतौहैं।
प्रानपियारेतिहारेलिए सिगरेव्रजकोहंसिवोसहतोहैं॥७॥
याउरहोघरहोसैरहौ कहिदेवदुख्योनहींदूतनकोदुख। का-
हूकौवातकहौनसुनौ मनमारिविसारदियोसिगरोसुख ।
भौरभैभूलेभएसखिमैं जवतेंव्रजराजकौओरकियोरुख। मो-
हिभटूतवतेंनिसिद्यौस चितौतहीजातचवाइनकोमुख ॥ ८ ॥
लैमनफेरिवोसीखेनहीं वलिनेहनिवाहकियोनहींआवत ।

टेरिकैफेरिसुखैकरिचंदजू देखनहूँकौंहसैललसावत । प्रीत-
लप्रीतपपीहनकौं घनपानिपरूपकहींनपियावत। जानौनने
कुव्यथापरकी कछिहारीतऊ हौसुजानकहावत ॥ ९ ॥हम
जानतीहैंसुनीहूंकैसुनी कुलकानिसोंज्ञानसुरोसोसुरो । रँ-
गसाँवरोऐसोनछूटतसैवक लाखिसालाइपुरोसोपुरो। अब
कालसुभावतिकोसमुझैं लियगोकछुआइफुरोसोफुरो । प-
टनाँटिकोजोरिसुऔरहीसों लनस्यामसोंजाइजुरोसोजुरो
॥१०॥ कौंलितवहै इतआनिकहौंगी कहाँतेँ इतैवहकान्हरऐ-
है।वहहैकहाँतेँअचानकभेट कहाँतेंलिलाटलिख्योपालपैहैं।
औरसोंऔरभईगतिमेरी दईवेकिसोरकहाकरदैहै।हौंकहा
जानोहलारेइभागकी लागलगीअँखियाँलगिनैहै ॥११॥ साँ
करीगैलवाखोरिहसैकिन खोरिलगायखिनैवोकरोकोउ ।
धीरनदेवधरोसोधरो अधराधरदंतपिसैवोकरोकोउ। हाय
नहींकारिहैंकवहूं जियघायपैलोनघसैवोकरोकोउ । रूपहसै
दरसैवोकरो अरसैवोकरोकौरिसैवोकरोकोउ ॥१२॥ जादि
नतैंनिरख्योनदनंदन कानितजोघरबंधनछूट्यो । चालविलो
कनिकौनीसुमार सह्मारगईमनमारनैलूट्यो । सागरकोंस
रिताजिमिधावै नरोकौरहैकुलकोपुलटूट्यो । मत्तभयोमन
संगफिरै रसखानसरूपअमीरसघूट्यो ॥ १३ ॥ जबरीझि
सवादभरीअँखियाँ तबरूपभलोअरपोचकहा । अपनेअँग
व्याधिअसाधउठी तबवैदनहींसोंसकोचकहा । रसरासि-
सिखापसुधाअँचयो तबजातिऔपातिकोसोचकहा। कुलि-
लौड़ोभईहितडौंड़ीवजाय कनौड़ौभएअवलोचकहा ॥ १४ ॥

नलिनीबिधुमध्यकोंओटकरै जु गयोरिजुरायफाउड़ावहिको।
सिविचुंवकवीन्धकोलोहोभयो तहँदूसरोरूपदिखावहिको।
कविसंभुसनेहकीरीतियहै बिछुरेंजलमीनजियावहिको ।
गुनवारेगोपालकीआँखिनतें अबओंअँखियाँसदभावहिंको
॥ १५ ॥ कहिवेसुनिवेकोकछूनहूँण नलटीभलोकोदुखपा-
वनेहैं । इनकोसबकोमरजोकरिकै अपनेमनकोसमुझाव-
नेहैं । कहिठाकुरलालकेदेखिवेकेलिये सँचयहीठहराव-
नेहै । इनचौचँदहाइनसैवसिकै समयोयहवीरबरावनेहै-
॥ १६ ॥ यहप्रेमकथाकहियेकिहिसों जोकहैतोकहाकोउ
मानतहै । परजपरीधीरधरायोचहै तनरोगनहींपहिचा-
नतहै । कहिठाकुरजाहिलगीकसकै सुतोकोकसकैउरआ
नतहै ।बिनआपनेपाँवबिवाइगये कोजपीरपराईकोजानतहै
॥१७॥जाइनजंचतेंसंचतेंसूरितें जातकहीनहींहोतजथाहै
सूख्योकरैतनभूल्योफिरैमन लोगकहैंजिसिवौरीजथाहै ।
हायदईजनिकाहूकेहोइ । कहैरघुनाथभयेहौमथाहै । बूझै
कहाअनबूझीभली यहप्रेमव्यथाकीकथाअकथाहै ॥ १८॥
कहतेनबनैकछूअंकहूँवाँ सबकोसबहूतेंबनैसहतें । घर-
बाहिरवैरउठ्योरीभटू मनमोहनलालनकेचहतें । कहि
ठाकुरहाथचलैंगहिये अबलोंअचलेंनवनैगहतें । सखिया
नदगाँवकोकौतुकरी लखतेहीबनैनवनैकहतें ॥ १९ ।प्रिय-
मोहनकोवहमोहिनीरूप निहारेबिनानहिंजीजतुहै ।ति-
हिंतैंनुलटीभलीयाजगमै सिखमानिसबैसुनिलीजतुहै ।
कहिठाकुरलालकेदेखिवेकेलिये ज्यावनकाहुवैदीनतुहै ।

अबकाकहियेअपनेअलबेले सबहीकोखुसालदकोनतुहै ॥ २० ॥
दौचंदहाईं जरैंमनकौ जेपरायोबन्योहरभातिबिगारैं ।
काहूकोबेटौदहू नलैहैर कितेबरजायकामंधसेपारैं । ठाकुर
याबिसबासकौहौसन आठहू गांठरहौहैंहमारैं । बेकरैपैये-
पारैंकरनीकरिआवैकहू तौकहाकरिपारैं ॥ २१ ॥ हमएककु-
राहचलीतौचली हटकोहून्है येनाकुराहचलैं । यहतोबलि
आपनोसूझनो है प्रनपालियेजोईसोपालेपलै । कहिठाकुर
प्रीतिकरीजोगुपालसों टेरिकहैंसुनोऊचेगलै । हमैनीकी
लगीसोकरीहमनै तुमैनीकोलगैनलगैतोभलै ॥ २२ ॥ काहु-
केहोयतोकैसीकरोकिन तैसैसनैलगैतैसैसिखाये । ज्योंज्यों
अरीहटक्योइनलोगन त्योंत्योंखरेबिगरेयेसबाये । ठाकुरका
हूरचैनतोकाकरौं सोंहितोअैसेलटेअलेआये । नैनहमारे
हमारेसनैलगे चाहैजहांईतहांइूलगाये ॥ २३ ॥ अैजोकहैं
तोभलेकहिवोकरो मानसहासोसबैसहिलीजै । तेबकिआपु
हितेचुपहोइंगी काहेकोंकाहुवैऊतरदीजै । ठाकुरमेरेमते
कोयहै धनिमानकैजोवनरूपपतीजै । याजगमैजनसेकोजिये
कोयहैफलहैहरिसोंहितकीजै ॥ २४ ॥ अबकासमुझावती
कोसमुझैबदनामीकेबीजनबोचुकोरी । तबतौइतनोनबिचार
करयौ इहिंजालपरेकहुकोचुकोरी । कहिठाकुरयारसरी-
तिरँगे करिप्रीतिपतिव्रतखोचुकोरी । सखोनेकौबदीजोबदी
हुतीभालमै होनीहुतीसुतोहोचुकोरी ॥ २५ ॥ बावरीहू
जौबकैबहुतेरो लग्योनहिंतोहिकहूंयहबावरी । बावरीबा-
यलजानतहै जिनकेनिसबासरप्रेमसुभावरी । आवैरीओज

नभौंननीद हियेअहकोवहमूरतिसाँवरी। साँवरेरंगमें होंतोरँगी नचढ़ैअबदूसरोरंगसोबावरी॥ २६॥ अबतौजो भईसोभईसोभई हमवाहीमेआँनदलीवोकरैं। इनकाननकी यहबानिअरी बतरानिसुधामधुपीवोकरैं॥ कविरामकहै अभिरामसरूप चितैचितवाहीमेदीवोकरैं। सखिहोंवारँ गीलेकेरंगरँगी येचवाहूलैचौचँदकीवोकरैं॥ २७॥ लहि- जीवनमूरिकोलाहअली वैभलेंजुगचारिलौंजीवोकरैं। द्विजदेवजूत्योंहरखायहिये वरवैनसुधारसपीवोकरैं। कहूं- घूँघटखोलिचितैहरिओरन चौथससीदुतिलीवोकरैं। हमे- तोब्रजकोवसिवोईतज्यो अबचावचवाहूलैकीवोकरैं॥ २८॥ काननदूसरोनाससुनैनहीं एकहीरंगरँग्योयहडोरो। धों- खेहुदूसरोनासकढ़ै रसनासुखकाढ़िहलाहलवोरो। ठाकुर चित्तकीवृत्तियही। हमकैसेहूंटेकतजैंनहींभोरो। बावरीवे अँखियाँजरिजाहिं जोसाँवरोछोड़िनिहारतींगोरो॥ २९॥ पूरवतेँपुनिपच्छिमओरकियोसुरआपगाधारनचाहै। तूल नतोपिकैहैमतिमंद हुतासनदंडप्रहारनचाहै। दासजूदे- खिकलानिधिकालिमा छूरिनतेंछिलिडारनचाहै। नीति- सुनायकैमोमनतेंनदलालकोनेहनिवारनचाहै॥ ३०॥ घर यासपरोसिनिघेरकरो अरुनावधरौब्रजगाँवरीरी। जबठोल दईबदनामभई तबकौनकीलाजलजावरीरी। कविठाकुर प्रेमकेफँदपरी वृजखोरिफिरौंभईबावरीरी। अबहोनदैवी रिहँसीसोहँसी हिरदैवसीमूरतिसाँवरीरी॥ ३१॥ जबतेँ दरसैमनमोहनजू तवतेँअँखियाँयेलगीसोलगी। कुलकानिग

ईसखीवाहीभरी जवपैसखीचासपगीसोपगी। कहिठाकुर
नेहकेनैननकी उरलैअनीआनिखगीसोखगी। तुमगाँवरे
नावरेकोजवरौ हँसाँवरेरंगरँगीसोरँगी ॥ ३२ ॥ इननै-
ननिसैदहसाँवरीमूरति देखतिआनिअरीसोअरी। अवतो
हैनिवाहवोयाकोअरी हरिचंदतेंप्रीतिकरीसोकरी। उन-
खंजनकेमदगंजनसों अँखियाँयेहमारीलरीसोलरी। वरु-
लोगचवावकरौतोकरौ हमपैसकेफंदपरीसोपरी ॥ ३३ ॥
तुमचाहोसोकोजकहौहमसौं नँदवारेकेसंगठईसोठई।
तुमहींकुलवौनेप्रवीनेसवै हमहीकुलछाँड़िगईसोगई। रस-
खानयाप्रीतिकीरीतिनई सुकलंककीमोटैं लईसोलई। इहि
गाँवकेवासीहँसोसोहँसो हमस्यामकीदासीभईसोभई॥ ३४ ॥
देवनदेखतिहौंदुतिदूसरी देखेहैंजादिनतेंव्रजभूपसै। पूरि-
रहीरीवहैपुरआनन आननध्याननओपअनूपसै। येअँखियाँस
खियाँहैहमारी सोनाइमिलीजलवूँदज्योंकूपसै। कोरकरोन
हिँपाइयेकेहूँसमाइगईव्रजराजकेरूपसै ॥३५॥ नासकुनाव
धरैंपलसै वलिलोगलवारवुरेवजसारे। नेकाकिसोरकीओर
निहारत वातअनेकरचैंवदकारे। कौनसेनैनविगूचेहमै
अवजीतेसवैसवतेहमहारे। आनहसारेनहैंहमआनके है
हमआन्हकेआन्हहसारे ॥ ३६ ॥ ननदीऔजेठानीनहीँहँ-
सतीतो हिदूतिगहूँकौंवखानतौसै। घरहाँईचवावनजोक-
रतीतो भलोऔबुरोपहिचानतीसै। हलुसानपरोसिनहूँ
हितकौ कहतीतोअठाननठानतौसै। यहसीखतिहारीसुनो
सजनी रहतीकुलकानितोमानतौसै ॥ ३७ ॥ नासधरोजो

चहौसोकहौंछिन कछूभूखोहमैसुतोकैचुकीहैं।लखिलाजत-
सैनजिन्हैतिन्हसों बलदेवसनेहतोधैचुकीहैं। अबकामन-
होंसमुझाइवेको मनभावनकोंमनदैचुकीहैं। अपनेमगआप-
चलैंहमतौं निजजीवनकोफललैचुकीहैं॥ ३८॥ चहुँ और-
सोंचौंचँदकीबोकरैं नचवाइनजोडरमानतीहैं। अपनेअरु
औरनकेउरकी भलीभाँतिनसोंपहिचानतीहैं।गतिभावकी
सेवकजोभ्रुवतो ब्रप्रीतिकीरीतिपिछानतीहैं।तुमजानती
हौतोबचायेंचलो हमजानतीहैंकीअजानतीहैं॥३६॥ अ-
पवादकोभकिनकीबोकरो हमनेकुनहींडरमानतीहैं। व-
हिंछैलछबीलेकिबाहनतें छिनमैसकीवारनीछानतीहैं।
वेडूफूकिकैपावधरैं सिगरौ अपनेकोंसदाजेवखानतीहैं।न-
हिंकानभलौबुरौतेंकछू हमजानतीहैंकीअजानतीहैं
॥ ४०॥ नामधरोसिगरोब्रजतो अबकौनसीबातकोसोचरहा
है। त्योंहरिचंदजूऔरहूलोगन मान्योबुरोहमसोजसहाहै
होनीहुतीसुतोहोयचुकी इनबातनतेंअबलाभकहाहै। ला
गेकलंकहूअंकलगेंनहीं तौसखिभूलहमारीमहाहै॥ ४१॥
हमहूँसबजानतीलोककीचालहि क्योंइतनोबतरावतीहौ।
हितजामैहमारोबनैसोकरो सखियाँतुममेरीकहावतीहौ।
हरिचंदजूयामैनलाभकछू हमैबातनक्योंबहरावतीहौ।
सजनीमनपासनहींहमरे तुमकौनकोंकासमुझावतीहौ।४२
अबतोबदनामभईब्रजमैं घरहाँइचवावकरौतोकरो। अप-
कीरतिहोउभलैंहरिचंदजू सासुजेठानीलरौतोलरो। नित
देखनोहैवहरूपमनोहर लाजपैगाजपरौतोपरो। सुहिआ
पनेकामसोंकामअली कुलकेकुलनामधरौंतोधरो॥ ४३ ॥

॥ अथपरकीया भेदान्तरकथन ॥

परकीयाकेभेदकवि औरोकहतबखानि।
तिनमेंगुप्ताचादिदे पहिलेसबसुखदानि॥
फेरविदग्धालच्छिता कुलटामुदितानाम।
अनुशयनासोतीनविधि कहीकविनअभिराम॥

॥ तत्रगुप्तालक्षण ॥

कविनकहीगुप्तात्रिविधि लखिग्रंथनकीरीति।
भूतसुरतसंगोपना पहिलीगुननसप्रीति॥
अरुभविष्यरतिगोपना होतिपरमकमनीय।
वर्तमानरतिगोपना तीजीजानहुतीय॥

॥ तहँभूतसुरतगुप्ताजथा ॥

जानिकैकाहुकीभेषछपायकै गागरीलैवरतेंनिकरीती।
जानोकहाँतेंचलैकेहिंबेरतें आइनुरेजितैहोरीधरीती।
ठाकुरदौरिपरैंमोहिदेखत भागवचीजुकछूसुघरीती। बी-
रकीहारनदेहुकिवार तौमैंहोरिहारनहाथपरीती॥१॥
लोगलोगाइनहोरीलगाई मिलामिलीचारनमेंटतहीवन्यो।
देवजूचंदनचूरकपूर लिलारनलैलैलपेटतहीवन्यो। वेतेहिं
औसरआइगये समुहायहियोनसमेटतहीवन्यो। कौन्हीअ-
नाकनीभैमुखमोर पैजोरिभुजाभटूभेटतहीवन्यो॥२॥ हौं
अलिआजुगईतरकैवहाँसहेसजूकालिंदीनीरकेकारन। ज्यों-
पगएकवढ़ायोचहौं रपट्योपगदूसरोलागीपुकारन। आय
गयोधौंकहाँतेंअचानक नंदकोवारोरिसोहिउवारन। जो-
गहिलेतोनमोहिकहूं मिलतोनसदेंसखदीन्हेंहजारन॥३॥

वक्कुरासखिएककअज्योखरिक्राते मह्न तेहिं दौरिपक्के रोकि-
यो। वनकाननजायपरौकापियों लपटाइदईभटभेरोकियो।
कुचकंचुकीकेसकपोलनियों अधराननदैकनिवेरोकियो।
अमसीकरकंपभसासनिसेवक संचितयौंतनमेरोकियो॥४॥
जानीनमैंललिताअलिताहि जुसोवनमाहिंगईकरिहांसी।
लायेहियेनखनाहरकेसम मेरीनहीतजनीदविनासी। लेग-
ईअंबरवेजीप्रवीन उढ़ायलटीदुपटीठगमासी। तोरितनीतन
छोरिअभूषन देनकौंभूलिगईगलफांसी॥५॥ वारवहारन
भोरहीहौं पठईसतिहीनसतोकेलोगाइन। केरीकिवारए-
घारतही अलिलोरकोरकठोरकुदाइन। देवकहाकहौं
देहदसा यहहौंसकुचौंकुललोगलोगाइन। साधुरेकौए-
पहासकरें विसवासकरौतुमसासगोसांइन॥६॥ कौन
सौचालचलीहुजमें गुरुलोगनसौंकहिवैरवढ़ावैं। औरकौ
वातनकानसुनै अपनीकहिकैउलटीसमुझावैं। कौनवोलाव-
नजातइन्हें निसिवासरचौचंदआनमचावैं। चोरिचवाइ-
निचातुरये हियरेकोहराअनतेघरिआवैं॥७॥ आज
भटूएकगोपकुमारने रासरच्योरकगोपकेद्वारैं। सुंदरवान
कसौरसखान वन्योवहछोहराभागहमारैं। एविधनाओ
हसैहसतीं अवनेककहीउतकोपगधारैं। ताहिवदौंफि-
रिआवैधरैं विनहीतनऔधनजोवनहारैं॥८॥

॥ भविष्यगुप्तायथा ॥

हैव्रजवालनमैंवसिवो त्रिनकारनवैरकरैंकुलवामै। हौं
गुरुलोगनमाभगनी कुलकानिघनीवरतौंप्रतिज्ञामै। हौं

तुमश्रानहितूसिगरौ कविसेखरदेहुसिखावनयामैं। गैलमैं लोगदलौरमलोलखि चौंधकोचंदपस्योलखिलामैं ॥ १ ॥ भूलेहुनंदकेभौननजैहौंलै हूंकिनकेतिकोसौंहदिवावै। पालेपखेरूश्रनेकतहां सलिसानिकदेखिसुवाडरपावै। श्रोठमैं दागकहूंपरजायतो सोपैनकेहूँकछूकहिश्रावै।कैसोकरौं कहुलोमुखचंदकी श्रोरचकोरजोचौंचचलावै ॥ २ ॥ जाति हौं गोरसबेचनकों ब्रजवीथिनभूमसचोचहुँ धाँतें। बाल गोपालसबैश्रसनेकहैं फागुनमैंरॅचिहौंवकहाँतें। छौंटिहू जोपरौविनौप्रवीन कहूँ पटमैंरंगकौवरखातें। नेहकैज्योंहौ पठावतीहैं करिहैंफिरितेहभरौविषबातें ॥ ३ ॥ देहौंसवौं सिरतोकहँश्रासौ पैजखकेखेतनदेखनजैहौं।नैहौंतोजोवडे रावनदेखिहौं वीचहीखेतकेजायछ्वैहौं। पैहौंछरोरजोपा तनको फाटिहैपटकेहूँ तोहौंनडरैहौं। रैहौंनमौननजोंगेहके रोस करैंगेतोदोसमैंतेरोईदैहौं ॥ ४ ॥ सँगगांवकोगोधनं लैसिगरो रघुनाथसरैसनचाइनमैं। नहिंजानियेजातरहे कितकों वनभौतरकुंजसुहाइनमैं। दुखजानतौहैनकछूउत को छतलागतजोश्रँगपाइनमैं।कहैधायसिलायकैश्रावउता ल हूगायगोपालकौगाइनमैं ॥ ५ ॥

॥ वर्तमानगुप्तायथा ॥

ज्योज्यों चवावचलैचहुँश्रोर धरैंचितचावएत्यौं हौं त्यों चोखे। कोजसिखावनहारनहौं विनलाजभयेविगरैलश्र-नोखे। गोकुलगाँवको एतौश्रनीति कहाँतेदईधौं दईश्रन भोखे। देखतोहौंमोहिमाभगलोमैं गहौइनश्राईधौं कौनके

धोखे ॥ १ ॥ जानिनहौं पहिचानिनहौं दुखहोतयहैयहसों
वरोकोरी । हौंतोचलीजमुनाजलकौं कविदूलहसुद्धसुभाव
सौंभोरी । गाजपरोब्रजकोवसिवो तुमहूँ सखिदेखतीहौव-
रजोरी । मेरोगरोगहिऐसैंकहै तुमकाहेंनआवतीखेलन
होरी ॥ २ ॥ चोरसोमोहिपल्योपहिचानि लग्योकछुदूरतें
सेवकसोहै । आनिअचानकवाँहगही मोहिजानिअकेली
सहावनसोहै । आवतीतोहिइतैलखिकै तवढीठहियैसैक-
छूसकुचोहै । गैंदहसारेहरेकहिकै अँचरागहिभाज्योन
जानियेकोहै ॥ ३ ॥ वेनीजुयाव्रजसैंवसिकै हँसिकैनचलीन
मैसीसउठायो । कालिकलिंदीकेतीरगयोगिरि टीकोहि-
लारकोनीकोनपायो । हेरिलियोहरिटेरिकह्यो यहकौनको
है अनूसैपल्योपायो । मोहिजलालपल्योरीमहा नदलालसो
बोलतहीबनिआयो । ४ । गैयनघेरनवैचलेगेह सुमैंचलीरैन
भयेअकुलानी । स्यामसरीरमहाइनको भलकैमेरीदेहसुगन्ध
सोंसानी । देखतीतैंनजोवेनीप्रवीन नमानतीकेहूंअचंभित
बानी । वेलिकेधोखेगह्योइनमोहि तमालकेधोखेइन्हेंलपटा-
नी । ५ । कामरीडारिकँधापरद्वैव अहीरकीसवहीठहरायो ।
जोईहैसोईहैमेरोतोप्राणकै वाहिरीपायसैंप्राणसोपायो ।
कामरीलीन्हीउढ़ायतुरन्तही कामरीसैरोकियोसनभायो ।
कामरीमोजियमाखोहुतो इहिँकामरीवारेविचारेवचा-
यो । ६ । कुंजहौंआईत्यौंआयोरीमेह कहाँतैंकढ़ोयहआ
निवटोहौ । होंडरपीतरपीबिजुरी डरपेतेंउढ़ाईयाकामरी-
खोही । देतघनोसुखयोंकविदूलह ऐसीदयानहिंआनमैंजो-

ही। देखतियाछतियाँतरराखत भौँ नतआपवचावतमो-
हौ। ७। अलिहौंतोगईजमुनाजलकों सुकहाकहौँ बीरबि-
पतिपरी। घहराइकैकारीघटाउनई इतनेहीँ मैगागरिसीस
धरी। रपटोपगघाटचढ़ौनगयो कविमडँनह्वै कैबिहालगि-
री। चिरजीवहिनन्दकोबारोअरी गहिबांहगरीबनेठाढ़ौ
करी।८। आजुअकेलीउतावलीहौँ पहुँचीतटलौँ तुमआई
करारमै। वालसखीनकेहाहाकियेँ मनकेहूँ दियोजलकेलि
बिहारमै। सीतलगातभयेत्तिगरे उछरीतोमरूकैकितेकहूँ
बारमै। कान्हनोधायधरैनाअली तोबहौतीभलीजमुनाजल
धारमै। ९। जोरजगीजमुनाजलधारमै धाइधसीजलकेलि
कीमाती। त्योंपदमाकरपैगचलै उछलैजलतुंगतरंगविघा-
तौ। टूटेहराछराछूटेसबै सरबोरभईअँगियारँगराती। क्यो
कहतोयहमेरीदसा गहतोनगुबिन्दतोमैबहिजाती। १०।
अबहौंकौहैबातहौँ न्हातहुती औं चकागहिरेपगजातभयो।
गहिग्राहअथाहकौलैहीचल्यो मनमोहनदूरहीतेचितयो।
द्रुतदौरिकैपौरिकैदासबरोरिकै छोरिकैमोहिबचायलयो।
इन्हैभेटतीभटिहौँ तोहिअली भयोआजतौमोअवतारनयो
।११। तूमुसकातकहाकनखैयन भैयनसोँ इनकोसमझाऊं।
हारहरोहरिमोजमुनातट लैगुललोगननावँकढ़ाऊं। सासु
सुनैननदीदुखदाइन तौघरभीतरपैठनपाऊं। प्रानिधरैनपः
योधरपैसखी ईसकेसीसकोसौँहखवाऊँ। १२। ऊधमऐसो
मच्योब्रजमैं सबअंगतरंगउमंगनसींचै। त्योंपदमाकरछज्जन
छातिनछ्वै छितिछाजतकेसरकीचै। दैपिचकोभजीभीजीत-

ह्वाँ परेपीछेगोपालगुलालडलौचै। एकह्वौसंगह्वाँरपटे स-खियेस्रयेऊपरह्वौंअईलौचै। १३। आईसंदेसमुनावनकोंसु अईकविदूलहकोलहमारी। वारियेकुन्दकरनकोनौद किहै सुचकुन्दकौनौदकहारी। ऊपरह्वौंअंचकोमचकों लचकैप-लिकासखिद्देखिहहारी। तैंक्यौंनआयजगावैंहून्है ह्वौंजगाय जगायजगायकैहारी। १४। आयोसुहायोसोमोसनआयों क होसुखसासननंदतेंआरो। मोतेंजुदोकबहूनरह्यो कविदूलह सोमनमानअधारो। कोककलानकेसीखतहूं रवहोतहैपा-यलकोझनकारो। सोजासखीभरमैसतिरी यहखोजाहमारे ह्वौमाइकेवारो। १५। जाकेचरिचऔचातुरई चितचेतचितै चतुराननहारो। त्यौंपदलाकरखाँगसबै दसहूंअवतारको ल्यावनहारो। देखतीहौनखतेसिखलों बनिबैठयौवहैसनोनं दकोबारो। सोहिसकेलिकेलिकरै सखियावहरूपियाकंत हमारो। १६।

। विदग्धालच्छन।

कह्यौविदग्धादोयविधि सुकबिनसहितविवेक।
वचनविदग्धाएकहै क्रियाविदग्धाएक॥

। बचनविदग्धाको लच्छन।

वचनचातुरीतेजुतियबांछितसाधैकाम।
बचनविदग्धानायिका तासुकहतकविनाम॥

। बचनविदग्धाजथा।

कातिकोन्हैबेकोंलोगचले अपनोअपनोसबह्वौसंगजोथ्यो।
राखिगईघरसूनेबिसासिनि सासुजँजातेंमोहिनाछोयो।

हैतोभलौघरहौजोरहोतुम यौँकहिकैननदीहनिहोश्यो ।
प्यारौपरोसिनसौंकछोटेरि परोसीकेकानसुधासोनिचो-
श्यो । १ । धायरिसायगईघरआपने तौरथन्हानगएपि-
तुभैया । स्यःमैंसुनाइकहैकोउहैगो लगैनिसिआधिकमैंयह
गैया । हासियौरूसिगईवितहूँ सजनौयहकौनसुनैदुखद
या । हैपटपौढ़िरहौंगीभटू प्रलगाँपरमेरिजजानैबलैया
। २ । सासुरेजायछकूदिनतैरह्यो छाड़िदियोनिजमंदिर
भैया । दाउददाऊदहैज्वरसौं परसौंलईकातिकौकौमगासे-
या । याहौमसूसमरौंकाकरो रिखिनाथपरोसिनमैपरोपै य
कौजकहु नमिलैमगमैं हैंसँवारहौजातदुहावनगैया । ३ ।
भादवकौनिसिभूरिउठबनघोरजतें तनजोरबितैहै । सासुबि
सासिनऔननदौ मनपालिपरोसिनकेघरजैहैं । चौचँदचोरनको
चहुँघाँ सरदारकहांकेहितें दुखकैहैं । सोनहमैसवरौदिसि
को निसिपाछिलेजामपियाघरऐहैं । ४ । पियपागेपरोसिनके
रसमे बसमेनकहू बसिमेरेरहै । पदमाकरपाहुनौंसौननदौ
ननदौतजैयेअबसेरेरहैं । दुखऔरजकासोंकहौंकोसुनै व्रज
कौबनिताहगफेरेरहैं । नसखौघरसांझसबेरेरहैं घनस्यामघ-
रौघरौघेरेरहैं । ५ । अलिगोधनपूजनकोउमह्योव्रज मांहि
महौतपसोगनतें । सबपैहैंमनोरथकोफलवेनी । रहौघरमे
महाभोगनतें । सजनौरजनौघरौद्वैकरहै सबपूजिहैंपूरबजो-
गनतें । योहकाकहै सुनावतौआलीकेओखें जियोंगीसैंक्यों
छुटैलोगनतें । ६ । खेलतहौसजनौनमिलौ संगचौपरछाव
महारसलैवो । नंदनगोकुलचंदजूकोकहू दौठिपर्यौलगचाव

चितैबो । लागविनाविकछोपरगोटसों कौनतुहैकामआपुन
धैवो । जोकरैईसतोबीसबिसै कछूहाँवपरेअबकैसिखिनैबो।
७ । यहलातचलावनोहायदैया हरएकपैनाहींछुलावनो
है । सुनोतेरीतरौफसिलायबेको हितत्तेरेसोंमालपुवावनो
है। कविग्वालचराओलैआवोघरें फिरबांधनोपोरिसुहाव-
नोहै । मनभावनोहैहौंदुहावनोपै यहगायतुहीपैदुहावनोहै
८ । जबलौंघरकोधनीआवैघरे तबलौंतोकहूंचितदीवोक-
रो । पदमाकरएबछराअपने बछरानकेसंगचरैवोकरो।अरु
औरनकेघरतैंहमतें तुमदूनोदुहावनोलैबोकरो । नितसांझ
सकारेहमारीहहा हरिगायेंभलादुहिजैबोकरो । ९ ।

। क्रियाविदग्धाको लच्छन ।

जोचतुराईतें कछू करैक्रियाअभिराम ।
क्रियाविदग्धानायिका ताहिकहैंरसधाम ॥

॥ यथा ॥

जातहुतीगुरुलोगनिमैंकहूं आयगएहरिकुंजगलीसों। लाज
सोंसोंहैंचितैनसकी फिरठाढ़ीभईलगिआलीअलीसों ॥ आ-
रसीजचौकरीकरकी कहितोपलब्धोछबिभांतिभलीसों।
चाहताचातुरतापरलाल गयोबिकिओटचलानगलीसों । १ ।
बैठीतियागुरुलोगनिमै रतितें अतिसुन्दररूपविसेखौ । आ-
योतहांमतिरामसोजामैं मनोभवतें बढ़िकांतिकरेखौ । लो-
चनरूपपियोइचहैं अरुलाजनिजातनहींछविपेखौ । नैनन-
वारहौहियमालमैं लालकीमूरतिलालमैंदेखौ । २ ।
बैठीतियागुरुलोगनमै रतितैंरमनीयसीरूपसोहाई आयो

तहाँमनमोहनत्यों सबकौअँखियाँनवह्वैछबिछाई। कैसेलखैं पियबेनीप्रवीन नवीनसनेहसकोचसमाई। पौठिदैभाँवतेकौं सजनी सजनीनकौदीठिसोंदीठिलगाई ॥३॥ जातहौबालअ लीनकेसाथमैं पीछेतेबोलसुन्योअनुरागी। क्योंलखियेलखि जायसखौ लखिबेहौकौंलालचकेरसपागी। छाड़दई सबसाथ कौसुन्दरी योंडगदौडगहै करिआगी। फेरिकैनारिकह्यो चलनारिसों टेरनकेमिसहेरनलागी ॥४॥ कैसेहुदेववधूनसे कोऊ नुहोयतोताकौबराबरीवाछे। सोहतिहैनखतें सिख लौं मनिअंगअनूपसिंगारनिकाछे। सौलबड़ाईजनायविनै चलै सासुऔनंदजिठानीकेपाछे। नैनिकेसैननिमोहनकौं मु रिकैमुसुकाइविलोकतिआछे ॥ ५ ॥ खेलैअलीजनकेगनमे उतप्रीतमप्यारेसोंनेहनवीनो। बैननबोधकरैइतकौं उतसै- ननमोहनकोमनलीनो। नैननकौचलवौकछुजानि सखौरस खानिचितैवेकौं कीनो। जौलखिपायजह्मायगई चुटकौचुट कायबिदाकरिदीनो ॥६॥ कासिवेमिसिनौविहिकेछिनतौ अँग अंगनदासदिखायरहौ। अपनेहौंभुजानिउरोजनिकौं ग- हिजानुसों जानुमिलायरहौ। ललचोहैं लजोहैं हंसोंहैं चि ते हितसों चितचायबढ़ायरहौ। कनखौकरिकैपगसोंपरि- कै फिरिसूनेनिकेतमेजायरहौ ॥ ७ ॥ बँसुरीसुनिदेखनदौ रिचली जमुनाजलकेमिसिवेगितवै। कविदेवसखौकेसकोच नसों करिऊधमयोंरसकोंवितवै। व्रखभानकुमारिमुरारि कौओर कटाच्छनकोरनसों चितवै। चलिवेकों घरैं नकरैम ननेक घरैफिरिफेरभरैरितवै ॥ ८ ॥ गोरसवेचिफिरौव-

निता अरुगाइनलाललियें अनुरागो। गेंदैं वनाइकैंफूलन-
को चलोखेलतआपुससांझसभागो। आवतकान्हवचावतबाँ-
सुरी देखितियामनौसोवतजागो। वीरसखीसिसलैकरबा-
ल चलाईसुगेंदगुपालकैलागो॥ ६॥ पूनिवेकोंवरसाइतके
दिन सुन्दरिआईसरूपमनोरति। फेरीफिरैंसुकछाकछिये
लखिलालकों आनद संधुहिलोरति। नोरैसखीनवलौंहत
सूतहि तौलौंतियाउतआँखिनजोरति। आवतिसासुहै साँ
वरेके नवहेरिहरेंफिरितारहितोरति॥ १०॥

॥ अथ लच्छिता लच्छन॥

परपतिमे ससखीनकों जाकोजाहिरहोय।
ताहिलच्छिताकहतहैं कविकोविदसवकोय॥

॥ लच्छिता यथा॥

अतिरातेसुहातेदिगंतनसैं कछुआरसकौतचिराखिचली।
दृहिंभायसुधासधुपाइकितै अभिलाषपयोनिधिनाखिचली।
छिजदेवजूआजप्रभातसमें वनकौनकेनामहिंभाषिचली। सु-
खसोंसुखलायअघायकितैं रसकौनेरसालकौचाखिचली॥१॥
आईहौमोरअलीबनीदेव वसंतनिसावसिवीचवगीचैं। लूके
कोमारीसलीटलसै मुखचंदहंसैसुसुक्यानिलरीचैं। पाईसुहाग
कोलूटतहाँ छिनआँखिनमे मधुधारससीचैं। टोरीसीरेखीनु
देखीपरै सुछिपावतीक्योंकुचकंचुकीबीचैं॥ २॥ असीनचा-
हियेबातें अरी मनहींमनसैंधुरिकैगढ़तीहो। ईसमनेहरी
कुंजकीदेहरी मोरीसिहैं चुरिकैचढ़तीहो। बूझतिताकोन
उतरदेति कछूकोकछूसुरिकैपढ़तीहो। कौनसयानपतेरो

अरी सखियानहूं सोंदुरिकैकाढ़तीहौ ॥ ३ ॥ प्रातविकासल-
हैं सबपंकज कोरिककोगतिदीहदहैहैं । आँनदकेमकरंद
भरे रुचिरूपपरागनपूरिरहेहैं । काहेंदुरावतिहैसजनी
रतिनायकसायकएहीकहेहैं। नंदकुमारकेलोचनवानरीजान
तिहौं उरतेरेवहेहैं ॥ ४ ॥ नीलऔपीतभलेपलटे पटदेखिये
बीररचावप्रचंडल। छूटेतिलौंछ सुगंधितवार नवांध्योअली
नअलौकिकमंडल। वासुखकेलखिवेतें सखी चखसेखवताव-
तभेदअखंडल । ह्वैरह्योभोरकेचंदसोयामुख नैरह्योकान्ह
केकानकोकुंडल ॥ ५ ॥ तुमकान्हकोनेहछपावतीहौ हितसौं
करिराखतीअंदरसैं। चुपरीसीकहौकोउजपरीसौं यहचूप
रीबातपुरंदरसैं। उरअंतरकोअनुरागसुतो झलकैदृगकोर
केअंदरसैं। जिमिवारिधमेंकहूं बूड़ैजहाज कढ़ैहुंगलौबर
वंदरसैं ॥ ६ ॥ आईहौपाँयदिवायमहावर कुंजनतें करिकै
सुखसैनी । साँवरेआजसँवार्योहैअंजन नैननकोंलखिलाज
तएनी । बातकेबूझतहौसतिराम कहाकरतीअवभौंहतने
नी । सूदीनराखतिप्रीतिअली यहगूंदीगोपालकेहाथकीबे-
नी ॥ ७ ॥ यहभीगिगईधौंकितैअँगिया छतियाधौंकितैय-
हिरंगरँगी । उबटेहुनछूटतदागअजू कबकीहौं छुड़ावती
ठाढ़ीठगी। सुनिबातइतीसुखनाइनिके अतिसूधीसयानपतें
सोपगी । मुखमोरिउतैसुसुकानीतिया इतनाइनिहूं सुसुका
नलगी ॥ ८ ॥ बीतिवेहीसुतोबीतिचुकी अबआँनतीहौकेहिं
काजलुकंचन। त्यों पदमाकरहालकहें मतलालकरोदृगख्या
लकेखंजन । देखितरंचुकीकंचुकीकेबिच होतछिपायेंकहा

कुचकंजन। तोहिकलंकलगाइवेकों लग्योकान्हहीवेअधरा
नसैंअंजन॥ ९॥ औरहीआवतीहोंकितते कुलकानिकहातु
सदौन्हीविसारसी। सोहनरूपसहासदपानकै येअँखियाँवि
लसैंसरसारसी। कंचुकीहृदरकोकुचपैं हनुमानरहीयह
प्रीतपसारसी। तूं हीलखैकिनएरीअली अवहाथकेकंकनकों
कहाआरसी॥ १०॥ तिनसोंकहियेयहबातबलायल्यों गोप
नकीनहिँजानतनो। इससोंइतनोछलहेतकहा इससाथनी
छैंइहैंबाहिरीको। रघुनाथजोछैदसासोसुनिये कछूहैनछ-
पीजगजानतसो। जबसोंमिलीसादरहूं उनसों तबसोंघटि
व्याहीकोआदरगो॥ ११॥ लख्योअपनीअँखियाँनसोंसै बघु
नातइआजुअन्हातसैभोर। लगेहगरावरेसोंउनके लगेरा
वरेकेउनकेसुखओर। दुरावतिहौसहवासिनिसों रघुनाथ
इथावतियानकेजोर। सुनोजगमैंउपखानप्रसिद्धहै चोरन-
कीगतिजानतचोर॥ १२॥ अंजनदैहगखंजनसेकरि केसरि
आननसोंजसतीहौ। पानकोआनिअहाररच्यो अगहारके
आरचलेंफँसतीहौ। देखतीहौंरघुनाथकछू दिनतें इहिँछै
लतामेंजसतीहौ। साँचीकहौतुमैमेरियैसों तुमकौनकीआँ
खिनमैंबसतीहौ॥ १३॥ नैनबड़ेबड़ेबांकीचितौनि चलांकी
पढ़ीमनोभूपरखीहै। जाकेविलोकतवेनीप्रवीन कहैद्युतिमै
नकाहूकीनखीहै। आईकहाँतेहैराधेकही अबलौंब्रजमंड
लमैनलखीहै। आँवरीसीलगदेतफिरै सँगसाँवरीसीयहकौ
नसखीहै॥ १४॥ तेहिविलोकतआवैइतै मनभावनोसाँवरी
सूरतिसोहै। दूँहूंनिहारें लजाहींहै बातपै नेकहूचाह-

तिनाहिंबिछोहै । जानतिहैतोबतावअली यहकोहनुमान
भरोअतिमोहे । भौंहैंमरोरिसिकोरिकैनाक कहीअनखा
यकोजानियैकोहै ॥ १५ ॥ मोरसोमंजुलमौलिबनो दुतिकान
नकुंडलकीमकरारी । गुंजहराकेउराउरमै पटपीतपितंब
रकोछबिन्यारी। वेनुबजावतसेवकस्याम सुकामकेमंत्रनकोग
तिहारी । रावरीनोखीनचालभटू ब्रजबालसबैनदलालपैं
वारी ॥ १६ ॥ धनिहौब्रजबालनमैतुमहौं सबभाँतिहमैभल
भावतीहौ । करतीहौदुरावकीबातैंकहा हमहूंसोंनप्रीत
जगावतीहौ । हनुमानचवावचलैतोचलो हकनाहकहीतन
तावतीहौ । हितमानतीहौतुमराधिकाको नदलालैसनेह
सिखावतीहौ ॥ १७ ॥ रूपवतीऔप्रवीनलखीतुमसीनहिंपू
रितमैपरमासे । हौंसहवासिनीयातेंकहौं नडरौंतुमरेरि
सिकेकलमासे । हेरतीहौकाहुरेहौंदुरे हनुमानरहौकछु
द्योसछमासे । जानतीहौंतुमसोंजनसों दिनचारिमैह्वैहैं
तमासतमासे ॥ १८ ॥ बुरोमानतींजोसिखदेतिभटू दुखपा-
वतीजोसमुझाइवेमै। कहीजायगीदेखिकुरीतिकछू समुझौ
गीनजोसमुझाइवेमै । कहालेहुगीहाथपरायेबिकें कहिठा-
कुरलोगहँसाइवेमै । हमैकोगनैकासोंपर जनहै बुनिवेमैन
बीनबजाइवेमै ॥ १९ ॥ कहिआईइहांकोकुरीतलखें सोक-
हासुखबातचलाइवेमै । तुमपाँचकीसातमिलायकहो इतलै
हौकहाखिसिआइवेमै । कहिठाकुरकौनसोंकाकहिये दुख
पावतीहौसमुझाइवेमै । परोकौनपरोजनहैजूहमै बुनिवेमैन
बीनबजाइवेमै ॥ २० ॥ ब्रजमंडलीदेखिसबैपदमाकर ह्वैरही

यों चुपचापरीहै। मनमोहनकीबहियाँमैकुटी उलटीयहवे नीदेखापरीहै। मकराकृतकुंडलकीझलकै द्वतहू भुजमूलसैकापरीहै। इनकीभनतैं जोलगीअँखियाँ कहियेकछूतो हसैकापरीहै ॥ २१ ॥ भनैआहटपायकैसाँवरेको इतैदेखिवेसैमनथारोपगो। सिसिकैसखियानतैं ह्वैकैजुदी कुकिऔकोआरोखेअनंदखगो। यहमैहूँ निहारतिहीतुलसी ससुआइवेसैकतमोसोंजगो। परोकौनपरोजनहैतुमसों कहियेकछू तोकोहमारीलगो ॥ २२ ॥

॥ कुलटालच्छन ॥

सुरतिअनेकनपुरुषतें चहतिकामबसजौन।
कुलटातासोंकहतहैं कविकोविदमतिभौन ॥

॥ यथा ॥

भाईभुजाअरगोलकमाईसु कंचुकीछोटीलसैकुचछोटैं। टेढ़ियेभौंहैंबड़ीबड़ीअँखिन तेंजुतिरीछेलगावतिखोटैं। लागतलोटही पोटसुहोत वचैनहींकोटिकवोटनकोटैं। नईकमनैतनईयेकमान नयेनयेबाननईनईचोटैं ॥१॥ एकनसोंमिलिबेकोंसकेट बद्योएकसोंहितहेतनिहोरति। एकनसोंचितदै चितदै तियएकनिसोंमुरिभौंहमरोरति। ओरतें सामलोंकामयहै रघुनाथअनेकनकेमनचोरति। छोरतिएकनकेचितकों हितएकसोंतोरतिएकसोंजोरति ॥ २ ॥ योंअलबेलीअकेलीकहूँ सुकुमारसिंगारनकैचलैकैचलै। त्योंपदमाकरएकनके उरमेरसबीजनिवैचलैवैचलै। एकनिसों बतराति कछू छिनएकनिकोमनलैचलैलैचलै। एकनिकों तकिघूंघट

मै मुखमोरिकनैखिमैदैचलैदैचलै ॥ ३ ॥ अंजनदैनिकसैनित नैननि अंजनकैअतिअंगसँवारै । रूपगुमानभरौमगमै पग छोकेअँगूठाअनौटसुधारै । जोबनकेमदसोंमतिरामभईम तवारिनलोगनिहारै । जातिचलौएहिंभाँतिगलौ बिथुरौ अलकैंअँचरानसँभारै ॥ ४ ॥ काहूसोंनैननहींमुसुकातहै का हुसोंकौनौलगावतिघातैं । काहुसोंभावसोंभौंहचढ़ायकै बैनसुनावतिमौठेसुधातैं । जानिनजातिहैजातिकहाँ छिन मैफिरिआवतिहैधौंकहाँतैं । तोहिपरीयहबानिकहा सिग रेहिंनयेहीसुहातिहैंबातैं ॥ ५ ॥ बारकेलागिकिवारनसोंर हैगारनगौनौलखैमगपौको । भौंहनिमैहँसिसैननिबोलति आरसौदेखिबनावतिटौको । होंहिंसबैरसियाकलिमै कवि रावयहैअभिलाषहैजीको । बामकोंऔरनकामकछू अक कामहैकामकौबातनहौको ॥ ६ ॥ घूँघुटखोंचेरहैअलवेलीद गंचलचंचलहैचपलातैं । सुन्दरनैनकोसैननिहौमै अनेकन भाँतिकौआनतिघातैं । बैठिझरोखनमैअँगरै झझकैदुतिकैं मुरिकैमुसकातैं । तौहौलौंजोकोपरैकलजौलौं चलैकछु कामकलोलकौबातैं ॥ ७ ॥ जमुनातटकुंजकदंबकेपुंज तरैं तिनकेनवनीरझिरैं । लपटौलतिकातरुजालनिसों कुसुमा वलीतेंमकरन्दगिरैं । बनबागनवेसवहारनई कबहूंतिन कोंनहियेसुमिरै । चहुंओरनतेंगनभौंरनके एकमालतीपैं मेड़रातफिरैं ॥ ८ ॥

मुदितालक्षण ।

सुनतभाँवतीबातजेहिं बाढ़तअतिमनमोद ।
मुदितातासोंकहतहैं कविकुलसहितविनोद ॥

॥ यथा ॥

लोगवरातगयेसिगरे तुमरातजगेकोंचलीसवकोज । सुन्द
रमंदिरसूनोइहाँअब कोरखवारहैताहिनजोज । सासुक
हीतनहीलखियों लहुरीदुलहीघरहीरहुसे,ज। फूलिगयेसु
निवातयोंगात समातनकंचुकीमेकुचदोज ॥ १ ॥ सूनोभयो
हरिकाभईसाँझ सखीसँगसोसबजानमेवाके। आइगयेहूतने
सेतहाँ हरिकासकलानिधिचेरोहैजाके। चाहीभईअनचा-
हेअचानक योंमनसोद्भयोडरताके। सोतीहराकेडरैअब
हालि भयेअँगियाकीतनीकेतराके ॥ २ ॥ सासुकुकैननदीख
रिवोकरै याकोतोख्यालयहैदिनरातिहै । सूनोनिकेतहै
लैकुजोपावै खरीतनरोअभरोललचातिहैं । नौरेअटापरपी
तलैपेखि तियाअतिहीअँगिरातिजम्हातिहै। यों कछुआन-
दहोतहिये अँगियाफटिकोटिकटूकहैजातिहै ।३॥ सासु
रेआईसरोजमुखी विदखीदखमाइकेकोअँगधाके । पासपरो
सकेवागकेकोन लखीखिरकीनिजभौनकेनाके । ज्योंतवन्यो
छितकोचितचाय चढ़ोमनआनदद्वन्द्वकेचाके। फूलिउठेकुच
कंचुकीमेजुग गेवँदटूटितराकतराके ॥ ४ ॥ आरससों रस
सोंअँगिराति हसों अँगुरीकरिअंगुलीकाढ़ी । त्यों रतियों
रौसरोरतिभौंहनि मोरतिनाकव्ययासनेबाढ़ी । नीवीकी
नावनराखतिस्वैधे कसेउकसेईकरैफिरिगाढ़ी । घूंघुटटारिउ
घारिभुजंचल कंचुकीकेबँदबाँधतिठाढ़ी ॥ ५ ॥ मोहनसों
कछुहासनितें मतिरामबढ़ोअनुरागसुहायो । वैठोहुतो

तियसाइकैसै सखुरारकोकान्हसनेसखुनायो। नाहकेव्याह कोचाहसुनी हियसाहैंडकाहछवीलीकेछायो। पौढ़िरहीप टग्रोढ़िअटा दुखसोंमनमैंसुखबालछिपायो ॥ ६ ॥ गांवके ठाकुरकोहैंनुलाव सुनावधन्योसबहीकोजुआयो। नंदगयै कौनयोंसिगरोब्रज क्योंपरसादजूनातगनायो। जाइवेकोंतु लहूकोंडतै योंपरोसीसोंटेरिकैकान्हसुनायो। सूखधन्योसो परोसीपन्योपै परोसोकछूअपरोसिनिपायो ॥ ७ ॥ सासुग ईब्रजिपीहरकों पतिजादकैमालकहूंकोंसिधायो। संगर हीँसननीसोसहेटकी साथिनिकौनकरसनसायो। गोकुल सांगभरोतियकेहिय कासकलोलकोचौचँदछायो। फूलिप सीजिडठीसुनतै घरमौतपरोसकोपीतसछायो ॥ ८ ॥ द्वैदिन केपछतीरघन्हानकों लोगचलैसिखिकैसिगरोई। सासुबहूसों कह्योकिरहोतुम औररहैंनहिराखतजोई। सुन्दरिआनद सोंउमगीहिय चाहतहीसोभयोअवसोई। प्रेमसोंपूरन दोउजनेवर आपरहीकौरह्योननदोई ॥ ६ ॥ न्योतेगयेघरके सिगरे सुजेरासीकोव्याजकैआनुरहैसै। ठाकुरहैबछिरोए कहांसो सोराखोवरोठविचारकैनसै। आयेभलेखिरकौस- गह्वै यहआइवोचाहतहीहुतीजसै। आजुनिसाभरिप्यारे निसाभरि कोजियेकान्हरकेलिखुसीसै ॥ १० ॥

॥ अनुसयनालच्छण ॥

तीनिभाँतिसबकबिकहैं अनुसयनाकोभेद।
तिनमेंपहिलेकेलियल नसेजुपावैखेद ॥

॥ यथा ॥

लैअनुसारनबालवकोसु उठेनअसं उलसेनअपारन । छ्वै
छितिछोरनकोंधुरवा कारिवारिलईधरनीजलधारन । पी-
तलसंगपरीअकुलाति छियेहहरातिसुहातअगारन । बो-
रिसबैवनकोंबनत्यों उसंगीसरिताछितिछोरकरारन ॥१॥
जायजहाँरतिरंगमचाय करैजनभावनकोचितचोरी । हा-
वनभावनसोंसिगरीनिसि बीततहीजहाँ आनदबोरी । गो-
कुलह्वै गईव्याकुलसी तियकेतनसेतलवेलीसीछोरी । बूड़िग
योजलसोंसिगरो सुनिकालिंदीकूलकोकुंजकिसोरी ॥ २ ॥
रितुआईसुहाईनईबरषा बढ़ग्योसोदलयूरनकेहियको । हरि
आईचहूंदिसिफैलरही अनुरागजगावतहैजियको । चढ़ि
ऊंचेअटानविलोकैघटा करकंजसोंहायगहेपियको । लखि
कंजकलीनतड़ागनमैं सुखसंजुसलीनभयोतियको ॥ ३ ॥ का
ह्सोंकाह्ककहीलखियों यहजोरघुनाथमहीपतिआयो । पा
टिकेनारेनदीतटकैं वनकाटिकैचाहतघाटबनायो । कानसै
कामिनीकेयहआनिकै बोलपर्योमनोवज्रसोनायो । सूखिग
योअँगपीरोभयोरँग खेदकपोलनकेसँगछायो ॥ ४ ॥ नीचि
येनारिकियेरहैनारि सुरारिकोप्रेमपगीकछुऐसे । काहूकि
बातसुनैसमझैनहीं बोलतबोलवछायहदेसें । खेतकटंग्योसु
निकैविलखी अवचिचलिखीलखियेअईजैसें । जखसैजोरस
पावतही अवसोरसकोंतियपायहैकैसे ॥ ५ ॥ बोयोसुबीजसु
खेतसँवारिकै बेससुधारिकैसाजिकियारी । जामेभईहरिया
रीरहैनित द्यौसह्सैनिसिकोअँधियारी । अंगकोतापहरै
तहाँजात सुकाटतहैंजहाँलोगअनारी । दूरतदेखतदूखत
गातहै ज्यारिकेसूखतसूखतप्यारी ॥ ६ ॥

॥ अथ दूजीअनुसयनाचालक्षण ॥

होनहारसंकेतको सोचतिहैजोबाम।
दूजीअनुसयनायहै कविकुलताकोनाम ॥

॥ यथा ॥

फैहोनहोनउदासवलाचल्यो हैंहमहींसोपरोसिनिपीके। सासुरेजातमैसोचकछून करोनियमैसमुभाइयेनीके। मैर घुनाथकीसौंहकियेकहौं अैसईवागमनेसवहीके। लाइकेमैम नभावतोजैसोई हैवनतैसोईकूलनदीके॥ १॥ वेलिनसोंलपटा यरहीहैं तमालनकीअवलीअतिकारी। कोकिलकेकीकपो- तनकेकुल केलिकरैंअतिआनदवारी। सोचकरैजनिहोहुसु खी मतिरासप्रवीनसवैनरनारी। मंजुलवंजुलकुंजनके घनपुं जसखीससुरारितिहारी ॥ २॥ कायरहीवहुफूलनकोरज सानोसनोजवितानतनेहैं। सीरेसमीरसुधाहुतें सोगुने भो- लतमंदसुगंधसनेहैं। गुंजतपुंजहैंभौरनकेतहाँ होतकपोतके घोसघनेहैं। सोचकहाजोनज्वारनमीये तमालकेकुंजतोवेई वनेहैं॥ ३॥ आछीअटारीचौवारेकोवैठका मंदिरसूनेअने कनजीके। खेलनकोंतुमकोंवनेठौरहैं जाउहतैसुखपायहो नीके। हैंअनिमन्दिरजोगउजागर नागरप्रीतिपगेपरती- के। ज्यौंइहाँत्यौंससुरारतिहारेहु वागवड़ेढिगहैंखिर- कीके॥ ४॥

॥ अथ तीजीअनुसयनालक्षण ॥

काहूआरनतें सुनै गयोमीतसंकेत।
जायसकैनहितीसरी अनुसैनाकहिदेत ॥

॥ यथा ॥

दूतीसकेतगईबनकोंवदि प्यारीपगीहरिकेगुनगाथसे ।
गायहु हावनयों कहिसंभु खरीखरिकानखोनकेसाथसे । के
लिकेकुंजबजीमुरली बुधिगोपबधूकी बंधीब्रजनाथसे । दोह-
नीहाथकीहाथैरही नरह्योमनमोहनीकोमनहाथसे ॥ १ ॥
भूषनहारसिँगारसबै अँगपूजनहेतचलीसखीसाँवरी । कास
कलासोलसैबलसै हुलसैमनमोहनकोसुनैनावरी । केलिके
कुंजनजोमुरली कबिदत्तगईठगिसीवहिठाँवरी । साँवरीसू
रतिसों अटकी अटकीसीवभूरटकीभरैभाँवरी ॥ २ ॥ लालनको
पिँजराकरलाल लियेंप्रतिकुंजनकुंजनज्वैरहे । सेवनीसोन
जुहीकेप्रसून खरेखुरसैतिहिं ऊपरह्वैरहे । देखतहीनवला
तिहिंकों जसवंतलगेअलगेपलह्वैरहे । चैरहेचंचलवालविसा
लके दीरघजोदृगआननछ्वैरहे ॥ ३ ॥ चारिहुं ओरतें पौन
झकोर झकोरनघोरघटाघहरानी । ऐसेसमैपदमाकरकान्ह
के आवतपीतपटीफहरानी । गुंजकीमालगोपालगरेँ ब्रज
बालबिलोकिथकीथहरानी । नीरजतें कढ़िनीरनदीछबि छी
जतछोरधिपैंछहरानी ॥ ४ ॥ यहऐसोअदावभयोयावरी
घरहौंदूनकेपरीपुंजनसै । मिसकोउनआनिचटैचितपैं इन
कीवतियानकीगुंजनसै । कविरामकहैभईऐसीदसा गिर
लंगनकीजमिलुंजनसै । किमिहौंअबनायसकौंहेदई बनी
बैरिनिवाँसुरीकुंजनसै ॥ ५ ॥ धुनिपूरिरहैनितकाननमै
अजकौँ उपराजवोईसीकरै । मनमोहनगोहनजोहनके अ-
भिलाषसमाजवोईसीकरै । घनआनदतीखियेताननसों सर

सिसुरसाजिवोईसीकरै। कितने वहबैरिनिवाँ सुरिया बिन वाजेईवाजिबोईसीकरै ॥ ६ ॥ सुनतैधुनिधीरछुटैछिनसै फिर नेकहूराखेसचतीनहीँ । गुरुलोगनकेपरीफंदनज कुलका नितजरहेदेतीनहीँ । बतिकासोंकहींसैदसाअपनी हनुमा नकहैकोउहेतीनहीं । यहबैरपरीकसवाँ सुरिया बजिकैफि रहासुधिलेतीनहीं ॥ ७ ॥ काननतीखियेतानसुनै निसिद्यौ ससुहातननेकुनिवासुरी। खेदकरैअतिहीतनमैं छिनहीँ छि नछेदतभेदतयाँ सुरी । कामसोंमोहनीमंत्रपढ़ी अलिकैसेव नैहहिंठौरसुधासुरी । मोहनकेअधरानधरी हठिवैरिपरी यहबैरनिवाँसुरी ॥ ८ ॥

॥ अथसामान्यालक्षण ॥

प्रीतप्रीतसोंकरतनहिँ करतिसुधनसोंप्रीत ।
सामान्यातासोंकहैं जासुअहैयहरीत ॥

॥ यथा ॥

कछूनैननचायनचावतीऔंह नचैकरदोजओआपनचै। बरछाहँछबीलीसोंछूवैकहूं जाय तहींसिसकीनकेसोरसचै। कुचऔकचभारनहीअलवेलीको वारहनारकलंकलचै । ल- खिलालकेलालकीमालगरे वहलीवेकोंबालयेख्यालरचै ॥ १॥ हेरतहीहरिलेतिहियो बसबिक्किकियोरसकीवतियासै । जो वनरूपकोऔधअनूप सुन्योगुनएतोकहूं नतियामै । कंतहिँ योंधनवंतनिहारिकै चूकतिनाअपनीघतियामै। हाथदईहैं सिहौसभरे मुदरोकरदेखिधरीछतियामै ॥ २ ॥

दोहा । अन्यसुरतदुखिताकही औगर्वितांप्रवीन ।
मानवतीयेहोतहैं औरभेदहूतीन ॥

॥ अन्यसंभोगदुःखिता लक्षण ॥

जानैतियकोपीयसों कियोऔरतियकेलि।
तापैअगटैरोलकछु बचनव्यंग्यसोंमेलि ॥

॥ यथा ॥

देहधरीपरकाजहीकों जगमाझहैते सोतुहीसबलायक। दौरेंयकौअँगखेदभयो समुझौसखीक्यौंनमिल्योसुखदायक। सोहीसोंप्यारजनायोभलौविधि जानीजुजानीहितूनकौनायक। साचकौसूरतिसौलकौसूरति अंदकियेजिनकामकेसायक ॥ १ ॥ सोउपकारबड़ोईविचार गईतूवोलावनकैलैछ मासे। ऐतौअवारलौंक्यौंतूरही दुखकेतोसह्योऔहिवेसर मासे। क्योंअनखातिकछातोभयो हनुमाननभेटभईवलमासो ऐसेहीआवतजातभटू दिनचारिमेंह्वैहैंतमासतमासे ॥ २ ॥ निसिआजकौजाइयोफेरिसखी तुमरेपटभूषनजोबदले। इ- हिंमैहनुमानहैदोसकहा कतबोलतीहौइमिरूंधेगले। हम सोंतुमसोंकछुभेदनहीं यहजानिअरीनतहाँतेंचले। अति छोहनतेंतुमहीतेंमिले मनमोहनमीतहमारेभले ॥ ३ ॥ उ- त्तमप्रीतप्रतीतभयो रसरासिमहासिठबोलोकन्हाई। जो- कोइवाहिबुलावनजात खवावतवाहिविरीबरिआई। पूसनि साकौजड़ोहीबयारि बिचारिकैआपनीसालउढ़ाई। तोसों कहायहमोहीसोंप्यार जनायोहैजानिहमारीपठाई ॥ ४ ॥ गुनएकअपूरबतोमैलख्यो तिहिंसोखिवेकोअभिलाषकरों। कमलापतितोसोहितूहैतुही लखिकैसबभाँतिअनंदभरों। इहिंहेतुकहौंयहबातबलायल्यों दूजोउपायनचित्तधरों। चि

तऔरकोहाथसैलीवोवंतायहै पाहुनीपायनतेरंपरों ॥५॥दे-
खिपरोसिनिकोंपहिरे अपनेपियंकोतियंमानअनैसो । हेरघु
नायलख्योहँसिकैहूसि कैअतिआदरचाहियेजैसो ।सोतौको
हारविहारकरै कुचऊपररावरेकेयहजैसो । खोयोगयोअ
वहौदिनद्वैमये रावरेदेवरकोरख्योअैसो ॥ ६ ॥ सोहिमना
वनजोपठई कहि सोतुमसोंरघुनाथहँसेहैं । व्याहकोदोसह
मैघोवनहै वेतोरावरेकेअनुरागगसेहैं । काहेकोंआपकहौं
इतनी रितुऊखेमेवेनहींसोचससेहैं । पावसमाहिँसतावैगो
मैनक्यों नाहतोवाँहतिहारीवसेहैं ॥७॥ आवतमोहिविलो
किबलायल्यों छोड़िसखीनसौंबातसोहाती । ओठअमेंठिन
माइकैलोचन भौंहचढ़ाइक्यौंहोतिहौताती । जानिपरीरघु
नाथहिसों सबजोवहआनुगई कहिबाती । लीजियेथातीहै
सोहनकी उनकेकरकंजलिखीयहपाती ॥ ८ ॥ तूँतोगई ही
बुलावनलालहि मोसोंकहैकतबातविगारयो । कंचुकीढी
लौपरीकुचपैं यहमोहियमैउपजावतिआरसौ । तोहिकहा
डरहैहनुमान भयेमनमोहनतेरेसिपारसौ । तूहौविचारल
खैनअरी अवहायकेकंकनकौकहाआरसौ ॥ ९ ॥ छाइरहे
छदछातीकपोलनि आननऊपरओपचढ़ाई । छूटेवँधेकच
कामिनिके कविराचसुजातछपैनछपाई । नाहिँकह्योपरैवै
ननिमोद सुनैनलिसैअलकैछबिछाई । वासोंकहौंयहकौतु
कहूतो गईहौअधीरपैधीरह्वै आई ॥ १० ॥ देहुँकटौलौकपै
अजहूँ लगीसीखनदूतपनेकेसुभाइनि । न्हायसौआई हौ
मायकहूते बनायकह्यौकछुमेरीगुसाँइनि । मैतोपठायोच

हौंनुसहौं तुसपैनहौंचूकतिआपनेदाइनि। सेदकाहैसवह्वा कोतिहारे लग्योयहकेसरिकोरँगपाइनि ॥ ११ ॥ चंदनकी चरचानरहौ नरहौछुतीआड़नुलालदई हौ। सोतिनकी लरकौलरहै दरकोअँगियापाहरोनुनई हौ। आयोनआयो वलायल्यौ तेरी तूंकाहेलरीलरिकेकोंगईहौ। छौ कतहापठ ईजूहतीसुता तैंनसुनीसुनिसैंहौं लईहौ ॥ १२ ॥ देवपुरैनि केपातनिजानतें ह्वै जुगचक्रसचानगहेरी। चौतेकेचंगुलमैप रिके करसायलघायलह्वै निवहेरी। सोनिसैंसंजुदलोकदलौ लरिकेहरिलुंजरलुंजरहेरी। हेरीसिकाररहेरीकहूं वन नायअहेरीह्वै आनरहेरी ॥ १३ ॥ कौरसुविंवविनारिकैयो ठ दएछतसोलहिरीधनियासै। नारँगीनीवूडरोजनिनालि दयेनखवानरचौतनियासै। खें दसुकंपरसंचवढ़्यो तनसेवक स्यासडरैजनियासै। तोहिपठाईसुभूलिगई अईदावरीवाव रीकेपनियासे ॥ १४ ॥ अँगनासैवुलायघनीअँगना कछनाप हिरायदेजोसिनीको। दछिनादिलखोलिकैदैजैअली सुव- धाई सुनावसतोखिनीको। कविसेवकपायँपरौं सबके विधि दाहिनोआजुअदोसिनीको। तजिओषधमैंतोअरामभई प तिआइगोसेरोपरोसिनीको ॥ १५ ॥

॥ अथ गर्विताल‍च्छण ॥

रूपप्रेमगुनआदिको गर्वकरैजोवाम।
ताहिगर्विताकहतहैं कविकोविदमतिधाम ॥

॥ रूपगर्वितायथा ॥

जोवहिजोवसमानगनै कलकोकिलबोलवखानअमीके।

केहरिसोंकरिसोँकरिप्रीति कुरंगनकोकुलकाढ़तटीके ।
अनुवअंगनकेउपमान लखेहरखैंहरिसिखरनीके । वालक
हौवतियाँसुनिकै दृगलालभयेद्दषभानललीके ॥ १ ॥ मंजुल
मौलसिरीसोगरा मधुमालतीकेगजरागुहिराखें । चंदनपं-
कलगाइलैअंग सयंकसुखीकरिकैअभिलाखेँ । जेवनवाहि
रकेगइने तनमेपहिनेदूनतेँछबिलाखैँ । तोअँगलायकअेते
सवै सुनिवालकोलालभईलखिआँखैँ ॥ २ ॥ सोयरहीरति
अंतरसोली अनंदवढ़ायअनंगतरंगिनि । केसरिखोरकरी
तियकेतन मोतमकैयोंसुवासकेसंगनि । जागिपरीमतिराम
सरूप गुमानजनावतिभौँहकेभंगनि । लालसोंबोलतिना-
हिनैवाल सुगैँछतिआँखिअँगोछतिअंगनि ॥ ३ ॥ हैनहिँ
सायिकोमेरीभटू यहसासुरोहैसबकोसहिबोकरो । त्योँपद
साकरपायसुहाग सदाँसखियानहूँकोंचहिबोकरो । नेहभ
रीवतियाँकहिकै नितसौतनकोछतियाँदहिबोकरो । चंदसु
खीकहँहोतिदुखीतो नकोजकहैगोसुखीरहिबोकरो ॥ ४ ॥
कछुदेखिकैलछनछोटोबड़ो समवातचलेँकहिआवतुहै । इ
तनेकेलियेकरियेइतनोरिस कोसुनिकैसुखपावतुहैं । कहतौ
हौंकिचाँदनीदेखिरहैं जोकहौरघुनाथबुलावतुहैं । तुमहौँ
करोन्यावलखेविनतोहि ललाकोंकलानिधिभावतुहैं ॥ ५ ॥
सागरजातसराहतहैश्रुति स्वरहितूहितकैसरसावै । औ-
कोसहोदरसीरोसुभाव सदाँरघुनायककैकविगावै । सायस
भासुरकीलहिये अरुअंसुनिऔनिअकासहिछावै । ऐसोज
जसिप्यारोतज तुवआननआगेनआदरपावैं ॥ ६ ॥ कोजि

येहूरसैमागतिहौं अपनेमनमेंतेंउदासकोहोनो। रावरेरू
पसोरूपविरंचि बनाइसक्यौंनरच्योगहिकोनो। जोरतिकी
समतारघुनाथ दईतुमकोंमतिकोअतिलोनो। तोलेंतुलाध
रिहोतकहाबलि गुंजसोगुंजऔसोनोसोसोनो॥ ७॥ वैप
तिसोहिपतिव्रत है रघुनाथसदांप्रगटैलहतीहौ। वैप्रभुहैं
अपनेमनके उनकेमतह्वै तुमक्योंवहतीहौ। चासकरोपरलो
कहुकी तुमतोतियमेसतिमैंमहतीहौ। मोसुखकीअनुहार
कलानिधि वोजकहैं तुमह्वैं कहतीहौ॥ ८॥ संनरंजनखंजन
कीअवली नितआंगनआयनडोलतीहैं। चकवादिचकोरी
परीपिंजरा दिनरातिननेककलोलतीहैं। ननदीअरुसासु
हिबूझियेजो उरअंतरकीनहींखोलतीहैं। केहिंकारनबैर
परीहमरे सुकसारिकाबोलनबोलतीहैं॥ ८॥ बागमेठाढ़ीसु
भागभरी अनुरागसोंस्यामकरैं चहुंफेरे। मालिनिमालद
ईगुंधिहाल वढीछबियोंगरमेगहिगेरे। सेवकदोसलगाइ
रिसाइ कह्योफिरिल्याईजथारुचितेरे। दोन्होजुहीकोहमैं
कहिकै सबैसोनजुहीकोकह्योउरमेरे॥ १०॥ सेवकजाकेनिदे
ससोंमोहि गईदैप्रफुल्लितकंजकमायरी। उतकोनसोदेहौं
कहामैं गँवारताकैसोरहीठहरायरी। तेजलम्योनतुपार-
लग्योन हमैहरिरूठिरहेअनखायरी। आलिनसोंमैलयेअ
बहीं करकेकरहीमैंगयेसकुचायरी॥ ११॥ देखेसुगंधितमोति
येदेत अयेकरलेतजपागुलऐसे। त्योंउरिडारेपरेपगपीठि ध
रेरगसोनजुहीमहँनैसे। सेवकहूँमोलगीउलभारि निहा-
रिपरैनलखौसबलैसे। टोनेकरेनयेलोनेअबैरी दयेदृहिंना-

लिनफूलधौंकैसे ॥ १२॥ नवरोजनकीकालीचाहौअली तौक-हौंतेहिसैमनदैचखोरी। फिरहैहौकलंकदयाहोसबै दूहिंते पहिलेहीवचैचलोरी। तुमऔरकहू जोकहोगीचलै चलिहौं हलुलालअवैचलोरी। मनभायेनफूलमिलैंगेतुमै नसरोवरपैहलिलैचलोरी ॥ १३ ॥ खेलनतोकहतोहौसही चलिनित्यहीमोहिवबागकैवागें। पैरघुनाथकीसौंहसुनो मनयातेंनखेलिवेसेअनुरागै। मेरोंसरूपनहींयहव्याधिहै पूरबलीअंगकेसंगजागै। कासैकहौंघरबाहिरहोतिहौ लागतिदीठिविलंबनालागै ॥१४॥ काहेकोंसोहिसिखावतीहौ यहमोहनसंगनचौभगहैहौं। औरघुनाथकीसौंहकरौं विधिसोहिकरौअरीरूपसहैहौं। गौनेभयेइतनीसुनिलीजिये सौतिकोमानगुमानवहैहौं। कैवसप्यारेकौंऔरकहाकहौं मैसबकीसिरमौरकहैहौं ॥ १५ ॥हे बड़ौअनियारौअनूपम पानिपरूपभरौकहाकैहौ। मीनदलेअंगमानमले नभलेलगैंभौरभोराईनलैहौं। ओरतैंआजसराहतहौ सुअनाहकहीमनमैविषवैहौ। लाखनवारतुमैवरजेपिय काहूकिआँखिनदीठिलगैहौ॥१६॥ देवसुरासुरसिद्धवधूनके जेतोनगर्वतितोयहतोको। आपनेजोबनकेगुनके अभिमानसबैजगजानतफीको। कामकीओरसिकोरतिनाक नलागतनायकनाककोनीको। गोरीगुसानिनिग्वालिगँवारि गनैनहीरूपरतीकरतीको ॥ १७ ॥

॥ प्रेमगर्विता यथा ॥

न्हानजोजाऊँ तोसंगसखी पगपाँवड़ेपाँवरीकेकरिवोकरैं। केसरआड़बनायिकैआऊँ निहोरिकैनेहनहीनहिवो

धारैं । बोससिनायनदीठिपरौं कुलकानिभच्योनियराछरि
वोकरै । योंनिसिबासरसाँवरिया घरहौनितभाँवरियाभ-
रिवोकरै ॥ १ ॥ केतोनगोपवधूनकेअंगनि रूपसुधासरसा-
नोरहैरी । पैयहलालकोचालपरौ चितमेरेहिमेंसरसा-
नोरहैरी । अंतरबाहिरसाँभसँवारे बिलोकनबीचबिका-
नोरहैरी । सोमुखसोंहैमहामनमोहन लारगमेंमेडरानो
रहैरी ॥ २ ॥ न्हानसमैजबमेरौलखैं तबआजलैंबैठतआयअ-
गाऊँ । नायकहौजूनरावरेलायक योंकहिकेकितनोलस-
भाउं । दासकहाकहौंपैंमिनहायहो देतनहौंहूंसवारनपा
ऊं । सोहितोसाधमहाडरहैरी महाडरनाईनतोसोंदिवा
ऊं ॥ ३ ॥ आजुतेंबीरीबयारतजौंगी महावरोदैवदियोपगहू
मे । कासोंकहौंसुखआपनोरीसै भईलघुसेवकदासिनहूमे ।
बीजनबारीहुतीढिंगजे अबैरीअबोलैकैवहुपरभूमे । सेरे-
हिदेखतमेरीभटू लैदोंजकारनायिनकेपियदूमे ॥ ४ ॥
सखिआंतअलेतिनकेतियवे नितभूपनजेपहिरेहोरहै । तनअं
तरसोंउतरावनको पियमेरेकेनैनअरेईरहैं । मनिमानिक
लालअसोलनिसों सुकविंदसबूसभरेईरहैं । गहनेपहिनेन-
हिँपावतिहौं गहनेगहनेसेघरेईरहैं ॥ ५ ॥ आँखिनमेपुतरी
ह्वैरहैं हियरामैहराह्वैसबैरसलूटैं । अंगनसंगबसैअँगराग
ह्वै जीवतेंजीवनमूरिनटूटैं । देवजूप्यारेकेन्यारेसबैगुन मो
मनमानिकतेंनहीछूटैं । औरतियानितेंतौबतियाकरैं मो
छतियातेंछिनौजबछूटैं ॥ ६ ॥ बैठतीहैंमिलिसंगसखी सुसु
खीसबभांतिसुखीअतियातें । आवतीहैंइतमेरेलिये इनके

पियधन्यसबैवतियाँतें। भेरेतोवेनीप्रवीनपिया दिनहूँसैकि येहोरहैंरतियातें। कासोंकहौंदुखमेरीभटू नहिंकूटनदेत छिनौछतियातें॥ ७ ॥ हौंगईभेटभईनसहेटसे तातैंसखाहु टसोमनछायगो। कालिंदीकेतटआँवतपैंयहौं आयोतहाँ लखिरूखेसुभायगो। औरभैवोरनवोलनकोरूसे न्है वेवहान धिंतोरहिआयगो। सोपगैकैसिरछाँहधरीकलों सूदेसुसो- हनसोहिसनायगो॥ ८ ॥

॥ गुनगर्विंतायथा ॥

हौंजवलौंतबलौंसिगरोदिन सैगुड़ियानसोंखेलिविते हौं। धायसिखायसरैकितनी गुनसौखिबेकेसैनजौकनैहौं। पैइत नीकहेराखतिहौं धनिसौतिनसेरघुनाथकहैहौं। गौनेहिंजा यकैभेरीभटू सुनिसायकेफेरिनआवनपैहौं॥ १ ॥ मैनसकी कहिलाजतेंआजुलौं पैअवओसरहैकहिआवै। सोसोंकहो नितहौनपढ़ीकछू हौंनपढ़ीसोसुनोअेहिदावै। औरतोवा- तकहासैकहौं रघुनाथकीसौंहँलखोभरिचावै। कोतिय्रहैजग सेजिहिंकों पियकोकरिवोवससौतिनभावै॥ २ ॥ मनभावन पूसमैरूसचल्यो चितवोचविचारविदेसकियो। सुनिकैसब- सौतिनकौसिगरौसुधि जातिरहीअवकाँप्योहियो। सखिहै सखिकोकरिहेरघुनाथ उठायकैहाथमैबीनलियो। कछुगाय कैसैबअकासमैछायकै मैतवहींबरसायदियो॥ ३ ॥ बंसीब- जावतआनिकढ़े वनितावनीदेखनमैअनुरागी। हौंहूँअभा गभरीडगरी मगरेगिरेचौकिसबैडरिभागी। लागेकलंक-

नसैबकसों छून्है फोरिहौंसौतिसुभावलैजागी छायहमारी जरीअँखियाँ विसुबानहै मोहनकेउरलागी ॥ ४ ॥

॥ अथ मानवतीलच्छन ॥

दोहा। कछुकईरषागहिकरै भामिनिपियसोंमान।
मानवतीतासोंकहत कविकोविदमतिमान ॥

॥ मानवतीयथा ॥

चंदमयूषनिदूषितअंग अनंगमहासरतीखनसाधे। त्यौं-अलिकोकिलकेकुलकेरव क्योंबचिहै दुखसिंधुअगाधे। बारिबयारिनहारियकोसब सेखरप्रानप्रियारटनाधे। बीथिनमैं बगरीधुनिहा मसजीवनमूरिसिरोमनिराधे ॥ १ ॥ कुंजगुलालकेपुंजनसोंअलि गुंजनसोंतरुनालतारी। प्रेमभरीब्रजकोबनितानको तानकोमानकोगानकोगारी। तेरेलियेतजिताकिरहेतकि हेतकियेबलबीरबिहारी। येबडेनैनदिखाइदैनेकुतू अंचरघालनिघूंघटवारी ॥ २ ॥ तनकोतरसायबोकौनेवद्यो मनतोमिलयोपयसैजलजैसो। कौनदुरावरह्योभ नसों जिनकेतनमैंमिलयोतनऐसो। ठाकुरकोबिनतीसुनिलीजिये कौनसुभावयासीखोअनैसो। प्रानपियारीप्रवीनतिया चितमैबसिघूंघुटघालिबोकैसो ॥ ३ ॥ मैतौनतोहिमनावतीहौं मनमोहनैहूकबहूं जनिजोहैं। सौतिपैजाँयतौजाँयभलें औकहाभयोतोसोंनराखिहैं छोहैं। पैहमुमालकहौंसो करै कछुतेरोताकोहनमोपै भरोहैं। नेकुतौघूंघुटखोलिलखे याकरैबिनैठाढ़ोकोजानियेकोहै ॥४॥ अपनोहितमानिसुजानसुनो धरिकानिदानतें जकियेना। निजप्रेमकोपोखनिहा

रिबिसारि अनीतिअरोखनहू किये ना। हियअंदररावरोसं
हिरहै तेहियों बिरहानललूकियेना। वहजोहितहौनहै दौन
हैंतौ तुमप्रेमप्रवीनह्वै चूकियेना ॥५॥ राधेसुजानइतैचितदै
हितसैंकतकौजतमानमरोरहै। माखनतैंमनकोमलहै यह
बानिनजानतिकौनकठोरहै। साँवरेसोंमिलिमोहतजे सोक
हाकहियेकहिवेकोनजोरहै। हैघनआँनदतेरोपपीहरा जौह
चंदतौतेरोचकोरहै ॥६॥ प्यारेकैप्यारसोंपैयेसोहाग सुन्या
रोभयेनितनेहनिहोरिये। जासुखसंगकोंअंग सिँगारति तासों
विगारिकैक्यौंदुखभोरिये। जासोंबँध्योतनजोबनजीवन देवत
हौंचितदैहितजोरिये। तेरेहीगोहनलाग्योफिरै मनमोहन
सोंभटूक्यौंहनमोरिये ॥७॥ वलिकंजसोकोमलअंगगोपालको
सोजसवैतुमजानतीहौ। वहनेकुरुखाईधरेंकुंभिलात इतोह
ठकौनपैठानतीहौ। कविठाकुरयोंकरजोरिकहै इतनेपै विनै
नहींमानतीहौ। दृगवानओंभौंहैंकमानसुतौ तुमकानलौं
कौनपैतानतीहौ ॥ ८ ॥ गहोनोहठटेकनसोसपनेहूँ तजौ
सखितैंसुतोनाधेरहौ। नहिँकेहूँसिखाअसोंमानतिहै तनते
रेसैतोयहबाधैरहौ। मिलतोउठिस्रूधेसुभायनहीं पियकेहि
यआसअगाधैरहौ। रिसमैरसमैंहँसौहौंससैतेरौतो खूबी
चितौनिकौसाधैरहौ ॥ ९ ॥ कौनदईयहसोखतुम्है तुमजोइ
तनोहठुआजगहाहै। ऐतेहूपैनप्रतीतिकरौ बहुरोदिवदे-
तकोचित्तचहाहै। भूँठिकोबोलितनैंधरमैं रघुनाथकहैअस
कौनवहाहै। तोकुचसंभुकोसौँहकियेजब हेतवसंभुकोसौँ
हँकहाहै ॥ १० ॥ तोहिनरूसिवेजोगवलायल्यौं बैरकियेसं

तिकाहूकैलागहि । आपनपोपहिलैहूँ विचार हैं कोरघुना थकहाभरपागहि । तोसीबहूबड़भागिनिको जेहिँकोसबसौ तिजियेअनुरागहि । देखिसरूपसनेहसराहती प्यारकेभा गहितेरसोहागहि ॥ ११ ॥ हरीकंजप्रभापदपं कजतें गति देखिकैतेरीलजानोकरी । करीचंदहूकीगतिमंदअली सुख चंदउभारतिताहीधरी । धरीहै बिधनाबड़भागिनिहू नित सौ तनकेउरसालअरी । अरीजापरवारतप्रानसबै सोबि- कानोत सूरतदेखिहरी ॥ १२ ॥ आननकीधुनियेसुनिये स्नु- तिकूकनिकोयलकीधँसतीहैं । सासकोचारुप्रकाससबयारिन मंदसुगंधहियोसमतीहैं । दंतनकीदुतियेरघुनाथ कलानक- लानिधिकीगँसतीहैँ । देखिअरीरिसिप्यारीतुह्मै येदसोंदि सिआपुसमेंहँसतीहैं ॥ १३ ॥ मानोमढ़ीदिसिरूपेकेपत्रसों सेहतयौं दुतिद्योसकोंदूसैं । सीतलमंदसुगंधबायारि बहै धनवेलीनवेलीकोंमूसैं । कोइलकूकतिहैरघुनाथ जहाँतहाँ बालरसालकोचूसें । असेसमाजकीचैतकीजोन्हमै कौनकहै गोमलीतुमैरूसैं ॥१४॥ जलबूंदबड़ीबड़ीसोंबरसैं घनजैनविचो गीकोंदूसतहै । मिलफूलअनेकनसोंबलकै तनपौनफुकारकै भूँसतहै । रघुनाथसहायबिनालखिकै असमैनदुधोमनमू सतहै । पियप्यारेसोंप्यारकीबातें बिसारिकै असेरसैकोउ- रूसतहै ॥ १५ ॥ बादनीओरकीवायुबहै यहसीतकोई तहैं वोस बिसासै । रातिबड़ीजुगसोनसिराति रह्योहिमिपूरिदि साविदिसासै । गोकुलडारिहैमैनमरोरि कहौवकहाकहेमा नकिसासै । कौनकोकोउहँरूपोगोछिया छतियाँतजिनाहकौ

लाहनिवासै ॥ १६ ॥ वनैपंकजसेपगपानिसृनोहर काननलौं
द्दगधावतुहै । रघुनाथलसैंलणिएडिनलौंबाच चंदसोआनन
आवतुहै । विधिऐसोअपूरवरूपरच्यो जिहिंतेंघनआपुकहाव
तुहै । धुपैदेखतोहौनगुविन्दकोघोर तौकामकहौकैहिआव
तुहै ॥ १७ ॥ कछूदेखिकैलच्छनछोटोवड़ो समघातचलैकहि
आवतुहै । इतनेकेलियेकरियेइतनोरिसि कोसुनिकैसुखपाव
तुहै । कहतौहौकिचाँदनीदेखरहैं जोकहौंरघुनाथबुलावतु
है ! तुमहींकरोन्यावलखेबिनतोहि ललाकोंकलानिधिभाव
तुहै ॥ १८ ॥ उनहाथाकरोरिनकैपठई तुमतौरिसहौसरसा
वतीहौ । सबुहारिकरीहमहूंपैतऊ सुखनेकहूनादरसाव
तीहौ । हनुमानअसृसिरहोहौकहा मिलिमोदनक्योंबरसा
वतीहौ । यहचैतकोचाँदनीमाहिंदैधा मनमोहनैक्योंतरसा
वतीहौ ॥ १९ ॥ यहचारिहूंओरउदोसुखचन्दको चाँदनी
चारुनिहारिलैरी । वलितोपैअधीनभयोपियप्यारो तुएतो
विचारविचारिलैरी । कहिठाकुरचूकिगयोजोगोपालतौ तू
बिगरेकोंसुधारिलैरी । फिरिरैहैनरैहैयहीसमयो वहतीन
दोपाँयपखारिलैरी ॥ २० ॥ वतियाँनलुनायकैसौतिनको छ
तियाँनमैसालसलायलैरी । सपनेहूंनकोजियेमानअयै अप
नेजोबनाकोबलायलैरी । परमैसजूरूपतरंगनसों अँगअंगनरू
परलायलैरी । दिनचारिकतूपियप्यारेकेप्यारसों घामकेदा
मचलायलैरी ॥ २१ ॥ वंकत्रिलोकनदोठिचलायरी नेहलगा
यकैपोठिनादीजै । वौरीनहूजियेमानकह्यो अवपीतमकोंअप
नायकैलीजै । मोहनीरूपकीवैसहीपायकै कोनहिंजोबनकै

सहसीजै । जजरीजोपैकरीकरतारतौ गूजरीएतोगरूरना
कीजै ॥ २२ ॥ रूपअनूपदियोदईतोहितौ मानकियेनसयान
कहावै । औरसुनोयहरूपजवाहिर भागबड़े विरलैकोउपावै ।
ठाकुरसूमकेजातनकोउ उदारसुनेसबकोउठिधावै । दीजि
येताहिदेखायदयाकरि जोचलिदूरितेंदेखिबेआवै ॥ २३ ॥
यहरूपहैचारिदिनाकोमहेस रहैगोनहींछविरोजहीकी । ब
लिभूलतिहैइतनेपैकहा सदानोकरहैगोउरोजहीकी । उठ
लायहियेहरिकोंहितसों नकरोहठआननओजहीकी । अस
तौफिरिकालिरहैगोनहीं याहनोजहैसोजमनोजहीकी ॥२४॥
तुमरेविनबावरेसेवैभए तजबातेंकरोतुमसोजहीकी । नहिंमा
नतीहौमैजनायथकी कहारीतिसिखीमनमोजहीकी । उर
राखुदयाकमलापतिकी चरचानतजौरसचोजहीकी । कुच
कोरनतेंमसकौनउकै तौहनोजहैसोजमनोजहीकी ॥ २५ ॥
एमनयारउठेचकुंओर हूकैलखिकाकरिहैरिसिह्वैतू । सौ
तिपैजायहैंजौकमलापति पायहैछाँहुँछनेकनछ्वैतू । जानिल
ईअबहीसिगरी कलपैहैसुहायकेहीरकोख्वैतू । पाँयपरैह्वन
मानतीरो अबजाजिनिऐसीमिजाजिनिह्वैतू ॥ २६ ॥ घेरेरहै
घरहाँईमनी फिरिबीतनफागुकछूकहिजायगी । लालगुलाल
कीधूंधरमैं सुखचन्दकीजोतिकहूंलहिजायगी । प्रेमपगीव
तियानतैंरी छतियानकोलाजसबैबहिजायगी । जोनमिलीम
नमोहनसौं मनकीमनहीमनमैंरहिजायगी ॥ २७ ॥ रूपको
चाखअनूपचढ़ी यहप्रेमकिठासपगायलैजीको । नैननसैनस
कोनीमको लुखबैनरमालफढ़ै अतिनीको । तेरेअधीनभयोर

स्त्रिया विविक्यौं नवनायरिकायलैपीको । साजिकैजंघोडुका नञ्चरी फिरिराख्योकहापकवानलैफीको ॥ २८ ॥ लघुवैस कीहेरक्छिलीक्षिनको सरीसेदनसेजनठानतीहैं । तिनकेगुनकूं पलोनाईविलोकिनी सावनकौंधिकसानतीहैं । सुखपैसोनद सरीसेवकाजाने हितुलुमयातेंवखानतीहैं । नहिकैंसिखैंमोत ससौंतियजे हमजानतीहैंकीअजानतीहैं ॥ २९ ॥ लागिरीना हूनवालनतें हरिआएहैंजानबड़ेनिजआगरी । आगरीवैरिन सोचरचातें तजैकिनलानपियारसपागरी । पागरीसोहैन पायनपै कविपारसहैतुतौबुद्धिकोआगरी । आगरीलागैति हारैंहठैं सनमोहनकैउठिकंठसौंलागरी ॥ ३० ॥ माधवीमंड पमंडितकै सहकैमधुयोंमधुपानकरैरी । रातीलतानबितान नतानि सनोजकुसाजिरच्योसरसैरी । धीररसालकेबीरन वैठि पुकारतकोकिलडौंडिनदैरी । भूलिहकंतकोंठानवीमा न सोजानवीवीरवसन्तकोवैरी ॥ ३१ ॥ कुसनहारीघनेरीकुं ती पैकहाँलगिरावरीकीजैबड़ाई । कुसैवसैपियकेजियकी ति यकाहनैयाबिधिपीरनपाई । रीफोहौंतेरीयावूकनिकपर तेरीसौंतैंवकुतैहौंरिकाई । भाँवतोभोरकोभूखोंकुतो तैंम लोकरीनैकुहहातीखवाई ॥ ३२ ॥

अथप्रोषितपतिका लच्छन ॥

दोहा ॥ जातियकोपरदेसपिय गयोविरहसरसाय ।
प्रोषितपतिकाकहतहैं तासोंसवकविराय ॥

अथ मुग्धाप्रोषितपतिका यथा ॥

मिलिसंगसखीनकेबैठैकछू नहिंखेलकहानिकंरोचतसो

परिपीरीगर्ई छाड़िकैनीप्रबीन रहैनिसिबासरसोचतसी। अब तें परदेसलसिधारेपिया अँसुवाअँखियानिविमोचतसी। बहु सोनजुहीसमसौनभई लुकिभौनकैकोनमैंसोचतसी॥ १॥ नैननसेभरिआवतनीर पैबाहिरजाहिरहोतनआयहै। बोल्योचहैतौगरोभरिआवै सखीनहूँसेरहिजातिलजायहै। औरवियोगिनीहैंपैअनोखी लगीकछुयाहिवियोगबलायहै। आजहीकेबिछुरेयहहालतो औधिलौंकैसिकैकोपहुँचायहै॥२॥ बालमकेबिछुरेजबालकी हालकह्योनपरैंकछुह्याही। चैसो भईदिनतीनहीमें तबऔधिलौंकौंक्युजिहैछबिछाँहीं। तीरसोपीरसमीरलगै पद्माकरबूझेहूँबोलतिनाहीं। चन्दउदोलखिचन्दमुखी सुखमंदहूपैठतिमन्दिरमाहीं॥ ३॥ बारकितेकसहेलिनकेकहें कैसेहूलैतिनबीरीसँवारी। राखतिरीझिकहैमतिराम चलैंअँसुवाअँखियानतेंभारी। प्रानपियारीचलयोजबतें तबतेंकछुऔरहीरीतिनिहारी। पीरजनावतिअंगनमे कहिपीरजनावतिकाहिनप्यारी॥ ४॥ खेल्योकरैसँगसेवकमेरे नहींपलओटह्वैदेतिअनन्दहि। जाग्योनजोबनकोरसहू अनुराग्योनहींपियकामकेफन्दहि। हायतेंकोहीकहाकहाँ नबिचारतिदूसरेकेदुखदन्दहि। प्रानतजौंगेीअरीबलिजाउँ बिदानकरैअबमेरीननन्दहि॥५॥ निजकन्तवियोगसौंबैठीहूकन्त नवायकैसीसरहीभरीहै। कुचकंजपरआनिपरेदुखसौं जेचलैअँसुवासुखकंजपरह्वै। लखिसंकरज्यौंललनाकीप्रभा त्यौंसबैसमताकहौऔरकोछ्वै। मनोरुद्रनकीविषमादिकीआँचसों चन्दसुधारसकोंचल्योचै॥ ६॥ लिखिलाख

उपायनश्राखरहै पठईघरिधीरघरंगरची। गुरुसोंदुरिद तिनदासीकेहाथ हईतियकोंपियप्रेमपची। कविदेवनूँवाचत आयोगरोभरि हाथकोहाथहीजातलची। दिनवीसकलौंप तिकोपतियाकी वियोगिनपैंवतियाँनवची ॥ ७ ॥

अथसध्याप्रोषितपतिका यथा ॥

अबहूँ हैवाहाघरविन्दसोग्रानन इन्दुकेहायह्ववालेपरयौ एकलीनविचारोविथ्योमनसो पनिजालकेजायदुसालेपरयौ। पहलादारप्राखैनप्राखिनने जियऐसोकछूवकसालेपरयौ। मन लोलनसोहनकेसँगगो तनलाजमनोजकेपालेपरयौ ॥ १ ॥ हो तौविथावढ़तैपैभईअब चौगुनीचन्दनकीचरचाहो। योंहींदवा सेलगेईहते अबचाँदनीआयदसोंदिसिदाही। औधिलौंजीवन औधिरदै सखितूकहितेरेकहासनमाहीं। चाहतियोंकह्योप्या रीसखीसों पैलाजनतेंकहिआवतिनाहीं॥ २ ॥ तोखनवानन सोंजनवेधत कामभलेनितदेहदहैरी। भावतनाघरआँगनने कु सोहायनहींवनवागउतैरी। सुंदरिगुंजतभौंरनकोलखि देखतचन्दहिकोंडरपैरी। काहूसोंनोकहिवेकोकरैकछु आ वतकंठहिलौंसकुचैरी ॥ ३ ॥ सेवकवोलैविलोकैनहीं नसुनै हलरायझुलायकैटोके। पानोऔपानछुटेसिगरे भगरेपरे लाजऔकामदुवोके। कंतकाहूकेजुदेनकरोहरि अन्तकोप्रा नकैनहिंरोके। औरईसोभईऔरईदेखत वौरईसोभईवो रविलोके ॥ ४ ॥ सखिजादिनतेंपरदेसगयेपिय तादिनतेंतन छीजतहै। निसिवासरभौनसुहातनहीं सुधिआएउसासन लीजतुहै। अबऔरवनावननैनकछू अनुभौइतनोसुखकीजतुहै।

उनकोअलुहारिनिहारिसखी ननदीसुखदेखिकेजीजतुहै ॥ ५॥

अथप्रौढ़ाप्रोषितपतिका यथा ॥

आजहीप्यारोचल्योयहआजहौ आयदवायव्यथातनजी तिहै। पैंडोनिहारतिआइबेको कछुआजहीऔरैभईपरकी तिहै। कंठह्वैप्रानरहैअबही अबऔधिकैपैबेकीकौनप्रतीति है। द्यौसतौबीत्यौमळू'करिकै अबआईहैरातिसोकैसेधौंबी तिहै ॥ १ ॥ साँझकोऐबेकीऔधिदैआए वितावनचाहतयाह्न बिहानहिं। काह्नजूकैसेदयाकेनिधानहौ जानौनकाह्नकेप्रेम प्रमानहिं। दासबड़ोईबिछोहकैमानतो जातसमीपकेघाटन हानहिं। कोसकेबीचकियोतुमडेरो तौकोसकैराखिप्रिया रीकेप्रानहिं ॥ २ ॥ बालमकेबिछुरेहजबालकों व्याकुलतावि रहादुखदानितें। चौपरिआनिरचीनृपसंभु सहेलिनिसा हिविनोसुखदानितें। तूजुगफूटैनसेरीभटू यहकाहूकह्योस खियाँसखियाँनितें। कंजसेपानितेंपासेगिरे अँसुवागिरेखंज नसोअँखियाँनितें ॥ ३ ॥ बैठीविसूरतहीपियआगम एतेमै कोइलकीसुनिबानी। जागिउठीविरहागिमहा लखिमैरघु नाथकीसाँहसकानी। चन्दनलायमिलायकपूर निसाभरि सीचीगुलाबकेपानी। कौनकहैवतियाँनिसिकी नतियाकीत जकूतियाँसियरानी ॥ ४ ॥ सुखसेजसुगन्धसुधाकरसीत स मीरसुहातनहींसखियो। कविराजकहैइनभाँतिनकैसे विना जगजीवनजायजियो। कबहूँविरहागिनमैपजरयो कबहूँध रिनीरसैबोरिदियो। पियकेबिछुरेहियरायहकाम लोहार केहाथकोलोहोकियो ॥ ५ ॥ भरीअंगअनंगकीदीहव्यथासों

छरीछीसटापैग्रलीनधिरी । लगजोवतहीलनभावनको घ
रिध्यानसिपायखरोलसिरी । कविगोकुलवोलेकलापीडूतेसे
दितैचहुँ धाँग्रकुलायधिरी । कहिहायगएपरिहौलिसेगात ग्र
रावतियाग्रहरायगिरी ॥ ६ ॥ छितिमंडलकैनभमंडलमेघ
उमंडिइसोंदिसिधायरहे । कविचन्द्नचावसोंचातकमोर ह
रैवनसोरलचावरहे । पियपावसमैविछुरेवनितानिसों आवन
हारलोआयरहे । किहिंकारनहायविहायहमै हरिजायवि
देसलैछायरहे ॥७॥ कैसेहू सीतकैद्यौसटरे वडूरेसुधिकोने
सुध्योविसरैगी । ग्रीषमसैवहरायकैराखी इतोकोजधीरज
ग्रौरधरैगी । ग्राएनलालग्रबौंकविवीर सुयाकौउपायकहा
धौंकरैगी । खायटरारहोछतियाँ अवपानीपरैग्ररायपरै
गी ॥ ८ ॥ कछुग्रौरउपायकरोमतिरी इतनेदुखसोंमरिबोई
भलो । निजदेखिग्रबीरकीधूंधरिकौं जिनबीरइयाग्रबहायस
लो । यहग्रन्तकसोविलुकन्तएकन्त वसन्तसुतन्तहीग्राविचलो
चढ़िनारिपरासकीडारिनसै निरधूमग्रँगारनकौंनाजलो ॥
६ ॥ फूलनदैइनटेसूकदंबनि ग्रासनवौरनछावनदैरी । रील
तिसन्दमधुहृतपुंजन कुंजनसोरमचावनदैरी । कोसहिहैसुकु
मारिकिसोर ग्रलीकलकोकिलगावनदैरी । ग्रावतहोवानहै
घरकन्तहि वीरवसन्तहिग्रावनदैरी ॥ १० ॥ ग्रागेतोग्रापुग्र
कैलोरह्यौ अवसाजसमाजघनोसँगछायो । बैरवढ़ैनिजवृक्ष
तहै सिलिकूजतहैकलकंठसिभायो । ग्रौधिकोग्रासवचीग्रबलौं
ग्रवचाहतहैरघुनाथसतायो । ऊधोमिलेंमधुसूदनसौं कहि
योइजमेवडूरोमधुग्रायो ॥ ११ ॥ फैलिपरीवरग्रंबरपूरि स

रीछिनवीछिनसंगछिलोरति । भौंरभरीउफनातिछरीसु उपावकैलावनरैरनितोरति । कयौंबचियैभजिकूघनआनद वैठिरहैंघरपैठिढँढोरति । जोक्रमलैकैपयोनिधिलौं बढ़िवैरिनिआजुवियोगिनिवोरति ॥ १२ ॥ पावकपुंजनखावअघाय घनेघनेधायनअंगसँवारत । ऐसेहीदीनमलीनकतो मनमेरोअयेअवतोअतिआरत । एमनसोहनसीतमनोज दयाहगतैंकिननेकुनिहारत । जानतपीरजरेकीतऊ अबलाजियजानकहाअबजारत ॥ १३ ॥ उनकौनहीटोसपरोसतज्यो कहिकाफरफंदपराएपरै । अपसोसयहैकहिबेनीप्रवीन जौऔरनकैरूअराएअरै । सखियानकोसोखविहायहया अँखियानकैहायहराएहरै । मननीचनिदानतूनिन्दनेजोग मनोजजरेकेजराएजरै ॥ १४ ॥ वधिकौसुधिलेतसुन्यौहतिकै गतिरावरीकौंहूंनबूझिपरै । मतिआवरीबावरीह्वैजकिजाय उपायकहूंकिनसूझिपरै । घनआनदरूपसुधाअँचयो दृगसोचनहीमनसूझिपरै । छिनरैनिसुजानवियोगकेबान सहैजियपापीनजूझिपरै ॥ १५ ॥ सँगवारीसुनोसबकाननदै विरहागिकेहौंतेसरीसुखसै । करिचेटकचन्दनवन्दनरीति निहारियोसांत्रतकैरखसै । सुधिलेहिंगेसबकाजतजोमेरी पठाइहैंपावनकोदुखसै तजिआगिसुधागुनपीतमको धरिदोजियेपातीमेरेसुखसै ॥ १६ ॥

अथपरकीयाप्रोषितपतिका यथा ॥

बालवियोगिनीलालबिना कुंभिलायगईमनोपल्लवसाखैं ।
बोलैनडोलैनखोलैहियो ससिनाथघरीकीगनावतिलाखैं ।

जोवलैलैगमक्रूरउठैं उड़िपीयपैलैवेकौंचाहतिपँ।खैं ॥ हारपै
ठाढ़ीछिँवारकीओट बड़ेबड़ेवारबड़ीबड़ीआँखैं ॥ १ ॥ मनहीं
मनभीतरसोचिरहौं अपनेनहिंदुःखकाहौंपरसौं ॥ कबहोय
बनीकविराजलली जबनादिनजावपियापरसौं ॥ अवकासौं
दहौं दयआ।वैंगेलोहन आजकीकालकिघौंपरसौं ॥ मनऐसो
दरैउड़िजायमिलौं दाऊकैसेउड़ौंरीविनापरसौं ॥ २ ॥ ह्यां
मिलिलोहनसोंमतिराम सुकेलिकरीअतिआँनदवारी ॥ ते
ईलताद्रुमदेखतदुःख चलैंअँसुवाअँखियानितैंभारी ॥ आ
वतिहौंजमुनातटकौं नहिंजानिपरैंविछुरेगिरिधारी ॥ जा
नतिहौंसखीआवनचाहत कुंजनतेंकढ़िकुंजविहारी ॥ ३ ॥
गोकुलनाथचलेजबसों तबसोंविरहानलतापतईसी ॥ भोजन
भूषनपानिओपानकी जानिपरैसुधिभूलगईसी ॥ केलिकेकुंज
नसाथसखीनके जाइवेकीनितवानिलईसी ॥ भेंटतिहैंद्रुमथला
पतमालन लालनबावरीबालभईसी ॥ ४ ॥ न्यौतिगयेनंदलाल
कहूं सुनिबालभिहालवियोगकीघेरी ॥ जतरकीनहूंकैपद
माकर दैफिरैकुंजगलीनमैफेरी ॥ पावैनचैनसुनैनकीलाननि
छीतिछिनैछिनछीनघनेरी ॥ बूझैजुकन्तकहैतौयहैतिय पीय
पिरातहैपाँसुरीमेरी ॥ ५ ॥ जायलकीकेविहारअनेकन ता
थलकाँकरीवैठिचुन्योकरै ॥ जारसनातेंकरीवहुवातन ता
रघनासोंचरिगुन्योकरै ॥ आलमजौनसेकुंजनमे करीकेलि
तहाँअवसीसधुन्योकरै ॥ नैननमेजेसदारहते तिनकीअवका
नकहानीसुन्योकरै ॥६॥ कहिवेकीकछूनकहाकहियैमनजो
वतजोवतज्वैगयोरी ॥ उनतोरतवारनलाईकछू तनतेंटथाजो

बनखू है गयेरी ॥ कविठाकुर कूबरी के बस ह्वै रसमैं बिसासी बिस बू है गयेरी ॥ मनमोहन को हि लिखो लिखि वी दिनाचारि को चाँ दनो ह्वै गयेरी ॥ ७ ॥ बिछुरे बलबीर पियासजनी तिहिं हेतसबै बिछुरावने हैं ॥ हरिचंद जू यौं सुनि कै अपवादन औरह सोचबढ़ावने हैं ॥ हरि के गुनगान सदाँ अपने दुख कों बिसरावने हैं ॥ जेहिं भाँति सों यौ सयै बीतें सखी तेहिं भाँति सों बैठि बितावने हैं ॥ ८ ॥ मनमोहन सों बिछुरी जबसों तन आँसुन सों सदा धोवती हैं ॥ हरिचन्द जू प्रेम के फन्द परी कुल की कुल लाजहि खोवती हैं ॥ दुख के दिनकों कोऊ भाँति बितै बिरहागम रैन सँजोवती हैं ॥ हमहीं अपनी दसा जानै सखी निसि सोवती हैं किधौं रोवती हैं ॥ ९ ॥ बिगरै हम औ गेह सबै सजनी जेहिं को बस नेहको टूटनो है ॥ उन प्रानपियारे बिना यहि जीव हिं राखिक हा सुख लूटनो है ॥ हरिचन्द जू बात ठनी सो ठनी नितके कलका नितें छूटनो है ॥ तजि औरे उपाव अनेक अरी अबतौ हमकों बिष घूँटनो है ॥ १० ॥ बरुनीन ह्वै नैनन झिकैं झिकिकैं मनो खंजनमीन पै जाल परे ॥ दिन औधि के कैसे गनौं सजनी अँगुरीन के पोरन छाले परे ॥ कविठाकुर कासों कहा कहिये हमै प्रीत करे को कसाले परे ॥ जिन लालन चाह करी इतनी तिन्है देखिबे के अब लाले परे ॥ ११ ॥ सगहेरत दीठि हेराय गई जबतें तुम आवन औधि बदी ॥ बरसौं कित ह्वै घन आनद प्यारे बढ़ावत ह्वौ इत सोच नदी ॥ हिय राम धिरै उदबेग की आँच चुआवत आँसुन सैन मदी ॥ कव औसर पाय मिलौगे सुजान बही रलौं बैसतौ जाति लदी ॥ १२ ॥ अभिलाषन लाखन भाँति भरो बरुनीन के रोम सु काँपती हैं ॥ प

नआनंदजानिसुधाधरसूरति चाहनअंकसुचाँपतीहैं ॥ टक
लायरहींपलपाँवरेक्के सुचिसोँ रचिचोपहीअाँपतीहैं ॥ जब
तेतुमआवनऔधिबदी तबतेंअँखियाँमगनापतीहैं ॥ १३ ॥ ज
बतेतुमआवनआसदई तबतेतरसौंकबआयहौजू ॥ मनआतु
रतासनहींभैलखौं मनभावनजानिसुनायहौजू ॥ विधिह्यौं
सलौंऔधिबढ़ीदिनहीं दिनजानिवियोगवितायहौजू ॥ रस
सौंघनआनंदबारसकुंज रसारससौंकबछायहौजू ॥ १४ ॥
लीनसुजानअनीतिकरीजिनि हाहानहूजियैमोहिअसीहौ ॥
दीठिकौंऔरकहींनहींठौर फिरीदृगरावरेरूपकीदौहौ ॥
एकविसासकीटेकगहे लगिआसरहैबसिप्रानबटोहौ ॥ हौघन
आनंदजीवनमूरि दईकतप्यासनमारतमोहौ ॥ १५ ॥ जासुख
हाँसीलसौघनआँनद कैसेसुहातवसीतहाँनासी ॥ जाहूहितै
हितियैनहितू हँसिबोलनकौकतकौजतहाँसी ॥ मोखिरहैजि
यसोखतक्यौं गुनबाँधिहूडारतदोसकोफाँसी ॥ हाहासुजा
नअचंभोअयानजू वेधिकगाँसहिवेधतगाँसी ॥ १६ ॥ जीवन
हौजियकौसबजानत जानिकहाकहिबातजतैये ॥ जोककुहैसु
खसंपतिसौज सुनेसुकहौहँसिदेनमैपैये ॥ आँनदकेघनलागैअ
चंभो पपीहापुकारतक्यौं अलसैये ॥ प्रीतपगीअँखियानदिखा
इकै हायअनीतिजोदीठछिपैये ॥ १७ ॥ लैहीरहैहौसदामन
औरको देबोनजानतजानदुलारे ॥ देख्योनहैसपनेहूकहूँ दु
खत्यागेसकोचऔसोचसुखारे ॥ कैसेसँजोगवियोगधौंआय
फिरौघनआनदह्वैमतवारे ॥ मोगतिबूझिपरैजुकहौं तबहौ
दुधरीकहूआपतेन्यारे ॥ १८ ॥ मोबिनजोजियऔरहचीतौ

रचैनतुम्हैबिनमोहिजियोजू ॥ आँखिनमेंढरिआयरहैसु दहै
दुखियाँगहिआसहियोजू ॥ सूलभयेगुनजोजेहिंअंगको दीप
सोबारिबियोगदियोजू ॥ हायसुजानसनेहीकहायकरौं मोह
जनायकैछोहकियोजू ॥ १९ ॥ घनआनंदजीवनरूपसुजानहै
पीवतक्यौंदृगप्यासनहीं ॥ कविफूलिरहैकुसुमाकरसे सुक
हूंपहिचानकीबासनहीं ॥ रसिकाईभरेअपनेमनमें सुकहूं
रसआसहूपासनहीं ॥ पचिकैनेबिरंचिरचेहौकहौजू हितू
नहूतौहियपासनहीं ॥ २० ॥ करौंहँसिहेरिहरौहियरा घ
नकरौंहितकैचितचाहबढ़ाई ॥ काहैकोंबोलिसुधासमबैननि
नैननिचैनलिसैनचढ़ाई ॥ सोसुधिमोहियमेंघनआनंद साल
तिकेहूंकढ़ैनाकढ़ाई ॥ मीतसुजानअनीतिकीपाटी इतैपैनजा
नियेकौनपढ़ाई ॥ २१ ॥ सुधिहोतीसुजानसनेहकीजौतौ क
हासुधियौंबिसरावतिजू ॥ छिनजातिनबाहरजौछलछूटि कहूं
हियभीतरआवतिजू ॥ घनआनंदजाननदासतुम्है सुनमाँवती
जोगुनगावतिजू ॥ कहियेसुकहाअबमौनभली नहिंखोवतिजो
हमैपावतिजू ॥ २२ ॥ मोअबलाजियजानतुम्है बिनयोबलकैब
लकैजुबलाहक ॥ त्यौंदुखदेखिहँसैचपलाअबपौनहूंदूनोंवि
देहतेदाहक ॥ चन्द्रमुखीसुनिमंदमहा तमराहभयोयहआन
अनाहक ॥ प्रानधरौंवरहैघनआनंद लेऊनतौअबलेहिंगेगाह
क ॥ २३ ॥ प्रानपखेरूपरेतलफैं लखिरूपचुगौसुफँदेगुनगाथ
न ॥ करौंहितियेहितपालसुजान दयाबिनव्याधवियोगकेहाथ
न ॥ सालतिबानसमानहिये सोलहैघनआनंदजेसुखसाथन ॥
देऊदेखायदईसुखचंद लग्यौअबऔधिदिवाकरआँथन ॥२४॥

सेतसरीरछियेविषसवास दासाफ़नरीमनजानिजुन्हाई ॥ जी
ससरीचीदसौंदिसिफैलति काटतजाहिवियोगिनिताई ॥
सीसतेंपूछिसौंगातगरो पैडसेविनंताहिपरैनारहाई ॥ वे
ससिसीतलकैसेहिहोतहैं चंदनहीयाफनिंदहैलाई ॥ २५ ॥

अथ सामान्याप्रोषितपतिका यथा ॥

जालीसिंगारतिहैहठसौं परलागतअंगअँगारसिंगारी ॥
सीरीपरीतनलैसतिराम चलैअँखियानितैंनीरपनारी ॥ सो
जनहींललजावतनायक आवतजोवजतेधनवारी ॥ वारवि
लासिनीयौंविसरैन सिदेसगयोपियमानपियारी ॥ १ ॥ वी
रसनीरअमीरनकोदुख भाखेंवनैनवनैविनभाखें ॥ त्यौं पद
मादरसोहनमोतके पायेसँदेसनआठयेंपाखें ॥ आयेनआप
नपातीलिखौं मनकीमनहीमैरहीअभिलाखैं ॥ सीतकेअंत
वसंतलग्यौ अवकौनकेआगेवसंतलैराखैं ॥ २ ॥ घनसारप
टीरमिलैमिलैनीर चहैतनलावैनलावैचहै ॥ नवुझैविरहागि
निझारझरीहू चहैघनलावैनलावैचहै ॥ हमटेरसुनावतीवेनी
प्रवीन चहैमनलावैनलावैचहै ॥ अवआवैविदेसतेंपीतमगेह
चहैधनलावैनलावैचहै ॥ ३ ॥ गाँवनकोंमनभावनजात दसा
यहवारवधूकीविराजी ॥ खोलतनैननडोलतवोलत वैनसुनै
नवकैकोजकाजी ॥ गोकुललोकलिखोसोपरैलखि साँसती
लूकसीलागतिताजी ॥ तारहैनतमूरनपैं सवजातरहैसह
साजसमाजी ॥ ४ ॥

अथ खंडितालक्षण ॥

दोहा ॥ पियतनऔरहिनारिके भोरदेखिरतिचीह्न ॥
दुखितहोतितितेहिंखंडिता सुकविनिरूपनकीह्न ॥

सुग्धाखंडिता यथा ॥

जावकसीसभरेंउठिभोरही पीवक्ह्लैंतिपियाढिंगआयो ॥ कौनैदियोयहभालमैलाल गुलाबकोफूलकहौकहँपायो ॥ यौं कहिलागतिखेलिबेकों लड़बावरीबातनज्योंबहलायो ॥ त्यौं हँसिकैमुखसोंसुखछ्वाय लिलारसोंप्यारेलिलारलगायो ॥१॥ रैनजगैंरतिरंगरँगे परभातभएँपियआयगयेरी ॥ ऊँचेउरोजनखोजलगे उरसौंजमनोजकेचोजदयेरी ॥ बूझिबेकोंनववाल रसालके ओठनलौंअखराउनयेरी ॥ पीरितिदौरिकेप्यारे नेप्यारीकेपाननिलोयनमूदिलयेरी ॥ २ ॥ भोरहींआवतनौ लकिसोर बिलोकतहीललनाउठिदौरी ॥ वेनीप्रवीनदोउक रसोंगहि गाढ़ेकैलागिगईलडबौरी ॥ जानैकहायेअजानेस वै लैदेखायहौंलैसखियानकोंओरी ॥ साँवरेरंगलगेहरिरा वरो साँवरीह्वैगईपीतपिछौरी ॥ ३ ॥ अंकितधारचुरीवल या मलयागिरजातलगीलखिलीजै ॥ सिंदुरबिंदुरवानकेचि ह्न चुनीजरिकेसरकुंदनकीजै ॥ चूरह्वैलागिरह्योकनसो ज सवंतजूपूरनप्रेमलहीजै ॥ राख्यौभुजामैंछपायजरायको कंक नसोहमकोंपियदीजै ॥ ४ ॥ नाहकीछातीमेंदेखिनखच्छत नारिनवेढकह्यौपुनिऐसें ॥ सुंदरबागीकिचोलीमैभूलिके त्या एहोचंदकलाधरिकैसें ॥ खेलिबेकोंहमकोंयहदेउजू योंसु निकैहरिदौरिहरेसें ॥ लायलईउरसोंहँसियोंगसिदोउकर हैकसिराखियेजैसे ॥ ५ ॥ लालकेभालमैपावकसी अवलोकति जावकजोतिजगाए ॥ दौरिकैगोरीभरेअँसुवा जसवंतसखी सोकहैचितलाए ॥ दीजैहमैंजूवतायहमारीसों बूझतितो

छिछितूछितपाए ॥ कालतोइ जकोटीकोकह्यो अवआज़क होयेकहाडेलगाए ॥ ६ ॥ अंजनविंदनन्योंअधरानिमैं सैछवि आजुअनूपलपेखी ॥ तीपुतरीनकीछाँहपरी ढरिओरकोऔरी रंगलोलखिलेखी ॥ जोयहछाँहतोनाहकहायह हैनखरेख छियेअवरेखी ॥ लायलईहँसिकैहियसैं कहितेरोसौंतेरीहैतै अदेखी ॥ ७ ॥

अथ मध्याखंडिता यथा ॥

आयेकहूंरतिमानिकैभोरही भूषनभेषसवैवदलेहैं ॥ यौं पियकोतकिछूपतिया तजवेलोकछूनवरैवोभलेहैं ॥ आंखिन कोरतेंआंसूगिरे कहिसुंदरकाजरसोंमसलेहैं ॥ सोछवियों अरविंदनतें अलिकेसनेचेटुवाछूटिचलेहैं ॥ १ ॥ रातिकहूं रलिकैमनमोहन प्रातवड़ेउठिगेहकोंआये ॥ देखतहीउरमां हनखच्छत वालकेलोचनलालसुहाये ॥ भूलिगयोरसरोसब ढो उरवैनकहेनकछूमनभाये ॥ आंसूकढेदृगमाहिंजवे अँगि रायजम्हायजम्हायछिपाये ॥ २ ॥ हारवडेओउरोजगड़े उर योंनिरख्योंढिंगप्योंपरभातहै ॥ ताहीसमैनखतेसिखलों अ तितोछनतापगयोचढ़िगातहै ॥ चित्रमैकाढ़ीसीठाढ़ीठगीसी रहीकछुदेख्यौसुन्यौनसुहातहै ॥ रोचनसेमएलोचनलाल स कोचनतेनकहोकछूवातहै ॥ ३ ॥ सुखआरसीसैलखिआयोक री लिखसेवकयोंकहिआलीभई ॥ धनरावरीवावरीतेंवढ़िहै गुनजोवनजोतिनिहालीभई ॥ समुझौंसमुझाओंकहाअवमैं सिखिलाजसनेजमनालीभई ॥ अखियाँसमसोचसनेहूनकी अँखियादोऊरोवतलालीभई ॥ ४ ॥

अथ प्रौढ़ाखंडिता यथा ॥

आइ थिरै ठिये आज अजौं अँखियानि तैं आरस ही न तजौ ॥ साँवरै अंग मैं साँवरी ह्वै कछू आजवि राजि रह्यौ पट भीनो ॥ आगतें आए ही पौनहमारे पै काह्ह सिंगार अलीय ह्क कीनो ॥ ओठ लै अंजन रेख दई अब भाल मैं लाल अहावर दीनो ॥ १ ॥ घूमत नैन पढ़ैं सुख बैनन आलत नींद भरे अलसाने ॥ अंजन ओठ महावर भाल नहू करि खंभ परे पहिचाने ॥ गीदग ही तिन ही जिन तें सवरैन बिनोद करे मन माने ॥ पाँय न जाय परी तिन ही कि रहि जिन के हरि हाथ बिकाने ॥ २ ॥ जा हीपै आए ही सा न सहार ति साँझ समै पुनि ताही पै जैहो ॥ आवत मात हियो ही चलि घर सेरे यहाँ पै कहा सुख पैहो ॥ चिह्न लगे उर मैं कुच दोउ कि सौं हि भले फिरि अंक मिलैहो ॥ देखहु क्यों न बनायक कै अंक कहाँ लौं कलंक को छिपैहो ॥ ३ ॥ पीतम आये प्रभात तिया मुसकाय हू ठीठ नसौं हग जोरे ॥ आगे ह्वै आदर कै मतिराम कहै मृदु बैन लु भारस बोरे ॥ ऐसे सयान सुभायन हीं सौं बिलोसन भावन सौंल सजोरे ॥ मान गोजान सुजान तबै अँगिया की तनी न छुटी जब छोरे ॥ ४ ॥ नख ति सिख लौं लखि मोहन को तन लाड़िली लौंटि न पीठि दई ॥ छवि बैनी छवीली भरी अँक वार पसारि भुजा कहि नैन हमई ॥ यह गुंज की माल कठोर अहो रही मोक तियाँ गड़ि पीर सई ॥ उनकी लचीचौं कौं च कौ सुख फेरि तरेरि बड़ी अँखियाँ चितई ॥ ५ ॥ रैन जगे तुम काह्ह के साथ लहे रति चैन भये अति आरसी ॥ रावरे ओठ रह्यौ रमिभौं र सुमेरे हिये मैं गड़ावत आरसी ॥ नेकु न आवत लाज अजौं हनुमान वहै तिय नैनन आरसी

बातैंबनावतकाहेलखौंबिन हाथलैकंकनकोकहाआरसी ॥६॥

अथ परकीयाखंडिता यथा ॥

भोरहीभाँवतोआनिकढ्यौ तियगैलह्वै नैनकियेसकुचौंहैं ॥ लालबिलारललाकीलखे गएलोचनह्वै ललनाकेललौंहैं ॥ डारनहोंबिनहारहियेलखि दूतीकोआवतकैसतरौंहैं ॥ पायअँगूठेखरीछितिछोलति बोलतिहैनचितौतिहैसौंहैं ॥१॥ साहसहूँनकहूँदुखआपनो भाखेबनैनबनैबिनभाखें ॥ ज्यौंपदमाकरथौंमगमे रँगदेखतिहैंकबकौकखराखें ॥ वाविधिसाँवरेरावरेकौन मिलैमरजौनभजानमजाखें ॥ बोलनिबानिबिलोकनिप्रीतिको वेमनवैनरहीअबआँखें ॥२॥ आएहौमेरेमयाकरिमोहन मोहनोसूरतिमैनमईहै ॥ आरससोंरससोंअनुरागसोंवाहीकिदोठिसोंदीठिछईहै ॥ रावरेओठनअंजनदेखिकै मीरनमोमतितिहतईहै ॥ मानहु आनतेंबोलिबेकों वहिभाँवतीनैसुखछापदईहै ॥ ३ ॥ लोचनलालगुलालभरे कौखरेअनुरागसोंपागिजगाये ॥ कैरचचाँचरिचैंचँदमै छतियापरछैलनखच्छतछाये ॥ भीजिरहेअमनीरसुजान घरौडगढीलियैलागीसहाये ॥ भोरहूऐसीखिलारिनपैं घनआँनदकाढलछूटनपाये ॥ ४ ॥ हियकीगतिजानतजानसुजानहौ कौनसीबातजूआयदुरी ॥ टपकैराईपरैहियअंकुरओसलौं ऐसीकछूरसरीतिघुरी ॥ बिछुरेकितसाँतिमिलेहूनहोति छिदीछतियाँअकुलानिछुरी ॥ तुमहौंतिहिँसाखीसनेघनआनद प्यारनिगोड़ेकिपीरबुरी ॥ ५ ॥ वंकविसालरँगीलेरसाल छबीलेकटाच्छकलानिमैपंडित ॥ साँवलसेतनिकाईनिकेत हियेहरिलेतहौ

आरसमंडित ॥ वेधिकैप्रानकरोफिरिद्दान सुजानभरैखरैनै छ्मखंडित ॥ आनदआसववूंभरैनैन मनोजकेचोजनिओजप्र चंडित ॥ ६ ॥ एहोहितूहितऐसोईकीजत कैहितसाँचोकियो उपखानहै ॥ वेनीहँसायहसैजगमै वरसायसनेहवढै वतमान है ॥ पौरिपराईकेपाछ्लूवै वलिकीबोगरूरवडोईअयानहै ॥ नातोकहाहमसोंतुमसों रसरोखिबोसैननहोंकोसयानहै ॥ ७

तुमरैईलियेहजवोथिनमै फिरिकैबिनदेखेंतईतौनई ॥ नहिँ काहूकिवेंरिहैयासैकछू दई मोहिव्यथाजोदईतोदई ॥ हनु मानहूतोविनतोहैसुनो विछुरेनिसिमेरीगई तौगई ॥ उनहों कोलगाओललाछतियाँ हमकोंवदनामीभई तौभई ॥ ८ ॥

रावरेनेहकोंलाजतजी अरुगेहकेकाजसबैविसराये ॥ डारि दये।गुरुलोगनकोडर गाँवचवायमैनावधराये ॥ हेतकियोह मजोतौकहा तुमतौमतिरामसबैविसराये ॥ कोऊकितेकउ पायकरी कहूंहोतहैंआपनेपीवपराये ॥ ९ ॥ सीखनमानी सयानीसखीनकी त्योंपदमाकरकीअमनैकी ॥ प्रीतिकरीतु मसोंवजिकै सुविसारिकरीतुमप्रीतिघनेकी ॥ रावरीरीति लखीहूमिसाँवरे होतिहैसंपतिज्यौंसपनेकी ॥ साँचहूताको नहोतभलों जोनमानतहैकहीचारिजनेकी ॥ १० ॥

अथ गणिकाखंडिता यथा ॥

रतिरैनसवैअनतैबितई सोकियोइतआवनभोरहीको ॥ नहिँछूटतछैलछवीलेलला जोसुभावरह्योपरिकोरहीको ॥ हितप्रानहैसोहनवेनीप्रवीन कहोनितहैउतओरहीको ॥ तर सासहूरावनमेरेचले हरषापहिरायकैओरहीको ॥ १ ॥ भो

रहीआवतप्रीतमकी टकटेरिवेकोंसजनीसमभाई ॥ घोरिवे कोंचितयेंवितवालनें कोरिककामकलावगराई ॥ तोरिन दीजियेमोतिनमालतें मोरियेनासुखभाखिअगाई ॥ थोरि हीवारमेंअँगुरीछोरतें मानिककीमुदरीउतराई ॥२॥ ख्यां हमसोंमिलिवेोठहरायकै सैनकहूँअनतेंहीकरीजै। भोरही आयवनायकेंबातन चातुरह्वैविनतीबहुकीजै ॥ ऐसियैरीति सदाँमतिराम सुकैसेपियारेजुप्रेमपतीजै ॥ सौंहँनखाइयैजाइ येआंतें नमानिहौंजोउपैलाखनदीजै ॥ ३ ॥ छैलकीछाती मैंछापछबोलीकी छोभछईछतियाँछबिछाकी ॥ भौनेंभगा मैंभपीभ्रमकादृति भ्रूमैंभ्रुकैंभापकैंदृगताकी ॥ ऐंडभरेंमगपैं डवरैंउवरैनकहूमतिकीगतियाकी ॥ बाँकीसीदीठिफिरा वकह्योअहैा जाउजूदेकरिकालिकीवाकी ॥ ४ ॥ मोहिच ढीतरुनाईनहीं तुम्हैंचोपचढीइहिंओपभुराए ॥ वेनीजवैउ भरेकुचरंच परेतुमनोमहाधनपाए ॥ जाहुजूजानिपरेहौ खरेकितदूतिनसोंजितभेदलगाए ॥ मैंअपनाएजबैचितदै हितसोंरिकहावितदैदूतआए ॥ ५ ॥

अथ कलहान्तरिता लक्षण ॥

दोहा ॥ पहिलेपियसोंकलहकरि पुनिपाछेपछिताय ॥
कलहन्तरितानायिका ताहिकहतकविराय ॥

मुग्धाकलहान्तरिता यथा ॥

वादिनवामडवाकितरें जेहिंकिसंगभाँवरीआनिसेखिली ॥
आयअचानकहीअँखमीचनी ताहिरह्योलियेंसाथसहेली ॥
मेरेहीसंगछिप्योचहैकुंज रिसायकैमैंभईतासोंअकेली ॥ आ

थोयहीपछितायेअली गयेआजुसोखेलिबोकुंजचमेली ॥ १ ॥
बारोबड्भुरझानोबिलोकि जिठानीकरैउपचारकितीको ॥
त्योंपट्आकरजँचोउसास लखेंमुखसासकोह्वैरह्योफीको ॥
एकौकहैहूकैदीठिलगी परभेदनकोकलहैदुलहीको ॥ ह्वैकैम
जानजोकाह्रसोंकीह्योसु मानभयोबहज्यानहैजीको ॥ २ ॥ गौ
नेकीचूकरोगैसियैहै दुलहीअबहोतेंढिठाईबगारी ॥ वेजसना
बनआएहैंआपने हायसोंजातिनपागसँवारी ॥ पाँयपरेमति
रामजला मनुहारिकरीकरजोरिहहारी ॥ आपुहीमान्यो
मनायेनकाह्रके आपुहीखातिनपानपियारी ॥ ३ ॥ किनकोम
तएसीअनैसीवनी पियसेवकह्रसोंगँवारीकरी ॥ गतिआलकी
कालकीकोसमुझै नकहूंपरएसीधमारीकरी ॥ दुखकासोंक
हौंयहलाजलटी हठगाजकीआजअमारीकरी ॥ हमरीग
तिसौतिकोंदीह्नीदई गतिसौतिकीहायहमारीकरी ॥४॥

मध्याकलहान्तरिता यथा ॥

पाँयपलोटिकैनीवीगहीतज तासोंकरीरसमैरिसराति
है ॥ भोरलोंनाह्रनिहोरिरह्योसु गयोजबजानीकछूनबसाति
है ॥ छठिकैपीठिदैबैठिरही तबतौअबलालनकोंललचातिहै ॥
भेदयहैसजनीसोंकछू सिसिकैकह्योचाहतिहैपैलजातिहै ॥१॥
बिरसैनसँतापनतापबिना जगजीवनकोअहैरीतियही ॥ करैं
जाहिरजीभसोंलाजलगै जोअकाजनआजफिरैउमही ॥ प
तिसोंनतिकोअतिभूलिगई कलहीजियरैनपरैकलही ॥ सखि
यानिसोंसोअसहेलिनिसों कहिबेकोंचहीपैकछूनकही ॥ २ ॥
हमसासकेपासकहाँसेंगई सिरदेखतहीउतनेछनमे ॥ पियसे

बगछारिबुलाबछटातें लगेसँगसैनभरीखनसे ॥ रङ्गिजातनजा
तबनैदुचितो हरिद्वारिगैसैसीछिपैलनसे ॥ ननदीहँसैंसौति
योंदेखिदई बिधिभूलणोहलउठैतनसे ॥ ३ ॥ पाँयनआयपरे
तौपररहे केतीकरीसबुहारिसुहेली ॥ मान्योमनायोनसै
मतिराम गुमानलैऐसीभई अलबेली ॥ प्यारोगयोदुखमानिक
हौअबकैसे रहौंहूहिँरातिअकेली ॥ याहुतेंल्याउमनायकल्ला
ईकौं मेरोनलीजियोनामसहेली ॥ ४ ॥

अथप्रौढ़ाकलहान्तरिता यथा ॥

दैरीमनोजहनैदुखुलै बिषकोकिलकूकनिमाहँपगैलगी ॥
चंदमयूखनितें चिनगीउठी चंद्रिकाचैतकीज्वालजगैलगी ॥
सीतलकोअपमानकियेको भयोफलबातनवीरदगैलगी ॥ सीत
लमंदसुगंधसमूह समीरलूककेतूललगैलगी ॥ १ ॥ भईचू
कबड़ीहमतेंसजनी बहहूकमिटैनहींनावरेकी ॥ बिजयानद
प्यारोसोरूठिगयो तबतेंगतिह्वैरहीबावरेकी ॥ बरबाहिरह
नासुहातअजौं भई छौनदसातनभाँवरेकी ॥ खटकैवासनेहभ
रीवतियाँपैं चितौनिअरीवहसाँवरेकी ॥ २ ॥ क्यौंभएलाल
सौंलोचनलालरे तैंहीअँगालकीज्वालबढ़ाई ॥ रैकरकौनकरी
करनी पियकेंकररोकनकीअधिकाई ॥ तोसैकछूरसनारस
ना रिसनाहककैगठयेरसिकाई ॥ रैबिधितेरीसबैउलटीबि
धि अंतरपारतमोहिकँधाई ॥ ३ ॥ ठाढ़ेभएकरजोरिकैआ
गे अधीनह्वै पाँयँनसीसनवायो ॥ केतीकरीबिनतीमतिराम
पैमैनकियोहठतैंमनभायो ॥ देखतहीसिगरीसजनीतुम मेरे
तौमानमहासदछायो ॥ रूठिगयोउठिप्रानपियारो कहाकहि

येतुलह्यूंनसनायो ॥ ४ ॥ कासोंकहौंकहौकैसीकरूं अवलौं
निवहैयछठाटलोठायो ॥ पाँयनप्यारोपरोईरह्यौ मैंअयानतें
आदरकैनउठायो ॥ झूंटियैबातनतेंसिगरी मनमेरोभोराय
कैसोहिऊंठायो ॥ रूठिहौंजानौकहादूनदारी सहेलिनिसों
खरैसोहिनठायो ॥ ५ ॥ बैरिनजोअहीकाटिकरौं मनरोहौ
कोंमोजिकैमौनधरैंगी ॥ जानैकोदैवकहाभयोमोहि लरीक
हैलोकलैलाजमरैंगी ॥ मानपतीसुखसर्वसुबै उनसोंगुनरूप
कोगर्वकरैंगी ॥ अंजुलीजोरिनिहोरिगरैंपरि हौंहरिप्यारे
कैपाँयपरैंगी ॥ ६ ॥

अथ परकीयाकलहान्तरिता यथा ॥

प्रेमसमुद्रपरयौगहिरे अभिमानकेफेनरह्योगहिरेमन ॥
कोपतरंगनतेंबहिरे अकुलायपुकारतक्यौंबहिरेमन ॥ देवजू
लाजजहाजतेंकूदि भज्योमुखमूंदिअजौंरहिरेमन ॥ जोरतता
रतप्रीतितुही अबतेरीअनीतितुहीसहिरेमन ॥ १ ॥ जाके
लियेगृहकाजतज्यौ नसिखीसखियानकीसीखसिखाई ॥ बैर
कियोसिगरेब्रजगाँवसों जाकेलियेकुलकानिगँवाई ॥ जाकेलि
येघरबाहिरहू मतिरामरहैंहँसिलोगचवाई ॥ ताहरिसोंहि
तएकहीबार गँवारिमैतोरतबारनालाई ॥ २ ॥ जाकेलियेज
गसोंभयोबैर अलीनमैकाहूकहूनकहीहैं ॥ ठानिअठानजि
ठानिनसों नितजाहिनिहारिबेकोंउमहीहैं ॥ जाकेसुधाङ्ग
तेंसुन्दरबैन सुनेबिनमैनकेदाहदहीहैं ॥ कौनसयानकहौंअ
पनेसखिताह्सोंआजमैरूसिरहीहैं ॥ ३ ॥ कासोंकहौंमैस
हौंदुखयैं सुखसूखतईहैपियूषपियेतें ॥ त्योंपदमाकरयाउप

छाइबो बासमिटैनउसासलियेतें ॥ व्यापैव्यथायहजानिपरी
लनसोहनलीतसोंलानदियेतें ॥ भूलिहूंचूकपरैजोकहूं तिन्हैं
फूकसोंहूकनजातकियेतें ॥ ४ ॥ बोलिदेखौंतुमकोंपठई उनको
निकैसोहितिछाड़ियेनाइन ॥ आपुनसान्योअयानसई भईहा
रिगईकरिकोटिउपाइन ॥ गोकुलनाथनिकुंजनतेंगए कौनसो
बामकेपालसुचाइन ॥ होतकहाइनबातनसोंअ मसूखिरहोम
नलैठकुराइन ॥ ५ ॥

अथ गणिकाकलहान्तरिता यथा ॥

कैसहूआतुरआवैतबै सोरहैएकजासहीलोंअनुरागो ॥
भायोनसैवककेसेधनीकोसु सौतिकेभागनसोंउठिजागो ॥ ए
अरीमानदईनिदईतूं अहैसठमूरखमंदअभागो ॥ पीतमकेसँ
गआयोसही कैंराग्योफिरिपीतमकेसँगलागो ॥ १ ॥ चाहि
कैमेरेईगातचलोनो सोनेकोआदरनेकुनामानै ॥ जोपहिरा
यहराफिरिपीछे भुजानकीमालगरेगहिआनै ॥ मेरेईहोठ
कारंगलखै जोनविद्रुमलालकछूकरिजानै ॥ बूझियेतोहिरे
यारेजीव जोऐसेउपीअसोंरुसनोठानै ॥२॥ जातेंलईजगवीच
बड़ाईसे मेरेवियोगजोहोतहैछीनो ॥ सोहिगमैंमतिरामजोप्रा
नकै सेरेसदाँईरहैजोअधीनो ॥ मेरेलियेनितहीउठिकै गह
नोगढ़ायकैल्यावैनवीनो ॥ प्रानपियारोसोपाँयनलाग्योरि
सैहँसिकंठलगायनालीनो ॥ ३ ॥ हीरकेहारहजारनकोधन
देतऊतेसुखसोंसरसाने ॥ हौनलयोपदमाकरत्यौं सबबोली
नवोलसुधारससाने ॥ बैचलिह्यांतेंगएअनतै हमकाअबआप

नीचूनवखाले ॥ आपनेहाथसों आपनेपाँयपैं पायरपांवपरग्रो
पछिताने ॥ ४ ॥

अथ विप्रलब्धाको लक्षण ॥

दोहा ॥ जायमिलनसंकेतनिय मिलैनपियतिहिँठौर ॥
ताहिविप्रलब्धाकहैं विकलहोयसबतौर ॥

मुग्धाविप्रलब्धा यथा ॥

आलिनकेसुखमानिबेकों पियप्यारेकिप्रीति गईचलिब गै ॥
छायरह्यौ उयरोहुखसों जबदेख्योनह्वाँ नंदलालसभागै ॥ का
हसोंबोलकछूनकहै मतिराजनचित्तकहूंअनुरागै ॥ खेलति
खेलसहेलिनिसै परखेलनबेलीकोंजेलसोलागै ॥ १ ॥ आलिन
सोंबतरातिलजातिहै जातिहैसैनकेदागदगीसी ॥ आवतज्यों
कछुबूड़तसो छदछोड़िकैप्रेमनदीउमगीसी ॥ योंबिनदेखिगयो
सुखसूखि सरोजसैजोन्हकीआरलगीसी ॥ गाढ़ीव्यथाहियबा
ढ़ीविसूरति ठाढ़ीसहेटकेठौरठगीसी ॥ २ ॥ कोटिकसैंहँस
खोनकेसाहस केलसँकेतसिधारीखगीसी ॥ तापैतह्वाँनजि
ल्योमनभावन छोमछटानकीछौंटलगीसी ॥ होतनहीं थरता
तनमै चलहनसकैचकवानिपगीसी ॥ लुंजमदैसुखकौछविऔ
र विलोकतकुंजकेपुंजठगीसी ॥३॥ ल्याईलिवायसखीसबसाथ
की सोंहँनखायकैसुंदरिकोहैं ॥ कुंजकेभीतरसूनोचितैकरि
बैठिरहीहैनवायकैभौंहैं ॥ लालभई दुतिकोयनकी चमकैपुत
रीअतिदोठिलजौंहैं ॥ लोहितकंजनमध्यमनो रसचाखतलो
लमधुव्रतसोंहैं ॥ ४ ॥

अथ मध्याविप्रलब्धा यथा ॥

प्यारीसँकेतसिधारीसखीसँग स्यामकेकामसँदेसनकेसुख ॥
सूनोइतैरँगभौनचितै चितमौनरहीचकिचौंकिचहूँरुख ॥
एकहीबाररहीजकिज्यौंकीत्यौं भौंहनितानिकैमानिमहादु
ख ॥ देवकछूरदबीरीदबीरीसु हाथकीहाथरहीमुखकीमुख ॥
१ ॥ केलिकेमन्दिरदेख्यौनलालकौं बालकेदाहनिश्रंगदहेहैं ॥
भौंहँसहायसखीकोंलख्यो मतिरामकछूनकुबोलकहेहैं ॥ भू
लिऊलासविलासगए दखतैंभरिकैश्रँसवाउमहेहैं ॥ दूँ छनछौ
रनतेंनगिरैंमनो तीछनकोरनिछेदिरहेहैं ॥ २ ॥

अथप्रौढ़ाविप्रलब्धा यथा ॥

गुंथिफूलनकेगहने पहिनेगहिरेरँगचीरदुकूलनदै ॥ कबिबेनी
सिँगाररचेसवदेह घनेहसखीअनुकूलनदै ॥ चितयेनउतैहजु
चंदजवै तनतोरिगरेंभुजमूलनदै ॥ अलिसूलनदैसरमैनके
हीमै हहाअबसीकरफूलनदै ॥ १ ॥ उठिआईहैदेखनकोंपिय
पास बनाबवन्योसुनिकैघरको ॥ कहिसुन्दरभीतरजायजोदे
खोतो खोजनहींकहूँकाँघरको ॥ यहिँबीचहीबानकबानगहें
करतानउठ्योअरिसंबरको ॥ जवजान्योंबचावनकेहूँसखी त
बध्यानधर्योहियमैहरको ॥ २ ॥ कातिकीपून्योकेचंदकीचाँ
दनी पूरनछोरधिकीछबिछीनी ॥ सूनोबिलोकिबिहारकोमं
दिर कैंतौकरजीवैगोप्रेमप्रवीनी ॥ वाहिबुलायहौंऔरपैजात
सु कैसेबनैयहबातनकीनी ॥ बंचनमेरोकियोसजनीयह रंचन
प्यारेदयामनकीनी ॥ ३ ॥

अथ परकीयाविप्रलब्धा यथा ॥

अबकौंकरिऐघरजैयतहै अदकाहिसुनैयतनीतीदई ॥
कविदंडनमोहनठौरठगी विधियौंहौंलिलाटलिखीसुमई ॥
सखिऔरभई सोअलेहौंभई परएकहीबातवितीतीनई ॥ र
तिहूतेंगईमतिहूतेंगई पतिहूतेंगईपतिहूतेंगई ॥१॥ आईहै
लोगनलाजसबै घरकोसुखौअतिहीअनुरागै ॥ सूनोसोकुंजग
येगातसबै बहुसूनोसँकेतलख्यौजबआगै ॥ दूतीसोंबादतिला
रहीबार सिँगारअँगारह्वैदेहसोदागै ॥ जोकलगैअघपावकपुं
जऔ कुंजकोफूलफुलिंगज्यौं लागै ॥ २ ॥ कुंजसहेटनभेंटभई
अँगअंगअनंगकेपुंजसतावहिँ ॥ आलसआलीसोंआपनीबात
कहैनकछूअँखियाँभरिआवहिँ ॥ कालिमाकज्जलकीछविबुंद
परैंअवरापरयोंदुतिपावहिँ ॥ मानहुमत्तमधूपनकेसुत कंज
कौंछोड़िबँधूककौंधावहिँ ॥ ३ ॥ बनिकालिंदीकूलकरारेलि
खोहैं लतामिलिसोहैंतमालनसों ॥ कविबेनीहिलोरैंत्यौं पौन
झकोरैं अलीकुलझौंरैंरसालनसों ॥ तहँप्यारीगईपियभेंटि
बेकों करिकैछलन्यारीह्वैबालनसों ॥ जबलालनसोंनमिलील
लना लटिलौटैअरीभरसालनसों ॥ ४ ॥

अथ सामान्याविप्रलब्धा यथा ॥

साँझहीमोहिबुलाईपठाय सखीकहतीजौनमिलापकीबे
री ॥ मैहूँसिँगारसँवारिसबैइत आयकरीपरतीतिघनेरी ॥
गोकुलनाथनएकहूअंतही कौनकेकंतरहेहोतहैंएरी ॥ सोतो
छिमालहुलालगई हियसालभईयहरैनउँजेरी ॥ १ ॥ नेहकै
सोहिबुलायोइतै अबबोरतमेहमहीतलकौंहै ॥ आईमझार

मन्हावनसै तनसैश्रमसीकरकोझलकोहैं ॥ नमिलेअवनीलकि सोरपिया हियोवेनीप्रवीनकहैकलकोहै ॥ सोचनहीं धनपावन को सखिसोचयहैउनकेछलकोहै ॥ २ ॥ बारविलासिनिकोहि ऊलास बढ़ायकैअंगसिँगारबनायो ॥ पीतमगेहगई चलिकै मतिरासनहाँनमिल्योमनभायो ॥ संगसहेलीसोंरोसकियोन हिँ आपनकोयहदोसलगायो ॥ हायमैकीन्होमतोयहकौन जोआपनेभौननबोलिपठायो ॥ ३ ॥

अथ उत्काको लक्षण ॥

दोहा ॥ कौनहेतसंकेतपिय अजहुँनआयोआज ॥
यौंसोचैउत्काहितना ताहिकहतकविराज ॥

मुग्धाउत्का यथा ॥

सोचैसमागमकारनकंतको सोचैउसासनआँसुहमोचै ॥ सोचैनहींरिहराहियको पदमाकरसोचिसकैनसकोचै ॥ को चैतकीयहचाँदनीतें अलियाहिनिवाहिव्यथाअबलोचै ॥ लो चैपरीसीपरीपरजंकपैं वीतीघरीनघरीघरीसोचै ॥१॥ लाजतें बूझिसखीहूसकैंन विचारतिसोकछूएहैविचारहै ॥ कैतौरिझा इलियोकहूंकाहू खिझायोकितौअतिहीसुकुमारहै ॥ रेमनलू जौरहैपियपास कहैकिनकाहितेंकीन्होअबारहै ॥ प्यारीह्वैपी रीगई हूँहिँसोच मनोपतझारलवंगकीडारहै ॥ २ ॥ लखि मोहनकोमगआलसकै सखिपैंमहदैअँगरायरहै ॥ कविबेनी कछूनकहैसुखसों दुखकोहविकोहकोछायरहै ॥ उमहैपरजंक तेंआँननभूमिलों घूमिगिरैनबचायरहै ॥ चकिचायरहैउनकी लचकै चहुंओरचितैमुरझायरहै ॥ ३ ॥ प्यारीहमारीनआ

थीअबैां कहूंन्यारीह्वै औरहीभौनभुलानो ॥ ऐसेविचारवि चारनलागीसु चारकथाकोउचारहिरानो ॥ संगसहेलिनसों उभकौन उसासलयोनगरीगहरानो ॥ ह्वै गयोप्यारीकीकेस रईंगतें आननकेतकीरंगकोबानो ॥ ४ ॥ बीतिगईजुगजामनि सा अतिरामसिटोतमकोसरसाई ॥ जानतिहोंकहूंऔरति यासों रह्योरसमैरमिकैरसिकाई ॥ सोचतिसेजपरीयौंनबे ली सहेलीसोंजातिनबातसुनाई ॥ चंदचढ्योउदयाचलमें सु खचंदपैंआनिचढ़ीपियराई ॥ ५ ॥

मध्याउत्का यथा ॥

आएनकंतकहाँधौंरहे सखीभोरचहैनिसिजातिसिरानी ॥ योंपदलाकरबूझ्योचहै परबूझिसकैनसकोचकीसानी ॥ धारि सकैनउतारिसकैसु निहारिसिँगारहियेहहरानी ॥ सूलसे फूलनकेफरपैं तियफूलछरीसीपरीमुरझानी ॥ १ ॥ छपाक रजोतिमलीनमहा दुतिछीनत्यौं तारनकीदरसात ॥ नआए गेपालकहाँधौंरहे यहकासोंकहोंहियराहहरात ॥ कहैल लितेमिलाजऔकाम परीदुवौंबोचवनैनबतात ॥ कछूतिय बैनभुवानपैआय अलेंनटकैसेवटाफिरिजात ॥ २ ॥ उभकेभु किझुकिझरोखनझाँकि झँकैगुरुलोगनिपैठतिभौनै ॥ कविबे नीउठैछिनुऐंठिभुजा छिनुभेंटतिमोहनकेभ्रमपौनै ॥ अति व्याकुलमैनसईतनमें दुखबूझेसखीनकेह्वै रहैमौनै ॥ अलिहा यरह्योधौंलोभायकहूं चितसोचतिलालल्टूकरगेकौनै ॥३॥ बातनमोंतनसोंअटक्योकी सिलोतियकोजरहैरँगताही ॥ औ रतोचूकनसुन्दरवादिन मैकह्योऐंठनिलागीहैस्याही ॥ आ

एनहींसखिवूझियेकैसी कहाअनदेतहैतेरोगवाही ॥ चोपव टीकोमिटयोचितचाव कीआलसनींदकीवेपरवाही ॥ ४ ॥ बीनसैकोजाअबोनलिलीतिय कैतौसिख्योकविराजसमाजहै ॥ काहूसोंचातुरीसैचितलाव्यो किधोंउरभेकहूंकाहूकेकाज है ॥ जोनकहैंतौरह्योनपरै जुकहैंतौकहैपरआवतिलाज है ॥ आजूबेकोंदूहिंओरघींकाहैतें आजुअंवारकरीहजराज है ॥ ५ ॥ बारहीबारविलोकतिद्वारही चौंकपरैतिनकेखरकेहू ॥ सेजपरीमतिरामविसूरति आईअहोअबहींलखिमेहू ॥ संगसखानकेखेलतहौ अजहूंरजनीपतिकेअथयेहू ॥ लालनवेगिनजाउघरें फिरिवालनमानिहैपांइपरेहू ॥ ६ ॥

अथप्रौढ़ाउत्का यथा ॥

लखुचांदनीचारुमलीनभई गनतारनकेपियरानलगी ॥ चिरियांचहुंओरकरैंचरचा चकईचकवानियरानलगी ॥ सिगरीनिसिमैनसरोरनिसै येसिंगारकछूसियरानलगी ॥ मनमोहनतोहियरानलगी नयकेसुकतासियरानलगी ॥ १ ॥ आजुविलंबभईकछुकाजसै औरैपैप्यारेकोचिन्तनजैहै ॥ कोकपढ़ीबहुजातबड़ीहैतु पीवतिहारोप्रभातमैऐहै ॥ आनदह्वैहैरीकोकउरोजन नैनसरोजनसोंसुखपैहै ॥ तेरोकह्योसवह्वैहैसखी यहपूरनचंदजोजीवनदैहै ॥ २ ॥ ख्यालनमैनकह्योंकवहूंकछु भोरेहूंभूलिनभौंहचढ़ाई ॥ देख्योविचारिविचारिमैआपनी चूकनकौनोकहूंमनआई ॥ गाढ़ीगहीआँगियातवनेसुक हाथनिरोकिभईरिसहाई ॥ याहीतेंआजुधौंआइबेकोंकहूं नंदकुमारअबाँरलगाई ॥ ३ ॥ जोकहूंकाहूकेरूपसेरीझतौ औरके

रूपरिझावनवारी ॥ जौकहूँ काहूकेप्रेमपगेहैंतौ औरकेप्रेम पगावनवारी ॥ दासजूदूसरीबातनऔर दूतीबड़िबेरबिताव नवारी ॥ जानतिहौंगईभूलिगोपालै गलीइहिऔरकीआव नवारी ॥ ४ ॥

परकीयाउक्ता यथा ॥

बिनसाँकरमारिकिवारलयै बहुरादयैकोरिगिरैयनतें ॥ बलिन्यारीतिवारेसेडारिकैसेज सँवारेतेंपौढ़ीलोगैयनतें ॥ घ सकैकछुयौमनकेउठिआवै छपावतिछाहसोवैयनतें ॥ चित हीचितसोचैकिशोरकोराह कराहतिभोरचवैयनतें ॥ १ ॥ ठानेअठानजेठानिनहूँ सबलोगनहूँअकलंकलगाए ॥ सासु लरीगहिगाँसखरी ननदीनकेबोलनजातगनाए ॥ एतीसही जिनकेलियेसै सखितेंकहिकौनेकहाँबिलसाए ॥ आएगरेल गिप्रानपैकैसेहूँकाकरआजअजौंनहिँआए ॥ २ ॥ सकुची नसखीनसोंसौतिनसों सपनेहूँनसासुकीकानकहूँ ॥ कुलवा नकीतीयनसोंकिङभाँति डराएतेहौंनडरीकबहूँ ॥ कहिसु न्दरनन्दकुमारलिये तनकीतनकीनहिँचैनकहूँ ॥ हरिकी हितमैंतौकरीदूतनी हरिकीझौजुआएनहौंअजहूँ ॥ ३ ॥

गनिकाउक्ता यथा ॥

रैनिरहीअतिथोरीकहूँ भटकेबनबोलनचाहतकागहैं ॥ आएनबेनीप्रवीनबबाकिसों नौलकिसोरभरेअनुरागहैं ॥ का लिगएकहिदैनगढ़ाय बढ़ायसनेहसमूहसोहागहैं ॥ भूषनभू रिजरायकेदेति बड़ेसजनीकोउऔरकेभागहैं ॥ १ ॥ काहूकि योभौंकहूँबसभाँवतो काहूकहूँधौंकछूछलछायो ॥ त्यौंपद

लाकरतानतरंगनि काहूकिधौंरचिरंगरिझायो ॥ जानीप रैनकछूगतिआपकी जाहीतेंएतीबिलंबलगायो ॥ मोहनमोम नमोहिवेकौंकिधौं सोननकोमनिहारनपायो ॥ २ ॥ प्रीतम सोघरैध्यानघरीकु करैमनहींमनकामकलोलै ॥ पातंकुकेख रकोलतिरास अचानकहीअँखियाँपुनिखोलै ॥ पीतमऐहैंअ जौंसजनी अँगिराइजम्हाइघरीकुयोंबोलै ॥ गावैघरीकुगरेही गरेपुनि गेहकेबागहरेहरेडोलै ॥ ३ ॥

अथ वासकसज्जालक्षण ॥

दोहा ॥ मेरेहीगृहआवपिय ऐहैंहियहितमानि ॥
साजैसेजसिँगाररतिहिँ वासकसज्जाजानि ॥

मुग्धावासकसज्जा यथा ॥

सुसक्यातिखरीखुंभियाअभिरी विरीखातिलजातिमहा सनसै ॥ कविबेनीभरीउघरीछविसौं निखरीदरीजातिहैलो गनसै ॥ वलिजेठिनकोरचिसेजसोवाय रहैछकिप्रेममईमन सै ॥ अलिज्यौंज्यौंसँवारतिफूलनसेज त्यौंत्यौंतियफूलति फूलनसै ॥ १ ॥ फूजसीआपुहीआपनेहाथन फूलकेगूंथतिहा रनवीने ॥ आपुहीआपनेहाथदुकूल किधोंखचैकेसरिकेरँग भीने ॥ भेदकहैनसखीनहूंसौं हरखैहियमेपियआयबोकी ने ॥ प्यारीकछूमिसिकैमगदेखति द्वारकीदेहरीसैंदृगदीने ॥ २ ॥ गूंदिकैफूलहरापहिरे गहिरेकसकेसनिज्यौंचितचाही ॥ सोतिनमागभरीसुथरीलसै कंठसिरीगरसीअवगाही ॥ नूपु रघूंघुरूपाइलको धुनिकिंकिनीकोझनकारझुलाही ॥ जोर तद्वारकीओरदृगैघरि योरिासनेहप्रदीपकेसाही ॥ ३ ॥

अथ मध्यावासकसज्जा यथा ॥

द्वारहूदेखतिद्यौसहीतें हियमैंकरिलालनकौंललचाति
है ॥ सारिकैभारसुमारकरी अबलौंअबतोयहआवतिराति
है ॥ फूलनसाजतिसेजसोहागिनि भाँवतीहौसहियेसरसा
तिहै ॥ बैठोसिँगारसिँगारतिपै लखिलोगनलाजनहींगड़ीजा
तिहै ॥ १ ॥ कैसेहैंगूंदतिहारअली सुनिऐसेविहारविचार
सँभारे ॥ कैसेसिँगारसिँगारतियामिस औरजकौजसिँगार
सिँगारे ॥ भूखनभूषतअंगनिज्यौंतुही त्यौंहींअभूषनकौंअ
वधारे ॥ द्वारकिँवारसुधारनकेमिस प्रीतमआगमनारिनिहा
रे ॥ २ ॥ कपूरकौदीपसिखासोदिपै छिपीचाँदनीचन्दहै
नितसंकमै ॥ अलबेलेदरीजलसैंडरपैं घसैंप्रानमैंजोपैलगैंक
हूं अंकमै ॥ मारकंडेसुहागभरीपियके चनुमैनलजैजिहिँके
भ्रुवबंकमै ॥ डरबारहीबारविलोकतिद्वार लजातसीबैठीप्रि
यापरजंकमै ॥ ३ ॥

प्रौढ़ावासकसज्जा यथा ॥

सुखसेजहीसाजिसिँगारसजे गुहिवारसुगंधसबैबसिकै ॥
चुनिचूनरीचारुखरीपहिरी कहिदेवसुवेसुरझौलसिकै ॥
पियभेंटिबेकौंउमगीछतियाँ सुछिपावतिहेरिहियोहँसिकै ॥
अँगियाकीतनीखुलिजातिघनी सुवनीफिरिबाँधतिहैकसिकै
॥ १ ॥ द्यौसहीमैंकलकेलिनिकुंज कियोमणिमंडितसोमन
भावै ॥ सेखरसौंचिसुगंधनसौं मुकतानकेबंदनवारबँधावै ॥
सेजविछायकैबैठिरही सबअंगअनंगनकोछबिछावै ॥ आवत
होरजनीसजनीन लगीपतिप्रीतिकीरीतिसिखावै ॥ २ ॥

बारनिधूपिअगारनिधूपिकै धूमअँध्यारीपसारीमहाहै ॥ आननचंदसमानउयौ मृदुमंदहँसीजलुजोन्ह्छटाहै ॥ फैलिरहीमतिरामजहाँतहाँ दीपतिदीपनकीपरभाहै ॥ लालतिहारेमिलापकोंबाल सुआजुकरीदिनहींमैनिसाहै ॥ ३ ॥ सेजसजीओसिँगारसजे रचिकैरतिकेलिकोमंदिरनीको ॥ आयेहियेवढ़िधौगुनीचावतौं भावभयोसबजाहिरजीको ॥ आननआनिधर्योकरऊपर कोंलमेंमंडलमानौससीको ॥ द्वारकीओरदियेंदृगदोऊ निहारतिप्यारीप्रियामगपीको ॥ ४ ॥

अथ परकीयावासकसज्जा यथा ॥

साँझहीतेंकरिराखिसबै करिबेकोजुकाजऊतैरजनीको ॥ पौढ़िरहीउमगीअतिही मतिरामअनंदसमातनहीको ॥ सोवतजानिकैलोगसबै अधिकानेमिलापमनोरथपीको ॥ सेजतेंनारिउठीहरऐंहरऐंपटखोलिदियेखिरकीके ॥१॥ आसुनिपीकोलखैमगऐसी लरीकतवासोंभरीरिसरेजहै ॥ एनँदसासुजिठानीसबै तुम्हैआईनजानीकहाँकोमजेजहै ॥ वाकेलखेंअँसुवामैंढरीअरीमिवकरावरीकौनकरेजहै ॥ लखिकैरीखसगीसजनीघरसूनमेंजाइबिछावतिसेजहै ॥ २ ॥

अथ सामान्यावासकसज्जा यथा ॥

साजिसिँगारसखीसोंकहैकि होंदेखतलालकीज्योललचैहैं ॥ सेजमैजोकरिपायहैंनेकु तहाँपुनिभाँतिअनेकरिझैहैं ॥ आपनेप्रानपियारेकोंआजुहौं कैसेहुँजोइहिँठौरकैपैहैं ॥ डारिभुजानकीमालगरैं मुकतानकीमालउतारिहौलैहैं ॥ १ ॥ लैहैंतिरीछीचितौनिचितैकर चंपकलीभलीमी

तिनसाखा ॥ हाथगहैगहिहैं।हठसाथ नरायकीबंदियाबिसदु साला ॥ फूंदकेछोरिनसूदकै लैहैं। जवाहिरकीपक्कंचीगुनआला ॥ सानतअंगसिँगारनएसे मनोरथसाजहियेपरवाला ॥ २ ॥ मंजुचमेलिनबेलिनके गजरानसोंसेजसजीसुखदाई ॥ अंगविभूषनभूषनकौ रतिरंगउमंगनसंगसुहाई ॥ सेखरवारसँवारबड़े बिनसेतिनमागभरीमनभाई ॥ भानुगयोअसताचलकों सितिभानुकीआननसैछबिछाई ॥ ३ ॥

अथ स्वाधीनपतिका लक्षण ॥

दोहा ॥ जातियकोगुणरूपलखि रहैलालआंधीन ॥
स्वाधिनपतिकाकहतहैं ताकहँपरमप्रवीन ॥

मुग्धास्वाधीनपतिका यथा ॥

सोवतलेतिकरोटनबेढको नीचेलटैपलिकातेंपरीहैं ॥ देखितछाँहरिसुन्दरदौरिकै जाइकैनागिनसीपकरीहैं ॥ लेदुपटाअपनेअपनेकर पोंछिकैसेजहिमाफमरीहैं ॥ प्यारेकोप्यारनिहारियोंरीझि भइँचकचूरसखीसिगरीहैं ॥ १ ॥ नाकटिछीनप्रवीननवातन पीनकठोरनहींकुचमेरे ॥ बाँकीबड़ीबड़ीअँखियाँन घनीवरुनीकरनीतिनिबेरे ॥ नागनकीगतिरूपकीसंपति राजैनहींरतिकीरतिनेरे ॥ जानोनहींसखिकारनएरी पैकाहितेंपीतमह्नैरहेचेरे ॥ २ ॥ आपनेहाथसोंदेतमहावर आपुहीबारसिँगारतनीके ॥ आपुनहींपहिरावतआनिकै हारसँवारिकैमौलसिरीके ॥ हौंसखीलाजनिजातिगड़ी मतिरामसुभाइकहाकहैंपीके ॥ लोगमिलिघरघैरकरैंअबहीं तेएचेरेभएदुलहीके ॥ ३ ॥

अथ मध्यास्वाधीनपतिका यथा ॥

मुसक्यानभरेअखरानमैबेनी याडारीठगोरीहैमोहनमै ॥
छिनकौबिछुरैनछमैछकिछैल छपायरह्योछबिछोहनमै ॥ पि
यप्यारेकेप्यारकोचैचँदयौं सकुचीसुनिसुन्दरिगोहनमै ॥ सु
खमोरिअलीपैनईसरमाय गईअठिलायसीभौंहनिमै ॥ १ ॥
तेरियैकीरतिकानसुनै अरुतेरोईरूपसदाँदृगदेखैं ॥ तेरियै
बातकहैंरसनाकरि भूलिहूं औरकीओरनापेखैं ॥ तूजियमै
हियमैपियके पियतोबिनजातघरीजुगलेखैं ॥ जानिदिनैसकि
येवसतैं कोभएहरिआपुहीहाथकीरेखैं ॥ २ ॥ ताछिनतैंरहै
औरनिभूलि सुभूलीकदंबनकोपरछाँही ॥ त्यौं पद्माकरसं
गसखानकोभूलभुलायकलाअवगाही ॥ जाछिनतैंतूबसीकर
मंत्रसी मेलीसुकानकेकाननमाहीं ॥ दैगलबाँहींजुनाहींकरी
वहनाहींगोपालकोभूलतिनाहीं ॥ ३ ॥ सीधीविलोकनिसी
धियैचाल कहालखिलालभयोबसलोनो ॥ लोगकहैंयहआए
अपूरव पूरवकोपढ़िआगमकोनो ॥ काहेलजातनहींतुमतो
मोहिलायेरहौहियस्यूमज्योंसोनो ॥ हैंपियलाजनिजातिग
ढ़ी सिगरोब्रजमोहिलगावतटोनो ॥ ४ ॥

अथ प्रौढ़ास्वाधीनपतिका यथा ॥

चोवामिलैमृगमेदघसैं घनसारसोंकेसरगारतडोलैं ॥ दे
वजूफूलफुलेलनकी घरबाहिरवासलगावतडोलैं ॥ भूषनभेष
बनायनए पहिरायपुरानेउतारतडोलैं ॥ राधेकेअंगनहींसि
गरोदिन संगहीसंगसिँगारतडोलैं ॥ १ ॥ सीससुधारिधरैं
सिरफूल सुतौसरसैरविकौछबिजीतै ॥ आपुहीदेतमहावर

पाँयन लाजतेंहोतकछूनासभीतै ॥ देख्योतवैढिँगबैठ्योरहै स
पनेहूँनभौरतियाचितचीतै ॥ प्यारेकोंप्यारीतियाकेसिँगार
सिँगारतकौसिगरोदिनबीतै ॥ २ ॥ सोईतियाभरसाथकैसेज
लै सोछबिजालबिचारतहौरहै ॥ पौंछिदुशालनसोंस्रमसीकर
औरकोऔरनिवारतहौरहै ॥ त्यौंमुखइन्दुबिलोकिबेकोंअलकैं
हरिचन्दजूटारतहौरहै ॥ ह्वैकघरीलोंजगेसेरहै वृषभानकुमा
रिनिहारतहौरहै ॥ ३ ॥ वारिदभारसकौरघुनाथ कहैजिनचा
रुकियेदृगमोरहैं ॥ ईछनकंजसकौसुघरे जिनलोचनमौरकिये
वरजोरहैं ॥ बोलनिजे।सोसहीसुधाता जिनआँखिनकोंकियेहैं
सकिसोरहैं ॥ प्यारीकोआननइन्दुसहौ जेहिँकोंकगोविन्दके
नैनचकोरहैं ॥ ४ ॥ लालनसैरतिनायकतें सुभरन्दरतारुचि
पुंजनिपेखौ ॥ बालसैत्योंसतिरामकहै रतितेंअतिरूपकलाअव
रेखौ ॥ स्यामुहूँबैठलखैंएकसेजमै बोलीअलीसुखप्रीतिविशेखौ ॥
भालसैतेरेलिखौविधिसो यहलालकीमूरतिलालसैदेखौ ॥ ५ ॥
हैंदुलहौसबदूलहपैअई यादुलहीयेईदूलहनोखे ॥ बेनीछिनौ
नकहूँसँगछाँड़त आएअटाघरैंध्यानभरोखे ॥ बासरमैंमिलि
जातलजातन जातकैगेहकेमानुखओखे ॥ चंदमुखीतनसोंनो
सोसौंपि करैमनमोहनसेवकचोखे ॥ ६ ॥ पाँवआँवरतिहीन
दनंदपै ऐंठतिओठनरौभभरौसौ ॥ चारुमहाकविकीकविता
सौ लसैदुलहीरसमैंउलहौसौ ॥ सौबीकरैतरवानकेआँवत
देहदिपैभरीनेहज्योंसौसौ ॥ दंतनकौदुतिबाहिरह्वैकर जाहि
रहीतिजवाहिरकौसौ ॥ ७ ॥

अथ परकीयास्वाधीनपतिका यथा ॥

सोतियसोहनजेठकीधूपमें आएउवानेपरेपगछाले ॥ वे
नीखरेमगद्वारविलोकत बैठेनसोएचलेजनहाले ॥ कीजैकहा
हरिहांथवताय ज्यों जागिवेजोगहमारेईनाले ॥ देखतहीघर
कौनबचे घरकोनगएघरहाईंनिघाले ॥ १ ॥ पियप्यारेतिहारि
येसोहकियेकहौं नैननरावरीहीसरहै ॥ संगहूँहज्यों सासु
फिरैंअनखानी जिठानीढुकाढुकीसौसरहै ॥ कबिनाथजुजान
तिहौंहियमें वयबीतगएकहामीसरहै ॥ परकीजैकहाइहिगाँ
वकोलोग गुहैघरचानकोचैंासरहै ॥ २ ॥ सिवठौरकुठौरकछू
नगनैा जिनचौंनितहौंहँसिबोलतहौ ॥ हमघातपरेमिलिजै
वोकहूं यहप्रेमझरोकतखोलतहौ ॥ घरचोईकरैंचहूंओरनतें
नचवाइनकेचिततौलतहौ ॥ हरिनाहींमलीयहबातकरो पर
छाहीभएसँगडोलतहौ ॥ ३ ॥ ताकिचिधारतसोमनकौं नवं
नेहपयोनिधिछू लसिबेहै ॥ चाहभरेचखचंचलये हूनकीनित
दीनदसानसिबेहै ॥ सेखरलोगचवैयनकी चरचाचितदैनकहूं
फँसिबेहै ॥ मीतनजाहिरप्रीतकरो ब्रजगाँवगँवारनमैंबसिबेहै
॥ ४ ॥ आयअगीतपछीतहूजो नितटेरतसोंहिसनेहकीकूक
न ॥ जानतहैंकौनजानतकोउ जरैंनरनारिसरोसभभूकन ॥
ठाकुरकीविनतीइतनी अरीतूकहियोयहबातअचूकन ॥ देखि
उकै नदिखातकछू ब्रजपूरिरह्योचहूँओरचहूकन ॥ ५ ॥ कैसे
सुचित्तभएसेतको दैहँसौविलसौसबसौंगलबाँहीं ॥ वेछल
छिद्रमकैछलना छलताकतीहैंसबकीपरछाँहीं ॥ ठाकुरसौभि
लिएकभई रचिहैंपरपंचकछूजमाहीं ॥ हालचवाइनकोदह

चालसो लालतुम्है देखिात कीनाहीं ।। ६ ।। होंहूंसमैलखि कैउतआय कह्योकहि हैंसबरावरेजीको ।। बारहीवारनऐये इतै यहमेरोकछूहैपरोसननीको ।। चाहभरेघँसिचंदनलाव त हारबनावतसौलसिरीको ।। कोऊकहूंयहजानिजौजाय तौहोयललामोहिलीलकोटीको ॥ ७ ॥ चौचँदहाँईलगीचहूं ओर लख्योकरैंनैननिश्रोरतुम्हारे॥ ऐसेसुभायनसोंनिरखोकि उहूँ लगीछूखिहमैरसवारे ॥ कीजियेकैसीदईनिटई नदईहैदई करमीतहमारे ॥ देखिविनाहूं रह्योनहींजात कह्योनहींजात नआइयेप्यारे ॥ ८ ॥ सोजुगनैनचकोरनकों यहरावरोछूपसु धाहीकोनैबो ॥ कीजैकहाकुलकानितेंआनि परयोअवआपनो प्रेमछिपैबो ॥ कुंजनमैसनिरासकहूं निसिद्यौसहूंबातपरेसि लिजैबो ॥ लालसयानीअलीनकेबीच निवारियेह्याँकोगलीन कोऐबो ॥ ६ ॥

अथ सामान्यास्वाधीनपतिका यथा ॥

मंदिरमंदिरचोजनवारी सरोजसुखोलसैंछूपनवीने ॥ गा वतीताननिकासविधाननि पानमदैरिझवैपरवीनो ॥ हासवि लासकुलासहरैं चितबासनिवाससुगंधनवीनो ॥ जानोनप्रीत सप्यारेनैकाहेतें आपनोहीरारीसोकरदीनो ॥ १ ॥ आपुहीपा नखवावतिश्राय सहेलीनश्रावनपावतिमेरे ॥ भूषनअंबरल्याव तआप रहैंपहिरावनकोंसुखहेरे ॥ तापियसोंरिसकैंसेकहूं अ तिरासकहैसिखएसखितेरे ॥ पूरिरहैसनभावनकेगुन मानकों ठौरनहीमनमेरे ॥ २ ॥ चुनिचीरसुगंधितकैकैनये अपनेकर तेंपहिरावतुहैं ॥ नितमेरेलियेपियसोनको गहनेहूंनवीनगढ़ा

वतुहैं ॥ पिककीकोनकोकिलबैनदिवाकर नैकुनहींजियल्यावतु हैं ॥ जिनकेचखचारुचकोरसखी मुखमेरोमयंकहिभावतुहैं ॥

अथ अभिसारिकालक्षण ॥

दोहा ॥ आपुजायप्रियपैकितौ पठवैप्रियहिबुलाय ॥
ताहिकहतअभिसारिका सुकविनकेसमुदाय ॥

अथ मुग्धाभिसारिका यथा ॥

झिंझिनीझांरिऊपायकहूं कहूंबाजनीपायलपांयतेंनाई ॥ त्यौंपदमाकरपातहूंके खरकेकहूंकांपिउठैछबिछाई ॥ लाज हीतेंगड़िजातकहूं अड़िजातिकहूं गजकीगतिभाई ॥ बैसकी थोरोकिसोरीहरेंहरें याविधिनंदकिसोरपैंआई ॥ १ ॥ बातन जायलगायलई रसहोरसमैमनुहाथमैलीनो ॥ लालतिहारेबु लावनकों मनिरामसैबोलुकह्योपरवीनो ॥ बेगिचलौनविलंब करौ लखीवालनबेलीकोनेहनवीनो ॥ लाजभरीअँखियाँबिहँ सी बलिबोलुकह्योबिनउत्तरदीनो ॥ २ ॥

अथ मध्याभिसारिका यथा ॥

बैठिरहेमतिरामललावरभीतरसांझहीतेंअनुरागी ॥ वा निकसौंबनिचारुसिंगारनि आईसोहागिनिप्रेमसोंपागी ॥ प्यारेकह्योहँसिआइयेसेजहिँ प्यारीकोजोतिविलासनिजागी ॥ नैननबाहरहीमुसुकायकै हारहियेकोसँवारनलागी ॥ १ ॥ ज्यौंज्यौंबितैद्दतजामिनीकामिनी भौनतेंआँगनमाँहिकढ़ी सी ॥ नीलकिसोरललामनमोहन त्यौंविपरीतकीरीतपढ़ी सी ॥ सोसुनिबेनीप्रवीनभनै मनमाँहमनोजकीफौजचढ़ीसी ॥ ठाढ़ीगईह्वै तहाँकरठोढ़ीदै पोढ़ीगईपरिलाजगढ़ीसी ॥ २ ॥

पीढ़े कुतिपलिगँ पर्‌यो सुखजपरओटदियेदृपटाको ॥ लाइ लिवायचलीनललाकँहँ बातैंबनायअनेककुटाको ॥ जेहरिको खटकोजबड़ीभयो सुन्दरदेहरीआनिअटाको ॥ अंगअनंगतरंगवढी बनमोरकोंज्योंसुनिघोरघटाको ॥ ३ ॥ छलदूतिपरलैनसक्षावत लाजतेआँपूपरेजआँपाइन ॥ त्योंपदमाकरकीनकहोंगतिमातिमतंगनकोदुखदाइन ॥ अंगअनंगकोरोसनीमेंसुभसोसनीचीरचुभ्योचितचाइन ॥ जातिचलीहजठाकुरपैठसकाठसकोठुसकोठकुराइन ॥ ४ ॥

अथ प्रौढ़ाभिसारिका यथा ॥

देखियेदेखियारूपकोरासि सवासतेंहासकहोरँगराती ॥ भूषनभारनतेंलचकोपरै चालगयन्दनकीसरलाती ॥ कानलौंभौहेंकमानन तानि कटाच्छवीवानहिजेंबरसाती ॥ लैकुचनीखिनयेद्वजुआरन जंगकोंजातिअनंगकोमाती ॥ १ ॥ कौनहैतूकितजातिचली बलिबीतीनिसाअधरातिप्रमाने ॥ हौंपदमाकरभाँवतीहौं निजभाँवतपैंअबहीमोहिजाने ॥ तौअलबेलीअकेलीडरैकिन क्यौंडरैंमेरीसहायकेलाने ॥ हैसखिसंगमनोभवसोभट कानलोंबानसरासनताने ॥ २ ॥ अंगमैसारीअनूपलसी धसीजातिहियेमैप्रभाछहरावति ॥ आपनेवैसविभूषनतेंसुतिहूपुरकोउपमाअहरावति ॥ मोहनसोमिलिवेकोंप्रिया सारकंडेसवैजगकोंकहरावति ॥ कुंजमैकामिनीदामिनीसीचलीजाति अनंगकटाछहरावति ॥ ३ ॥ उभरेकुचकंचुकीछ्पैदिपैं छिपैलोनीछटाजगफांदनीसी ॥ गतिपैगजहुकोलगैगतिहीन प्रवीनभईयोंअमादिनीसी ॥ मारकंडेमयंकमुखीपियतें मिलि

मेकींचलीकविछाँदनीसी ॥ गजचारिलैंचैंविधिसिजाकीप्रभा मगमैभईजातिहैचाँदनीसी ॥ ४ ॥

अथ परकीयाभिसारिका यथा ॥

पीपैचलीबिछियानकीझाँकर काढ़ेनचैंसबकेभूषनछोरे ॥ कोसिखदैहूजोकाहूसोंपूछो सखीतैसिलीजिनकेमनभोरे ॥ जातिकहाँहौलगाएकहाँसुधि यौंजबपूछिहैंनैनमरोरे ॥ सुन्दरि येईपरोसिनिसौं कहिदैहूँगेदौरिसुगंधकीडोरे ॥ १ ॥ स्याम कील्याईसँदेसोसखी सुनिकैतनसुन्दरिकेरसबाढ़े ॥ चैंधेवेभूषनखोलिधरे बिछियानकोंबेधिकैझाँकरकाढ़े ॥ घूघरीकीधरि छोरीकसी अँगियाकुकेबंदकसेगहिगाढ़े ॥ जायरहीसुतहाँव प्यारी जहाँहरिहैरतहैमगठाढ़े ॥ २ ॥ माईकेतेंनपरोसिनि आईहै काहूकोहैयदऔरननेरे ॥ त्यौंतवन्योसवयौंलखिकै तैं उठायदईजेसखीकुतीनेरे ॥ दूरिकैघूंघुटऔबिछिया खिरकी खुलीराखिहैकौनहूफेरे ॥ दूतीलियेपियपासपठैगई प्यारीप रोसीकेधामऑँधेरे ॥ ३ ॥

अथ गणिकाभिसारिका यथा ॥

छूटिरहीअलकैंसुखऊपर लूटीसौलंकनितंवहैंपीने ॥ चंद नचोवाचढ़ायकेकंचुकी अंजननैनअँजायनबीने ॥ ओढ़नीस्हूही मुमावतिघावरो पायलकीधुनिमैरसभीने ॥ जातिविहारकोंबा रवधूअभिसारमैहारमनोरथकीने ॥ १ ॥ केसररंगरँगीसिर ओढनी काननकीछ्गिगुलाबकलीहौ ॥ भालगुलालधरीपद माकर अंगनभूषितभाँतिभलीहौ ॥ औरनकौंछलतीछिनमै तुमजातीनऔरनसौंजुछलीहौ ॥ फागमैमोहनकोमनलै फगु बामैकहाअवलैनचलीहौ ॥ २ ॥

अथ कृष्णाभिसारिका यथा ॥

नीलेनिचोलरचेतनमैं कचसेंलिफुलेलरचीकवरीहै ॥ कं
चुकीचोवाकेसौंधेसोंबोरिकै स्यामसुगंधनदेहभरीहै ॥ कैकै
सिँगारचलीहरिपैं हरखेंहरखेंतनिकुंजधरीहै ॥ भूषनभूरिग
एतमपुंजमैं आवतीजातिनजानिपरीहै ॥ १ ॥ साँमरीसारीस
खीलँगसाँमरी साँमरेधारिविभूषनल्वैकै ॥ त्यौंपदमाकरसाँम
रेई अँगरागनिअँगौरचौक्रुचद्वैकै ॥ साँमरीरैनिमैंसाँवरियै
चहरैघनघोरघटाछितिछ्वैकै ॥ सामरीप्यारीकौदेखुरी वलि
सामरेपैचलीसामरीह्वैकै ॥ २ ॥ छायरह्योतमकारीघटानयों
आपनीछायपसारिलखैको ॥ अंगरचेमृगलेमदसों जनिसकं
तभूषनसाजिअकैको ॥ नीलनिचोलनकीछविछाजति त्यौंअं
सरावलीसौंलरछैको ॥ सावनकीनिसिसाहसकै निकसीमन
भावनकोजिलिवैको ॥ ३ ॥ स्यामनिसालखतैसोईसाज सिँगा
रिकैगोंपियपासचलीरी ॥ त्यौंअधगैलछटातमयोससि देख
तहीमतिसोचरलीरी ॥ पंकजछाड़िसुगंधकेलोभ लगीसँगभौं
रनकीअवलीरी ॥ ताहीसमैंनिजभागनआयकै छायलईतिन
कुंजगलीरी ॥ ४ ॥ नखतेसिखलौंसजिनीलनिचोल सुसाँझ
समैंनचलीनिकसी ॥ तिन्हिँहेरतहीछियकोछितसौं कविनंदनगी
कुलचंदरसी ॥ लखिकैचखआतुरप्रीतमके तियआननअंचल
ट रिहँसी ॥ नवनीरदमंडलतेंनिकस्यो मनुदेतचकोरनचेत
ससी ॥ ५ ॥

अथ शुक्लाभिसारिका यथा ॥

जे हैंजहाँमगनन्दकुमार तहाँचलीचंदमुखीसुकुमारहै ॥

मोतिनहीं केकियेगहनेसब फूलिरहीमनोकुंदकोडारहै ॥ भी तरहीजोलखीसोलखी अबबाहिरजाहिरहोतनदारहै ॥ जो न्हसीजोन्ह गईमिलियों मिलिजातज्यौंदूधमेंदूधकीधारहै ॥ १ ॥ मोतिनमाँगभरीसुकताहल हारहियेसितसारीहैवैसो ॥ चंदनअंगकियेकबिराज चलीब्रजराजपैचाँदनीजैसी ॥ पाछे नआगेिह्नजानिपरै अमलैसजनीरजनीभईतैसी ॥ औवैनहीजुव तीढिंगजात गईमिलिजोन्हमैंजोन्हसीऐसी ॥ २ ॥ औधकेआ सगोपालकेपास चलीबनकोंनिसिजामगएहै ॥ एतीमैमेघअ कासमैआयकै छायदिसानअँधेरीलईचै ॥ पायबेकोंपथऐसी समै रघुनाथकीसौंहसुनोसुखसोंभै ॥ अंगकेसंगअभूषनजा लसों आपुहीबालमसालगईह्वै ॥ ३ ॥ हीरनकेसबभूषनअंग लसैंसुकतानकोमालभलीहै ॥ सेतदुकूलनमैदुरिकै सुभईदुति देहकीकुन्दकलीहै ॥ चारदुवोकरचौंरनिवारत सेखरमोरन कोअवलीहै चंदमुखीचितचाहभरी ह्वजचंदविलोकनजातिच लीहै ॥ ४ ॥

अथ दिवाभिसारिका यथा ॥

जेवरअंवरवादलोचारु रंगेगहिरेरँगकेसरहूपमै ॥ बेनी चुनीचमकैकिरनै सिरफूललस्योरवितूलअनूपमै ॥ ऐसेसमै दिनमैमनमोहिनी मोहिरहीथिरह्वैह्वजभूपमै ॥ जातिचली मिलिबेकोंवईं मिलोदेहँओदीपतिजेठकीधूपमै ॥ १ ॥ आहट पायगीपालकोग्वालि गलीमहँजायकैघोघलियोहै ॥ बातनऐ सेगयेजुरिकै नगुन्योतहँमानुषकोऊबियोहै ॥ सुन्दरहोंतीर होचकिसी तकिदंपतिकोअतिगाढोहियोहै ॥ चाहियेराति

कियोडुरियौं खुदहू लिखिकै दिनहोसे कियो है ॥ २ ॥

अथ प्रवत्स्यद्भर्तृका लक्षण ॥

दोहा ॥ चलनहारपरदेसकों जानियकोपियहोय ॥
ताहिप्रवत्स्यत्प्रेयसी वरनतहैंसबकोय ॥

मुग्धाप्रवत्स्यत्प्रेयसी यथा ॥

वीसौंविसैंप्रभातसुतापर जानतकाँ।धकपीवछूटौना ॥
काह्नकह्योबरसानेतैंरी नदगाँवचलौघनस्यामसलोना ॥ खे
लतहीकीअखानकचौंकि चितैचहुँदेवदएदृगकोना ॥ खूलउ
ठ्यौतनफूलगयोमन भूलगयेसबखेलखिलौना ॥ १ ॥ प्रौढ़ेहेपी
उपियापलगाँ चलिवेकीकरीचरचापियतौलै ॥ बेनीरहीछुटि
याँलगिलाड़िली लाडअनेकअरेजनबोलै ॥ सैनरीहाँसीहहा
रहिनी पीकहाअर्द्धपीगीयोंबासनछोलै ॥ घूंघुटमैसुसकैअरसाँ
सैं ससैमुखनाहकेसौंहैंनखोलै ॥ २ ॥ चोपभईदिनचारिहीतें
लगेलागनपीकेविलाससुधारे ॥ ऐसेहिमैंचलिवेकोंविदेस क
हूंसुछतेपियबैननिकासे ॥ चंदसुखीसुनतैबिलखी उलहेविर
हानलकेअँकुरासे ॥ आसूगिरेदृगकोरनतैंश्रव सोरनकेसह
तैंमुकतासे ॥ ३ ॥ आएहीबूझनलोसौंछपाकरि आपहीजोति
अहालनसेसखी ॥ सैकिहिंभाँतिलनैकेसखी रघुनाथसेजाने
हैं।नेहनरेसखी ॥ पैबिनतीयहएकहमारीहै मानोतामानोहै
कारनबेसखी ॥ होरीकेबासरगोरीकोवैस बिचारिकैकोजोबि
चारबिदेसको ॥ ४ ॥ रावरेजोचलिवेकोंबिदेसकों बिप्रनबूझि
भिचारकियोहै ॥ कौनियैसोसुभकारजकों मनमैंपनजोरघुना
थलियोहै ॥ सोहिनचौरअँदेसोसुनो सुनएतिककाँपतमेरा

छियोहै ॥ वालवियोगिनिकोवश्कौवेश्रों ललनवसन्तहीपानदि योहै ॥५॥ तरिकैंहगनीरछिजावहींतीर मिलैनमिलैहरिला वटीऊ ॥ घँसिहौंघनसारपटीरमिलैसिलै बातकहौंनबनावटी ऊ ॥ यहवेलीप्रवीनहैऐसीमहा नकवौंविरहानलश्रावटीऊ ॥ लगैलौरसलौरललाकरिवाइये एकउसीरकीरावटीऊ ॥६॥ दे वजोवाछिरहीविहरैतौसमीरअमीरसविंदलैजैहै ॥ भौतर मैंनवसैवसुधाहवै सुधासमसूँषिफनिन्दलैजैहै ॥ जैयेकहूं इ ङ्गिराखिगुविन्दकै इन्दुसुखीलखिइन्दलैजैहै ॥ राखिहौजोश्र रविन्दहुसैमकरन्दमिलैतौमलिन्दलैजैहै ॥ ७ ॥

अथ मध्याप्रवत्स्यत्प्रेयसी यथा ॥

नन्दघरेंवृषभानकेभौंनतें जानकह्योहरिदेवसुहासुनि ॥ ताहीघरीतेंघिरीपललाज परीकैघरीघरीवतियाँसुनि॥ प्रा तश्ररंभकीखंभलगी निरदंभनिरंभसँभारैनसाँसुनि ॥ ठाढ़ी बड़ेखनकीवरसै बड़रीश्रँखियानिबड़ेबड़ेश्राँसुनि॥ १ ॥ दधि श्राछतश्राछतभालसैदेखि गएश्रँगकेरँगछीनसेह्वै ॥ दुखश्रौ चकवारीकहैनवनै षिषिसेवकसोहिअरीनसेह्वै ॥ मृगराजके दवेविघेवनसोंकि विराजेमलेमृगमीनसेह्वै ॥ हरिश्राएवि दाकोंभटूकितहीं भरिश्राएदोऊहगदीनसेह्वै ॥ २ ॥ जाकेवि लोकिविलासहुलासके फाँसपरेतेंउदासनहींको ॥ नेकहुदूर भयेजाकबौं कितहूंनितहूंलुठिमालसोहीको ॥ श्रौचकहीवि जयानदपीके पयानसलैलखिटीकोदहीको ॥ पीवगँभीरउठी हियसै वहतीरसोतीखोलग्योदुलहीकों ॥ ३ ॥ प्रीतमसाग्यो बिदेसनिदेस सुनेनियकेविरहागिनिजागी ॥ नैननिसेश्रँसु

वाअलको तियकोहियतेंखिगरीसुधिभागी ॥ सुन्दरिसीसनवा
यरहो सुभई मतिहैअतिछोडखपागी ॥ योंनिरख्योमनोजीव
सोंपियके संगसिधारिबोबूझनलागी ॥ ४ ॥ भोरभएमथुरा
कोंचलैंगे योंबातचलीहरिनन्दललाकी ॥ बोलिसकीनसको
चनतें सुनिपीरीभई मुखजोतितियाकी ॥ हाथलगायखिला
टसोंबैठी यहैउपमाकविसुन्दरताकी ॥ देखैमनोकरआयुके
आखर औररहोहैकछूबचिबाकी ॥ ५ ॥ बातचलीचलिबेकी
जहीं फिरिबातसुहानीनगातसुहानो ॥ भूपनसाजसकैकहि
कौ सहरोजगयेकुटिलाजकीबानों ॥ योंकरमीजातहैवनिता
सुनिपीतमकोपरभातपयानो ॥ आपनेजीवनकोलखिअन्त
सुआयुकोरेखमिटावतिमानो ॥ ६ ॥ सूखिगजौनतिओंधिके
छोस गनेजपरेअँगुरीनमैछाले ॥ मैनकेबाननकेअतिगाढ़े
बनेघनेघायअनौंउरआले ॥ आएसुनेकीसुन्योचलिबो सु
हियेलगिदूरखियेनाकसाले ॥ आँखैंलगीलीकैयोंकछिराधि
का राखतिगोकुलचंदकेचाले ॥७॥ गोगृहकाजगुवालनकेक
हें देखबेकोंकछू दूरिकोखेरो ॥ सागिबिदाचलेसोहिनीसों
पदमाकरमोहनहोतसबेरो ॥ फेटगहीनगहीवहियाँ नगरो
गहिगींविदैगीनतेंफेरे ॥ गोरीगुलाबकेफूलनको गजरालै
गोपालकीगैलमेंगेरो ॥ ८ ॥

अथ प्रौढ़ाप्रवत्स्यतभर्तिका यथा ॥

ज्वालतेंजोरजुन्हाई कैडारिहै चारोंदिसाबिखसोबगरै
है ॥ देखतहीदृगदैहैंअचानक आँचतेकोटिकनोचनचैहै ॥
मोसखकीकबहूं तुमसों समताई नपाई रह्यौरिसकैहै ॥ प्रान

पियारेतिहारेचलेअबहीयहचंदलवालह्वैजैहै ॥१॥ बातकहो
कुलहीचलिवेकी नयोंकबहूंबकरोउरआनवी ॥ आँसूचले
सोचलेहीचले अरुसूखकुप्यासचलीपहिचानवी ॥ जौकहूंजा
नकहौगीअचानक देउजूथोंनिहँचैसनसानवी ॥ ढूंढिहौप्या
रेकापूरलोंप्रान सोयातनतेंउड़िजातनजानवी ॥ २ ॥ संगर
होसुवसंगलह्यो कबहूंनअयोकसुकौपलन्यारो ॥ छोड़कैता
हिचलगोंपियचाहत कैसेबनैबलिकैजकिचारो ॥ प्रीतमकोअ
बप्रानकको हठिदेखिवेहैअबहीतसँवारो ॥ कैधौंचलैगोअगा
रखबो यहदेहतेंप्रानकौगेहतेंप्यारो ॥ ३ ॥ रावरेजानकीका
नपरीधुनि ताछिनतेंछवियोंभनमानो ॥ छुटिपरेकरतेकसेकं
कन सूदरीछीनलई थिरथानो ॥ भूषनसोजनभावतसौजन भू
लिफिरैसभरीपहिचानो ॥ नाथजूजातविदेसभलेतुम प्रानपि
यारीकिसाथहीजानो ॥ ४ ॥ बातचलीयहहैजबतें तबतेंचले
आलकितीरहजारन ॥ भूखओपियासचलीमनतें अँसुआचलेनै
ननतेंसजिधारन ॥ हासचलीअरतेंबलया रसनाचलीलंकतें
लागीअवारन ॥ प्रानकिनाथचलेअनतै तनतेंनहींप्रानचलेकि
हँकारन ॥ ५ ॥ प्रीतमगौनसुन्योगजगौनीको भोजनभौनस
वैविसरोहै ॥ अंगपरीतलवेलीमहा कविराजतहाँभरिआयो
गरोहै ॥ नैननतेंधरिधारधरो जलअंजनसोंउरआयपरोहै ॥
चोरिवेकोंतियकोहियरा विरहावढ़ईमनोसूतधरोहै ॥ ६ ॥
केलिकैरातप्रभातचलेमो पियाधृतिपाठपढ़ावनलागे ॥ सोसु
निसेवकराधेनेचैन सोवैनकरेजोकढ़ावनलागे ॥ प्रेमपयोनिधि
सोंछुचपै घनसेहगआँसुबढ़ावनलागे ॥ मानोसुरारिनजाहिँ

बिचारि मुरारि पैवारि चढ़ावनलागी ॥ ७ ॥ सिसहीँसिखजा नकोवातकहीज् सुनैनबिथासहिजातिभई ॥ उरलाडिलीकी विरहागिजगी सुधिश्रौबुधिसूदहिजातिभई ॥ ठगिसेरहैसिव कारयालखि रसनागतिकीगहिजातिभई ॥ दुखिनैनतेंनो खीनदीप्रगटी बलिहारीबिढावहिजातिभई ॥ ८ ॥ बालसौं लालविदेसकै हित हरैहँसिकैबतियाँकछुकीनो ॥ सोसुनिबाल गिरीमुरझाय परीहरिधायगरैगहिलीनो ॥ मोहनप्रेमपयो धिभयो जुरहोठढुसूकौगईरसभीनो ॥ आगैबिदाकोबिदा कोकरै सिरीदेजबिदाकौंबिदाकरिदीनो ॥ ६ ॥

अथ परकीयाप्रवत्स्यतभर्तिका ॥

पहिलेअपनायसुजानसनेहसौं क्यौं फिरिनेहकौंतोरियेजू ॥ निरधारदैधारमझारदई गहिबाँहनकाहूकोंबोरियेजू ॥ घनआनदआपनेचातिककौं गुनबाँधिकैमोनछोरियेजू ॥ रसप्यायकैज्यायबधायकैआस बिसासमैयोंबिखघोरियेजू ॥ १ ॥ जोभरझारनहौंझुरसी मृदुमालतीकालवहैमगनाखै ॥ नेहवतीजुवतीपदमाकर पानीनपानकछूअभिलाखै ॥ आँखिअरीखिरहीकबकी हवकीदवकीसुसनैसनभाखै ॥ कोजनऐसोहितूहमरोसु परोसिनिकैपियकौंगहिराखै ॥ २ ॥ पन्नगसो सपैपाँयपरे तजीलोककीलीकसराहियेहै ॥ नीतिनिवासीअनीतिगही तजनीतिअनीअवगाहियेहै ॥ तोहितकोटिकलेससहे सोविदेसचलोतोनिवाहियेहै ॥ नाथतिहारेइसाथरमै इहिजीवअनाथकोंचाहियेहै ॥ ३ ॥

अथ गर्बिता प्रवत्स्यत्प्रेयसी ॥

आंखिनकीअँसुवानहीसों निजप्रानहींबांमधराभरिजैहै ॥ त्योंपदमाकरधीरसमीरन औरघनीककदयौंधरिजैहै ॥ जीत जिगोहिचलौगेकहूंतौ इतौबिरहागिनियाअरिजैहै ॥ जैहैक हाकहूंपारेवौ हमरेहियकौतौहराजरिजैहै ॥ १ ॥ परदेस तुम्हैचलिवोअवहीं बिरहागिनिजागीहमारेहिये ॥ कहौकयौं हमसोंरहिजैहैबिना दृगआंखिनरावरोरूपपिये ॥ कितौहौर नहौकैहरासुखपैहौं कितौसुकतानकौमाजदिये ॥ पियहौजि येऐसौनिसानौकहूजो तिहारेबिछोहमैजोहजिये ॥ २ ॥

अथ आगतपतिकालक्षण ॥

दोहा ॥ आतियकौपरदेसतें आवैपतिसुखधाम ॥
ताकोंसकलबखानहीं आगतपतिकाबाम ॥

अथ मुग्धाआगतपतिका यथा ॥

आयेबिदेसतेंप्रानपिया सतिरामअनंदवढाइअलेखै ॥ लोगनकोंमिलिआंगनवैठि घरीहौघरीसिगरोघरपेखै ॥ भीत रभौनकेद्वारखरी सुकुमारितियातनकंपविसेखै ॥ घूंघुटमैपट ओटकिये पटओटदियेपतिकोसुखदेखै ॥ १ ॥ नविलोकैहँसै सुनिसेवकयौं मनकौमनहींमैसकौसोपरै ॥ ललनापैबुभाइच लौबिरहागि सुवातनहूंमैचुकौसोपरै ॥ फरकैअँगबाजबिया धिकैव्याज सुभौषधिहैतसकौसोपरै ॥ पतियापढ़ैनंदतियापै तिया छतियाअपनीमैलकौसोपरै ॥ २ ॥

अथ मध्याआगतपतिका यथा ॥

आँगनवैठीसुन्योपियआवत चित्तभरोखनतेंलरकोपरै ॥

देवजूघूंघुटकीपटह्वैसै सलातनफूल्योह्रियोफरक्योपरै ॥ नैनन आनदकेअँसुवा मनोमैंरसरोजनतेंसरक्योपरै ॥ दंतलसैंमृदुमंदहँसी सुखसोंसुखदाड़िमसोदरक्योपरै ॥ १ ॥ लाजभरी गुरुलोगनिमै गुनलागीबिसूरनबैठिपियाकें ॥ सेखरदेसबितै बहुतैदिन आयगोमंदिरप्रीतमताके ॥ आननपैंकबियौंभमगी सुखदेखिहुवोदृगआनदछाके ॥ मानोसुधाकेसरोवरमै बिल सैंजुगमीनमनोजसुजाके ॥ २ ॥ आएबिदेसतेंबेनीप्रबीन खरे अँगनाअँगनामनमोहैं ॥ औधिबितीसोकहीसखियान बियोगब्यथासुनीसीसनिचोहैं ॥ भीतरभौनतेंप्रानप्रिया सोंकितीच ह्वैपैगपड़ैनाअगोहैं ॥ सोचबिसोचनसोंहैंमए पैसकोचनलोचनहोतनासोंहैं ॥ ३ ॥ चंदमुखीसजनीनकेसंग ऊतीपियअंग निमैसनफेरत ॥ ताहीसमैपियप्यारेकोआवन प्यारीसखीक ह्यौद्वारतेंटेरत ॥ आयगएमतिरामजबै तबैदेखतनैनअनंदम एरत ॥ भौनकेभीतरभाजिगई हँसिकैहरभैंहरिकौंफिरिहेरत ॥ ४ ॥ नँदगाँवतेंआइगोनन्दलला लखिलोड़िलीताहिरिझायरही ॥ सुखघूंघटघालितकैनहींमायके मायकेपीछूदुरायरही ॥ उचकैकुचकोरनकोपदमाकर कैसीकछूछबिछायरही ललचायरहीसकुचायरही सिरनायरहीमुसुकायरही ॥ ५ ॥ चारिदिनाकोबियोगभयो सुनबोलीहलायमुलायजगाए ॥ सेवकनैनसुदेसोसुदेरी जुदेसेअतीनहूँकेढँगपाए ॥ बैनसुनेतिनकोउठिभागी सुअंगनिमेरँगसौगुनोछाए ॥ पीतमकेसँगसेगएप्रान मनोफिरिप्रीतमकेसँगआए ॥ ६ ॥

अथ प्रौढ़ाआगतपतिका यथा ॥

बैठीकिसुंदरिसंदिरसै पतिकोपथपेखिपतिव्रतपोखि ॥ तौलगिआइकिआइकह्यो हरिद्वारतेंदेवरदौरिअनोखि॥ आन दतेंगुनकोगुनताह्नि गनैगुनगौरिनकाऊईओखि ॥ नूपुरपाँय छटैझननाय सुजायलगीघनघायझरोखि ॥ १ ॥ बेईमलीकानि चोलसजे सबदेहयहैबिरहानलदाढ़ी ॥ बेसेईपूरनहैंअँसुवा दृ गजैसेईओधिबिसूरतिठाढ़ी ॥ आयगएपियबेनीप्रवीन नवीन कछूदुतिहैअतिबाढ़ी ॥ जैसेंउदोतभएरविके छविप्रातसमैपुर ईनलैबाढ़ी ॥२॥ बैठीहुतीबिनहींपलटेपट अंजनमंजनभूषन त्यागी ॥ बालमकाँधअदेखबसन्त बिसूरतिकोकिलबागनबागी स्यामजूआएसुनाएसखीन सुतौलगिआइगेआँखिनआगी ॥ यौंबढ़िगीछियराकोउलास ज्योंफूलकीबासबयारकेलागी ॥३॥ प्रानपियारोमिल्योसपनेमें परीजबनेसुकनीदनिहोरें ॥ नाह कोआयबोत्यौंहीजगाय कह्योसखिबैनपियूषनिचोरें ॥ यौंम तिरामबढ़ोजियमैंसुख बालकेबालमसोंहगजोरें ॥ ज्यौंपट मैंअतिहीचटकीलो चढ़ैरँगतीसरीबारकेबोरें ॥ ४ ॥ दूरिभ ईकसिबैकबिदोर जजीमेतबैनटसालखीसाली ॥ मैनबियोग तगीरकह्यौ अबलायोलिखायसँयोगबहाली ॥ आवतहीवन सालीबिदेसतें बालकीओरलखेंसबआली ॥ वापियराईमेंआ बकैआज चढ़ीकछुऔरईभाँतिकीलाली ॥ ५ ॥ आनमिलेबि छुरेबहुद्यौसके प्रानप्रियाकविराजपियारे ॥ फूलेसमातनभौ नकेभीतर दंपतिसेजपरेरसभारे ॥ छूटिगेबारबिहारसमै गि रेमागतेंमोतीजुऐसेनिहारे ॥ होतसँजोगरह्योनपरयो सोवि

योगमनोअँसुवाअनुसारे ॥ ६ ॥ बालमलालविदेसहुए दुखदे
सीअईमनुकायकरांके ॥ जेपुरियाँकरआवतीनाहिनै तेपुरि
याँअईठौरवरांकै ॥ आलसवालविसूरतिताहिन आएसुनेय
हद्वारवरांकै ॥ कंपुकीसैंकुचयोंफरके सुगएयँदटूटितरांकत
रांकै ॥ ७ ॥

अथ परकीयाआगतपतिका यथा ॥

एकआलीगईकहिकानसैंआय परीजहाँमैनमरोरिगई ॥ ह
रिआएविदेसतेंवेनीप्रवीन सुनेसुखसिंधुहिलोरिगई ॥ उठवै
ठीउतायलचायभरी तनसैंछनमैंछविदौरिगई ॥ जेहिँजीवन
कोनरहौकुतीआस सजीवनसोरोनिचोरिगई ॥ १ ॥ आधि
छईछबिछीनदिनौदिन दौनअईमतिनैकुनाखोलति ॥ आईह
तेनतियाँकहिकै नितऔधिजसोलतिसोंटकटोलति ॥ सेखर
आएसुनेद्रुतहीं लखिनैनललामनसोंमनतौलति ॥ बोलिस
कोचनसोंनसकै अतिमोदभरीमनमाँवतीडोलति ॥२॥ एकैच
लैंरसगीरसलै अवएकैचलैंमगफूलबिछावत ॥ त्यौंपदसाक
रगावतगीतसु एकैचलैंउरआनदछावत ॥ त्यौंनदनन्दनिहा
रिबेकों नदगाँवकेलोगचलेसबधावत ॥आवतकाँह्नबनैवरसा
नेतें प्रानपरेसेपरोसिनिपावत ॥ ३ ॥ विरहागिसोंवेतौदवा
गिभई जरेजातहेअंगसुसोसिनीके ॥ सुनिसेवकजाकेविलाप
सोवैन नचैनहीकाह्नअदे।सिनीके ॥ पविसोहियकैसहेसज
नी अठपोहरूआहवेहोसिनीके ॥ घनरासहैंरंजदलेसवके भ
लेआहगैपीउपरोसिनीके ॥ ४ ॥

अथ गणिकाआगतपतिका यथा ॥

वैठीहिभूषनभेषबिसारेयौं प्यारेकोतीकेवियोगरहीव

षि ॥ बेनीजुतौलौंसुनायोयैंकाह्र किआयोबिदेसतेंपौरिगयो घसि ॥ लैपहिरेगहनेबरचोर कछ्रौअलिसेजकोछोरीदैतू कसि ॥ लोबेकोंलाखकरैअभिलाष करैकह्र'माखपरैकबह्र'हँसि ॥ १ ॥ आवतनाहउछाहभरे अवलोकिबेकोंनिजनाटकसा ला ॥ छैानचिगायरिझावहुँगी पद्माकरत्यौंरचिरूपरसा लां ॥ एसुकमेरेसुमेरेकहैयौं दूतिकहिबोलियोबैनरसाला ॥ कंतबिदेसरहेछौजितेदिन देडतितौसुकतानकीमाला ॥ २ ॥

अथ उत्तमानायिका लक्षण ॥

दोहा ॥ प्रियअहितकैअनहितकरै आपुकरैहितबाल ॥
ताहिउत्तमाकहतहैं जेकबिसुमतिरसाल ॥

जागेतेंआलसपागेलसैं कियेबासकोबाससोंबागेबसोले ॥ चंद नलाग्योउरोजनकोउर भालकेवन्दनभाललसोले ॥ भोरहो आएभरेरँगवौं रघुनाथसनेहकेसोचससोले ॥ देखतहोहिय पांयकैचैन मिलोगुनगोरिकेनैनरसोले ॥ १ ॥ आएकहूंतें प्रभातघरे लखिसोनकोबेंदोगरेंलपटाई ॥ सासुकेसैांहेंनवे लिसको उठिआरसोभीतरह्वैदरसाई ॥ बैठिगएमिसुकैपट ओढ़िगहेमनसेवकस्यामढिठाई ॥ कैसोतियाकीघनीछतियाँ कौअनीतिपियाकोखुलैनहोंपाई ॥ २ ॥ रातिकहूँरमिकैमन मोहन आगमप्राततियाघरकीनो ॥ देखतहीमुसुकायउठो चलिआगेह्वैआदरकैपुनिलीनो ॥ मोहनकेतनमैंमतिराम दु कूलसुनीलोनिहारिनवीनो ॥ केसरकेरँगसोंरंगिकै पटपीत कैप्रीतमकेकरदीनो ॥ ३ ॥ आएकह्र'ब्रजभूषनभोर तहाँबहु आदरमैचितदीनो ॥ आनतियाकेअधीनविलोकिकै मोहन

कोसनसोंछरोलीनो ॥ नेहदसाकेबढ़ाइबेकों रतनैसघुघाय कियोपरबीनो ॥ जासोंलगैक्तिलालकेनैन सोवालनुलाइबकों हितकीनो ॥ ४ ॥ प्यौपरआतपघाम्योतज कियोआदरप्यारीब डोअनुराग है ॥ पेंचढ़िलोंहिंसेपेखपिया पुनिआपनेहाथदईस जिपागहै ॥ चादरपोंछेकरोंछेसेओठ अँगोछतिलालखिलार कोदागहै ॥ आपहीहोतिनिछावरियोंकहि आजहमैं योंलखे बड़ेभागहै ॥ ५ ॥ हैंतोरहैंपियचेरीकोचेरीहौ जासेंसुखौतु अयौंसुखपाऊँ ॥ जासोंपग्योमनसोइकहौकिन दूतीह्वैताहि सुभायहील्याऊँ ॥ गूंधरजासोंजुप्यारकरी पुनिताहकेपाँयप लोटनधाऊँ ॥ आपनतीरसकेबसह्वैरहै हैंरिसिकैंक्यौं कलं कलगाऊँ ॥ ६ ॥ केसरिसोंउबटोसबअंग बड़े सुकातानकोसाँग सँवारी ॥ चारुसुचंपकहारहिये अतिओछेउरोजनकोछबि न्यारी ॥ हाथसोंहाथगहेंकबिदेवजू नायतिहारेईसंगसिधा री ॥ हाहाहमारीसोंसाँचीकहौ वहकोहतीछोहरीछोकरवा री ॥ ७ ॥

अथ मध्यमालक्षण ॥

दोहा ॥ हितकीनेहितकरतिजो अनहितकीनेरोस ॥
ताहिमध्यमाकहतहैं सुकबिसबैनिरदोस ॥

मध्यमा यथा ॥

प्यौरदच्छिक्रुद्धयेचितये कबिदेनेरहीललनामुखफेरे ॥ पीछेखरेकरजोरेंघरीक रहेहरिसोहनीकोरुखहेरे ॥ लीनेबो लायलगायगरें कह्योलालबसैतनमैंमनतेरे ॥ एबलिऐसेनबो लोबलायल्यों होतुमप्रानसजीवनमेरे ॥ १ ॥ औरकीओरतकै

जबप्यौ तबत्यौरीचढ़ाइचढ़ाइ रिसातिहै ॥ मीठोसीबातेंसुनैछि
तकी तबछीलछिलालनकोंललचातिहै ॥ जोअपराधकोलेस
लखैतौ नकैसहू रोसकोआनिबुझातिहै ॥ पाँवनप्यारोपरै
जबहीं तबहींगुनगौरिगरैंलगिजातिहै ॥ २ ॥ हैंरहीहँसिप
रेपगवै अगप्रेमकेसैपगधोरतहीबन्यो ॥ धीरसिखापनआपन
हूको बिसूरिबिसूरिबिसारतहीबन्यो ॥ मोहूमहीमतियानहू
कों सुनिकैपनहारनिहारतहीबन्यो ॥ छूटिगीमानभटूछिनमैं
हँसिकैहरिसोंबतराबतहीबन्यो ॥ ३ ॥

अथ अधमालक्षण ॥

दोहा ॥ पियबीहितहूकरततिय करैरोसबेकाज ॥
अधमातासोंकहतहैं सुकबिनकेसिरताज ॥

अधमा यथा ॥

ज्योंहींनचावैत्यौं नाचमचै पैकियेहूरहैनितनैननिचौंहैं ॥
रूखीसिबैठतिपीठिदैदै कबहूं मुसुकायचितैतनासौंहैं ॥ प्या
रोहहाकरिपाँयपरै कबहूंबरिआईनकैतिरछौंहैं ॥ प्यौमन
हायलियेईरहैपै तऊतियकीरहैंटेढ़ियेभौंहैं ॥ १ ॥ देवओर
हैनाहगुनाहबिना गुनगावैसदाँमुखआखरमै ॥ अतिसज्जन
साधुमहामनको जुबिनाअपराधधरैभरमै ॥ सपनेहू नओन
तियासुमिरै तबहूं नहँसेजमैनोकरमै ॥ तरपैजिमिबिज्जु
लसीपियपै भारपैकननायसवैघरमै ॥ २ ॥ ओउरआयरिआ
इबेकों रसरासकबित्तनकोधुनिछाई ॥ त्यौं पदमाकरसाहस
कै कबहूं नबिषादकीबातसुनाई ॥ सपनेहू नकीनोकबौं अपरा
ध सुआपनेहाथनसेजबिछाई ॥ प्यौपरिपाँयमनाईतऊ तऊ

पाप्रिमीकोंकछूपीरनाञ्चाई ॥ ३ ॥ रतिरंगकीचाहिरहैपटदाबि जरोरतिमेंाहविसानीरहै ॥ बसमाअरखाहिकुयेविछुकीसी है खावनकोपनिसानीरहै ॥ कविसेअकस्यामअथ्यानकी है सखिया मकीसीसविसानीरहै ॥ अपनेरचिरूपसिंगारनसों अरगानी अजानीरिसानीरहै ॥ ४ ॥

अथ नायकलक्षण ॥

दोहा ॥ सुंदरसुघरसुभावनो सुचिसुसीलसुकुमार ॥
नायकताहिबखानहीं जेकविसुमतिउदार ॥

अथ नायक यथा ॥

आनिकदंबकीछहिंगैसअटू कुजमंडलमैंअनेकनमोरहै ॥ देखतरीभरहीसिगरी सुखमाधुरीकाकछूनाहिनछोरहै ॥ वे नीप्रवीनविसालविलोचन बाँकीचितौनचलाँकोकोजोरहै ॥ साँचीकहैंबृजकीजुवती यहनंदलाड़िलोबड़ोचितचोरहै ॥ १ ॥ बाँसुरीकुंडलमोरपखा मधुरीमुसकानमरीसुखदैये ॥ बेनी पितंबरहारहरा भरोरूपसमुद्रकोपारनपैये ॥ नायकजान लखैंदोऊखै हमजानिकैवाहिकितीकवरैये ॥ वाहिसदैरिहि येलिनमोनिक देहैंकहाफिरिहैरिकहैये ॥ २ ॥ गुच्छनकेअ वतंसलसैंसिर पच्छनिअच्छकिरीटबनायो ॥ पल्लवलालसमेत छरी करपल्लवसोमतिरामसुहायो ॥ गुंजनकोउरमंजुलहार निकुंजनतेंकढ़िबाहिरआयो ॥ आजकोरूपलखेंबृजराजको आजुहीआँखिनकोफलपायो ॥ ३ ॥

दोहा ॥ सोनायकहैतीनविधि द्विजकविकरतबखान ॥
एकपतिउपपतिदूसरो वैसिकतीजोजान ॥ १ ॥

अथ पति को लक्षण ॥

दोहा ॥ वेदलोकविधिसोंभयो जाकोहोयबिवाह ॥
ताहीसोंपतिकहतहैं सबकबिभरेउछाह ॥ २ ॥

अथ पति यथा ॥

देखिसराहैंसबैमुखखोल अमोलमहाछबिसोंउलहीहै ॥
बेनीप्रबीनजूपूरनपुन्यतें ऐसीतियातबतासुलहीहै ॥ कौनगनै
नरभेवनकी बरुऐसीनदेवनकेंकुलहीहै ॥ जैसोछतीघनस्याम
होदूलह तैसियेराधामिलीदुलहीहै ॥ १ ॥ एहिंनजोतिजगै
कहैंगुर तामैलगैननगैऔचुनीना ॥ बेनीप्रबीनसबैतनकी
सुठिसुन्दरतासकैसेसगुनीना ॥ काकुरविंदमरिंदसोइन्दु प्र
भासुखओठसमानहुनीना ॥ ऐसीलहीदुलहीहैललातुम ऐसी
तीकाहूकिदेखीसुनीना ॥ २ ॥ ब्याहकेद्यौसहीतेंदिनहींदिन
प्रेमदुहूंकेहियेसरसातहैं ॥ गौनोभयोमयेदोऊनिहाल दुहूं
कोंदुहूंबकेबैनसुहातहैं ॥ बैठकएकहीठौरकियेसु दुहूंकोंदु
हूंछिनछोड़नजातहैं ॥ रातौदिनादोऊदेखैंदुहूंपै तऊनदु
हूंनकेनैनअघातहैं ॥ ३ ॥ मंडपहींमेंफिरेमेंड़रात नजातक
हूंलखिनेहकोऔनो ॥ त्यौंपदमाकरतीहिसराहत बातचलै
जोकहूंकछूकौनो ॥ एबडभागिनितोसीतुहीबलि जोलखिरा
वरोरूपसलौनो ॥ ब्याहहीतेंभएनाहलटू तबह्वैहैकहाअबही
यगौनो ॥ ४ ॥ तनकोतनकोउघरैपटऔघक संमुखकूपरो
पावतसे ॥ दिनमेंहूंलगेंईपगेंईरहैं भरेनैनकुहीलौंजगावत
से ॥ पहलाड़िलीलाजनजातगड़ी येरहैंअँखियानिगड़ावत
से ॥ बरगौनोलेआएललाजबतें तबतेंरहैंसोनोगढ़ावतसे ॥५॥

आसनएकपैआँनदसोंपियैं आपुसमैरसरूपविसासको ॥ मैर
मुनायनईतिहिंआँसर डालखियेकरफूलश्रीसाखको ॥ दीश्र
रहीदुनिहेरहुजूंको श्रीकौतुकएकअटूहिंहासको ॥ अंगके
रंगतेंअंगकोरंगभो गोरीकोसाँवरोगोरेगोपालको ॥ ६ ॥
दोहा ॥ सोपतिचारिप्रकारको प्रथमजानिअनुकूल ॥
अहदछिनपुनिधृष्टसठ सबैकहतरससूल ॥ १ ॥

अथ अनुकूललक्षण ॥

दोहा ॥ सपनमनहूंतेंचहतनाहिं जोपरतियअभिराम ॥
अपनीहीतियसोंरमै सोअनुकूलललाम ॥ २ ॥

अथ अनुकूलयथा ॥

लैकरमाँगहीलायफुलेल गुहैंगुनलालसोंवेनीबनावत ॥
हैडरलेवजबाहिरको चुनिचोपसोंचूंदरीलैपहिरावत ॥ देखी
हैंऔरसोंभागिनिकोतिको भागकोबातकहीनहींआवत ॥ रा
खतिजासुगराधिकापाँयँ तहाँहरिआगेहै फूलविछावत ॥१॥
कोहूंनहींबिसरैनिसिबासर अंदहूँसोसुखचंदउज्यारी ॥ त्यौं
हींदिपैअतिनेहसोंदेहको दीपकलौसमदीपतिन्यारी ॥ तेरि
यैजोतिजगैहियभीतर आवतऔरनरातिअँध्यारी ॥ नैनहूं
अबैननहूं तनहूंमनहूंकौतुहीअतिप्यारी ॥ २ ॥ एकहीसे
जपैसोवतहैं पदमाकरदोजमहासुखसाने ॥ सापनेमैतिय
मानकियो यहदेखिपियाअतिहीअकुलाने ॥ जागिपरैपैतऊ
यहजानत पौढ़िरहौहमसोंरिसठाने ॥ प्रानपियारीकेपाँपरि
कै करिसौंहँगरेश्रौगरेलपटाने ॥ ३ ॥

अथ दच्छिणलच्छण ॥

दोहा ॥ एकभाँतिसबतियनसों जाकोहोयसुप्रेम ॥
दच्छिननायककहतहैं तासोंकबिकरिनेम ॥ १ ॥

दच्छिण यथा ॥

मनमोहनकेगरेहारचमेलीको बालनवेलिनसोंचितयो ॥ कबिबेनीसुगंधसरूपभरो सबहीनकोप्रानलटूह्वैगयो ॥ एकबारकह्योसबही मिलिदेऊजू नेहनयोहरिव्योंतठयो ॥ खजूँओरकीओरिसैआरिपितंबर डोरहरेंकरतोरदयो ॥१॥ साँझसमैललनामिलिआईं खरोजहाँनन्दललाअलबेलो ॥ खेलनकोंनिसिचाँदनीमाहँ बनेनमतीमतिरासलहेलो ॥ आपनीआपनीपौरिबतायकै बोलिकह्योसिगरीननवेलो ॥ त्योंहूँसिकैवृजराजकह्यो अबआजहमारिहीपौरिमैखेलो ॥ २ ॥

अथ धृष्टलच्छण ॥

दोहा ॥ डरैनतियकीमानकों करैसदाँअपराध ॥
निलजधृष्टतासोंकहैं जेकबिसुमतिअगाध ॥ १ ॥

धृष्ट यथा ॥

ठानैमजाअपनेमनकी डरआनैनरोसहूँदोसदियेकी ॥ त्योंपदमाकरजोबनकेमदपैमदहैमदपानपियेकी ॥ रातिकहूँरमिआयोबरे डरमानैनहींअपराधकियेकी ॥ गारिदैमारिदैटारतिभाँवती आँवतीहैतहैहारहियेकी ॥ १ ॥ मारयोहैफूलकीमालनसों करबाँधिकैत्योंफिरिचौगनेचाइन ॥ सुंदरवासोंकितीखिझिये नतजैतऊआपनेसीलसुभाइन ॥ बाहिरैकाढ़िदियेदैकपाटहों पौढ़िरहीपढतानिगुसाँइन ॥ जौपल

सैपलखोलिकैदेखीति पाँयतेंबैठरोपखोटतपांइन ॥ २ ॥ आ
छिदियेवरतेंत्योंघरीघोसें पाँयनदेखिपरेछाखातहैं ॥ फूलकी
मालसौंबाँधेतज सुखकामवलकैतनकोमलकातहैं ॥ बातननें
छरपैयेकहा अक्रोरतछनघरीमरखातहैं ॥ लाजकोलेसन
होंमनमें नितमारकूमातकनकजातहैं ॥ ३ ॥

अथ शठलक्षण ॥

दोहा ॥ अंतरकपटभरोकरै बाहरतेंप्रियबात ॥

शठनायकतासोंकहैं जेकबिमतिश्रवदात ॥

शठ यथा ॥

करिकंदकोमंदहचंदमहूं फिरदाखनकीछरदागतीहैं ॥ प
हलाकरखादहधातेंसिरे मधुतेंलहालाधुरीजागतीहैं ॥ गिन
तीकहाएरीअनारनकी हम्ऍगूरनतेंअतिपागतीहैं ॥ तुलवातें
नसीठीकहौरिसमें मिसरीतेंमिठीहमैंलागतीहैं ॥ १ ॥ पाप
पुराछतकोप्रगटयो बिछुरयोतिहिंरातिभयोसुखघातहै ॥ जीव
नमेरोअधीनहैतेरेहि जीवनमीनकौंजैसेंनसीवातहै ॥ तोस
हियेभरसैनव्यथाहरु नातोमियासनमेपछितातहै ॥ जोतुमठा
नतीमानअयानती प्रानपयानकियेअबजातहै ॥ २ ॥ बेनीगु
होलरमोतिनकी भरोहूंगुरमागसनेहनिभोरी ॥ हारमनोह
रहोपहिराय रचेकरकंकनजेवरजोरी ॥ याबिधिरीतिसोंप्री
तिवढ़ाय बढ़ायप्रतीतिघरीचितचोरी ॥ धारतहोरसनांकटि
बीच खरोफुफुंदीकोफुँदोगहिछोरो ॥ ३ ॥

अथ उपपतिलक्षण ॥

दोहा ॥ करैनेहपरबधुनतें उपपतिजानोताहि ॥

प्रीतिकरैगनिकानतें बैसिकताहिसराहि ॥ १ ॥

उपपति यथा ॥

पाखिउँभरपाहरोपेरिघरीपलकों मूँसिकेघूँघुरघेरोफिरै ॥
तरुनालीरोलापलीपैंपढ़िकै क्रूपसूँगकेबीचदरेरोफिरै ॥ प
खिनीलुखचाड़भैठोठीकिवाड़नि मूँड़िलुधारपहेरोफिरै ॥ लट
कोगनकेघरिफूलैजहाँ अटकोलनसेरोनफेरोफिरै ॥१॥ गुरुलो
गनमोलगीवासघनी सँगहीलैचवाहूनकोगनहै ॥ इतलैनसोंचै
नलिहैनगरी बलपैनकेप्रानगहेतनहै ॥ कहिसेवककासोंकहा
कहिये पहाकोजियेसोजुगज्योंछनहै ॥ लिखिदेकोनहींबनि
आवतिराम मयोचहेबावरोसोमनहै ॥ २ ॥ कलकोकितकै
सेकहाँनलखैं नितऐसीव्यथाजियजागतीहैं ॥ नगनायगुनाय
जनायजनाय बनायवहीरँगरागतीहैं ॥ कसकैनसकैंकढिकैव
हूँसेवक सोहनपैंदिलदागतीहैं ॥ परतीनकोसैनसुधासोंभरी
बरछीनतेंसोगुनीलागतीहैं ॥ ३ ॥ लोककोसंकससंकितलोच
न वेदुखमोचनकोरनढारिबो ॥ किंकिनीकोधुनिघोरसुनै अ
नधीरह्वै छायनताहिसुधारिबो ॥ नूपुरकेघुंघुरूनकोघोरन
छोरनिलैचितकोगतिपारिबो ॥ हैजगजीवनकोफलजीवन ऐ
सोनवेलीकोंनित्तबिहारिबो ॥ ४ ॥ नवलाकोबिलोकिरहैसु
खचंद वन्योजोबिभूषनसोंभलहै ॥ सरकंजपमालसनीलटो
उतें चप्योभुजमूलनकोतलहै ॥ कुचतुङ्गसोंनेमसहैउरको सुनै
माधुरेबैननकोछलहै ॥ नबिरामगहैपलसेवकराम इतोजग
जीवनकोफलहै ॥ ५ ॥ छपिकैछपामाहिँसहेटमैजा अधरार
सलोनोलयोजोनहीं ॥ जिनकेलखिहोबनभावनकों नलखेंवि
रहासोंछयोजोनहीं ॥ हनुमानकहैरिससैंलखिकै परिपाँयन

पैंभिनयोजोनहीं ॥ पनतीनसैकौनकियोसुखजो परसीनसैली नभयोजोनहीं ॥६॥ जिनकेसुखइन्दुबिलोकनकों दिनरैनगली नसैफेरोकियो ॥ जिनकेलियेपाँयनपैंपरिकै सखीदूतिनकोर् षहेरोकियो ॥ हनुमानदियोसुखतोसिगरो परकीयनकोजपै चेरोकियो ॥ विधिकोविपरीतिकहैंासैकहा अपनोदिनछाय नमेरोकियो ॥ ७ ॥ वानिरसोहिनिरूपकीरासि जोजपरिकै उरआनतिह्वैहै ॥ बारहूंबारविलोकघरीघरी सूरतितोपहि चानतिह्वैहै ॥ ठाकुरयामनकीपरतीतिहै जोपैसनेहनामान तिह्वैहै ॥ आवतहैंनितमेरेलिये इतनोतोविसेषहूजानति ह्वैहै ॥ ८ ॥ गतिमेरीयहीनिसिवासरहै नितनेरीगलीनको गाहिबोहै ॥ चितकोह्नोकठोरकहाइतनो प्रियातोहिनहींयह चाहिबोहै ॥ कहिठाकुरनेकुनहींदरसो कपटीनकोकाहसरा हिबोहै ॥ मनभावैतिहारेसोइकरिये हमैनेहकोनातोनिबा हिवोहै ॥ ९ ॥ दिलसाँचोलगैजिहिँकोजिहिँसो तिहिँकोंति तकोंपकूँचावतुहै ॥ बलिहंसचुनैसुकताइलकों अरुचातक स्वातिकोंपावतुहै ॥ कबिठाकुरयेंानिजभेदसुनो अरुआवत सोंसरुआवतुहै ॥ परमेसरकीपरतीतियही मिल्योचाहत ताहिमिलावतुहै ॥ १० ॥

अथ वैसिकउदाहरण ॥

भैंारभयोभरसैमदअंध सुगंधभाकोरनकीभकभोरमै ॥ मा नोसुधाकेसमुद्रपरयो अँकवारसमैसिसकोनकेसोरमै ॥ भूलि रह्योलखिभैंाहकेभाय रह्योठहरायउरोजकेठौरमै ॥ बारब धूकेविलासबँध्यो सुकहौसनकैसेलगैतियऔरमै ॥ १ ॥ कुन्द

नसोतनचंदसोआनन काननमैंसुकतानकीबारी ॥ देखतआरसीपाननखात सुजासनोसुन्दरढारतेंढारी ॥ ऐंठीसीआँखअमेठीसीभौंहनि पैनेकटाच्छलटैंसटकारी ॥ बारबधूयोंबिलोकतप्यारेजु देनकौंमोतीकिमालउतारी ॥ २ ॥ छोरतहीजुछराकेछिनौछिन छाएतरंगउमंगअदाके ॥ त्यौंपदमाकरजेसिसकीनके सोरघनेसुखमोरिकजाके ॥ देखनधामघनीअबते मनहींमनमानिससानसुधाके ॥ बारविलासिनितीकिजपै अखराअखरानखराअखराके ॥ ३ ॥ निजबालमैंसेवकसूधियैचालन ख्यालयोंमीनघजाकीकरै ॥ परनारिसोंऔनरहैमनमारि चुकीपरसंगसजाकिकरै ॥ गनिकाघनिहैंजोनचैरचैराग विहागमेरंगरजाकीकरै ॥ जुतहावनभावनतेंअँगअंग तरंगअनंगमजाकिकरै ॥ ४ ॥

दोहा ॥ औरोंबिबिधिबखानहीं नायकभेदप्रमान ॥
सानीबचनचतुरअरु क्रियाचतुरसतिमान ॥ १ ॥

अथ मानीयथा ॥

साँझगएउठिआवतभोरही जानतिहैंहुमहूंभएमानही ॥ जाहिव्यथासोकहोईचहै तुमदेतनहींइनबातनकानही ॥ रूठिकैपीठिदैबैठिरहै हियवाकिजगावतकोपकसानही ॥ चाहियेवाहिकीमानकरै उलटेतुमहींअबठानतमानही ॥ १ ॥ दीजियेदोसकहाकहिकै वहजायपरीपहिलेकरचीठी ॥ होजोलिखीउनलोयनकींमसि लागतिलालतुम्हैवहसीठी ॥ औउलटेतुमहीपुनिरूठन कानकरैंकीहँभाँतिबसीठी ॥ जाउरपित्तमकोपभयो सुखलागतदाखदिनेसनासीठी ॥ २ ॥ रोषर

च्योतियद्योपतिहारेहू प्यारेकरोरसराखिपरेखो ॥ पाँयनह्वं
परिप्यारीमनाइये प्रीतिकीरीतिहैवंकविसेखो नेकतिहारेनि
हारेविना कलपैजियक्यौं पलपौरजलेखो ॥ नीरजनैनीकीनी
रुपरेखिन नीरदसेदृगनीरजदेखो ॥ ३ ॥ बालविहालपरीकव
की दवकीयहप्रीतिकीरीतिनिहारो ॥ त्यौंपदमाकरहैनतुम्हे
सुधि वैरीवसन्तजोकीह्नबगारो ॥ तातेंमिलोमनभावतीसोंच
लि ह्याँतेंहहावचमानहजारो ॥ कोकिलकीकलवानिसुनै
सुनिसानरहैगीनकाह्नतिहारो ॥ ४ ॥ बातह्विबातदैपीठिपि
यां पटियालगिमानजनावनलाग्यो ॥ ज्यौंज्यौंकरैमनुहारि
तिया रुखतीखसुत्यौंत्यौंरुखावनलाग्यो ॥ चूकपरीसोपरीव
कसोयह प्रानहैराखेपाँयनलाग्यो ॥ लीजियेसोहिउढ़ायहि
येबिच आंवनगोरजड़ावनलाग्यो ॥ ५ ॥

वचनचतुर यथा ॥

राजननंदबबानजसोमति न्यौतिगएकह्वंलैसँगभारी ॥
हैंह्वंइतैपदमाकरपौरिसै स्लनीपरीबखरीनिखिकारी ॥ देखै
नक्योंकढ़ितेरेसुखेतसे बायगईह्वकुटिगायह्मारी ॥ ग्वालसोंबो
लिशुपालकह्यौसो गुवालिनिपैसनोमूठिसोडारी ॥ १ ॥ उ
ठिभोरहीं आवतीहौतितह्वै जितहौसह्वसेतसछायरह्यो ॥
सँगकाहूतोलेजुलगायअहो काहियेकहासानतीहोनकह्यो ॥
कहीकोसुनिलैहैपुकारिकोकाह्न अचानकजोठगआयगह्यो ॥
तुमसूनेतमालकीकुंजकीगैल अकेलिहीवेचनजातदह्यो ॥ २ ॥

अथ क्रियाचतुर यथा ॥

देखिबिनावृषभानदुलारिकों भावैहरीकोंखरीकुधरीना ॥

कामचढ़ेकबिराजकछू व्रजराजसमाजमेंआएडरौना ॥ राधे
बिलोकिसखीनमैंस्याम सुभाँहनिमैंकछिऐसीकरौना ॥ प्यारे
गहीवनमालगरेंतर प्यारीगह्योकरकानतर्यौना ॥ १ ॥ एक
समैंदिनआकअलीनमैं सुन्दरबैठीहीराधिकारानी ॥ आए
तहाँपियसैनदई अखिप्यारीचितौनिमैंचातुरीठानी ॥ तेहुअ
सेतकटाच्छकरे तिनमैंसमजोक्ककीभाँतिहैआनी ॥ जानिगए
हरिऔधिबताईहै नैननहीमैंनिसाकीनिसानी ॥ २ ॥ बैठीकु
तौगुरुलोगनिमैं तहाँसंगसखीलियेस्यामसिधार्यो ॥ अंगही
अंगअनंगतरंग तरंगहीमैंएकरंगबिचार्यो ॥ तौरिलयोकरतें
करऔफल वामृगलोचनीआगेउछार्यो ॥ फूल्योसरोजसरोज
मुखी मलिकाकरकै अलिकाकरिडार्यो ॥३॥ नंदलालगएति
तहीचलिकै जितखेलतिबालसखीगनमैं ॥ तहाँआपुहीमूंदे
सलोनीकेलोचन चोरमिहीचनीखेलनमैं ॥ दुरिबेकोगईसि
गरीसखियाँ मतिरामकहैइतनेछनमैं ॥ सुसुकायकैराधिकैकं
ठलगाय छप्योकहूं जायनिकुंजनमैं ॥ ४ ॥ इतनाइनकीघरहा
इनहूकै लोगाइनमैंचलिजायोकरैं ॥ उबटैंअसिअंगअनंगसौं
सेवक तेलफुलेललगायोकरैं ॥ कहूंऔसरपायलजोलिनकौं
रतिरंगकेसंगसतायोकरैं ॥ हरिऐसेअनोखिनएरसिया मन
भायोकरैंबचिआयोकरैं ॥ ५ ॥

अथ प्रोषितलच्छन ॥

दोहा ॥ व्याकुलहोइजुबिरहवस बसिबिदेसमैंकंत ॥
ताहीसोंप्रोषितकहत जेकोबिदबुधिवंत ॥ १ ॥

प्रोषित यथा ॥

लखिहूँमोसखीलआलिंगनकै मदनागिनिकीव्यथाखोतीर
ही ॥ सुधुकानिभरीबलिबोलनितें श्रुतिमाहिँपियूषनिचोती
रही ॥ द्विजपानप्रियामोसनेहसनी छतियाँलेंलगीसदाँसोती
रही ॥ तजिताहिविदेसबसेतियजो कबहूँपलओटनहोतीर
ही ॥ १ ॥ वाकोविलोकियेजोमुखइन्दु लगैयहइन्दुकहूँलव
लेसमै ॥ बेनीप्रवीनमहासरसैछबि जोपरसैकहूँस्यामलकेस
मै ॥ सोमनसोंघिउसासलैलै निसिवासरहैपरोसैनकलेसमै ॥
प्रानपियारीबिहायकैहाय अनाहकआनिपरेपरदेसमै ॥२॥
सुखभावनभूषितजाकोविलोकि नचंदकीओरचितैबोभलो ॥
अधरामृतपानकैसेवनजाके पियूषसोंकौनहितैबोभलो ॥ जे
हिँलायकैअंकनिसंकद्ई नपरीनकोरंकमितैबोभलो ॥ धिग
ताकेबिनापलकोतजिकै नवियोगमैवैसबितैबोभलो ॥ ३ ॥ ल
खिलोजियेसाँपनकौं सोछिवोरि भईसुनिसंकजोरागिनिहै ॥
नछुवैजमत्रासनतेंजरिवेको बढ़ैतवआसुचभागिनिहै ॥ कछुको
कछुगायेपुराणनमै जोकहौंसोईबातअदागिनिहै ॥ गरबाँ
धिकैसबकवूड़ग्रोवियोगी नवारिधिमैवड़वागिनिहै ॥ ४ ॥ साह
सदैहँसिकैरसकेमिस मागीबिदेसबिदामृदुबानिसों ॥ सोसु
निबालगईसुरझाय दहीबनवेलिज्योंघोरदवानिसों ॥ बैनग
रोछियरोभरिआयोपै बोलिनआयोकछूबासुजानिसों ॥ सा
लैअजोंउरमाहिँगड़ीवे बड़ीअँखियाँउमड़ीअँसुवानिसों ॥ ५ ॥
जामभरेदिनहैचलिबो सुनिप्यारीनिसासबरोवतखोई ॥ हौं
कह्योरोइयेनजैयेघरे यहरोइबोतासुनिहैंसबकोई ॥ सोईनेवा

अमदाँ सुखिसालति लाजसकैकैचलोपगहोई ॥ आखिकदूरि
लोंजायचितै पुनिआवनरैलपटायकैरोई ॥ ५ ॥ हगलालवि
सालउनीदेसछ सरदीलेलजीलसेपेखहिँगे ॥ अबधौंबिधुरीख
घरीअलकै आपकोपलकैंअवरेखहिँगे ॥ कविसंभुसुधारतिभूष
नभेप त्रिलोकनिधौंजगलेखहिँगे ॥ अँगिरातिउठौरतिमंदिर
तैं कहधौंवहआँवतीदेखहिँगे ॥ ६ ॥ लालप्रवालसेओठरसाल
असौरूपानकोतापबुझैहैं ॥ श्रीफलसेवरजोरकठोर उरोज
कीओरलजाशलगैहैं ॥ कुन्दनकाँतिसेलोलकपोल अमोलन
चूमिकैलालबढ़ैहैं ॥ फूलनकीपरजंकपैपौढ़ि मयंकमुखीकब
अंकलगैहैं ॥ ७ ॥ भीतरतेंउठिआवतदेखि कबैवहबालभुजा
भरिलैहैं ॥ सेखरकंठलगायकैपीछेतें आनदकेअँसुवानिअन्हवै
हैं ॥ कंतभलेभलेबोलकेसाँचे कहचोतुमहीहमवादिनऐहैं ॥
औधिगएचोंतियाघरजाय कबैहमहायओराहमीपैहैं ॥ ८ ॥
पीरोइरूपकियेअपनो ममतीयसरूपहिँयादकरावति ॥ का
मकीलायलगायहिये तनतायकैमोहिवियोगजगावति ॥ कौ
नलईयहरीतिनई बिपरीतभईबिरहीनसतावति ॥ मैडरसों
करलोंपरसोंनहीं तूंअरलोंअरसोंहिंचलावति ॥ ९ ॥
दोहा ॥ दरसनआलंबनहिँमे कहिकबिनयेधारि ॥
श्रवणचित्रसपनेहिँबहुरि चौप्रतच्छनिरधारि ॥ १ ॥
ताकेक्रमतेंहेतहों उदाहरनइहिँठौर ॥
जेपण्डितभाषानिपुन सुदितहोवकरिगौर ॥ २ ॥

अथश्रवणदरसन ॥

राधिकासौंकहिआईजोतूसखि साँवरेकीमृदुमूरतिजैसी ॥

ताछिनतेंयहलालरताहि सोछलकछूनविसूरतिवैसी ॥ आ नकुंनीरजरीचनकोघटा चाँखिनसेरहीआनिछनैसी ॥ ऐसीस ईसुनिआलकथा जोविलोकहिगीतबहीयगीकैसी ॥ १ ॥ हैं लखिआईअरीतबहीं यहसाँवरोनंदललावडुभागी ॥ सोबर न्योनखतेसिखलों सुनतैहुनकोमतियोंअनुरागी ॥ सेवकवो लैनबोलेहुगै अंगडोलेनऐसीलसंद्रसैलागी ॥ पेखनकेसबले खनछोड़ि निसेखनमूंदिकैदेखनलागी ॥ २ ॥ साँवरोसुन्दर रूपअनूप रसालबिसालबड़े बड़ नैनरी ॥ याअनआवतगैयनकै नितदेवदेखैयनकोंसुखदैनरी ॥ सेहूँसुनीसुकहाकहौंलाज की बातकहौंसखितूकहियेनरी ॥ बाजगबंचकदेखेबिना दुखि याँअँखियाँनिसरंचकचैनरी ॥ ३ ॥ काहूरकीनितसंभुकथा सुनिकैहूसियाजिनीकौतुकपागी ॥ सोवतजागतहूजोअनैसन लेअनसोहनकेरँगरागी ॥ हंतकोहागदियोपियध्यानसैं ध्या नहींतेंतबसोवतजागी ॥ आपुदियाढिगआरसीलै अधराअ धरातकदेखनलागी ॥ ४ ॥

अथ चित्रदरसन यथा ॥

मूरतिसोहनीसोहनकीलिखि धारीजहाँसखियाँनकीभीरैं बेनीप्रबीनविलोकतिराधिका चित्रलिखीसीअहैतिछितीरैं ॥ जोरीकिसोरीकिसोरकीरीझ सराहरहीहैंगुवालिगँभीरैं ॥ चित्तचितेरीरहीचकिसी जकिएकतेंहुगईहैतसवीरैं ॥ १ ॥ नरकीरचनामेहूतीढँगुहै मनआसकीपूरतिसोहैगई ॥ कस हौयगीसाँचोसरूपजहाँ विधिकीबेसहूरतिसोहैगई ॥ यह बातबिचारतसेवकहै हियरेमेकछूरतिसोहैगई ॥ लखिरा

मित्राकोरँगमूरतिकोँ हरिमूरतिमूरतिसीह्वैगई ॥२॥ चि
त्रहीमंदिरतेंएकसुंदरी कढ़ीनिकसैजिह्नैनेहलसाहै ॥ ज्योंपद
माकरखोलिरहीदृग बोलैनबोलअडोलदसाहै ॥ भृङ्गीप्रसंग
तेंभृङ्गहोहोत जुपैजगमैजड़कीटमहाहै ॥ मोहनमित्रको
चित्रलखेंभई चित्रहीसीतीबिचित्रकहाहै ॥ ३ ॥ ज्यौंतिगईब्रष
भानलली ललिताकेजहाँपतिप्रीतिपढ़ीहै ॥ भीतमैभीतमैदे
खिलखे नवलाकेहियेनवलाजबढ़ीहै ॥ आँखिनभीजीसीअंग
पसीजीसी छोभनछीजीसीमोहमढ़ीहै ॥ चौंकीचकीसखकीन
सकीचितै मित्रकीमूरतचित्तचढ़ीहै ॥ ४ ॥

अथ स्वप्नदर्शन यथा ॥

सोवतिनीलतिथासपनेपिय आइकुईछतियाँभयभारी ॥
चौंकिपरीचितचेतीचितैचहुँ आँसूउसासनिसौंनसम्हारी ॥
कोहैकहाहैकहैनकहाभयो योंकहिदेवसहेलीपुकारी ॥ नीवी
दुहूंकरदाबिरहीसु गहीउठिपायँपलोटनहारी ॥ १ ॥ आवत
सेहरिकोसपनेलखि नेसुकबाटसकोचनछोड़ी ॥ आगेह्वैआ
ड़ेभएमतिराम चलीसुचितैचखलालचओड़ी ॥ ओठनिकोर
सलेनकोंमोहन मेरीगहीकरकंपतठोड़ी ॥ औरभटनभईकछ
वात गईहूतनेहींसेनींदनिगोढ़ी ॥ २ ॥ सोवतआजसखीसप
ने द्विजदेवजूआयमिलेबनमाली ॥ जौलोंउठीमिलिबेकोंहँमा
य सोहायभुजानभुजानपैघाली ॥ बोलिउठेयेपपीहनतौलगि
पीवकहाँकहिकूरकुचाली ॥ संपतिसीसपनेकीभई मिलिबो
बृजराजकोआजकोआली ॥ ३ ॥ मोहनआएइहाँसपने सुसु
कानसेवातविनोदसोंवोरो ॥ वैठीऊतीपरजंकमैहौंऊ उठी

मिलिबेकँहँकैमनधीरो ॥ ऐसेमेंदाउबिसासिनीदासी जगाई
डुलायकिँवारजँजीरो ॥ झूंठोभयोमिलिबोबृजराजको हरी
गयोगिरिहाथकोहीरो ॥४॥ भेंटतहीसपनेमेंभटू चखचंचल
चारुअरेकेअरेरहै ॥ त्यौंहँसिकैअधरानछुपैं अधरानधरेतेध
रेकेधरेरहै ॥ चौकीनवीनपकौउभकी सुखसेदकेबुंदढरेकेढरे
रहै ॥ हायखुलीपलकैंपलमै दिलमैअभिलाषभरेकेभरेरहै ॥५॥
धायकेअंकमेंसोंईनिसंक सुपंकजसीअँखियानिझकाझकी ॥
यौंसपनेमेंमिलीअपनेपिय प्रेमपनेछबिछीकीछकाछकी ॥ ठा
ढ़ेहीठाढ़ेगहीभुजगाढ़ेसु बाढ़ीवधूकेहियेमेंसकासकी ॥ देव
जगीरतियाँछगई नतियाकीगईछतियाँकीधकाधकी ॥ ६ ॥
सपनेमेंगईसखिदेखनहौं सुनौनाचतनन्दजसोमतिकोनट ॥
वासुसकायकैभावबतायकै मेरोईऐचिखरोपकरौपट ॥ तौ
लगिगायरँभाँयउठी कविदेवबधूनमथ्योदधिकोमट ॥ जागि
परीतौनकाहूकहूं नकदंबकोकुंजनकालिंदीकोतट ॥ ७ ॥
औचकआनिगह्योअँचरा त्यौंनहींनहींबोलगीजपनेसै ॥
हाथनसोंझिझिकारोकियो परीहौंकछुऐसेअयानपनेसै ॥ वे
तोकिसैकोकियोअनुराग अभागकहौंलोंकहौंअपनेसै ॥ जा
हिबखानतहीनिसिद्यौस सोसाँवरोआजुमिल्योसपनेसै ॥८॥
सोवतमैंसखिजान्योनहीं वहसोवतमेंघरआयोहमारे ॥ पीत
पटीलपटीकटिमै अरुसाँवरोसुंदररूपसँवारे ॥ देवअबैलगि
आँखिनतें वहबाँकीचितौनिटरैनहींटारे ॥ चोरिलियोचित
ओसपने वहिँचोरहीसोरपर्योवनवारे ॥ ९ ॥ ह्वैसपनोपिय
कोपियआय दईकरलायबनायबिरीत्यौं ॥ चूमतहीचखचैं।

खिंचितैचलि सेजतैंभूलिलैघूलिगिरीत्यों ॥ देवजूद्वारकिवार नहु आवरीनसों खोलिझाँकिफिरीत्यों ॥ दौनह्नैकौनजराकी मझेत फिरैफरकोंपिँजराकीचिरीत्यों ॥ १० ॥ बितानतनेज हाँफूलनकी दुतिलारदजोन्हसीजोतिअमन्द ॥ प्रियासपनेमैं लखीकविदेव सुजानीभलेमिटिहैदुखदन्द ॥ अतिसौंधेसुवास सुगंधनके नवहींकोजकूकिउठ्योमतिमन्द ॥ खुलीअँखियाँ तौनचन्दमुखी नचँदोवानचाँदनीचंदनचन्द ॥ ११ ॥ सोवत हीसपनेलख्योलाड़िलो घूमतघोरघनेबदरानकों ॥ तासमैप्यारे कलोललितासौं बुलायहहाकैवडेअदरानकों ॥ ऐसेसे लावमिलावबढ्यो जेहिँके छेउरोजलगेगदरानकों ॥ योंसुनि चादरसूडतेंघ्रोढ़ि सुदंतनिदाविरह्योअघरानकों ॥ १२ ॥ साँभसलैविहुसाँवरकी अवलाअतिह्वैअनुरागलचाटी ॥ सोवत स्यामलिलेसपने सबजागतरैनकथाकहिकाटी ॥ वानकहैजौं विलासकीनेलिकौ वातसवैमिलिदोउनठाटी ॥ द्यौंकिपरीघ नकीगरजेसु रहीगहिपर्यंकपर्जंककीपाटी ॥ १३ ॥

अथ प्रत्यक्षदर्शन यथा ॥

लाघेमनोहरमोरलसै पहिरेहियमैंगहिरेगुंजहारनि ॥ कुण्डलमंडितगोलकपोल सुधासमबोलविलोलनिहारनि ॥ सोहतरीकटिपीतपटी मनमोहतमंदमहापगधारनि ॥ सुंदर नंदकुमारकेऊपर वारियेकोटिकुमारकुमारनि ॥ १ ॥ कानन कुण्डलमालगरें संगमंडितगोपनकेकुंवरेटा ॥ देवगयंदसेआ वतमंदसे देखुरीचंदसेनन्दकेबेटा ॥ कामकोदूतीपढ़ावततूती वनीपगजूतीवनातलपेटा ॥ पीरोझगापटुकाबिनछोर छरीक

रलालजरीसिरफेंटा ॥ २ ॥ आईभलेहींचलीसखियानमै
पायगीबिन्दकेरूपकीझाँकी ॥ त्योपदमाकरहारिदियो गृह
काजकहाँअरुलाजकहाँकी ॥ हैनरुतीसरुलीमृदुमाधुरी बाँ
कियेमैंहैंविलोकनिबाँकी ॥ आजकीयाछबिदेखिभटू अबदे
खिबेकोंनरह्योकछूबाकी ॥ ३ ॥ बारिकैलाजबिसारिकैकान
निहारिलैआवतनन्दकिसोरहै ॥ देखिबनैकढ़िआननतें मुस
क्यानवसीअँखियानिकीओरहै ॥ कानमैखोंसेरसालकीमंज
री मंजुरीगूंजिरह्योडूमिभौंरहै ॥ मानोतियानिकोकानिपैं
कोपि कियोकछिकामकमानटकोरहै ॥ ४ ॥ भौनतेंगौनकि
योझुतोकुंजकौं पुंजसखीनकेसाथठईरी ॥ सामुहेंभेंटभई रि
पिनाथ लख्योमनमोहनमैनमई री ॥ छोड़ीनलाजछपायकैअं
चल घंघटओटपिछौंड़ीभई री सौजतिहाथहियेपछितात सौ
पीठमैदीठिदई नदई री ॥ ५ ॥ भौनभरेमेपरेहरिआय क
ह्योसजनीनदुरोचहुँओरसों ॥ कैरहीघूंघुटघूंटहियेदुख घूं
मतिअंगनिमैनमरोरसों ॥ बेनीचलीनचकौथहराई लगी
चितचंचलछैलकिसोरसों ॥ ओठनिऐंठिगई फिरिवैठिदै पी
ठितिरीछेचितैदृगकोरसों ॥६॥ देवअचानभई पहिचान चि
तौतहिस्यामसुजानकेसोंहैं ॥ लालचलालचितौतलगी ल
लचावतलोचनलाजलगोंहैं ॥ प्रेमपुरानेकोबीजउठ्योजसि
छौजपसौजहियेउमगोंहैं ॥ लाजकसौउकसौनउतै झुलसौअँ
खियाँबिलसौंकछूभौंहैं ॥ ७ ॥ भारतहौबन्योयेहीमतो गुरु
लोगनकोडरडारतहौबन्यो ॥ हारतहौबन्योहेरिहियो पद
माकरप्रेमपसारतहौबन्यो ॥ वारतहौबन्योकाजसबै बरुयोंमु

रुचंदनिहारतहीवन्यो ॥ टारतहीवन्योघूंघुटकोपट नन्दकुमा
रनिहारतहीवन्यो ॥ ८ ॥

अथ उद्दीपनविभाव लक्षण ॥

दोहा ॥ जेहिँचितवतहीचित्तमे रसकोहोयउदोत ॥
उद्दीपनसु विभाववे कहतकविनकेगोत ॥ १ ॥
सखि दूती उपवन पवन पट ऋतु मलयसुगंध ॥
चंदचाँदनी सुमनवड रंगराग स्वच्छन्द ॥ २ ॥

अथ सखीलक्षण ॥

जासोंतियनिजहीयको राखैकछुनदुराव ॥
ताहियखानतहैंसखी जेरसग्रन्थकविराव ॥ ३ ॥
मंडन सिच्छाकरन पुनि उपालंभ परिहास ॥
चारिकाजयें सखिनके तेसबकरतप्रकास ॥ ४ ॥

मंडन यथा (सिंगारना) ॥

येअँखियाँबिनकाजरकारी अन्यारीचितैचितमैचपटैसी ॥ सौठीलगैजिहिँकीकिलबात सुनैसबसौतिनमैदपटैसी ॥ प्यारीनिहारियैएड़ीलसैं बिलुपावकजावककीलपटैसी ॥ अंगनितेंबिनहीँअँगराग सुगंधभकोरनकीभपटैसी ॥ १ ॥ मंजनकै दृगअंजनदै मृगखंजनकीगतिदेखतभूली ॥ वेनीप्रवीनअभूषन अंबर औरऊअंगनकैअनुकूली ॥ राधेकोंआजसिँगारप्रोसखी न तिलोककोकोउतियासमतूली ॥ सोनेकिवेलिसुगंधसमूह मनोतुकतासनिफूलनफूली ॥ २ ॥ सागसवाँरिसिहारिसबा रनि वेनीगुहीजुछवानिलोंछावै ॥ त्यौं पदमाकरयाबिधिऔर हू साजेसिँगारजुसग्रामकोंभावै ॥ रीझैंसखीलखिराधिकाको

रँग जाअँगजोगहनोपहिरावै ॥ होतयोंभूषितभूषनगात ज्यों
झाँकतैजोतिजवाहिरपावै ॥ ३ ॥ प्यारेकोआनिमिलापसखी
सब सौरभलैउबटेसुखदेनी ॥ बोरिकैजलसोंअन्हवाय कै
छबिछावहियोहरिलेनी ॥ भूषनसोंसबभूषितकै रघुनाथदैअं
जनआँखिनपेनी ॥ रीझकीबातसुनावतिजाति रिझावतिरी
झिबनावतिवेनी ॥ ४ ॥ भूषनजेवजरायनकेवर सुंदरिकेसबअं
गसँवारे ॥ हीरबसाजनहासुकुमारसे वारसेवारबनायसुधा
रे ॥ कुंकुमसोंरचिकंतकेदन्तनि योलकपोलनिहोसेनिहारे ॥
दर्पनदेखतहीसखिकैकुच कुंभदोजजलजातसोंसारे ॥ ५ ॥

अथ सिक्षाकरन यथा ॥

वैठेकहैंतबबैठियेपास कहैंउठिजानतौजाइयोनीके ॥ सो
यरहौरघुनाथकहैं सँगसोइयेलायकैहीयसोंहीके ॥ पाँयप
लोटियोकीजियेबाय सुभायसोंदीजोमिलायकैजीके ॥ दैहो
महासुखसीखसुनोयह याबिधिसोंकरियोबसपीके ॥ १ ॥ वैठ
लगीगुरुलोगनकेढिग बातसबैकीविचारिकहौगी ॥ पीतम
केमनकीकरिहौ तबतौधनसैधनिहोयरहौगी ॥ गोकुलनाथ
कोंहाथसैराखिये तौसबसौतिनसैनिबहौगी ॥ हौगरुईगरु
वेगुनकी गरुवापनसोंसनमानलहौगी ॥ २ ॥ आँकतौहोका
आरे.खिलगी लगलागिबेकोइहाँझेलनहौंफिर ॥ त्यौंपदमा
करतौखिकटाच्छनिकी सरिकोंसरसेलनहौंफिर ॥ नैनलहौं
कोबलाघलिके घनेघायनकोंकहूंतेलनहौंफिर ॥ प्रीतपयोनि
धिमेंधसिकेहँसिकैकढिवो हँसीखेलनहौंफिर ॥३॥ वारहौगोर
सबेचिरीआजतू माथकेमूड़चढ़ैमतिमौड़ी ॥ आवतजातसैहोय

नोहँमे अटूजमुनाजतरैंछलोंछोडी ॥ ऐसेमेभेंटतहीरसखा
न ह्वैहैंयाँखियाँछिनमाजमनीड़ी ॥ एरीवलायल्यौंजाबगीवा
ज अवैवृजराजलेहमोढ़ोंढ़ी ॥ ४ ॥ कुलकाजगयाँअबनाथ
नहाथल्यौं पायन्यथाकौचितातरङ्गगी ॥ मढ़नोकौकहैतीघुलेरह
री नरतीवहगौतिनिकारङ्गगी ॥ अवतीढूढ़िहौंजोवनचोमलैछा
ड़िन नाकेसाथसिधारङ्गगी ॥ दिगचीतकछूअहलारीमटू
येहलारियेवातेंविचारङ्गगी ॥ ५ ॥ सुनतीहौकहाअजिजाऊ
हरैं रिधिजाङ्गलीलैनकेवाननिसै ॥ यहवंसीमैवाजअरीविष
सोंविषसोवगरावतिप्राननसै ॥ अवहौंसुधिभूलिगौलेरीमटू
अभरौजनिसोठौलिगाननसै ॥ कुलकानिजौआपनीराख्यौच
हौ अँगुरीदैरहौदोउकाननसै ॥ ६ ॥ वैठोतहाँनअवौंतजि
भूलति हौंसुनिआईकहानअनूठो ॥ वैघरहाँईवनैघरवालतीं
सालतींसेरेहियेसलभूठो ॥ वेनीप्रवीनक्यौंवैरकरावतीं पाव
तौहैंकछूहाथलालठो ॥ वीरकोसौंविगरैगोयनौवनी जोअटूना
हजनाहसोंहठो ॥ ७ ॥ वारिहौपैसवड़ौचतुरौहौ वड़ेगुनदे
ववड़ौयैवनाई ॥ सुंदरिहौसुघरौहौसलोनीहौ सीलभरीरसरू
पसनाई ॥ राजवङ्गलीराजकुमार अहौसुकुमारिनसानोय
नाई ॥ नेसुकनाहकौनेहबिना चकचूरिह्वैजैहैसवैचिकनाई
॥ ८ ॥ हैनसमीपवहकछुविवेकोसुनो भूलभरीसीकछूसतिभा
ले ॥ आवतसेघमघाकेमड़े उमडेयेकहाकरिहैंरतियामे ॥ गो
कुलनाथकेसाथबिना कटिहैकहौकासकीकोकतियामे ॥ दूरि
करौरिसकौवतियाँवलि जायकहौपियकोछतियामे ॥ ९ ॥
जलवुंदधड़ीमड़ीसांवरसै घनलैनवियोगीकौदूसतहै ॥ सिखिफू

लाखनैकनिसौंवलकै ललपौनफूलाखैभूलतहै ॥ रघुनाथसछा
यबिनाकखिकै भरुसैनढुकग्रोलननूलतहै ॥ पियप्यारेसोंप्यार
कीबातैंबिसारिकै ऐसोसमैकोभफूलनहै ॥ १० ॥

उपालंभ यथा ॥ (उराहनो)

हारिगहू सिगरीकहिकैहम रावरेकीजेहितूसखियाँहैं ॥
आवनभौनसोंहूसिगये अवआनदहूकेसमीपखियाँहैं ॥ गोकु
लमाहसैमानकरैंते अहूतियग्रारिबिनाअखियाँहैं ॥ दोषवि
लोकिबेकोंपियकी बिधिकीनीअनोयेबड़ीअँखियाँहैं ॥ १ ॥ वै
ठेरहैपलिकाकेतरै दृगबारिभरेहियरेदुचिताई ॥ भूलिगयेसु
धिसोयवेकी दुखदीहधरेसुखवीरीनखाई ॥ गोकुलनाथसोंऐ
सीहहातुम्है लायकहोंकरिबोनिठुराई ॥ प्रीतमकोंदुतनोक
लपाय कहाफलपायकैरातिबिताई ॥ २ ॥ सग्रामहीनैनकी
बानलमारग्री मर्यौसे।पर्योंमगमैपियराहुहै ॥ ऐसोकोजसों
कोजनाकारै जसकीनीकिधीरजनानियराहुहै ॥ सेवकतैसईहै
रिकैफेरि हनैतेवनैतवज्यौजियराहुहै ॥ लोकसैहैकहनाव
तिया जरेआगकोग्रांगिहीसोंसियराहुहै ॥ ३ ॥ योंकहुकी
नीअचानकचोट जोग्रोटसखीकेसकीनदुकूलहै ॥ देहकँपैसु
खपीरीपरी सुकछ्यौनहींजायजुह्वै गयोसूलहै ॥ माहिँउरोज
मैआनिलग्यो अँगिराजकीउचकाग्रोभुजमूलहै ॥ कौनहैव्या
लखिलारअनोखे निसंकह्वै ऐसेंचलैयहुफूलहै ॥ ४ ॥ मैगई
माइकेकालिकहूँतें कढ़ीसखियाँसँगलैबरजोरी ॥ कीरतिजो
सुनिपावैकहूं तौकरैनहींरावरीकीरतिथोरी ॥ कौलसेकोम
लगातमनोहर बेनीप्रबीनसेबातनभोरी ॥ ऐसीनबूझियेनी

कविकिसोर जोवोचनलीवछियाँझकझोरी ॥ ५ ॥

परिहास यथा ॥ (दिल्लगी)

चालेकैधौंसखनैसुकविन्द घरीसनआईँ छुहागलुगाई ॥
नाइनपाइनजावकदेत करीपरिहासकोयोंचतुराई ॥ लालकी
काँमनकेमुक्ताहल लालभएरहैंयाअरनाई ॥ प्यारीललाधर
कीसुकुमार हियोहँसिहेरिसखीनकीघाँई ॥ १ ॥ गौनेकेद्यौस
सिँगारसिँगारि असीसतीभागसोहागवनेरी ॥ नाइनपाँयन
जावकदेत पढ़ीपरिहासकीवासपहेरी ॥ वाजिहैकंतकेकांधच
ढ़ी लुलुआलललजीसजनीहँसिहेरी ॥ सौनिमकोंकरिहारिहैकू
परी जजरीगूंजरीगूजरीतेरी ॥ २ ॥ गौनेकेद्यौससिँगारन
कों सतिरालसहेलिनकोगनआयो ॥ कंचनकीबिछियापहिरा
वत प्यारीसखीपरिहासजनायो ॥ पीतमश्रौनसमीपसदाँवजै
योंकहिकैपहिलेपहिरायो ॥ कामिनीकौलचलाइवेकों कवऊँ
चोबिछियापैचल्योनचलायो ॥ ३ ॥ सोरपखानकोभौरधरयोसि
र ओढ़लियोपटपीतनवीनो ॥ काँधरकोकरिग्रांगसखी परि
हासयोंप्रानपियारीसोंकीनो ॥ गाढ़ेगहेकुचद्वोजअचानक दू
रकियोछरतेपटुभीनो ॥ सीनीकेभावसोंमैंहैंचढ़ाय मलेजभले
कहिकैहँसिदीनो ॥ ४ ॥ साँवरेगोरेकोओरतेंसंग लगेमिलि
दासिनीकोंघननीको ॥ मोलनिचोलसैगोरेसेगात निसाअँ
धियारीमैंरूपससीको ॥ होतुमगोरीभलोमिल्योसंग त्यौंसाँ
वरोअंगहैमोहनपीको ॥ योंसुनिबेनीजुओठनिऐंठि हँसीभु
जमूलउमेठिसखीको ॥ ५ ॥ भेंटभईहरिभाँवतीसों एकऐसे
मेंआलीकछूविहँसायकै ॥ कोजैललारसकेलिअकेलियै के

लिवोभौंननवेलीकोंपायकै ॥ भैं।हैंभसायकछू,तराय कछूक
रिसायकछूमुसुकायकै ॥ खैंचिखरीदईदौरिसखीके भरोजन
बीचसरोजफिरायकै ॥ ६ ॥

अथ दूती लक्षण ॥

दोहा ॥ इतकीउतउतकीइतै कहैवनावटवात ॥
रतिउपजावैछलबलनि सोदूतीविख्यात ॥ १ ॥

तत्र उत्तमादूतीलक्षण ॥

दोहा ॥ मधुरेवचनसुनायकै जोतियमनहरिलेत ॥
तासोंउत्तमदूतिका सकलसुकविकहिदेत ॥२॥ यथा ॥
कोहमैरो।किसकौपरतीमे जहाँपहौंजायतहूँ।छलघोरौं ॥
सैवक्छूपिनीसेवकसराम रुसोहिनीसंबनकेसरछोरौं ॥ राधि
काकोंकछुतेंकछुकै एहिकुंजकेकेलितरंगमैबोरौं ॥ रावरेकीअ
नुसासनप्रीति अकासनहूँकीतियासनओरौं ॥ १ ॥ गोधन
साथबजावतबाँसुरी गोरजसोंवनसोतनभारो ॥ चंदसोआनन
चावचढ़ो बड़ेचखचाहिपरैचितहारो ॥ गोकुलयाकुलका
निकोआनिको हैरतहेरिबौराखिवेगारो ॥ लीबनकेसँगआव
तओर घरेखिरमोरपखौवनवारो ॥ २ ॥ साजभरीसबभाँतिन
सोंकरी आजकीरैनमहासुखसानी ॥ गोकुलनाथहीवैठेकहा
गुनोंसाँचीकहीसबसेरीकहानी ॥ लालनिहालकरौतुमकों
चलौकुंजलौंतौहरिआनदहानी ॥ चंदमुखीचपलालौचिती
ति तुम्है बनसरामसे।राधिकारानी ॥३॥ जोतियवंतजनेनखतें
उवटीवतीपारसकंचनखानी ॥ दासीमहाछबिसोहिनीआदि
सुगंधमयोहैप्रसेदकोपानी ॥ कोमरनैजेहिँसेवकराम नमोह

मरीगुनिवुद्धिग्रौबानी ॥ बारनैज।पैसबैञमरी सो।टीकमरी
परराधिकाराानी ॥ ४ ॥ एकतामानकोमैररह्योचढ़ि दूजेतुम्है
बिनुसाथमिहारैं ॥ तीजेहितूवहिँग्रोरकीबूझिकै भूंठीसहास
मवोचविचारैं ॥ रावरेकोंरघुनाथवलायल्यों याउरसोंहसला
सनटारैं ॥ प्यारीकैंईंछनतीछमबानहैं घायलदेखतहीकारिडा
रैं ॥ ५ ॥ काहूकेबंकचितैवेकिसंकम लागोकलंकबिसैकिन
बीसैं ॥ वांठकुराइनकोग्रबदेव बिरंचिरच्योरंभिरावरेजीसैं ॥
देहैंमिलायतुमैहैं।तिहारियै ग्रानकरैं।बृषभानललीसैं ॥ ग्रा
ह्मनकीसैं।बबा।बसैं।मोहन मे।हिगजकिसोगे।रसकीसैं ॥६॥
सुखचांदनीचारुप्रकासमसों घरमाहउजासमढ्योईरहै ॥ तन
कीमृदुमंजुलतालखिकै भरिभौनबिलासकढ्योईरहै ॥ घनसग्रो
मनिकुंजहिलगावनकों हियमाहँदछाहवढ्योईरहै ॥ बलिवा
ग्रँगमापगनारँगकों ग्रँगनारँग रामैचढ्योईरहै ॥ ७ ॥ जैंग्रा
घनसेतुमहौघनसग्राम बनीत्रहवेनीप्रबीनत्यौं संपा ॥ ऐसीतनी
कसीबातनकों मनमेरे।नहींकबहूंहरिकंपा ॥ क्यौंकरजोरैं
निहारौंहहाकरैं। बीरकोसों वहीरबिझंपा ॥ ग्राजुहीलैप
हिरावनचाहत कंठमैं मनोहरचंपा ॥ ८ ॥ पन्नगमीनक
पोतचकाचकौ बालमराललकैतेगहेहैं ॥ बिद्रुमग्रौमुकतापों
खराान बिसाहिबेकों ग्रतिनेहनहैहैं ॥ देव्यातुम्हैजबसोंतबसों
उनकैढँगयेरघुनाथलहैहैं ॥ रे।जतमासेकोंजातनितै जितैग्रा
जसोंफलिसरे।जरहैहैं ॥ ९ ॥ दासीहैंमैबलिरावरेकी यहमे
रौकहोहैसहीमतिलूनो ॥ पेखियेग्राजुकलानिधिकों केहिंभां
तिकलाधरिकैभयोदूनो ॥ गोकुलकैसौसुधाबरसै सरसैसुख

मोखछिसारदोपूनो ॥ देखियेतोचखिआँवतीके दुखतेंसखि आजपेछिननाजनो ॥ १० ॥ बीसरिरंगकेअंगकीवास बसीर है पायसेपासघनेरी ॥ चित्रकर्हेंछिनिभोतिसबै रघुनाथलसेप्र तिबिंबनिघेरी ॥ प्यारीकोरूपअनूपकीओर कहांलोंकहोंसखि म बहुतेरी ॥ आननचंदकीफैलीअमंद रहैवरनेदिनरातिउँ जेरी ॥ ११ ॥ आछनतेंसुसुकायदई चखचंचलकेंछबीछीति यामे ॥ छोछीछरीसीपरीतबतें निवरीयोलनोअबरीकतिया मे ॥ वेनीजेजाइवेजैयेअछरतेजाभिजनाईछितूबतियामे का हमरैगीनजोलोंमनी सुसक्यानअमीकीनभीछतियामे ॥ १२ ॥

अथ मध्यमादूतिका लक्षण ॥

दोहा ॥ कछुकछुसधरेकछुपरुष कहैबचनजोवास ॥
सुकबिसदाँताकोकहैं मध्यमदूतीनाम ॥ १ ॥ यथा

भूमिपैपाँयधरैकबहूँ नहिं सूरजदेखिसकैनहीँजाको ॥ आनसकीचरचाकाचलाइये चंदचितैनसकैपुनियाकों ॥ औ चकआँखिनमोरोखसमे जसवंतबिलोकततोप्रभाकों ॥ ताउँ सखीकेहिँभाँतिकहाँई छवालछबालोंनजानतजाको ॥ १ ॥ अबहीवृषभानकोमानबढ्यो अनुमानकुसौंनहीँजाचकुँगी ॥ कहिलाडिलीदेतिदेखाईनहीं सेवकाईबिनाभिमिराचकुँगी ॥ बरसानहैभोरअरोचरवा पुरवाकोसरूपसवाचकुँगी ॥ घनस्या मतुम्है बिजुरीसोंमिलाय मयूरिनिज्यै करिनाचकुँगी ॥ २ ॥ येरिझीलाईसखीनलैसंग पैभूलीमनोबगुलीनमेहंसी ॥ ताहि नतीककछूघातचलीन सुवातनमेनीप्रबीनप्रसंसी ॥ धीरधरोजू गँभीरबड़ेतुम छोजदुबंसिनमैकोउअंसी ॥ लागियैचाहतमीन

सोअंचल रावरेकोहैं भईहरिबंसी ॥ ३ ॥ करपाँयनकीछबि
जाकीलखें छबिजातिहैकंजअदागनतें ॥ कहिजातिकछूनख
लाधरतें सुखपैद्युतिदूनीसुहागनतें ॥ हँसिबोहैहियोहुलसा
नजला सुठिसे हैभरीअनुरागनतें ॥ कलनाविधिकीसबियाँहैं
मनो ललनातुमकोंमिलीभागनतें ॥ ४ ॥

अथ अधमादूतिकालक्षण ॥

दोहा ॥ परुषवचनकहिदूतपन जोंतियकरैहमेस ॥
तासोंअधमादूतिका कहतसबैकबिबेस ॥ १ ॥

अधमादूती यथा ॥

आँखिनकीपुतरीकरैराखति आयबहौअनिलाजलपेटी ॥
बैसनवेलीहैवेनीप्रवीन नआजुलोंसैकहूंपौरिपैभेटी ॥ पैजक
हूंगौनिहारेलिये सुनोमीलकिसोरहौंरावरीचेटी ॥ हैकुल
कीवड़ेभूपअनूप बड़ेतेंवड़ेबृषभानकीबेटी ॥ १ ॥ बारवड़ेघौ
बड़ीअँखियाँ मुखचंदअमीसुसङ्ग्रानसोंभारो ॥ पीनउरोजस
रोजसेपाँयहैं पातरोलंकनितंबघनारो ॥ गोकुलनाथविलोकि
हठे मिलिवेकोंसुनोयहकामहमारो ॥ जातिहौंसैसुआयक
हैगो नआयहैतोकछूमेरोनचारो ॥ २ ॥ ऐंठीखिजातितूछ
पगहरमै सूरसैहानितौहैनहौंतेरे ॥ वेजहैंसुंदरसाँवरेलाल
रहैंबृजबालचहूंदिसिघेरे ॥ बेनीसवैवनिआवतियासमैं तोल
नआवतिहैयहमेरे ॥ दूनीबढ़ैगीदशाकीसोंदीपति देंहमैनेसु
कहौहरिहेरे ॥ ३ ॥ ऐहैनफोरिगईजोनिसा तनजोबनहैघन
कीपरछाँहीं ॥ त्यौंपदमाकरकौंनमिलैउठि यौंनिवहैगीन
नेहसदाहीं ॥ कौनसयानजोकाक्रसजानसों ठानिगुमानर

होमनमाहीं ॥ एकजोकंजकलीनखिलीती कह्याकहूंभौंरकों ठौरहैनाहीं ॥४॥ कोकहिबालगुपालहिबोधहि तीछनबानअमानलगेरी ॥ तोहितप्यारीभयेबदनाम अरामबिसारहियेबरकेरी ॥ ठाकुरतूंनतजपिघलो इतनेपरलालनबारघनेरी ॥ प्रीतसकीसुभईगतिया छतियाकसकीनकसाइनतेरी ॥ ५ ॥ रूपअनूपदयोदईतोहिती मानकियेनसयानकहावै ॥ औरसुनोयहरूपजवाहिर भागबडेबिरलैकोजपावै ॥ ठाकुरसूमकेजातनकोज उदारसुनेसबकोउठिधावै ॥ दीजैदिखायदयाकरिकै फिरिजोचलिदूरतेंदेखनआवै ॥ ६ ॥ सुनिनीकोननेहलगावनोहै फिरिजोपैलगैतोनिवाहनोहै ॥ अतिओछीहैप्रीतकोरीतिअरी नहिंजोसदोरोसदुहावनोहै ॥ कविचंदसुखीअजचंदकिजो तुमकोंहलैकासमुझावनोहै ॥ दिनचारकोरूपयापाहुनोहै फिरतोपैरहैगीउराहनोहै ॥ ७ ॥ मारमरोरसीउरीखरीतेहिं ज्वालगिकरीं नजियावतआनिहौ ॥ वाकोतोज्यौंतुमहींतेंबँध्यो तुमपैनहींकोउतआपनीबानिहौ ॥ सैतोकहीइचहैंसमुझाय कहाकरिहोजोंकहेंबुरोमानिहौ ॥ जानोकहातुमपीरअहीर बडेकपटीचतुराईकीखानिहौ ॥ ८ ॥

अथ दूतीकाज कथन ॥

दोहा ॥ द्वै दूतीकेकाजये कविजनकहैबखानि ॥
बिरहनिवेदनएकपुनि संघट्टनजियजानि ॥ १ ॥

तत्र बिरहनिवेदन लक्षण ॥

बिरहविकलतादुहुनकी कहतपरसपरजौन ॥
बिरहनिवेदनताहिसों कहतसबैमतिभौन ॥ २ ॥

यथा ॥ सेजपरीहैघरीसीभरै तनतापसोंजातछुवोनदई
है ॥ डोलतिदेखतिहैनलाजू हलखोजिकेकीरधिलिगईहै ॥
गोकुलगातिदुरीअँसुवानिसों लोकलिखोसोविसेखिलईहै ॥
वालओलालदसासुनिये वहवारिविहीनकीसीनभईहै ॥ १ ॥
चजहीजैनकीरतिदानलह्नै तुमदानीसुलेवकछदातनसै ॥ वह
लानैगोकरोगजनीसमुखो करोवीववहानेजोवातनिसै ॥ विन
देखेहिनेवतुम्है हरिवाके यहीविरहानलगातनिसै ॥ अहूआत
परेतकीलीनमनो दिनरैनपुरैनिकेपतनसै ॥ २ ॥ मघलैवि
कासेवनवैरीवसंतके वातनतेंसुरझाईकती ॥ द्विजदेवजूताहपैं
देहसवै विरहानलज्वालजराईकती ॥ यहसाँवरेरावरेनेहन
सों अँगधारीनजोसरसाईकती ॥ तोपैदीपसिखासीनईदुल
ही अवलोंकवकीनवुझाईकती ॥ ३ ॥ दूवरोहीलेछेदोसस
हा जगसैपरसिद्धसोवातरचीहै ॥ सोछितोवानिपरैहैलहागु
न लानोहियेयहजानोसचीहै ॥ रावरेकोविछुरेरघुनाथ वढ़े
विरहासोंजोदेहपचीहै ॥ हेरेनपावतिघेरेहैआजलों कालकी
छायसोंवालवचीहै ॥ ४ ॥ काहेकोंकाहकोंआपनेसास सने
हकीज्वालनसैजरिवेहै ॥ पैयहप्रेमकोपंथअपार परैपरओसी
चविनामरिवेहै ॥ सोभजूमोहनमोहनमोहनी सोहिहैकाह्न
कहाकरिवेहै ॥ केहूंछपाकेकटाच्छनसों विरहातुरताकीव्य
थाहरिवेहै ॥ ५ ॥ आएकहाकहिकैकहिये वृषभानललीतें
ललाहगजोरत ॥ ताछिनतेंअँसुवानकेधारनि तोरतवद्यपि
लोकनिहोरत ॥ वेगिचलौरसखानवलायल्यों करौंअभिसा
नतेंभौंहमरोरत ॥ प्यारेपुरंदरहीछिनप्यारी अवैपलआधि

कालैमृगबोरत ॥६॥ आनप्रियाअँसुवानकेनीर पनारेभएबहु
केभएनारे॥ नारेभएतेभईनदियाँ नदियाँनदह्वैगएकाटिक
रारे॥ बेगिचलौजूचलौब्रजकौं नदनंदनचाहतचेतहमारे॥
वैनदचाहतसिंधुभए अबसिंधुतेंह्वैहैंजलाहलसारे॥ ७॥
आपुनकेबिछुरेमनमोहन बीतीअवैघरीएककौह्वै है॥ ऐसीद
सादुतनेमेंभई रघुनाथसुनेभयतेंमनभ्वैहै॥ लाड़िलीकेअँसु
वानिकोसागर बाढ़तजातमनोनभछ्वैहै॥ जातकहाकहियेबृ
जकी अबबूड़ोईह्वै हैकिबूड़तह्वै है॥ ८॥

अथ संघट्टन लक्षण ॥

दोहा॥ मधुरबचनकहिजुक्तिसों जोइकहँदेयमिलाय॥
संघट्टनतासोंकहैं सुकबिनकेसमुदाय॥ १॥

यथा॥ सेवजहाँतहाँदासिनिहै अरु दीपजहाँतहाँजोति
हैआतें॥ केसजहाँतहाँमागसुबेसहै हैगिरिगेरुतहाँरँगरा
तें॥ मोहनसोंमिलिबेकोंबलायल्यौं मैरघुनाथकहौंहठया
तें॥ होतनयोनहींआयोचलयो रँगसाँवरेगोरेकोसंगसदातें॥
१॥ बेउतनागरनंदकुमारओ तूहूंइतैबृषभानललीहै॥ जो
रीबनीहैदुहूंकीअपूरब पूरबपुन्यकीबेलफलीहै॥ जोवतहैंक
बकेमगठाढ़े अकेलेजहाँवहकुंजथलीहै॥ बेगिनजातलजात
कहा यहजातिजोकाईंमिरातिचलीहै॥ २॥ लेकुनूलगाईं
लुगैहतिहारे परेजेहिँनैहमनैहवरेमैं॥ मेटोमुनाभरिमेटो
व्यथानि सबमेटोजुतामुमसाधभरेमैं॥ संभुज्योंआधेहीअंगलगा
यो बलाओकिश्रीपतिज्योंहियरेमैं॥ दासमरीरसकीमिसकी
लिये आनदबेलिसीमेलिगरेमैं॥ ३॥ लेकुखलीउठिलाईहौं

लालन लोकलीलाजहूँसोंलरिराखी ॥ फेरिहूकै सपनेहूं नपै यत लैअपनेउरमैधरिराखी ॥ देवलालानवलाअवलायह चंद्र कलाकठुलाकरिराखी ॥ आठहू सिद्धिनवोनिधिलै घरबाहि रभीतरहूभरिराखी ॥ ४ ॥

अथ दूतीजातिकथन ॥

दोहा ॥ सखिधाईदासीबहुरि रजकादिककीनारि ॥
संन्यासिनिसुपरोसिनी अरुसिल्पिनीबिचारि ॥ १ ॥
दरजिनिमालिनबारिनी नाइनगुनगनपीन ॥
दूतपनेमेंऔरहू होतींतियाप्रबीन ॥ २ ॥
यातेंइनकेकहतहौं उदाहरनइहिंठौर ॥
जानतहैंपढ़िरीझिहैं जेरसज्ञसिरमौर ॥ ३ ॥

तत्र सखी दूती यथा ॥

कारेमहाअनियारेअमोलहैं लोलजिन्हैलखिलागतफी की ॥ बाढ़िहीवाकेकहीतुमजाय हमारेतौराखनहारहैंजीकी ॥ आरसीलैतुमदोऊएकंतह्वै देखनकरौ नथोंकौनकनीके ॥ ऐसेकहाबड़ेनैनतिहारेहैं जैसेबड़ेहैंहमारीसखीके ॥ १ ॥

अथ धाईदूती यथा ॥

आजहौंराखौंगीस्वाथवह्नै रघुनाथकृपानिसिमेरेकरौगे ॥ मैउठिजाउँगीछोड़िकैपास जगायकैसेजपैपांयधरौगे ॥ धाय कोदेतिसुभायकहै कछुभौंहचढ़ायलखिनडरौगे ॥ लाजभरीहै सकैगीनवोलि निसंकमबेलीकोंअंकभरौगे ॥ १ ॥ एकघरीन जुदीह्वैसकै रघुनाथबिरीगुरुलोगकेफंदसों ॥ धाईसोआपने गेहलिवाय तिहारेलियेबसकैबहुछंदसों ॥ बैठेकहाइतकौजैब

खायल्यों बेगिउतैचलिभीजे अनंदसों ॥ प्यारीकोआननपून्यो
कोचंद विराजतदोजप्रकासअमंदसों ॥ २ ॥ एकहीसेजपैरा
धिकासाधवै धायलैसोईसुभायसलोने ॥ पारैसहाकविकाह्न
कोंसध्यसे प्यारीकह्योयहबातनाहोने ॥ ह्वैहैंमसांवरीसांवरे
धीसंग बावरीतोहिसिखाईहैकौने ॥ सोनेकोरंगकसौटीलगै
पैअसौटीकोरंगलगैनहींसोने ॥ ३ ॥ बैठीहुतीवृषभानलली
वरधायकीछायरहीतरुनाई ॥ गोकुलनाथअचानकआय गएउँ
खियांनकीआनंददाई ॥ चाहिरहेललचायदोउ लखिबोलिउ
ठीयोंलएनिठराई ॥ सूनोनछोड़िकैजाइयेधाम हौंहाइकै आ
वततेरीदुहाई ॥ ४ ॥

अथ दासीदूती यथा ॥

नैनकीकोरनह्लैरुखाई सुभौंहमरोरनिकौंलछिबोकरै ॥
पांयअंगूठनकोंगुलचाइबो ऊँचेउरोजनसैंसछिबोकरै ॥ आइ
कैफेरहहाकरिकै करपंकजसोंनरवासछिबोकरै ॥ कोटिनका
मकथाजसवंत सुपांयपलोटनमैंकछिबोकरै ॥ १ ॥ तागुनदेव
सुनेजबतें तबतेंसुधियोंनउकै उरकीहै ॥ पौरनहींपहिचानत
लोग बखानतवैदबिथाजुरकीहै ॥ लेसचढ़ीप्रतिलोहनकीम
ति सोहसहागिरितेंढुरकीहै ॥ योरियैवैसबियोरीभटू वृजभो
रीसोबातनतैंभुरकीहै ॥ २ ॥ ताहीसोंराखतिप्यारबड़ो कछु
रावरियैथरचाजोचलावै ॥ कांपतिदेहकटीलीह्वै आवति को
जतिहारेजोनामसुनावै ॥ रैनदिनाजुलसीसीरहै ठकुराइ
निकौंकछूऔरनाभावै ॥ सोईकथाकहवावतीजामें कछमनकू
रतिहारोईआवै ॥ ३ ॥ सोनजुहीकीह्वैजातिहैलाल बनाइकै

मालकितीपहिराइये ॥ मोतीकेभूषनभूषियेजे पोखराजकेती सिगरेकहिगाइये ॥ जोबनआवतलालीसरीरमे हैरघुनाथक हाँलोंबताइये ॥ खोरिलगाइयेचंदनकी अँगवोसँगकेसरिको रँगपाइये ॥ ४ ॥ आजकहूँखिरकीसोंसुनो हिरकोमुखजोति गलीमनमैंबाढ़ी ॥ गोकुलनाथथिलोकिलईछबि तादिनतेंबिर हागिनिडाढ़ी ॥ दासीबिचारिकैरावरेकी यहमोसोंबिनैकी परंपराकाढ़ी ॥ वाहीभरोखेकेपासकृपाकरि कैकबहूँफिरि होहुँगेठाढ़ी ॥ ५ ॥ कातिकीपून्योकोदेखीकलिंदीपै पै छिवेकोंजबमैंपटटीङ्गे ॥ घूंघटकेउघरेतबयार प्रकासकला निधिसोमुखकोङ्गे ॥ तादिनतेंकछुऐसीदसा मगमेंरघुनाथ मिलेमोहिचीङ्गे ॥ नावँतिहारोलैसोंहदिवाय कहैंफिरिस्यथा यअङ्गबेकोनीङ्गे ॥ ६ ॥ औरजनेकुभरोउरमैं करिहैंमैसोई मिलिहैयहजातें ॥ हैंतौसदाँसँगहीमेरहैं कहिदैहैंबुभाय सबैकछुनातें ॥ सोयहैसेजनवैहरिचंदन चाँपिहैंपाँयँललाय कैघातें ॥ आजुहौंरातिकहानिनकोमिसि भाखिहौंरावरेप्रेम कीबातें ॥७॥ आदितसोमकहोकबहूं कबहूंकहीमंगलकी बुधहीते ॥ औगुरुशुक्रसनीचरको कहिवोकबहूंकछसोंनहीं रीते ॥ मोहिनजानिपरैरघुनाथहि भेटकोहैदिनकौनसोचीते आवतजातमेंहारिपरी तुम्हैबारवनावतवासरबीते ॥ ८ ॥

अथ धोबिनदूती यथा ॥

तुमसोंलैचलीमहकेमगमैं हठिबूझीसुगंधकेकारनकों ॥ सुकह्योउरअंचलराधिकाके लियेजातिहैंधोयसुधारनकों ॥ सेवकानेबिकानेसकानेसुने लपटानेलगीनिरवारनकों ॥ घट

रावरेस्वेदकैभीजेमजे हरिलैगेगुलाबउतारनकों ॥ १ ॥ लाह्
छौंधोयसकूं कैतिहारीसौं मोहिमनोतमछाहूगयोहै ॥ बाटते
घाटलोंकालिंदीकि भँवरानकोपुंजसमाइगयोहै ॥ हैंाडरपैांकँ
पैंवेनीप्रवीन बिलोकतमोढिगआइगयोहै ॥ प्यारीडकूलमको
फलरावरे साँवरोएकबताइगयोहै ॥ २ ॥ तीरकलिंदीकेहौं
उतसंभु सुखावतहौपटधोयबगारयौ ॥ तूंवतरातिक्षतीसखि
यानिसों आनकहूंतैउक्कोंपगुधारयौ ॥ ऐंापकतूँहँसिमागन
फोरि बड़ेबड़ेनैननितानिनिहारयौ ॥ कान्हअचेतपरयोसुनरे
सखो वादिनकोनुसकानिकोमरयौ ॥ ३ ॥ देतीहौंधोइवेकोंत
बहौं फिरिआगतीहौंकरिभैंाहतनेनी ॥ ह्वांतीवैवीचहौंलेंहिं
छुड़ाय सुगंधनरोम्भिरहैंसृगनैनी ॥ धोयतीदेंऊँगोधोवनपां
ऊँ लखोउनकोमैबिलोकनिपैनी ॥ रावतलैलैलगावहियें क
बहूं अँगियाकबहूं उपरैनी ॥४॥ मैलोकेडारतपोतपटै घरजा
ननपैयेबुलावनीधावत ॥ लालहूमैलोहैजातसदाँ अरीवाव
हौबारखनेहलगावत ॥ औरनसोंबरलोजैधुवाय हमैनृपसंभुजू
धोयनाआवत ॥ तूंकलपावतसाँवरेरंगनि साँवरोरंगनहोंकि
लपावत ॥ ५ ॥

अथ सन्यासिनीदूती यथा ॥

आवतहीउठिआदरकै सिगरीसिलीहौरिकैसिद्धिनिधाई ॥
काह्नकेगातमैहायदियोपढ़ि काह्नकैमायविभूतिलगाई ॥ बै
ठिगईमृगछालाविछायकै राधिकैआपनेपासबुलाई ॥ औन
समीपह्वैगोदमैराखि गुसाँईनिगोसकोबातसुनाई ॥ १ ॥ सि
द्धिनिकोधरिभेषगई बृषभानकेभौनजहाँसबगातो ॥ काह्नको

पाइनदसोतुलसीदल वाक्लसाथलिरतिलगाती ॥ पीतमरा
खिकैनीरैवृन्दाद्वै सोहनै राखिकरीनिजपाती ॥ गोसेव कूल
हिसैं।भिरहूगर जंतरकोलिखआकधीपाती ॥ २ ॥ काकहीचे
रीबनाथकैसंसु नहूनपभानकोभौनगोसाँइनि ॥ वासुनिकैजुरि
थाईं हवै अरुडारीसहेलिनिराधिकापाँइनि ॥ लायलिलार
दिसूनिकछोइलि होरचिवौकछुऐसीउपाइनि ॥ याहिएकांत
लैसंदनपै बउद्दायसवैब्रजकीठकुराइनि ॥ ३ ॥ लोचनलाल
लिवैदूरछाल विभूतिविसालसैजटाभूरे ॥ पूछंनलागीतप
स्विनिआनि गहेपगआनितियागनकूरे ॥ वेनीप्रवीनजूराधि
कासोंकह्यो आवैकुटीमैजुतूंगजधूरे ॥ कैहैंकलेससवैतनकेम
नकेदहेकैहैंमनोरथपूरे ॥ ४ ॥ मेरोहैफेरोगलीवरसानेसै दू
सरेघौरकोनेसगह्योहै ॥ तातेंहोंचाहतिजानउतै सुमलाय
हओंसरमाजुलह्योहै ॥ ठाढ़ेह्वैनेकुसुनोमनमोहन वोभाह
सैरघुनाथरह्योहै ॥ जाकोनियोतनक्षामचितैपल सोवहिँवा
समनामकह्योहै ॥ ५ ॥ हौंब्रषभानपुराकीनिवासिनी मेरोरहै
ब्रजकी धनसाँवरो ॥ एकसंदेसोकहैंतुमतें तुमभूलियोनाइहि
मंत्रकोंसावरो ॥ जोहरिचंदजूकुंजनमैंमिलो जाहिकरीलखि
कैतुमवावरो ॥ बूझोहैवानैक्षपाकरिकै कहियेपरसोंकबहोय
गौरावरी ॥ ६ ॥

अथ परोसिनीदूती यथा ॥

चोपतिहारीहोंजानतीहौं रघुनाथजुमोचितवीचसुनी
जो ॥ तातेंहोंदेतिमिलायतुम्हैं परसेरीकहीमैसहीसनदीजो ॥
वासपरोसबड़ेविसवासको जातेंकुनावकढ़ैसोनकीजो ॥ ना

रिनवेलोहैबातनसों बसकैपछिलेउनकोरसलीजो ॥ १ ॥ न्यौ
तेगईमगतेंनंदगाँउँ सुनाउँभयोसबओरुचवतीहौ ॥ रूपसुसील
तापैगीप्रवीन सराहिमिलीसबसोंउम्हितीहौ ॥ सोहिनीसौठ
जगारिघरैरखिनि आपुनसोंफिरहौसुचितीहौ ॥ आवतिसीह
विदेहुअईमनी ऐसीकछूजूकहादुषितीहौ ॥ २ ॥ आईइतैसु
सुकायधपितै घरमेरेसुधाकेसमूहसोआवति ॥ रावरीवातेंजो
कोउकहैती लगायटकीमुहवाहीकोजोवति ॥ देखीचहौमीर
छौकहूंवैठि सुजागतहौसिगरीनिसिखोवति ॥ रोसपरोसि
नीकैपियसों दिनहैकतेंसंगहमारेईसोवति ॥ ३ ॥

अथ सिल्पिनीदूती यथा ॥

रंभासुकेसीकीसैनकाकी रतिकीअतिरूपवरीरहीआगे ॥
वेनीप्रवीनतिलोत्तमाकी नरमाकीमिलोकिललाअनुरागे ॥
देखतराधिकेतातसवीरहि वीरकोसोंजदुसोवतजागे ॥ वार
हिवारनिछावरिह्वैहरि मेरेदोऊकरचूमनलागे ॥ १ ॥ तोहि
धौंदेखिगएकितह्वै तवतेंउनकोंकछूऔरनाभावत ॥ सोघर
आयलटूह्वैलला सबआपहीवैठिकैरंगवनावत ॥ चित्रविचित्र
बनायहौंहेतिहैं पैउनकोमनएकोनभावत ॥ हायदैलेखनी
खायहहा हरितेरिहीसूरतिसोपैलिखावत ॥ २ ॥ पाँइऔंवा
वतिफूलनसौरचो नासिकासैसिसिकोनकीबेजैं ॥ सेवकऔर
भुकेचहुँओर चकेचकजसुदोषांजकीफौजैं ॥ राधिकेसूरति
रावरीऔलिखि ल्याइ सरंगभरीवकुचोजैं ॥ तासोंनजानीक
हाधैंमिलै मगसाँवरेदेखिदई मनमौजैं ॥ ३ ॥ मोहिलगीतुम
प्यारेमहा मैतुम्हैरघुनाथलखेसुखपाँऊँ ॥ मेरेपैकौजैहपाक

कूआजती आपकोंमैहूंछितूनमैगाऊँ ॥ नावसुन्योजेछिकोक छिये पछिलेतेछिँकोलिखिचित्रलैआऊ ॥ देखिकैरीझौतीछौ सरपायकै लालतुम्हैंबहवालमिलाऊँ ॥ ४ ॥ बोछिरीबेछि लगीअबहींजक पौरिछूंलैंउठिजाननाहींकै ॥ मेरेछिनानम ईउलटोवस हैतुमहीं कछिबेकहूंकौकै ॥ जोपैइतीदुखपावती हौ तबफेंहगमैनमनोजलभौने ॥ तौकतकाडतिहौछिनएक रहैंछिनचित्रज्यौंहाथहीलौकै ॥ ५ ॥

अथ दरजिनदूती यथा ॥

आपुदई तनीटांकिबेकों हरिमोरहीआयगएघैंकहांतें ॥ कौनकोआंगीहैमोतेंकही सुनिरावरेकीछठिलौकौहहातें ॥ गोकुलफूलिपसोजिउठे बहोबारलौंलायरहेछियरातें ॥ भौजि गईहौसुखावतमोहि अँबारभईठकुराइमियातें ॥ १ ॥ आधि कसिहुकरौहौंशिएतैसे आयगएधैंकहांतेकन्हाई ॥ कौनकी आंगीहैमोतेंकही मैउन्हैं सहजेहीतिहारीबताई ॥ छीनलई करतेंरघुनाथ मैसोरकियोंशितनीअनखाई ॥ छातीसोंलाय वैलेगएवाहिन देगएआजतैसोंकैआई ॥ २ ॥ चातुरहै अतिआतुरहोउन बातसयानकीजातकौंचूके ॥ ऐसेअठान नठानतहौ कतबीरधरौनपरौढिगढूके ॥ देखिजियोनकुबोध नआनद कोंवरेअंगसुजानबधूके ॥ चोलीचुनाबटिचिह्नचुमैं छ पिहौतउजागरचिह्नबुतूके ॥ ३ ॥

अथ मालिनदूती यथा ॥

फैलोसुगंधरहैचहुँघा अलिपुंजघिरौअनिमालजुहीसी ॥ फूलभरीअँगपूरोपराग परैरसरूपकीचारुजुहीसी ॥ गोकुल

ऐसीकरीहैतयारसै कैचतुरापनचावछुहीसी ॥ देखियेनीच
खिवागसैलालन कैसीलसैवहसोनजुहीसी ॥ १ ॥ मेहँदीके
सिसगाँविकेवाहर सालिनआपनेबागसेल्याई ॥ गोकुलनाथ
जूआयगए चलिदेखहुकुंजनसहानिधिपाई ॥ आविधिबोलिउठी
लखिये यहकैसीबनीहैघनीफुलवाई ॥ लआवतिहैंफलफूल
तुम्है तवलौंकरिलेहुजूनेहनिकाई ॥ २ ॥ पूजनकोंहरिबास
रचाइतो मेनौप्रवीनकियेरहौआसा ॥ आईवतावनहौंतुम्है
राधिके लीजियेजानिनकीजियेसासा ॥ साँझहोपाइहौमेरीअ
टू सिखिहैनहौंजोरविकेपरगासा ॥ कालिंदीकेतटऊँचेकरा
ल करीलकदंवतहाँपियवासा ॥ ३ ॥ हारसँवारिअनेकनफू
लके आईलैमालिनिभौनसरसै ॥ काहूकेंखेतदियोउँहिँ
काहूकों पीरोदियोरघुनाथअरेसै ॥ नीरजनीलकोलैकरसै
कह्योराधेसोंयोंचतुराईधरेसै ॥ लीजियेहैततिहारेसैल्याई
हौं याहँगकोलगैप्यारोगरेसै ॥ ४ ॥ आईहैसाँझीकोंतोरन
फूल तुरावतिठाढ़ीसखीकुबिरासतें ॥ वेगिउतैचलिदेख्योव
सायलयों हेरघनाथलग्योमनजासतें ॥ भौंरनकीलगिभीरर
हो अरुमोरचकोरनकोजिहिँत्रासतें ॥ भीतरबागकेसोभित
होतिहै मालतीवासतेंप्यारीप्रकासतें ॥ ५ ॥ मल्लिकाबलि
काहसजानैरचै कलिकाफलफूलजुहावतीहैं ॥ नखतेसिख
लौंउनकेगुनकी गुनिबैसकीबातबतावतीहैं ॥ जेहिँरीभमैसे
वकराधेहूहाँ मनिमालकीमौजनिपावतीहैं ॥ गहनेतुम्हैमोल
सिरीकेसुंधे हरिजीकेगुंधेपहिरावतीहैं ॥ ६ ॥ कवहूंरुचि
दीपकलीसीलगै कवहूंवरचंपकमालनवीनी ॥ भौंहनमैसव

सोंहँकरै पुनिनैननकंजनकीछविक्षीनी ॥ ओठनिछावरिविद्रु महैजु चतुर्भुजयाउपमालखिलीनो ॥ केसरितौरुचिकंचनरंग सिंगारकैरूपकीमंजरीकीनी ॥ ७ ॥ नंदकुमारगुलाबकीफूल दियोमोहिएजूलग्योनिजबागे ॥ प्यारीकेरंगमिलैअँगअंग मिलैनहिंप्रेमजूक्योंसमलागे ॥ यौंतरुनाईकीआनिछई अरुनाई अपूरवजोतिकेआगे ॥ तावरहीनहींनेकुदबीहै गुलाबकीआबगुराईकेआगे ॥८॥ यौंसरचारुचमेलीकेफूलको मैबहुभाँतिसँवारिकेआनो ॥ सोपहिरयोगुनगौरिधुरंधर कंचनसेतनमैसनमानो ॥ ह्वैगयोसोनजुहीकोसोप्यार सुअंगकेरंगमैभेदनाजानो ॥ दंतनकीदुतिकेपरतै वहफेरिचमेलियैकोठहरानो ॥ ९ ॥ बेलिहरीभईफूलनिसौं चुरैचारुचमेलिनकीछविवारी ॥ वावरेखंजनकीरकपोत मदूरमलीनतेपंखपसारी ॥ मालिनिकीयाछिनैगुनिकै लछिरामकरीकिनआनदभारी ॥ सींचनवारेसुनोघनस्याम सनेहभईसुरभातिहैवारी ॥ १० ॥ दूतफूलनकोबिनिबोठहराय लिवायलैदूतीमिलायदई ॥ नदलालनिहारिनिहालभए वरचंपकमालसीबालनई ॥ करतेंकुटिभागीदुरीपगद्दै बलिपैनचलीकछुचातुरई ॥ हरिहेरैनपावतिभाँवतीसंभु कुसुंभकेखेतहेरायगई ॥ ११ ॥

अथ नाइनदूतीयथा ॥

राधिकाकेपरबालसेहाथन लालरहीबिरिलालकोनाई ॥ देखतहीबनिआवततासहि काहाकरियेकविसंभुबड़ाई ॥ लालीलसैअँगुरीनकेबीच तहाँनखचंदनकीछबिछाई ॥ के।पनकीअरुनाईमेआनि मिलीमनोबीचहिबीचजुन्हाई ॥ १ ॥ एडिनमी

ड़िपखारिटोजपग जावकरंगरँगेमनमामै ॥ बेनीप्रवीनरचेसु खिकीस सुगंधकपोलनलैंकरश्राने ॥ बावरीसीभईगोपिसखी लखिऐसेकछूचतुरापनठाने ॥ मेरोईकूपधगोमनमोहग तेरी सोंराविकोतूनहींजाने ॥ २ ॥ गैलबडैंजनहींकोधलो बड़ीबेर लैंबातनहींबिरमावत ॥ तूघनिहैधनियोंकहिकै गहिकेकरमे रेहियेमैंलगावत ॥ मेरियेश्राँगहीमोहिपेसै सिरमेरेहीकोति कौव्यों'नबतावत ॥ श्रायोचहैंजबहीदूतहीं तबबेनीबनावन मोहिसिखावत ॥ ३ ॥ केसरिसोंपहिलेउबटोश्रँग रंगलसो जिमिचंपकलीहै ॥ फेरिगुलावकेनीरन्हवाय पिन्हाईजोसारी सुगंधरलीहै ॥ नाइनियाचतुराइनिसों रघुनाथकरीवसगोप ललीहै ॥ पारतपाटीश्रछीभांकियों हजराजतेंश्राजमिलीतो भलीहै ॥ ४ ॥ लोहनकोछविचातुरीचाप सुनायकरीवसबेनी बनावति ॥ गोकुलनाथकीश्रंगकेरंगसों नीलनिचोलकन्हश्रोप हिरावति ॥ लालकोभालभरैतोभली रँगऐसोकछूश्रँगुरीनपैं छावति ॥ चोपचढ़ीठकुराइनिसोंश्ररी नाइनिपाइनजावकला वति ॥ ५ ॥

अथ चुरिहेरिनदूती यथा ॥

बारहतेंहैमिहींजसवन्त मिलावटछपैपरैंछबिछूटी ॥ मो हिहैमोहनकोंकरमेपरि पूरनकैकरिहैरसलूटी ॥ ऐसिहीला गिहैनीकोवधू बलिजैहैंसबैव्रजकीयेवधूटी ॥ जैसीसुहावनला गतहैरि हरीचुरियानमैहेमकीबूंटी ॥ १ ॥ तैसिहीलाईहरेरँ गकी श्रँगकोद्युतिपन्ननकोजुहँसैहै ॥ तैसिहीजदीवदैन्हैरही बँदबैगँनीमैकहीकैसेंलसैहै ॥ बेनीप्रबीनजुतैसीसबै पहिराव

तमेंऋषिवैनरसेहै ॥ चूरीयेसग्रामसदाँपहिरै चुनिजानतहौ
मनसग्रामबसेहै ॥ २ ॥ रीझिरहीगैललालखिकै सिगरोतन
सूक्षमतीलछमासे ॥ नाहींनहींनजकैसखकै सुनचैशरदेहँघ
रेसुखमासे ॥ वेहगदीरघदोजमहा चतुराईनिकाईकीजोरेंज
मासे ॥ जातकहेनकारेवश्यप्यारी चुरीपहिरावतजैसेतमासे ॥
३ ॥ जाकेमिलापकौंसोचतहौ करिसोचतहौजूघनेकउपाव
न ॥ ताहीकेधामसौंहेरघुनाथ हमैएकआईहैबामबुलावन ॥
भेषधरौतियकोहियसाधजौ चाहतरूपलख्यौललचावन ॥ सा
थचलौवहिबालकेलालहौं कहिहचलौगीचुरीपहिरावन ॥४॥
वेअँगुरीकेकुएसिखकैं करवारसीपातरीजौमैचढ़ाऊँ ॥ दंतन
दाबतीजौभैंउतै हुतप्यारेकेनैनरु लाईबचाऊँ ॥ देवकीनंदनमो
हिवड़ोदुख कौतुकहीयसोकाहिलखाऊँ ॥ छोहिहैंगाँवबवा
सोंमै परचूरीनआंपहिरावनआऊँ ॥ ५ ॥

अथ गोदनहारीदूती यथा ॥

मैजवतेंगोदनागईगोदि अहोठकुराइनिबाँहँमैतेरी ॥ ऐ
सोदसातबतेंइहिगाँवमै देननपाओंगलीनमैफेरी ॥ भेंटभई
जितहीरघुनाथसों सौंहदेकैतितहीउनघेरी ॥ हाथसोंहाथ
गहैंपलद्वै रहैंआँखिसौंलायकैआँगुरीमेरी ॥ १ ॥ आवतिहैं।
नदगाँवतेंभोरही सोधीचलीमैफिरीचडूँकोदना ॥ लीजैगो
दायहपाकरिकै द्विजभाजैसोटोजैजूखोदत्रिनोदना ॥ जानति
हौंमैअनेकनरंगकै कोधनजाहिगोदायप्रमोदना ॥ पैमुजराव
रीगोरीलसै सुभसुंदरस्यामअपूरबगोदना ॥ २ ॥

अथ पटहेरिनदूती यथा ॥

पातिपसोतीसिलायंगुहौ गनपाटपुहोसोजुहौअभिला

खी ॥ नीकेसुभायकेरंगभरी छितजोतिजरीनपरैकछूभाखी ॥
चाहलैवांधीहैप्रीतिकीगाँठि सुहैघनआनदजीवनसाखी ॥
नैननिपानिविराजतजानीजु रावरेरूपअनूपकीराखी ॥ १ ॥
गोरीमिलैतनसग्रामसोंतौ अतिखूबीबढ़ैवरसैरसबूंदै ॥ कौन
बखानसकैजसवन्त उठैअँगआनदकीअतिदूंदै ॥ साखीसबै
दृगजोयहिँराखीके मोहनकोचितचायसोंगूंदै ॥ पोंचियैडोरि
येकैसीसुहातहै स्यामलीसुंदरपाटकीफूंदै ॥ २ ॥ मैगयला
यकरोरिनगाँठिकै कीजीवनायतयारपतीजै ॥ देखिकैरीभि
केजौरिभावारहौ दीजियेसाहिबदारिदछीजै ॥ हैरघुनाथहैबा
दोकछूनहिँ चित्तकौनेकुदुचिन्तनाकीजै ॥ चाहतजोईबनाव
कीसोई घरीपलमैपहुँचीअवलीजै ॥ ३ ॥ मैगयलायकरोरिन
गाँठिकै कौनीतयारबनीसुचिसीहै ॥ रावरेरेसमकीजेहिँभाँ
तिकी चाहततैसियैरंगरलीहै ॥ गोकुललागतहीकरमे ल
खिरीभिहौऐसीवनीछबिकीहै ॥ लालकृपाकरियेहमरे वह
आयकैलेऊअहोपहुँचीहै ॥ ४ ॥ जैसहीपोंयधरेठकुराइनि
सोतीकेयेगजराचटकीले ॥ तैसहींआयगएरघुनाथ काहूँहूँ
सिकौनकेहूँयेफबीले ॥ नावतिहारोदियेकहिसै तौउठाय
लियेसुखपायहूँटोले ॥ आँखिसोंदायरहैपलएक रहैपलछा
तीसोंछुवायछबोले ॥ ५ ॥ जोककुगाँठसुरीकीपरी सुरझाईभ
लेबिधिसोंहरिहालहै ॥ काहूबखानकरौंअवरेसम हैदुतिसुंद
ररंगबिसालहै ॥ पुंजप्रभानखतेंसिखलौं सनलायगुहैऔहिँ
बाररसालहै ॥ पायहौलालवहीपरवालकौं जोमनभावतिसं
जुलमालहै ॥ ६ ॥ चुनिजोरिबटोरिभरेंसिगरे भिगरेकिये

मेहमतावतीहैं ॥ उठितंतुपभूखनघाड़नसों पहुसेनकजीवजिया
वतीहैं ॥ चितु नीमिंगोराधेहूतैजतवै पटहारीजहाँसखपाव
तीहैं ॥ तुमसैहरोमौकेसनेहसनै फनिवोंदैघदेघनलावतीहैं ॥
७॥ ललितवालडवालनीरावरीहैं तिनकोमतिसैअतिदीरतीक्यौं
छिनसेवाछिवेनीप्रवीनसलोनकै नाहकाऔंहसरोरतीक्यौं ॥ ह
मपोमतीवीरलकूंवारिकै फिरिहारकहीअकाओरतीक्यौं ॥
अतिकोमलमालअमोलअनूप लरीतुमरेखसतोरतीक्यौं ॥८॥

अथ रँगरेजिनदूती यथा ॥

पागहैआईअनेकहूहाँ अनसैलोकरोकछुनाहमकाँधै ॥
ल्याहजहैनहींबेनीप्रवीन ललायहरंगरसाहूननाधै ॥ साँझस
सैपारहैरफमानुको तासमयेकोसुखाइबोसाधै ॥ आतुरह्वजि
वेनाबलिजाँउँ तिहारेलियेहरिबाँधनबाँधै ॥ १ ॥ जैसोकछू
हनलोहैसरूप सोतैसोकछूनवहीतूपतीजो ॥ सूनेकहैतेंवही
तकहा नवहीकछुभावेतीरीझिकैदीजो ॥ आजहीमोहिमिलो
रघुनाथ कह्योहैकिरंगतयारतूकीजो ॥ तातेंरँगावनआवैंगे
पाग तुम्हाँकिभरोखेउहूँलखिलीजो ॥ २ ॥ देखिअदेखिनके
दिगकों तिलवेरविनाघरियारीकरैं ॥ सुखसेवकलालीवढ़ैतु
मरेपवाइनिकेकरियारीकरैं ॥ कहूँ औरकहूँरँगऔरैकै
रैइतनीवलकीवरियारीकरैं ॥ रघुरावरेकोलखिपाऊँकहूँ
चुनरीसैचुनीहरियारीकरैं ॥ ३ ॥ मोसोंकहोहीछपाकरिकै
यहरूहीवनायकैल्याइयेप्यारी ॥ आइगएकितसोंकहिकौन
नो मैसहजेहींदईकहियारी ॥ गोकुलनाथनमानीकही रँग
नीलसोंआपनेहाथसँवारी ॥ बिज्जुसेआँगपैरीझिकरैगी घ
रीघनकीघटासीयहसारी ॥ ४ ॥

अथ सोनारिनदूती यथा ॥

कारीगरीमैकरीवहुतै नजरीगईतीकछुवैनअलाई ॥ जा
नतहौतुलमोहनलाल सुनारिअनारिनिकौं ठहराई ॥ रीझ
कीवेनीप्रवीनभई मनखीझकीवातगईनकहाई ॥ लाइयेहीरा
अमोलिकलाल अवैपहुँचीतुरतैवनिआई ॥ १ ॥ कंठलगीह
रिकेतुमयौंकहि लैजनकंठसिरीपहिराई ॥ देंहुँकपौंसिगरीत
वही अरुह्वैजरदीसुखभापरआई ॥ नीकेसेह्वैगयेआनिकहा
थैं यहैसवहीकेभईदुचिताई ॥ नोकगड़ीकहुँमैहूं यहैकहि प्या
रीतिहारीकीवातछिपाई ॥ २ ॥ जाइकहैनहमारीदसा कव
हूं तोअरीकरिदैमनभायो ॥ यौंकहिप्यारेपठाइदतै अरुव्यौं
तकछूगहनेकोवतायो ॥ कानतरौंनालगीपहिरावन त्यौंढि
गजैवेकोऔसरुपायो ॥ हाँसीकीवातकछूकहिनारि सुनारि
सनेसोपियाकोसुनायो ॥ ३ ॥

अथ रूपकारिनीदूती यथा ॥

दारिगलीहैभलीविधिसों वहुचावरहैगीसुगंधभरीज ॥
देखिवरावरीरीझिरहौगे सुपापरिपूरीकरीनडरौजू ॥ हैतरका
रीसवादभरी वनिगोरससेवकभूखहरौजू ॥ सौंधीसलोनीसु
धासीरसोली सुकंतएकंतमैभोगकरौजू ॥ १ ॥ वेसनीरावरेसु
हसनेहकी पूरीपकायवनायलखाइहौं ॥ रीझरहौगेवरावरी
देखि कढ़ीरसवारीतुमैपरसाइहौं ॥ धीरधरोनउतावलेहोउ
सुमेरहरीमैनहींअनखाइहौं ॥ चाहतजोइरसोइमैसोइ र
सोइमैरसराखिचखाइहौं ॥ २ ॥

अथ वारिनदूती यथा ॥

पातरीबातनहींदुनियाँकी सनेहनिद्दीपदसासीजरावति ॥ खोलनहींसेचुभेउरबैन रँगीलनकीसुनतैबनिआवति ॥ सेवक स्यामसोंराधिकेतूं सिकवोसुनिज्ञतरकाँ नवतावति ॥ बावरे बावरीमोहिकहैं कोसमालकोंबाहिसमालदिखावति ॥ १ ॥ जानतीहौंकोअवारभई तमपुंजकोकुंजमैफैल्योप्रभाज ॥ रावरेकारजहीमैरही द्विजआइबनायकैजायचगाज ॥ भूषित हैपटभाँतिअनेक सनेहभई तुमकोंइरसाज ॥ चोरजनैकरहो जोललातो अवैवहबालमसालसैलाज ॥ २ ॥

अथ वरदूनदूती यथा ॥

देखियेसूधेचुनीतियमे सुभराख्योहैमैकोहिँभाँतिसँवारे ॥ चारुसुगंधकीखानिकथा कहियैरघुनाथमहागुनधारे ॥ चाहतजैसियेतैसियेलाइहौं स्वच्छसुधारीजुहेततिहारे ॥ कीजियेलालकृपाइतहीं नितलोजियैआयकैपानहमारे ॥ १ ॥ कैसोकहोमुखमैलगीमाधुरी एलालवंगसुवासवसीहै ॥ कोनेरचीरचीबेनीप्रबीनयोँ मोहिबतावतहीतहँसीहै ॥ जानिनलोजैसुजानबड़ी गरैंकैसोकुसुंभितपीकधँसीहै ॥ आजुकीबीरीबलायल्योँ बार लखौअधरानमैंकेसीबसीहै ॥ २ ॥

अथ स्वयंदूती लक्षण ॥

दोहा ॥ करैआपुहीआपुनो दूतपनेको काम ॥
ताहिस्वयंदूतीकहैं सकलसुकविअभिराम ॥ १ ॥

स्वयंदूती यथा ॥

ऐसेबनेरघुनाथकहैहरि कामकलानिधिकेमदगारे ॥

आँखिनआरोखिसोंआवतदेखि खरीभई आइकैआपनेद्वारे ॥ री झिसकूकसोंभोभीसनेहसों बोलीहरंरसआखरभारे ॥ ठाढ़हो तोसोंकहौंगीकछू अरेग्वालबड़ीबड़ीआँखिनवारे ॥१॥ नैनमचा इचवाइनकोछन रैनमैंकू निकसोयहटोली ॥ लोटिमिलैंगेजबै घरको नहिंभूलिहैसेवकआँवतीभोली ॥ देखितुम्हैंछतियाफार की त्यौंतनीतरकीदरकीकछुचोली ॥ आपनेपीकीलुहारिनि हारि बिचारिकैतोसोंसदं करिबेली ॥ २ ॥ सायगई उपनंद धाभीन नधायहइहाँसजनीअपनेघर ॥ लैसैकोदीपदिनेसनहूस रो स्नूनोनिहारिमहामनसैडर ॥ द्वारसैंअंधपरगोदरबान सु नैनहींकानसरगोजनुभूपर ॥ आइहूतीनपुकारियेकाहू हैआग इहाँकोजदेनकोंजतर ॥ ३ ॥ हारहियेप्रफुलाकोलसै बनीबें दीदियेसनकोसुकुमारी ॥ पीनपयोधरपातरोलंक करैबड़ी अँखियाँकजरारी ॥ गोकुलनाथविलोकिकह्यो अजूराखती हौकहाधानकोकुमारी ॥ बालकहौसुसकायघनी घनकोघटासी यहग्वारिहमारी ॥ ४ ॥

दोहा ॥ ज्योंसंजोगसिंगारमैं रितुउद्दीपनहोत ॥

त्योंवियोगमैंबिरहको रितुलखिबढ़तउदोत ॥

अथ उद्दीपनविभावान्तरगत षटरितुवर्णन तहाँ प्रथम वसन्तवर्णन ॥

वायुबहारिबहाररहैछिति बीथीसुगंधनजातीसिंचाई ॥ त्यों मधुमाधिमलिंदसबै जयकोकरखानरहैकछुगाई ॥ मंगलपा ठपढ़ैं द्विजदेव सबैविधिसोंसुखमाउपजाई ॥ साजिरहेसबसाज बनी बनमैंरितुराजकीजानिअवाई ॥१॥ मिलिमाधवीआदिक

फूलकेब्याज बिनोदलवाबरसायोकरैं ॥ रचिनाचलतागमता
निवितान सबैबिधिचित्तचुरायोकरैं ॥ द्विजदेवजूदेखिअनोखी
प्रभा अलिचारनकीरतिगायोकरैं ॥ चिरजीवोवसन्तसदाद्वि
जदेव प्रसूननकीझरिलायोकरैं ॥२॥ फूलेघनेघनेकुंजनमाहँ
मएछविपुंजकेवीजवएहैं ॥ त्यौंतरुनूहनमैंद्विजदेव प्रसूननएई
मएउनएहैं ॥ साँचोकिधौंसपनोकरतार बिचारतहूनहीठी
कठएहैं ॥ संगनएत्यौंसमाजनए सवसाजनएरितुराजनएहैं ॥
३ ॥ सौंधेसमीरनकोसरदार मलिंदनकोमनसाफलदायक ॥
किंसुकजालनकोकलपद्रुम मानिनीबालनहूंकोमनायक ॥
कंतअनंतअनंतकलीनको दीननकेमनकोसुखदायक ॥ साँ
चोमनोभवराजकोसाज सुआवतआजइतैरितुनायक ॥ ४ ॥
फूलिरहेबनवागसबै लखिफूलनिफूलिगयोमनमेरो ॥ फूलनि
हीकोबिछावनोकै गहनोकियोफूलनिहीकोघनेरो ॥ लालप
लासनएचहुँओरतें सैनप्रतापकियोघनघेरो ॥ राखैयोंफूलैंफै
लायफैलाय कियोरितुराजनेमानहुँडेरो ॥५॥ सुंदरसोहैसुगं
धितअंग अभंगअनंगकलाललिताहै ॥ तैसीकिसोरसुहात
सुयोगिनि भोगिनिहूंकोमनोहरताहै ॥ संगअलीअवलीरबि
राजत अंगरसीलीबसीकरताहै ॥ कोमलतायुतवीरबसन्तकी
बैहरकीवनिताकीलताहै ॥६॥ सेवतीसोनजुहीथलपुंजपैं कंज
कलीअलिगुंजपीसाचै ॥ बैठीकहाभृकुटीनकोंऐंठिकै सोरसु
न्योरितुराजकोसाँचै ॥ फूलनफौजधंमारधुकार हकारतको
किलकीरकुलाचै ॥ बाचैंनबीरमवासेकहूं अबनाचेबनैगीबस
न्तकीपाँचै ॥ ७ ॥ फूलेअनारनिपाँड़रडारनि देखतदेवमहा

छरसावै ॥ पाखुरीभौंरनिआमकेबौरनि ओरनकोगनसंरसे बाँचै ॥ लायउठैबिरहागिनिकी कचनारनवीचअचानकआँचै ॥ साँचेहुँआरपुकारिपिकीकहैं नाचेबनैगोबसन्तकीपाँचै ॥ ८ ॥ फूलेरसालकीडारिनबैठि अलीकुलभूलिभुकैमेडरात हैं ॥ बेनीजूकोकिलकूककपोतम एडलहैलतिकानमैपात हैं ॥ सीतलमंदसुगंधसमीरज पीसधुचंदमनंदसैगातहैं ॥ याम हिमन्तबसन्तकेएशुन मानकिलालखतैछुटिजातहैं ॥ ६ ॥ देखतहीबनफूलेपलास बिलोकतहीकछुभौंरकीभीरन ॥ बावरीसीमतिमेरीभई लखिबावरीकंजखिलेघटनीरन ॥ भाजिगयोकहिंध्यानहियेतें नजानिपरीकवकौढ़िकेधीरन ॥ अंधनकीनकेलोचनहीँहिँ परागसनेसरसातसमीरन ॥ १० ॥ अतिलालगुलालदुकूलतेफूल अलीअलिकुन्तलराजतहै ॥ सुकताकेकदंबसुअंबकमौर सुनैसुरकोकिलाजतहै ॥ सखतूलसमानकेगुंजछरानमैं किंसुककीछबिछाजतहै ॥ यहआवनप्यारीजुकीरसखान बसन्तसीआजबिराजतहै ॥ ११ ॥ बारनभौंरकुमारभजैं पुहुपावलीहासबिलासहिपूजत ॥ पाठकियेकरैं आठहजाम सुबोलनिसीखनकोकिलकूजत ॥ वैवनआनदजानछए तकियेंछबिआनकयों आँखिनछूजत ॥ एरीबसन्तनवावतकंत सुजानिकैमानमईकतहूजत ॥ १२ ॥ सेवतीगंधककेअलिगुंजत कुंजनमेरसपुंजभरैगो ॥ फूलिउठैजकनाहींपरै कलकोकिलकोगनकूकभरैगो ॥ कोजनबीरचहैतमपीर मनोजकेतीरसोंधीरधरैगो ॥ तोहिबसन्तहसन्तभटू उठिअंतहकंत बिनानसरैगो ॥ १३ ॥ गूंजैंगेभौंरपरागभरे परगूंजैंगीकोकि

लगेसुरगायके ॥ फूलैंगीकेसूकुसुंभजहाँलगि दौरैगोकासकसा
नचहायके ॥ पौनबहैगीसुगंधसमारख लागैगीहीमैसलाक
सीआयके ॥ मेरोमनायोनमानैगीभाँवती ऐहैबसन्तलै जैहैम
नायकै ॥ १४ ॥ मदमातीरसालकीडारनपैंचढ़ी आनदसोंयों
बिराजतीहैं ॥ कुलजानकीआनकरैनकछू मनहाथपराएईपा
रतीहैं ॥ कोजकैसीकरैहिजतूहौंकहै नहिँनेकौदयाउरधार
तीहैं ॥ अरीकैलियाकूकिकरेजनकी किरचैंकिरचैंकियेडा
रतीहैं ॥ १५ ॥ आयोबसन्ततमालनतें नबपल्लवकीद्रुमिजोति
जगीहै ॥ फूलिपलासरहेजितहींतित पाटलरातेहिरंगरँगी
है ॥ मौरिकैआँमनसारमई तिहिंऊपरकोकिलआनिखगीहै ॥
भागनभागबचेबिरहीजन बागनबागनआगिलगीहै ॥ १६ ॥
एहजचंदचलौकिनवाहल लूकैंबसन्तकीजकनलागी ॥ त्यौंप
दमाकरपेखोपलासनि पावकसीमनोफूंकनलागी ॥ वेहजबारी
बिचारीबधू बनबावरीलौंहियेहूकनलागी ॥ कारीकुरूपकसा
इनैये सुकुहूकुहूकैलियाकूकनलागी ॥ १७ ॥ आमकेमौरध
रेतुररा रितुकिंसुककीअलफीनसुहायो ॥ धूमपरागनकीवा
फनी अलबेलिनसेलिनसोंछबिछायो ॥ कंजसखाकरिकिलि
लिये अरुकोकिलैंकूकअवाजसुनायो ॥ प्रानकीभीखबियोगि
निपैं रितुराजफकीरह्वैमागनआयो ॥ १८ ॥ बैरीबसन्तके
आवतही बनबोचदवागिनिसीपजरैगी ॥ जोगिनिसीबनिहैब
नमाल बियोगिनिकैसेकैधीरधरैगी ॥ गुंजनबैअलिपुंजन
की सुनिकुंजनकैलियाकूकरैगी ॥ सूलसेफूलेपलासनकी
डरियाँउरपावनीदौठिपरैगी ॥ १९ ॥ ज्यौंत्यौंरह्योअबलौं

जियतू अबआयोवसन्तकछूनबसैहै ॥ संभुसुगंधितसीतलमं
द समीरनिपीरगँभीरउठैहै ॥ क्यौंठहरैगोकरैगोकहा जब
कोकिलाकूकिकैकूकसुनैहै ॥ औरनतेराेफबैगोकछू बलिसंग
कुहूकोहूहूकदिजैहै ॥ २० ॥ बौरेरसालनकीचढ़िडारन कू
कतिक्वैलियामौनगहैना ॥ ठाकुरकुंजनपुंजनगुंजत भौंरन
काचैचुपैबोचहैना ॥ सीतलमंदसुगंधितभौर समीरलगैतन
धीररहैना ॥ व्याकुलकीन्होवसन्तबनायकै जायकैकंतसोंको
ऊकहैना ॥ २१ ॥ आलीसुनोवनमालीवियोग पलासकेपुंज
नकोसुखभागी ॥ पातसुखायगिरेमहिआनि लतानसेरयाम
ताकोरँगरागी ॥ धीरधरेठहरातनमाधव मैनकोजोलिसजो
रहैजागी ॥ भामिनीभौनसैभागिचलौ फिरिआगिउठैगोधुं
वाँउठैलागी ॥ २२ ॥ जबतेंरितुराजसमाजरच्यो तबतेंअवली
अलिकीचहकी ॥ सरसायकैसोररसालकीडारिन कोकिल
कूकैंफिरैंवहकी ॥ रसियावनफूलेपलासकरील गुलावकीवा
समहामहकी ॥ विरहीजनकेदिलदागिबेकों यहआगिदसों
दिसितेंदहकी ॥ २३ ॥ संगसखीकेगईअलबेली महासुखसों
वनबागविहारन ॥ बाढ़ेवियोगविलासगए सबदेखतहीवेपला
सकीडारन ॥ जानिबसन्तओकंतबिदेस सखीलगीबावरीसी
ह्वैपुकारन ॥ चूवैचलिहैंचुरियाँचलिआउरी आँगुरियाँजनि
लाउअँगारन ॥ २४ ॥ भूमिसेकौनेलएवनबागए कौनेजमा
लनकोहरिआई ॥ कोढ़्लकाहेकराहतिहै बनकौनेचहूंदिसि
धूरिउड़ाई ॥ कैसौनरेसबयारिबहै यहकौनधौंकौनसोंमाकुर
नाई ॥ छायनकोअतलासकरै येपलासनकौनेदवारिलगाई

॥२५॥ आयेोबसन्तदुखन्तसखी घरआएननाहनपाएसँदेसे॥ कोकिलकूकिउठीचहुँओरतें हूकिउठीहियहूकसोलेसे॥ याहीतेंजीयडरै अधुसूदन जातिनहींबनवाहीअँदेसे॥ फूलिपलासरहैजिनहींतित लोहुभरेनखनाहरकैसे ॥२६॥ ऋतुओरउपावकरैजनिरी दुतनेदुखसोंसुखहैमरिबो॥ फिरिअंतकसोबिनकंतबसंत सुआवतजीवतहीजरिबो॥ बनबौरतबौरीहोजाउँगीदेव सुनैभुनिकोकिलकीडरिबो॥ जबडोलिहैंबौरैअबौरभरी सुहहाकहिबौरकहाकरिबो॥२७॥ देकहिमौरसिआरनकौं दुहिँबागनकोकिलआवनपावै॥ मूदिकरोखनमंदिरके मलयानिलआयनछावनपावै॥ आएबिनारघुनाथबसंतको ऐबोनकोऊसुनावनपावै॥ प्यारीकौंचाहैजिआयोअमारती गाँवमैकोऊनगावनपावै॥२८॥ धूंधुरसीबनधूमसीगाँवन गाँवनतानलगैनरबौरी॥ बौरीलताबनिताभईबौरी सुबौधिअध्यायरहीअवधौरी॥ बेनीबसंतकेआवतहीं बिनकंतअनंतसहैदुखकोरी॥ ओरीघरैहरिआएनजोपहिलेहींजरैजरिहैफिरिहोरी॥२९॥

॥ अथ वसन्तान्तर्गत होरी वर्णन ॥

फागरच्योनदनंदप्रबीन बजैंबहुबीनमृदंगरबावैं॥ खेलतीवैसुकुमारतिया जेनभूषनहूँकीसकैंसहितावैं॥ सेतगुलालकीधूंधुरमैं भालकैंइमिबालनकेमुखआवैं॥ चाँदनीमैंकबिसंभुमनो चहुँओरबिराजिरहींमहतावैं॥१॥ फागरचीरूपभानकेभौन दैगारिनवारिचहूंदिसिकूकैं॥ आयजुरीउपजावतिजे मनमोहनकेमनमैनकीहूकैं॥ चातुरसंभुकहावतवे हज

सुंदरीसोहियदीज्यौं मसूकैं ॥ जानीनजातिमसालऔवाल
गोपालगुलालचलावतचूकैं ॥ २ ॥ खेलतिफागअरीअनुराग
सुहागसनीसुखकीरमकैं ॥ कंजमुखीकरकुंकुमलै पियकेमुख
मींडनकोंझमकैं ॥ मारीगुलालकीधूंधुरमै इतबालनकेमुखयौं
दमकैं ॥ सांवनसांझलजाईकेसांझ मनोचहुँघांचपलाचमकैं
॥ ३ ॥ कुहुँओरसोंफागमचीउमड़ी जहाँवीचहीओरतेंओरभि
री ॥ धधकीदैगुलालकीधूंधुरमैं धरीगोरीललामुखमींड़िसि
री ॥ कुचकंचुकीकोरछुवेंछरकै पलनेसफंदोफरकैज्यौं चि
री ॥ उरपैझपकैंधोकढ़ैतरिता तरपैमनोवालघटाजैघिरी ॥
४॥ विधुकैसीकलावधूगैलनिमैंगसी ठाढ़ीगुपालजहाँचुरिगो ॥
पजनेसअभागरीआसिनपैं घलेफागुकेफैलनिसोफुरिगो ॥ सुर
कीरकीवंकविलोकतलाल गुलालसैवेंदासवैपुरिगो ॥ दिगसे
हरसगोहैदिनेससनो दिगदाहकीदीपतिसैंदुरिगो ॥ ५ ॥ वा
लमारोलाउधारिनिहारि गुलाललैलालनउपरडारैं ॥ एकउ
रोजलज्योउवरयो पियतामैदईपिचकारिकिधारैं ॥ रीझयकी
सवरीसजनी उपमाकविरामगुपालविचारैं ॥ जानकुंसैनउ
छारदियो निवुवायिरकैअनुरागफुहारैं ॥ ६ ॥ केसरिकेपि
चकापरिपूरन पूरकपूरगुलावकेदोना ॥ आईसवैललनालालि
तादिक खेलनफागनिकुंजकेकोना ॥ केसरियापटसेहगदावे
गुलालकेवासनसाजसलोना ॥ मनोकहूं बिछुरयोनिजसाथतें
सोनजुहीमैंछिप्योमृगछोना ॥ ७ ॥ वड़भागसुहागभरीपिय
सों लखिफागुमैंरागनछायोकरै ॥ कविलालगुलालकीधूंधुर
मैचखचंचलचारुचलायोकरै ॥ उझकैझिझिकैअहरायकुके

सखिमंडलकोमनभायोकरै ॥ कुतियाँपरंरंगपरेतेंतिया र तिरंगतेंरंगसवायोकरै ॥ ८ ॥ लैबलबीरअबीरकीमूठि दई अलबेलीललीहगदूपर ॥ त्यौंबनमालीपैआलीचलावति सा लीगुलालकीछूँ रहीभूपर ॥ लैपिचकारीबिहारीतहाँ अधि कारीकरीहजगोपबधूपर ॥ पीनपयोधरतेंउचटीसु परीसबके सरलालकेऊपर ॥ ९ ॥ खेलिकैफागफिरींजबसों तबसोंहग देखियेसैरसहग्रोसो ॥ आवतहैमुखजोसोकहैं कछूखाँहिंनपी वहिंभूतचढ्योसो ॥ ऐसीदसासबकीरघुनाथ रह्योतपिकैअँ गआगिदह्योसो ॥ डारिगयोनदलालसखी इनबालपैमानो गुलालपढ्योसो ॥ १० ॥ एनदगाँवतेंआएइहाँ उतआईसुता वइकौनरूखालकी ॥ त्यौंपदमाकरहोतजुराजुरी दोउन फागरचीदृहिंख्यालकी ॥ दीठिचलीउनकीइनपै इनकीउनपै चलीमूठिउताककी ॥ दीठिसीदीठिलगीउनके इनकेलगीमू ठिसीमूठिगुलालकी ॥ ११ ॥ बैसनईअनुरागमईस भईफिरै फागुनकीमतवारी ॥ कौंवरेपानिरचीमेंहदी डफनीकेबजाय हरैहियरारी ॥ साँवरेसौंरसकेभायभरी घनआनदसोनलैदीस तन्यारी ॥ काछबेपोषतप्रानपियै सुखअंबुजच्वै मकरंदसीगा री ॥ १२ ॥ खेलतफागगुलालभरे इतग्वालिउतैधनस्यामउ मंगसों ॥ कंचनकीपिचकारिनधार खुलीअलकैंसुकतावलिअं गसों ॥ ओजिकपोलनिगोलगिअंचल कंचुकीचारुउरोजउतं गसों ॥ केसरिरंगसोंअंगरँग्योकी रहीरँगिकेसरिअंगकेरंग सों ॥ १३ ॥ खेलतिफागसोहागभरी सुघरीसुरअंगनातेंसुकु मारिहै ॥ जैयेचलेअठिलैयेउतै इतैकाछपरीहषभानकुमारि

है ॥ संभुसखूहगुलावकेखोसन ढारिकोकेसरिगारिविगारि
है ॥ पाँसरीपाँवछुहोतजहाँ तहाँकोलखाकामरीपैरंगडारि
है ॥ १४ ॥ फागनकेदिनबावरेए हूनसैनगुसाँइनतानिवहैहै ॥
कासहुँहाईरहीफिरिकैं अवलोकनकाहूकीकूकलहैहै ॥ जा
यकैरंगनसोंभरिहै डरिहैनहींनागरसाँचीकहैहै ॥ खोरीन
हींबरजोरीनहीं इहिंहोरीमैंकौनधौंकोरीरहैहै ॥ १५ ॥ फा
गुनमैएकप्रेमकोराजहै काहूवेकाजकरोहौचरावर ॥ रूपछ
पासकथारेहिहैंहम कोजकितेकोकरैनासरावर ॥ नागरने
कछुवेतेंकहा जगिरजोछुटिकैछितिमाहिंछरावर ॥ क्योंसत
रातिहौगोरीकिसोरीजु होरीमैराजाऔरंकबराबर ॥१६॥
घेरेरहैंघरहाँइँघनी फिरवीतेनफागकछूकहिजायगी ॥ लाल
गुलालकीधुंधुरमैं सुखचंदकीओतिकहूँलहिजायगी ॥ प्रेमप
गीबतियानतैंरी छतियानतैंलाजसबैबहिजायगी ॥ जौनसि
खीमनमोहनतैं तौ मनकीमनहीमनमैंरहिजायगी ॥ १७ ॥ ठा
ढौरहौनभगौनभगौ अबदेखोजोहौंकछुखेलतिख्यालहि ॥
गाँवनदैरीवजावनदै साजिआवनदैइतनंदकेलालहि ॥ ठाकुर
होरंगिहौंरंगसौं अँगओढ़िहौंवीरअबीरगुलालहि ॥ घूंघुर
मैंघबकीसैघलारमैं हौंघँसिहौंधरिलैहौंगोपालहि ॥ १८ ॥
घेरिलियेवनसयासचहूंदिसि दामिनिसीमिलिचेटककैगई ॥
पीतपिछोरीरहीकरखैंचिकै बाँसुरियाहँसिकैछीनिकैलैगई ॥
प्रेमकेरंगनसोंभरिकै अरुफागकेरंगनसोंहनीबैगई ॥ केस
रिसोंमुखमीड़िगोपालको खंजनसेदृगअंजनदैगई ॥१९॥ कै
सोहैढोठिलखौयहगोपकी ओपभरीसिगरीदृजबालसों ॥ का
हूकीकानिनामानतिहैं हठठानतिहैचपलापनचालसों ॥ मा

रिगईतबकीबढ़िकै रघुनाथघुमायकैफूलकीमालसों ॥ लालकी
फेंटसोंलैकैगुलाल लपेटिगईवह्लालकेगालसों ॥ २० ॥ खेल
तफागलख्योपियप्यारीकों तासुखकीउपमाकोहिँदीजै ॥ देख
तहीबनिआवैभले रसखानकहाहैजेबारनेकीजै ॥ ज्यों
ज्यों छबीलीकहैपिचकारीलै एकलईयहदूसरीलीजै ॥ त्यों
त्यों छबीलोछकैछबिछाकसों हेरैहँसैनटरैखरोभीजै ॥ २१ ॥
खेलतिफागसुहागभरी वृषभानललीभलीभाँतिउमंगसों ॥ घूं
घुटओटकियेरघुनाथ गईहरिपैछलिछूटिकैसंगसों ॥ च्वैं कि
तिरीछीचितैमुसकाय फिरीपिचकारीलगायकैअंगसों ॥ री
भिरहैवहभावचितै अरुभीजिरहैवारँगीलीकेरंगसों ॥२२॥
हीरीकोरूपलख्योव्रजपौरि किसोरीकोचित्तबिछोहनछीज्यो ॥
दौरीफिरैदुगदेखिबेकों नदुरैमनओजमनोजकोसीज्यो ॥ के
सरियाचखचौंधतचोर त्योंकेसरनीरसरीरपसीज्यो ॥ लाल
केरंगमेभीजिरहो सुगुलालकेरंगमैचाहतिभीज्यो ॥२३॥ या
अनुरागकीफागुलखो जहाँरागतीरागकिसोरकिसोरी ॥ त्यों
पद्माकरघालीघली फिरलालहीलालगुलालकीझोरी ॥ जै
सीकीतैसीरहीपिचकी करकाहुनकेसररंगमैबोरी ॥ गोरी
केरंगमैभीजिगोसाँवरो साँवरेकेरँगभीजिगोगोरी ॥ २४ ॥
खेलियैफागुनिसंकह्वै आजु मयंकमुखीकहैभागहमारो ॥ ले
हुगुलालदुहूकरमै पिचकारिनरंगहियेमहँमारो ॥ भावैतु
म्हैसोकरोमोहिलाल पैपाँवपरौंजिनघूंघुटटारौ ॥ वीरकीसौं
हमदेखिहैंकैसे अबीरतोआँखैंबचायकैडारो ॥ २५ ॥ लालगु
लालबलाहकतें बरसैंझरीझोंकनकेसरिरंगकी ॥ त्यौंहीअनं

तक्रटाक्रविकी चमकैचपलाज्यौं मनोहर अंगकी ॥ देंगलवाँ होअनंदकिये। बरनौकादसावहमैनकेसंगकी ॥ भूलैनहींहम कोंसजनी वहफागकीखेलनिसाँवरेसंगकी ॥ २६ ॥ खेलतहीं रीकिसोरीसबै पकरेरीभरेरीहैसोरमचायो ॥ मारपरैपि चकारिनकी जहाँलालगुलालसौंअंबरक्रायो ॥ केसरकेघट कोंकरलै गिरिधारनकोंललितानहवायो ॥ मानोमहामनि मर्कतकों पुखराजकेसंपुटबीचक्रपायो ॥ २७ ॥ सखिहोरीके ख्यालमैगोरीकिसोरीकि आजअनूपमरीतिलहो ॥ पहिलेपि यकोंरंगबोरयोतबै छविसाँवरीसूरतिऔरैगही ॥ पुनिअंगगु लालसौंक्रायगुपालकों प्यारीजबैहँसिबातैंकही ॥ पहिलेहल लालक्रतिकहिबेके पैलालभएअबहींहीसही ॥ २८ ॥ फागुमै फेरहफेलेफिरोही कक्रूजियजानतलाजकोआइबो ॥ होहा खवायनभायकेक्राड़हि धन्यतिहारीयेबातैंबनाइबो ॥ गोवतगा रीठठोलीमिलावत नागरकोजुवतीनदबाइबो ॥ रावरेखेल कीजानीकलासब एतोललानहिंजोभचलाइबो ॥२६॥ आवतहै नटगाँवतिगावती संगसखाउफलीक्र नबीनै ॥ रंगनसौंभरिडारै सबै हँसहाथमरोरिकैचंगहीक्रीनै ॥ आपक्रकेकरबाँधिकैहा रसौं प्यारीकेपाँयनपारिअधीनै ॥ कातिककीबातनभूलिकैना गर आजक्रवेइभलेढँगलीक्र ॥ ३० ॥ बातैंलगायसखानतैंन्या रोकै आजुगह्योहषभानकिसोरी ॥ केसरिसौंतनमंजनकै दि योअंजनआँखिनमैबरजोरी ॥ हेरघुनाथकहाकहौंकौतुक प्या रेगोपालैबनायकैगोरी ॥ क्रोड़िदियोइतनोकहिकै बहुरोइत आइयोखेलनहोरी ॥ ३१ ॥ फागुकेभीरअभीरनतेंगहि गोविं

दैलैगईभीतरगोरी ॥ भाईकरीमनकीपदमाकर ऊपरनायगु लालकीझोरी ॥ छीनपितंवरकंबरतेंसु विदादईमीड़िकपोल नरोरी ॥ नैननचायकह्योसुसकाय ललाफिरिआइयोखेलन होरी ॥ ३२ ॥ धूमधमारिमचीहजमे मिलिफेंकतरंगउड़ावत रोरी ॥ आनिभरोबलवीरगुपालहि भामिनिभेषरच्योवरजो री ॥ सोविधतोविधिपूरीकरो सुतथारीकरीजसुदाजुकीछोरी छोड़िदियोक्षितिपाललाजुको भोरहीआइयोखेलनहोरी ३३

अथ ग्रीष्मवर्णन ॥

ग्रीषमसमैतपैभीषमभान गईवनकुंजसखीनकीभूलसों ॥ घा मतेंवामलतासुरझानी वयारिकरैंघनस्यामदुकूलसों ॥ कंपि तयौंप्रगटेपरसेद उरोजनिदत्तजूठोढ़ीकेमूलसों ॥ द्वैअरबिंद कलीनपैमानो झरैमकरंदगुलाबकेफूलसों ॥ १ ॥ हैजलजंबके मोहनीसंग बसीकरसीकरसीअवलीसों ॥ कैसखिकेहितमोद भरो जलजातअकासतेभूमिथलीसों ॥ कैमुकताफलकोबिर वा बिरच्योयहफूलजलेसरलीसों ॥ कंजसनालतेंकैमकरंद चलोतररायकेभाँतिभलीसों ॥ २ ॥ चंदनकोपहलामेंपरी परीपंकजकीपँखुरीनरसीमें ॥ धायधसीखसखाननन्हाय निकुं जनपुंजफिरीभरसीमें ॥ त्योंकविदत्तउपायअनेक कियेसिग रीसखिबेसरसीमें ॥ सीतलकौनकरैछतियाँ बिनपीतमग्रीषम कीगरसीमें ॥ ३ ॥

अथ पावसवर्णन ॥

सुनिकेधुनिचातिकमोरनकी चहुँओरनकोकिलाकूकनि सों ॥ अनुरागभरेहरिबागनमें सखिरागतरागअचूकनसों ॥

कविदेवघटाउनईजुनई बनभूमिभईदलदूलनसों ॥ रँगरातीह
रीहहरातीलता झुकिजातीसमीरकेभूकनसों ॥ १ ॥ घहरा
तघर्सडके औवलकैं लहरातसुहातबनेवनए ॥ उलहैंमहिअंकु
रमंजुहरे बगरेतहाँइन्द्रबधूगनए ॥ असजानिकिसोरसमैरस
मैं कसहौंहिंनसैनसईमनए ॥ चितचैनचएनमआनिछुए अब
देखुनएउनएघनए ॥२॥ चहुँओरनजोतिजगावैकिसोर जगी
प्रभाजेबनजूटीपरै ॥ तिन्हितेंभरिमानोअँगारघनी अवनीघनी
इन्द्रबधूटीपरै ॥ चहुं नाचैनटीसीजरावजटीसी प्रभासोंपटीसी
नखूटीपरै ॥ अरीएरीहटापटीविज्जुछटांछटी छूटीघटानतेंटू
टीपरै ॥ ३ ॥ देखितमासोदिसाबिदिसा बिरहीउरअंतरकाँ
पतिसोहै ॥ केकीपपीहनकीबरबानि भिल्लीभनकारकीकाँप
तिसोहै ॥ ठाकुरठाढ़ीमनोहरपास कहैबरबालनिसापतिसी
है ॥ कामहुसानुकीडोरीचली चपलाफिरैंमेघनमापतसोहै ॥
४ ॥ छिनहीछिनदौरैदुरैदरसै छबिपुञ्जकिसोरजमासेकरै ॥
अतिदीनबिनापियजानिजिए पिरहीनहिएवरमासेकरै ॥ अ
सदेखीभईअबहूं पिरहै घनकींहरिकीउपमासेकरै ॥ चहुँघाँ
तेंमहातरपैबिजुरी तमतामसेआजुतमासेकरै ॥ ५ ॥ दुखदूर
भयेअरीग्रीषमको करिबेपिकचातिकगानलगे ॥ चपलाचम
कैलगीचारोंदिसा निसमैजुगनूदरसानलगे ॥ गिरिधारनपा
वसआवतही बकइन्द्रअकासउड़ानलगे ॥ धुरवासबओरदेखा
नलगे मोरवानकेसोरसुनानलगे ॥ ६ ॥ चमकैचपलाभरकैं
जुगनू रवभेकिमकोभयछावतहै ॥ पिकभिल्लिनकोगनमोरन
सों मिलिकैअतिसोरसुनावतहै ॥ कबिगोकुलप्यारीबिनागि

रिधारो कन्हो अबकौनबचावतहै ॥ इहिँओरलखौछितिछोर
छितें घनघोरतसो चलो आवतहै ॥ ७ ॥ दिनरैनिकोसंधिन
बूझिबेको मतिकोकतमीचुरवानलगो ॥ नदियानदलौंउम
ड़ोलतिका तरुतैसेनपैंगरवानलगो ॥ कछुसेवकऐसेमेकैसेजि
यै जेहिँकासतियाउरआनलगो ॥ मतिमोरिनीकोसुरवानल
गी गतिबीजुरीकोधुरवानलगो ॥ ८ ॥ कैसोमनोहरमंजुसमी
रन जानियेबैरबहैधौंकहाँतें ॥ जैसीकिसोरलतालचैंतैसी न
चैंमोरवानकीजातिजमातें ॥ छूटतीकैसेनऐसेसमै सुखछूटती
बिज्जुछटाचकचौंधातें ॥ आजअरीजसुनातेंलगी नभमें। लखुसा
मघटानकीपाँतें ॥ ९ ॥ घूँमिघटाघनकीगरजै चमकैंचपलाछि
तिछ्वै फिरैंफेरी ॥ सोरकरैंचहुँओरतेंमोर जुरीकरैंकोकि
लाकूकघनेरी ॥ गोकुलसोरे।समीरलगें केहिँभाँतिसोंधीरर
हैंगेधरेरी ॥ मोछिबिनायहसाँवनकोनिसि भावनकैसेबिता
यहैंएरी ॥ १० ॥ साँवनकोरितुआईसखी पतियानलिखोअज
हूँमनभावन ॥ भावनरागमलारमैंभूपति रंगउमंगसोंलागेहैं
गावन ॥ गावनमेंहरखैंसबही बरखैंबरबुंदघटानकीआवन ॥
आवनआजभये।नहींपीवको जीवकोमैनलग्योतरसावनँ ॥११॥
उठिदेखरीबीरअटानअटा चढ़ि बिज्जुछटाछहरानलगी ॥ अ
तिसौरीबयारसुगन्धसनी द्रुमबेलिनपैफहरानलगी ॥ सखि
औधिकीआसधरीयैरही लखिकैछतियाँथहरानलगी ॥ यह
कैसोअचानकआनिबनीरी घटाघनकीघहरानलगी ॥ १२ ॥ झु
मिहरीभईगैलैंगईमिटि नीरप्रवाहबहानिबहाहै ॥ कारीघ
टानिअँधेरोकियो निसिद्यौसमभेदकछूनरहाहै ॥ ठाकुरऔ

नतेंदूरघरैसौंनलौं जातवनैनबिचारमहाहै ॥ कैसेकैआवैकहा
करैंगीर बटोहीबिचारनदोसकहाहै ॥ १३ ॥ भादौंकीभारी
अँध्यारीनिसा झुकिबादरमंदफुहीबरसावै ॥ लाड़िलीआपनी
ऊँचीअटापैचढ़ीरसमत्तमलारहिँगावै ॥ तासमैमोहनकेदृग
दूरितें आतुररूपकीभीखयौंपावै ॥ पौनमयाकरिघूंघुटटारै द
याकरिदामिनीदीपदिखावै ॥ १४ ॥ झरलाग्योझारीउघरैनघ
री नदियाँउमगीजलधारनसौं ॥ यहभूमिहरीमनलेतहरी
धुरवाधुकिजातबयारनसौं ॥ लखिबादरदादुरसोरकरैं लिलि
कूजतमोरमलारनसौं ॥ हँसिदेउमिलेगरबाँहगरें झुकिझू
लैकदंबकीडारनसौं ॥ १५ ॥ ऊँचीअटापैलखैंघटादोउ दुहू
नकीह्वैरहीरूपकलासी ॥ बेनीबड़ेबड़ेबूंदनतें एकबारहीबा
रिधिकीझहलासी ॥ चौंकिचलीबिचलीगचपै लचकीकरिहाँ
कुचभारछलासी ॥ त्यौंघनस्यामगहीअबला फिरिकैगरेला
गिगईचपलासी ॥ १६ ॥ सदाँचातिकचायसौंबोल्योकरौ सुर
बानकोसोरसुहावनहै ॥ चमकैचपलाचहुँघावचढ़ी घन घोरघ
टाबरसावनहै ॥ पलकौपपिहानरहौचुपह्वै अरुपौनचहूँदि
सिआवनहै ॥ मिलिप्यारीपियालपटैछतियाँ सुखकोसरसाव
नसावनहै ॥ १७ ॥ चाँपिचढ़ेघनव्योमसढ़े बरसैंसरसैकरिकै
घनगाढ़े ॥ ऐसेसमैरघुनाथकियो घरतेंपगबाहिरजातनका
ढ़े ॥ औवृषभानकुमारिमुरारि सखीतेहिँऔसरप्रेमकेबाढ़े ॥
पातनकेछतनाचिरदै दोउबातनकेरसभींजतठाढ़े ॥ १८ ॥
खरिकामैखरेवरखारितुमै उनएघनजोअतिसंकटके ॥ भजि
औरनमारखदौरिदुरे अटीराधेगुपालरहैहटके ॥ तरनाकि

तरौबगलोरिकैगौरन घेरिबछौननतेंठठके ॥ परेसेहमैसीबैं
जलैहभरेदोऊपांसरीकासरीलैसटके ॥ १९ ॥ राधाश्रौमा
धोन्हरेदोऊसींजत वाकरिलैश्रापकौंवनसाहीं ॥ वेनीगएगुरि
दातनिलै सिरपोतनिकेछनतागलबाँहीं ॥ पामरीप्यारीओढा
वतिप्यारेकों प्यारोपितंबरकौकरैछाँहीं ॥ श्रापुसलैलहाछेह
लैछोउलै काहूसोंभींजिबेकौसुधिनाहीं ॥ २० ॥ श्राजगईछ
तीसुंमनलौं वरखैंश्रतिबूंदघनेघनघोरत ॥ देवकहू हरिसींज
तदेखि श्राचनकश्रायगएचितचोरत ॥ भींतवधूतटश्रोटकुटीकि
घटौसोंलपेटिकटीपटछोरत ॥ चौगुनोरंगचढ़ैचितमै चुनरी
केचुचातललाकेनिचोरत ॥ २१ ॥ घनघोरघटाउमड़ीचहुँश्रो
रसों लेहकहैनरहैंवरसैं ॥ हरिराधिकादौरिदुरेदोऊकुंजमै
लागिरहेतिहिँठावरसौं ॥ श्रतिसौरीवयारिवहैसजनी सुसुका
वतियानुकहैवरसौं ॥ श्रनूश्राजकोद्यौसनभूलिवेको यहयाद
रहैवरसोवरसौं ॥ २२ ॥ घुरवानकौधावनिसानोश्रनंगकौ तुं
गधुजाफहरानलगो ॥ नभमंडलतेंछितिमंडलछ्वै छनजोति
छटाछहरानलगी ॥ सतिरासमीरलगैंलतिका विरहीवनि
ताथहरानलगी ॥ परदेसमैपीवनपायोसँदेस पयोदघटाघह
रानलगी ॥ २३ ॥ कूकिहैंकेकीगिरीनकेऊपर भूपरकामकला
नलैभूकिहै ॥ भूकिहैचंदवधूनकेवुंदन फूंकिहैमंदसमीरनचू
किहै ॥ चूकिहैप्रानविनाघनस्यामके घ्यामघटातनदेखतहू
किहै ॥ हूकिहैदैकैहियोकरिटूक श्रँध्यारीनिसामेंपियाकहि
कूकिहै ॥ २४ ॥ पावसमेंपरदेसपिया सुखहीबनितानिसोंभ
मपगे ॥ घनधूमिरहेछविसोंछितिपै मरजादमनोरथनातभगे

अतिसारतसारसुबाननसों पुनिनैनसनोसवशासजगी ॥ कोहँ
ऑतिपतिव्रतपालङ्करी मोरवागिरिपैकहरानलगी ॥ २५ ॥
नीरभालानकोपेखतपौरन बीरनबूंदबिसारहैंबानये ॥ धूम
बिथेगिनिकेघटसों घुटिधूमिपैभूजिरहैधुरवानये ॥ जीअरतै
नरहैंगेतीनैन नहींनदसिंधुभरैंगेनिदानये ॥ पीकहिपीकहि
पापीपपीहरा पीनयेजानिकैपीगयेप्रानये ॥ २६ ॥ आयोअ
साढ़हराअबह्वैतैं चढ़ीचपलाअतिचाँपिकैतूदैं ॥ ह्वै हैकहा
सजनीरजनी दिनपापीकलापीमचायहैंदूंदैं ॥ स्यामबिनाक
लनाहींपरै अँसुवानरहैंभरिआँखिनमूंदैं ॥ ग्रीषमभानसोंसो
हतसानसी लागतींबानसीबारिकीबूंदैं ॥ २७ ॥ अंगनअंगन
माहिँअनंगके तुंगतरंगउमाहतआवैं ॥ त्यौं पदमाकरआरुह्य
पास जवासनकेवनदाहतआव ॥ मानवतीनकेमाननसै जुगु
मानकेगुंमलढ़ाहतआवैं ॥ बानसीबुंदनकेघटरा घटराबिरही
नपैलाहतआवैं ॥ २८ ॥ आयोअसाढ़भईअतिगाढ़ गईसबरै
नपहारीसिठाढ़ैं ॥ कौनसुनैअरुकासोंकहौं चहुँओरतेंदामि
नीनाखतिबाढ़ैं ॥ मोरह्वौतेंकरैकोकिलकूक सिरेजनिलेतका
रेजोईकाढ़ैं ॥ कामिनीकेउनिबेकोंमनो चलकीमसकीजमकी
जमदाढ़ैं ॥ २९ ॥ निसिनीलनएउनएघनदेखि फटीछतियाँ
हजबालनकी ॥ कबिगंगजूबेकुबिछौनभई सुथरीदुतिदेखितमा
लनकी ॥ दसहूंदिसिजोतिजगामगीहोति अनूपमजोंगनजा
लनकी ॥ मनोकामचमूचढ़ीकिरचैं उचटैंकलधौतकेनाल
नकी ॥ ३० ॥ भजिवेगिचलौमथुराकोभट बचिहैनकोऊकरि
जोरनरी ॥ घिरिकारीउरारीघटानभतें लटकीधुरधानकीडो

रनरी ॥ अतिचावचढ़ीलहरकैचपला बढ़कैबरछीनकेसोरन री ॥ बढ़पाछिलोबैरसँभारिपुरन्दर चाहैअबैहूकबोरनरी ॥३१॥ कूकैंकलापीनकूकैंकहूं कूकिकूकैंसमीरकीम्रानककोरत ॥ त्योंपपिहापपिहागपिहाभयो पीवकोनावलैहीयहिलोरत ॥ पावसपीरअधीरनघावस घूंटैंघटाघटत्योंवनघोरत ॥ बूंदैंबदा बदीवारिधिलौं बढ़िबैरिनिआजवियोगिनिवोरत ॥ ३२ ॥ उमड़ेनभमंडलमंडितमेघ अखंडितधारनसोंमचिहैं ॥ चमकैं गोचहूंदिसितेंचपला अबलाकरिकौनकलावचिहैं ॥ अकुला यसदैंगोवलायमभारख आजुउपाययहैरचिहैं ॥ पहिलेअँच वैंगोहलाहललै फिरिकेकीकोलाहलकैनचिहैं ॥ ३३ ॥ गर जीवनघोरघटाचहुंओर भयोबिरहातबहोंसरजी ॥ सरजोज भएपिकदादुरमोर लियेरतिनायककीमरजी ॥ मरजीजुउठी पियकीसुधिलै चपलाचमकैनरहैवरजी ॥ बरजीअबकौनरहै सजनी भयोपावससोजियकोगरजी ॥ ३४ ॥ ऋतुपावसस्याम घटाउनई लखिकैमनधीरधिरातोनहीं ॥ धुनिदादुरमोरप पीहनकी सुनिकैछनचित्तथिरातोनहीं ॥ जबतेंबिछुरेकबिबो धाहितू तबतेंउरदाहबुझातोनहीं ॥ हमकौनतेंपीरकहैंजिय की दिलदारतौकोउदिखातोनहीं ॥ ३५ ॥ कबिबेनीनईउन ईहैघटा सुरवाबनबोलतकूकनरी ॥ छहरैबिजुरीछितिमंडल कू लहरैमनमैनभभूकनरी ॥ पहिरोचुनरीचुनिकैदुलही सँ गलालकैभूलियेभूकनरी ॥ रितुपावसयोंहीबितावतीहो म रिहौफिरबावरीहूकनरी ॥ ३६ ॥

अथ हिंडोरावर्णन ॥

सावनीतीजसुहावनीकौंसजि सूहेदुकूलसबैसुखसाधा ॥ त्यौंपद्माकरदेखिबनै नबनैकहतेअनुरागअबाधा ॥ प्रेमकेहि सहिँडोरनमै सरसैंबरसैंरसरंगअगाधा ॥ राधिकाकेहियझूलतसाँवरो साँवरेकेहियझूलतिराधा ॥ १ ॥ घेरिघटानतेंआयेभनै धुरवानकीडोरनलागीकिआरन ॥ मोरनकेगनसोरकरैं चहुँओरतेंचातिकलागेचिकारन ॥ ऐसीसमैछबिदेखिवेकोंद्विजतुहूंचलैकिनदौरिअगारन ॥ झूलतहैसहिंडोरनमैदोउ कालिंदीकूलकदंबकीडारन ॥ २ ॥ सुचिसावनीतीजसुहावनीविज्जु घनेघनहूंघहरानलगे ॥ बनकेबनगीबिंदचातिकसोर मलारनकेसोरवानलगे ॥ दुवोझूलैंझुकैंझमकैरसकैं हियरा अतिसैउमगानलगे ॥ पटप्रेमपगेफहरानलगे नथकेमुकताथहरानलगे ॥ ३ ॥ झूलतदंपतिनेहरंगे रसपुंजनिकुंजनिह्वौंबलिहारी ॥ रंगभरेपियदौनीसखी कलझूलझकोरकरैंचकभारी ॥ ढीलीभईमोतियानकीडोर सुकोरह्वैहेरगौललातनप्यारी ॥ आलीरीलाजभरीविचघूंघुट कैसीलसीअँखियाँअनियारी ॥ ४ ॥ चितचायसोंचारहिँडोरेचढ़ी सुखसावनगावनकोसचरा ॥ झमकीझकिझूकनलेतपरे कचकपरव्यालिनकेबचरा ॥ ललकैलखिवेनीप्रवीनकहै मनुमैनसचीपतिकोकचरा ॥ कुचकंचुकीमंदिरमाहँमहेस ध्वजाफहरातमनोअँचरा ॥ ५ ॥ झूलतिप्रेमसोंहेसकीडोर सिवारसीपातरीहैकटिखीनी ॥ दैमचकीलचकावतिअंगनि रंगमचावतिनारिनवीनी ॥ पीयझुलायगयोहैअचानक प्यारीमझाछबिसोंभयभी

नी ॥ लालहिँडोरनगोदभरी तियलोदभरीअँखियाँभरिली
नी ॥ ६ ॥ झूलनपाटकोडोरीनहें पटुलीपरबैठनित्यौं छकछ
की ॥ पाँयनदैदुसुचीलचकै लचकैकटिकंपनगोलछकी ॥
सोखिदै कौंविपरीतिलसो रितुपावसमैचटसारसुकी ॥ खो
टीपरैउचटैसिरचोटी चसोटीलगैमनोकामगुरुकी ॥ ७ ॥ झू
लनहारीअनोखीनई उनईरहतीइनहीरँगराती ॥ सोहकैला
वैंलतेलियैसंगकी रंगभरीचुनरीनचुचाती ॥ झूलाचलोहरि
साथहहाकरि देवभुलावतहोतेंडराती ॥ मोरहिँडोरोकि
डोरिनछोड़िकै देखझुलालगरेंलपटाती ॥ ८ ॥ भूलतिनाव
हभूलनिवालकी फूलनिमालकीलालपटीकी ॥ देवकहैलचकै
कटिचंचल चोरीदृगंचलचालनटीकी ॥ अंचलकीफहरानिहि
यें रहिजानिपयोधरपीनतटीकी ॥ किंकिनीकोभननानिभू
लावनि भूमनिसोंभुकिभानिभटीकी ॥ ९ ॥ कंचनखंभकदंब
तरें करिकोजगईतियतीजतयारी ॥ हौंहूगईपदमाकरत्यौं
चलि औचकआइगोकुंजविहारी ॥ हेरिहिडोरेचढ़ायलियो
कियोकौतुकसोनकह्योपरैभारी ॥ फूलनवारीपियारीनिकुंज
की भूलनहैनवाभूलनवारी ॥ १० ॥

अथ शरदवर्णन ॥

पियदेखतलागीरसाउभकी सुखकुंकुमरंजितभ्राजतहै ॥
रजनीउरकोअनुरागयहै किधौंमूरतिवंतविराजतहै ॥ किधौं
पूरनचंदसुछंदउदोत मुकुंदसबैसुखसाजतहै ॥ किधौंप्राची
दिसानवबालकेभाल गुलालकोबिंदुबिराजतहै ॥१॥ सिगरेदि
नवारिपहारसमेत तचीअतिदुस्सहपूषनसों ॥ भईसैलीमहा

रघुनाथकहै बड़छारिबयारिकोदुखमन्यों ॥ पलडीठिलगाइन जाइलखी दुतिभूरिरहीअरिदूषनन्यों ॥ सोईलीपतसोससि आवतुहै दिसिमेंजोपियूषमयूषनस्यों ॥ २ ॥ छाईछपादिन ज्योंदरसी मिलिवैचकवानबियोगबिसार्यो ॥ सौगुनोबाढ़्यो प्रकासदिसानमै चौगुनोचावनजातउचार्यो ॥ कैसीखिलीहै अलौकिकचांदनी नागरताकोविचारबिसार्यो ॥ राधेजुऊँ चेअटाचढ़िकैकहूँ आजनिसांबरघूंघुटटार्यो ॥ ३ ॥ फैलिर हीघरअंबरपूर मरीचिनबीचनसंगछिलोरत ॥ भौंरभरीउफ नातखरीसु उपायकीनावतरैरनतोरत ॥ क्यौंबचिवेअभजिह्व घनआनद बैठिरहेंघरपैठिढिंढोरत ॥ जोकमलैकोपयोनिधि लौं बढ़िबैरिनिआजबियोगिनिबोरत ॥ ४ ॥ सेतपछारअगार भए अवनीजलुपारदसाहिंपखारी ॥ हीतकीहूं दुचदोतलसै सकुँओरतैंसोरचकोरकोभारी ॥ फूलीकुमोदकलीनिकली अवलीअलिकीवलिमैनिरधारी ॥ कोपिकैचंदतियानकेमान पै सानोसियानतेंतेगनिकारी ॥ ५ ॥ चारुनिहारतरैयनकी दुति लाग्योमहाबिरहानतावन ॥ हैससिनायकहाकहिये जिनसोंलगिनैनहीकंजसेपावन ॥ बीचदुकूलकेफूलनलै अलवे लीकेप्रेमकोसिंधुबढ़ावन ॥ काह्नदिवारीकिरैनिचल्यो बरसा नेमनोजकोसंचजगावन ॥ ६ ॥

अथ हेमंतवर्णन ॥

बैरीबयारलगैबरछीसी अँगारलगैहिममैनमसूसमै ॥ पानसुगन्धसमेहसुरंग सुमेरहरीसजीसेजअटूसमै ॥ जाइन हीरविकेतपे बिनकंतहिमंतकोजोरजलूसमै ॥ कीरतिला

छिलौमे लकीलाछिलौ बावलौफूलत है कोऊ पूससै ॥१॥ पूसनि
सासैसुनाजकोलै गनिवैठेहुकु वेदुकु मतवाले ॥ त्योंपदमाकर
भूसैभुकै घनघूंसिरचैरसरंगरसाले ॥ सीतकोंजीतअभीतभ
एसु गनेनमखौ अकुसालदुसाले ॥ छाकछकाछविहौकौपिये म
दनैननकेमियेप्रेमकेप्याले ॥१॥ लेरेसिलायेमिलेदिनद्वैक दुरे
दुरेआनदआधअघाती ॥ त्योंचसकोचितवोचितचाहियै सो
चमको चनसोंलजजाती ॥ देवकहौंतिवनैविधिदेखि इतैसुखदे
खुलखुलाकोलजाती ॥ हैउनसीतमैसंगलहैउत सोइवेकोअति
मैललचाती ॥ २ ॥

अथ सिसिरवर्णन ॥

रैनिमैप्रीतिकीरीतिलकेरत ह्वैकैनिचीतभपेयहकोये ॥ नै
नसोनैनमिलायलिये सुखसोंसुखछायसहारसछोये ॥ मेलि
हियासोंहियाभुजदोउ दुहूं कटिसेपगसेपगपोये ॥ सीतकीभी
ततेदोउद्दयानिधि खोयमनोजविधान कोंसोये ॥१॥ नीलनि
कुंजवनीरसपुंज चहूँदिसिहेमवितानहैतानो ॥ आछेपरेपर
दामखतूलके तूलकोवासबिछाये बिछानो ॥ कोलकरैंगिरि
धारनजू सँगलैतियकोंमधआतसखानो ॥ पावकहीकोसिखा
नकेसंग अनंगहीपावकपूजतमानो ॥ २ ॥

अथ अनुभावलक्षण ॥

दोहा ॥ जिनतेंचितरतिभावको अनुभवप्रगटैआय ॥
तेअनुभावहिजानिहैं जेरसज्ञकबिराय ॥ १ ॥ यथा
गहिहाथसोंहाथसहेलीकेसाथमे आवतहीवृषभानलली ॥
मतिरामसुवासतेंआवतनीरे निवारतभौंरनकीअवली ॥

लखिकैमनमोहनकोंसकुची भरीचाहतआपनीओटअली ॥ चितचोरिलियोचखजोरितिया मुखमोरिकछूमुसकायचली ॥ १ ॥ खेलतफागुसखीनकेसंगसों एकबढ़ीफगुवासुखपागी ॥ मूठीगुलालकियेरघुनाथ गईहरिपैंहियमैंअनुरागी ॥ प्यारेके हाथनसोंछुटिकै पिचकारीकीधारत्यों छातीसोंलागी । नैन नचायचितैतिरछें मुसकायपिछौंड़ीह्वैपीछेकोंभागी ॥ २ ॥ ठाढ़ीअलीनलैलीनभटू रतिरंगप्रबीनअनंदमई ॥ कबिबेनीजु औचकआयगए हरिओभिलकैसुखसारीलई ॥ सजनीनिकी आड़मेंऐंठिभुजा लखेंमोहनकेसुखमोरिनई ॥ मुसकोंहेंकैलो चनसोंललचोहें ललालल चौंहेंकैबेठिगई ॥ ३ ॥ मंदहीमंद अनंदितसुंदरी जातिहुतीअपनेकछुँनातें ॥ आगेसबैगुरुना रिहुतीं हरयेंहरिबातकहीइकघाँतें ॥ हाथउठायछुईछतियाँ मुसकायकैजीभगहीदुहुंदाँतें ॥ बैननहींकह्योहैजगदीस सु भौंहनहींकह्योजाउदूहाँतें ॥ ४ ॥ बलिगेहमेंबैठोसनेहसनी सजनीगनसैछबिछायरही ॥ चढ़िचेनीअटाकरिसैनयके भिदि सैनकेबाननिकायरही ॥ करीकाँकरीचोटहृैओटलखा लखि भाभीबड़ीमुसुकायरही ॥ सतरायतियाछतियाँकरदै चखफे रिचितैसिरनायरही ॥ ५ ॥ सेवकभूषनसाजेअपार लसैंह थियारमहारचिबाढ़ी ॥ सोभासनाहपैअंचलमानो खरीभि लमावलिकीछबिकाढ़ी ॥ मैनखिलारसिखावनहार सनेहकी धारधरीअतिगाढ़ी ॥ फेरिकटाच्छपटापटेवाज अटापरबाल कटाकरेठाढ़ी ॥ ६ ॥

अथ सात्विकभावलक्षण ॥

दोहा ॥ अनुभावहिंसेजानिये आठोंसात्विकभाव ॥
हैं।ग्र यनिसतदेखिकै वरनतहैंकविराव ॥ १ ॥
प्रगटावतहैंजेरसै तेहैंसबअनुभाव ॥
याहीतेंसात्विकनकों कहैहिजकुअनुभाव ॥ २ ॥

अथ सात्विकनाम ॥

स्तंभ स्वेद रोमाञ्चकहि औरकंप स्वरभंग ॥
बहुरिअश्रु वैवर्ण्य है प्रलय आठवोंअंग ॥ ३ ॥

अथ स्तंभलक्षण ॥

लज्जाहरखादिकनतें अँगअडोलह्वैजाय ॥
स्तंभकहततासोंसबै जेरसज्ञकविराय ॥ ४ ॥

स्तंभ यथा ॥

देखतहीमतिरामरसाल गहीमतिप्यारीकिप्रेमनिगाढ़ी ॥ चाहिवेकीचितचाहभई पैगईहियतेंकुलकानिनकाढ़ी ॥ संग सखीनकोंमानिदुरावति आननआनदकीरुचिबाढ़ी ॥ पाइप रैंमगमैंनमकै भईसिसिलाजनकेफिरिठाढ़ी ॥ १ ॥ आंव तहीजमुनातेंअन्हाय चिरीजुवतीनिकीभीरमैंगाढ़ी ॥ छैलक वीलोकह्नरघुनाथ लगरोदृगसोंलिखिचित्रसीकाढ़ी ॥ भूलिग योघरछूटिगयोडर लाजतजीभरलालचबाढ़ी ॥ ऊतरफेरैनटे रैसखी हरिकोमुखहेरहैरानीसीठाढ़ी ॥ २ ॥ आवतहीजमु नातटतें लखिवाटकीवाटमेंनंदकुमारै ॥ ह्वैगईचित्रलिखीसी चरित्र चितैनसुनैकोउकेतोपुकारै ॥ गोकुलनाथकहाकहि ये दुहिँभाँतिदुहानकोउहियहारै ॥ बोलकढ़ैनअडोलभई

अबकोघरकोमगकोंपगधारै ॥ ३ ॥ आवतबालअलीनकेसंग मिलैनदलालमयमुसुकाहे ॥ बेनीचितैसुखकोंहेंमई सगुलैल लनाअतिहीसकुचाहें ॥ पाँयसोंपाँयकोनेवरटारि विचारिर चीलखिबेकीयैंगाहैं ॥ हेरनकोमिसिहेरिलियोहरि पाँयप रैनछपायनसौंाहें ॥ ४ ॥ बरजोरीतियाइन्हिंगोरीसबै गहि लाईगोबिंदहिरोचनसों ॥ वफखेलनफागचलीहँसिकै सुख सोंनवलादुखमोचनसों ॥ अरिअंजनआँगुरीबेनीप्रबीन किये समलोचनलोचनसों ॥ जकिथीरहीसोतकिसोचनसों करजों चोनहोतसकोचनसों ॥ ५ ॥ याअनुरागकीफागुलखौ जहँ रागतीरागकिसोरकिसोरी ॥ त्योंपटसाकवचालिचली फिरि लालहीलालगुलालकीझोरी ॥ जैसीकितैसीरहीपिचकीकर काहूनकेसरिरंगमैबोरी ॥ गोरिनकेरँगभींजिगोसाँवरो साँव रेकेरँगभींजिगोगोरी ॥ ६ ॥

अथ स्वेदलक्षण ॥

दोहा ॥ हरषलाजभयतेंजुअँग अंबुजबैप्रगटाय ॥
स्वेदकहततासोंसबै रसग्रंथनिमतपाय ॥ १ ॥

अथ स्वेदयथा ॥

किंकिनीनेवरकीझनकारनि चारुपसारिमहारसजालहि ॥ कामकलोलनिसैंअतिरास कलानिनिहालकियेनदलालहि ॥ स्वेदकेबिंदुलसैंतनमैं रतिअंतरहीभरिअंकगुपालहि ॥ फूली मनोमुकताफलपुंजनि हेमलतालपटानीतमालहि ॥ १ ॥ ठा ढीजुतीतियआँगनमाहिँ अनंगअनंगनाकेसमजोहै ॥ आइग एहरिबेनीप्रबीन अनूपसरूपमनोजमनोहै ॥ देखतहीरहीसो सनवाय प्रसेदकनासनसेतनमोहै ॥ चंपलताफलफूलसमेत

प्रभातचलैसनोलीकरोहै ॥ २ ॥ पालकंजनत्यौंपगजपरनूपु
र हंसनकीधुनिदं दनकी ॥ रंगदराअंबीरकोभीरमची सुभ
ईहरियेंसुसलूदनकी ॥ छकिहोनीकिखेलनखेलियकी भलकै
उपलाअलवुंदनकी ॥ विलसैसनोरूपसिंगारसरी मुकतानफ
लीछरीकुंदनकी ॥ ३ ॥ फागुसचीवरसानेकेवागसै पूररह्यौ
उल्लानतरंगसों ॥ गोपवधूतठाढ़ीगोपाल उतैरघुनाथवढ़े
सबसंगसों ॥ घूंघटटारिसखीनकीओटह्वै प्यारीचलाईजोप्रे
मउमंगसों ॥ लागौतोसूठअबीरकीआयपै प्यारेअन्हायग
योरहिरंगसों ॥ ४ ॥ होअभिलापभरोअतिहीनित चाहैस
नायसयातनकोछ्वै ॥ आनिमिल्योवड़भागनिसों रघुनाथसलै
सोईआनदकोचै ॥ हेरतहीहरिकेउलग्यो गतिपारदकीमग
रोमनिभ्वै ॥ नेहभटूतियकेसनको भलकौहियपैजलकेमि
नकाह्वै ॥ ५ ॥ मोरकिरीटकसेकटिकाछनी वाँसुरीमंदवजा
वतठाढ़ो ॥ आवतहीजमुनातटतें वृषभानललीगहेंगौरवगा
ढ़ो ॥ गोकुलहेरियकीथहगाथ गयोमनवूड़िकढ़ैसोनकाढ़ो ॥
स्वेदसनेहहूतेसरसी मनोप्रेरूपयोनिधिआवतवाढ़ो ॥ ६ ॥
कुंदनवेलीसिवालनवेली सहेलिनिसैमिलिखेलनआई ॥ वेनी
गुआंचकआयगएहरि नूतनखेलकीवातसुनाई ॥ कुंजतेंजोप
हिलेफललावै सोसाहसुनेतियत्यौंउठिधाई ॥ लाईललालै
एकंतहियें नखतेंसिखप्यारीप्रसेदसैछाई ॥ ७ ॥ हैंधुरवासुर
पानकहूं पुरवानकहूंवरवीजनलागी ॥ छूनलगाएसहूंसँगमे
यहिंकौतुकमैसतिछौजनलागी ॥ रीवलिजातिनजातिकही
सुनिसेवकहूनपतीजनलागी ॥ येघनस्यामअनोखिनए वृषभा
सुतालखिभींजनलागी ॥ ८ ॥

अथ रोमाञ्च लक्षण ॥

दोहा ॥ उठतरोमविनसीतजहँ रसवसभएसरीर ॥
सोसात्विकरोमाञ्चकहि बरनतसबमतिधीर ॥ १ ॥

रोमाञ्च यथा ॥

सैतुमसौंकहिराखतीहौं यहमानकियेकछूहैनलाहै ॥ अंगरहैउनसौंबिकिकै रघुनाथलखौहितकेअवगाहै ॥ देखत हीउठिठाढ़ेभए बलिमोसौंदुरावतिहौअबकाहै ॥ लागनकौं पियकेहियसौं पहिलेतनतेंइनरोमनचाहै ॥ १ ॥ मोसौंदुराव कहाइतनो बलिजानतीहैंतुमहीनछलीसो ॥ साँचीकहौकि नकाग्रौंसकुचौ जियमानोहितूकहैबातभलीसो ॥ देहिंतुमैपन छाँहितको रघुनाथलख्यौभएभेटगलीसो ॥ धायलगेहरिनै नअलीसो भयोतनतेरोकदंबकलीसो ॥ २ ॥ गोकुलआयग योबनओरतें नंदकिसोरअचानकचौक्नो ॥ चाहिरहीनखतें सिखलौं ठकुराइनिठाढ़ीमनोठगिलीक्नो ॥ हारिगयोछबिसौं दविकै फिरजीतवेकेपनमैसनदीक्नो ॥ रोमउठेनएमैनमनो तियकेघरकोंसरकोघरकीक्नो ॥ ३ ॥ कैधौंउरीतूंखरीजलजं तुतें कैअँगभारसिवारभयोहै ॥ कैनखतेंसिखलौंपदमाकर जाहिरैभारसिँगारभयोहै ॥ नीठिनिसानोसुनैननिकोकहूं कैअवनंदकुमारभयोहै ॥ कैधौंसुबारबिहारहीमै तनतेरोक दंबकोहारभयोहै ॥ ४ ॥ जातिचलीजलकेलिकौंकामिनि भाँ वतीकेसँगभाँतिभलीसी ॥ भींजेदुकूलमैदेहलसै कविदेवसुचं पकचारुदलीसी ॥ बारिकेबुंदचुवैंचिलकैं अलकैंछबिकीछल कैउछलीसी ॥ अंचलभौनेभकैंभलकें पुलकैंकुचकंदुकदंबक

सीसी ॥५॥ केसरिसोंउवटौअङ्गन्हाय चुनीचुनरीचुटकीनसोंकों छौ ॥ बेनीजूमागभरेसुकता बड़ीबेनीसुगंधफुलेलतिलोंछौ ॥ आंचकआएवेरोमरुठे लखिमूरतिनंदललाकीकरोंछौ ॥ औ भिलल्है कहौआलीरीतैं झ्हादेहँगुलाबकीपेतीसोंपोंछौ ॥६॥

अथ कंपलक्षण ॥

दोहा ॥ कामकोपडरषादितें थरथरातजबदेह ॥
ताहिकंपसबकहतहैं जेबरबुधिकेगेह ॥ १ ॥

अथ कंपयथा ॥

पहिलेटधिलेगईगोकुलमै चखचारुभएनटनागरपै ॥ रसखानकरीउनचातुरता कहैंदानदैदानखरेअरपै ॥ नखतें सिखलोंपटनीललपेटें ललीसबभाँतिकँपैडरपै ॥ मनुदामिनी सँावनकेघनमै निकसैनहींभीतरहीतरपै ॥ १ ॥ कौनधोंका रोकहावतहै यहिंदेखतहीतनकाँपनलाग्यो ॥ हाइडसतौक हाधोंअरे बिखऐसहीआइअमापनलाग्यो ॥ कैसीकरोंअवसे बकराम अँधेरोचहूंदिसिझाँपनलाग्यो ॥ आवनलांगीअरी लहरें कहरैंतनप्रानसमापनलागरों ॥२॥ साजिसिंगारनिसे जपैपारि भईमिसहीमिसओटजेठानी ॥ त्यौं पदमाकरआइ गोकंत एकंतजबैनिजतंतमैजानी ॥ प्योलखिसुंदरिसुंदरसेज तें योंसरकीथिरकीथहरानी ॥ बातकेलागेनहींठहरातहै ज्यों जलजातकेपातपैपानी ॥ ३ ॥ इंदुसुखीअरबिंदकीमालनि गूंदतरूपअनूपबगारगो ॥ कामसरूपतहींमतिराम अनन्दसोंन न्दकुमारसिधारयो ॥ देखतकंपछुटगोतियकेतन योंचतुराईको बोलउचारयो ॥ सीरेसरोजलगेंसजनी करकाँपतजातनहार सँबारयो ॥ ४ ॥

अथ स्वरभंगलक्षण ॥

दोहा ॥ हरषसोककामादितें कहैऔरविधिबात ॥
ताहिकहतस्वरभंगहैं जेकबिबरबिख्यात ॥ १ ॥

अथ स्वरभंगयथा ॥

जातकहूंतेंकहूंकोंचल्यो सुरटीपनजागतितानधरेको ॥
आखरसोसमुझेनपरैं सिखियामरहैजतिजौलपरेको ॥ जागी
ह्वौकैरसपागीह्वैमाद्क हेरिकहौरघुनाथहरेको ॥ गाइनआ
वतबूझतिहैंयह आजुभईगतिकैसीगरेको ॥ १ ॥ कौनसोमं
त्रपढ़ेहौकहा बहवातनौहालअचानकचाहौ ॥ ताहिनतेंक
छुऐसीदसाभई गोकुलनाथनजातिसराहौ ॥ आएकहाकरि
सोकहिये घरीएकलौंतौतुम्हैं देखिकराहौ ॥ बोलकढ़ैनगरो
गहिगो कहौरावरीदौठिमैसूठिकहाहौ ॥ २ ॥ ताहिलैआई
अलीरतिमंदिर जाकीलगैरतिह्रूपरछाँहीं ॥ आइगयेमति
रामतहीं जेहिकोटिककामकलाअवगाहौ ॥ देखतहींसगरी
डगरी पकरीहँसिकैतियकोपियबाँहीं ॥ लाजनईसुरभंगभई
सु कढ़ीमुखसंदमकूंकरिनाहीं ॥ ३ ॥ जातिहुतीनिजगोकुल
कों हरिआवेंतहाँलखिकैमगसूना ॥ तासोंकहैपदमाकरयों
अरेसाँवरेबावरेतैंहमैछूना ॥ आजधौंकैसीभईसजनी उतवा
बिधिबोलकढ़ोइकहूंना ॥ आनिलगायेहियेसोंहियो भरि
आयेगरोकहिआयोअछूना ॥ ४ ॥

अथ अश्रुलक्षण ॥

दोहा ॥ हरषरोषसोकादितें आँखसजलजबहोय ॥
अश्रुकहततासोंसबै रसग्रंथनिमतजोय ॥ १ ॥

॥ अश्रु यथा ॥

आनतहीनबसंतकोआगम बैठोहिध्यानधरेंनिजपीको ॥ एतेमैकाननओरसोंआयके काननमैपरयोबोलपिकीको ॥ हेर घुनाथकहाकहियै कहिआयोहाआयोगरोभरितीको ॥ लो चनबारिजसोंअँसुवाको अयाहवह्यौपरवाहनदीको ॥ १ ॥ सु खपीरीपरीधरकीछतियाँ मनतेंकढिव्यौंतगएकलके॥ तलबे लीबढीतनतापनतें बढिस्वासनकेउमड़ेहलके ॥ कबिगोकुल ऐसीइतेमैभई यहजीवैगिक्योंबिछुरेपलके ॥ रुखपीतमकेच लिबेकेचितै तियकेचखरीअंसुवसेझलके ॥ २ ॥ गैलमैदोऊग एमिलिक्रैं।चक पौछलेसौंरसिनेहरसोंहें ॥ लालहँसेघँसिश्यं गनबालके गोलकपोलगएल्ह्रैहँसोंहें ॥ दोउमड़ेबतराइबे कों कबिबेनीनलाजतेंह्वैसकेसोंहें ॥ ह्वैउहकोंहेंललाउगरे ललनाउगरोहगकैउबरोंहें ॥ ३ ॥

॥ अथ वैवर्ण्य लक्षण ॥

दोहा ॥ सोचकोपभयलाजअरु सीतघामतेंहोय ॥

सुखकीछबिऔरैलखें बिवरनकहियेसोय ॥ १ ॥

॥ अथ बिवरन यथा ॥

साँझसमैखरिकासैखरेहरि एकतुहीनसबैमिलिहेरो ॥ जैसोहोतैसोरह्योसबकोरँग नेकुघटयोनबढ़योलखिमेरो ॥ जै सीउदैकैंसुधानिधिकीछबि तैसनिसोंरघुनाथहोघेरो ॥ सोत बिसोरोह्वैसाँचीकहौ अलिकाहेतैंपीरोभयोमुखतेरो ॥ १ ॥ गोकुलगाँवकोग्वालगँवार बिलोकिकहाभ्रमछायगईहौ ॥ रा धेजुयादकरौवहिद्यौसकी बातनकोंबोभुलायगईहौ ॥ धीरध

रौनसरौहंसवारिसौं तापचढ़ौवछातायगहूंछौ ॥ डोलतिबो
लतिहौनवाहू अजूकैसौभईप्रियरायगहूंछौ ॥ २ ॥ काल्हिहौंदे
खिगईहौभटू रचौकंचनकौंगकोअरुनाई ॥ धौ।कुलनायकहौं
सेंवसी बहुअंगअनूपजआनिगुराई ॥ पाखवरीपरिहासकरै
जाखिकैनवसंगजकीप्रियराई ॥ एरीसुनौनिसिसैदूनको खिगरे
तनमैंजिनकेसरलाई ॥ ३ ॥ कैसेहैंकुंजकेसुंदरफूल बिराजत
पातजराखजरयोसो ॥ यामेतौआवतपावतहौ पतिकौरतिके
लिकोरंगभरयोसो ॥ आयोबसंतबयारिवहै अवतोयहदेखिये
गोखभरयोसो ॥ सोचतहौपुनिपातगिरयो सुवहै गयोप्यारी
कोपातभरयोसो ॥ ४ ॥ सिसिसारदीरैनमैखेलैंसवै जहँछा
घोसमाडजरीतिनको ॥ तहँआइगोसेवकसग्रामअचानक भू
ल्योकुवाहसपीतिनको ॥ अुकिबाहिलोपैनिवराज्योजबै पिय
राज्योतवैरँगतीतिनको ॥ हरियाज्योमहासुखमेरोतहाँ क
रिआज्योलहासुखसौतिनको ॥ ५ ॥

॥ अथ प्रलयलक्षण ॥

दोहा ॥ हरषसोकभयआदितें हूहातनकीजांध ॥
तासोंसात्विकआठवों प्रलयकहैंकबिराय ॥ १ ॥

॥ प्रलय यथा ॥

जाछनतेंछबिसौंमुसुकात कछू निरखैनदलालबिलासी ॥
ताछनतेंमनहींमनमैं सतिरामपियैमुसुक्यान सुधासी ॥ नेक
निमेषनलागतनैन चकोचितवैतियदेवतियासी ॥ चंदमुखीन
चलैनहलै निरबातनिवाससैदीपसिखासी ॥ १ ॥ गोरीगुमा
नभरीनजगामिनी कालिबैंकोयहकामिनितेरै ॥ आइछती

घुंघितैलुलुलायकौ सोहिलाई मनमोहनजेरै ॥ छाघनपाँयक
सौनचलै ऑंगुरीरसनैनफिरैजहिंफेरै ॥ देवसुवेरह्वौंठाढ़ीचि
तौति लिखीसनौचित्रविचित्रचितेरै ॥ २ ॥ कैसीभई है स्याम
हूनकी तुमहूँतौलखीसबमेमकहतीहौ ॥ सोहनतौमधुराधीं
गए मटकौनउपायकरैंगहतीहौ ॥ गोकुलव्यानधुनीमैंबसौ
घवताहिफहौकिलकौं लहतीहौ ॥ राधेकाहैकछुजतदुहेतिन
पाकफहिफहैकाकहतीहौ ॥ ३ ॥

॥ अथ जृंभालक्षण ॥

दोहा ॥ आलसआदिकतेंसुजो करिविकासमुखदेत ॥
ताकोंजृंभाकहतहैं जेवरवुद्धिनिकेत ॥ १ ॥

॥ जृंभा यथा ॥

छूटिरहेसुखपैंअघसेचक राहुमनोचलचंदहीरोकै ॥ मै
ननितेंढूलिनीरवहै अरविंदमनोमकरंदहीसेकै ॥ वारहीबा
रचाँभातहैद्वार सँभारचकैनवियोगकेसोकै ॥ आवनकौमन
भाँवनको वहठाढ़ीअटापरपंथविलोकै ॥ १ ॥ आरससौंरस
सोंपदमाकर चौंकिपरैचखचुंवनकेकिये ॥ पीकभरीपलकैंभ
लकैं अलकैंकलकैंछविछूटिछटालिये ॥ सोसुखभाषिसकैअव
को रिसकैकसकैसचकैछतियाँछिये ॥ रातिकोजागीमभात
उठी अँगरातिजँभातिलजातिलगीहिये ॥ २ ॥ छूटिगयेअँ
गरागखवैरँग रातप्रभातदुखायहवालकौ ॥ नैननिमाजरको
रखिसी नहीकोइनसुंदरसूरतलालको ॥ केलिकेमंदिरकोद्दर
पैखड़ी देखीनबौनयोंसोभारसालकी ॥ दोऊभुजानउचायेजँ
भात सुमंदचढ़ोमनोकंजकीनालकी ॥ ३ ॥

॥ अथ शृङ्गार वर्णन ॥

दोहा ॥ जाकोथाई भावरति सोरसहोतसिँगार ॥
मिलिबिभावअनुभावपुनि संचारीनिरधार ॥ १ ॥
द्वै विधिकहतसिँगारसौं ग्रंथनिकोमतदेखि ॥
एकसँजोगसुदूसरो हैवियोगअवरेखि ॥ २ ॥

॥ संयोगशृङ्गार को लक्षण ॥

दोहा ॥ मिलिदंपतिबहुभाँतिकी क्रीड़ाकरतअछेह ॥
ताहिसँजोगसिँगारबुध बरनतसहितसनेह ॥

॥ अथ संजोगशृङ्गार यथा ॥

हँसैंअरबिंदसेआननत्यौं घिरिआवैंचहूँघाँमलिंदकेवृन्द ॥
गोबिंदबिनोदकीबातैंकरैं सुनिकैसुखप्यारीकेहोतअनन्द ॥
दऊ दृगदेखिबिकातसेजात चितौतरहैंपरेप्रेमकेफन्द ॥ सिँ
घासनएकैलसैंबिलसैंदोऊ राधिकारानीऔश्रीब्रजचन्द ॥१॥
दुरैंदृगदेखिमलिंदकेवृन्द फनिन्दफँसैंकचमेचकफंद ॥ गय
न्दनतैंगतिमन्दनवीन अमंदलसैंछबिआनदकन्द ॥ करैंकर
जोरिकैबन्दनज्यौं वृषभानकीनन्दिनीनन्दकेनन्द ॥ लसैंमणिए
कसिँघासनमैमिलि राधिकारानीऔश्रीब्रजचन्द ॥२॥ चन्द
छटाछिटकीछितिपैंवर जोठीसुधासीसुनीपिकबानी ॥ सोरेस
मीरहरैंहरैंआय कहूँतैंसुवासकीपाँतिबितानी ॥ चाँदनीके
फरिबैठेबिछावनै राजिवनैनऔराधिकारानी ॥ देखहूकै
हियेहूँहिँऔसर कामकलाअतिहीसरसानी ॥ ३ ॥ प्रानप्रि
यापियआनदसौं बिपरीतरचीरतिरंगरह्योबू ॥ कामकलोल
निसैमतिराल रहीधुनित्यौंकलकिंकिनीकीह्वै ॥ आननकी

उँजियारीपरी श्रमबिंदुसमेतभरोजलसेहै ॥ चंदकीचाँदनी कैपरसे मनोचंदपषानप्रहारचलेचै ॥ ४ ॥ गुंजरहैबहुपुंजम भ्रमत कोकिलकूकतीताननतीमे ॥ भूंधुरिछायरहीहैपरागकी बैहरिमंदसुगंधसनीमे ॥ गोकुलनाथपरैंमकरंदके बुंदनकीझ रिसीधरनीमे ॥ हैगलबाँहखरेहरिराधे सुबीरीअरीवारसा लबनीमे ॥ ५ ॥

॥ अथ हावलछण ॥

दोहा ॥ प्रगटततियजोप्रकृतिहैं निजसिँगारकेहेत ॥
सोसंजोगसिँगारमे हावसबैकहिदेत ॥ १ ॥
लीलाश्रौरबिलासपुनि बिच्छितविभ्रमहोय ॥
किलकिंचितपुनिललितह मोट्टाइतजियजोय ॥ २ ॥
बहुरिकुट्टमितजानिये अरुबिव्वोकहुमान ॥
बिहितसहितदसहावये सबकबिकियेबखान ॥ ३ ॥

॥ तच लीलाहावलछण ॥

तियपियकैपियतीयके भूषनबसनबनाव ॥
ताहीबिधिबोलैंहँसैं सोहैलीलाहाव ॥ १ ॥

॥ लीलाहाव यथा ॥

येइतघूंघुटघालिचलैं उतबाजतबाँसुरीकीधुनिखोलै ॥ त्यौं पद्माकरयेइतैगोरस लैनिकसैंवाचुकावतिमोलै ॥ प्रेमकेपंथ सुप्रीतकीपैठमे पैठतहीहैंदसायहजोलै ॥ राधामईभईस्याम कीमूरति स्याममईभईराधिकाडोलै ॥ १ ॥ बाहिरजैबेकोरो कभयोसखी जादिनसोंबहकीरतिकोपो ॥ तादिनतेंहषभान लली बरहीमहँरासक्रियासबश्रोपो ॥ कुंजरचेकदलीखँभके र

घुनाथलतासनिसाखकौरोपो ॥ प्रीतिकीरीतिनजानतगनौ ब
नीआपुगुपालसखीसबगोपी ॥ २ ॥ दोऊजहूँपहिरावतचून
री दोऊजहूँखिरवाँधतपागैं ॥ दोऊजहूँकोसिँगारतअंग गरे
लगिदोऊजहूँअनुरागैं ॥ संभुसनेहसलोयरहै रसख्यालनसै
खिगरीनिसिजागैं ॥ दोऊजहूनसौंमानकरैं पुनिदोऊजहून
मनावनलागैं ॥ ३ ॥ ठानिलतोरघुपहतोपै पतानसखीमस
खासौंतदोकरैं ॥ आपनेऔरनकेघरलै अरलैनकोजआसिओ
पसनीकरैं ॥ दूतीअजानहुँकेवसमै बिपरीतिहूँरीतिहुकोरम
नोकरैं ॥ साँवरेह्वैकरिराधिकासेनित राधिकासेवकसरामब
नोकरैं ॥ ४ ॥ वैउनकेउनकेवैसजेपट भूषनसौंरँगदूनगएहैं ॥
नैननबैननकेसरसौंमन सेवकसैंनकेतूनगएहैं ॥ लालकरैंमन
मानकरैं अनुमानलैकोजकाहूनगएहैं ॥ आपकोदेखिदोऊ
मेदोऊ दिलदूनेदुहूँकोदुहूँनगयेहैं ॥ ५ ॥ जोपटपीतकि
रीटधरयोतो सुहारलुरैछतियाँछबिपैहै ॥ स्याँगललाकोतोकी
जोसही अनूपैसबभाँतिनिबाह्योनजैहै ॥ नूपुरमौनगहेरहि
हैं स्रवतोरसनाधुनिघोरमचैहै ॥ जोतुमराधेजुकान्हभईहो
तौ कान्हहूराधाकियेबनिऐहै ॥ ६ ॥ प्यारपगीपगरीपियकी
बसिभीतरआपनेसीससँवारी ॥ एतेमैआँगनतेंउठिकैतहँ आ
यगयोमतिरामबिहारी ॥ देखितताहनलागीप्रिया पियसौंग्ह
निसौंबहुरीनउतारी ॥ नैननलायललायरहो मुसुकायललाउ
रलाईपियारी ॥ ७ ॥

॥ अथ बिलासहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ बोलनिचलनिचितौनिमै होतजहाँसंकेत ॥
ताकोंकहतबिलासहैं जेबरबुद्धिनिकेत ॥ १ ॥

॥ बिलासहाव यथा ॥

ऊँचेउरोजलचीसीपरैकटि मत्तगयंदनकीगतिडोलनि ॥
रूपअनूपमआनदसों अलिपीनससोललियेबहुमोलनि ॥ को
बरनैकबिबेनीप्रबीन रहीछबिछ्वै फबिगोलकपोलनि ॥ पैनी
चितौनिरसीलेबिलोचनि मंदहँसीमृदुमाधुरीबोलनि ॥ १ ॥
आजअटाचढ़िआईघटानमें बिज्जुछटासोबधूबनिकोऊ ॥ देव
तियाकबिदेवनकीतोपैं एतेबिलासहुलासनओऊ ॥ पूरबपूरन
पुन्यनतैं बड़भागबिरंचिरच्योजनसोऊ ॥ जा हलवेलहु अंज
नदै दृगभंजनएदृगखंजनदोऊ ॥२॥ आईहोखेलनफागयहाँ
वृषभानपुरातेंसखीसँगलीने ॥ त्यौं पदमाकरगावतीगीत रि
झावतीभावबतायनवीने ॥ कंचनकीपिचकीकरमैलिये केसरि
केरँगसोंअँगभीने ॥ छोटीसिछातीछुटीअलकैं अतिबैसकीछो
टीबड़ीपरबीने ॥ ३ ॥ अलिघूँघुटमैंडटिनैनघुमाय झुमायभुजा
अठिलायचलै ॥ कबिबेनीसखीसोंहरैंबतराति दुरैअँगराति
मैलंकुहलै ॥ छलसोंअचराउचकायलखाय ॥ तियाछतियाँ
छलिबितललै ॥ छवीछोहरीकैलछकाहीछबिछोहन छ्वावति
छाँहनदैतिकलै ॥ ४ ॥ पौरिपैबालबिलोकिबसैंकित बूझीब
टोहीलैंलालबिहारी ॥ साँझभईपथमाझनदी चढ़ीओरचढ़ी
हैकदम्बिनीकारी ॥ गोकुलजायबसौअबक्यों खिरकौसोंमिलौ
लगीद्वारकिँवारी ॥ चाहिकहीसुसुकायसुनो यहबाखरीसूनी
सदाकीहमारी ॥ ५ ॥

॥ अथ बिच्छित्तहावलक्षण ॥

दोहा ॥ थोरेहीसिंगारमहँ सोभाअधिकलखाय ॥
ताकोंबिच्छित्तहावकहि बरनतकबिसमुदाय ॥ १ ॥

॥ विच्छित्तहाव यथा ॥

रानोलयक्कहीकेपरवंश निसंकलसैसुतवंकमहीको ॥ त्यौं पदमाकरलागिरह्यो जनुथागिहियेअनुरागजुपीको ॥ भूषन आनिसिंगारनसों सजौसौतिनकोजुकरैसुखफीको ॥ जोतिको जालविसालमहा तियभालपैलालगुलालकोटीको ॥ १ ॥ आजुगईसिगरीसुदिवे जुरहीगुंदिसोतिनजोतिनजालसे ॥ कंकनकिंकिनीछापछरा हराहेमहमेलपरीयहिंचालसै ॥ टीनेपढ़ी कछुबेनीप्रवीन सलोनेसुरूपछितीलछिवालसै ॥ इन्दुजित्यो अरविन्दजित्यो तेंगोविन्दजित्योएकविन्दुदैभालसै ॥ २ ॥ देह कोदीपतिकुन्दनकैसी हराहियमैअतिलागतनीको ॥ सारीख पेरखुलीएकऐसी जोचाहतचित्तहरैसबहीको ॥ औरैचढ़ीक छुआननओप लखेंसिटजातगुमानसखीको ॥ सौतिनकोगढ़ नोनिदरै यहगोरीकेभालमैरोरीकोटीको ॥ ३ ॥ तूतौसिंगार करैकविप्यार बिचारतिबातनजातिलरीसी ॥ गोकुलमैननि सङ्कचलौं कबहूंयहमेरीहैलङ्कवरीसी ॥ देखतिहौकुचकोकच कोभर सोंटरिजातिहैटूटिपरीसी ॥ हारइतोवड़ोमोतिनको न सँभारिहैजायगीबूड़िघरीसी ॥ ४ ॥ एतोहैंठाकुरडारतहैंकहि प्यारसोंकैरघुनाथनिहोरो ॥ हीरनिकोअरुपन्ननिको जिनिकै फविहैतुवगातहैगोरो ॥ देखतिहैतूदसाकटिकी सहजैलचकै छिनिमानिहैतोरो ॥ तातेंसँवारिभटूपहिरैांगीमे हारचमेली कोभारहैथोरो ॥ ५ ॥

॥ अथ विभ्रमहावलक्षण ॥

दोहा ॥ भूषनऔरैअंगके सजिऔरैअँगलेत ॥

ताकोंकबिकोबिदकहैं विभ्रमहावसहेत ॥ १ ॥

॥ विभ्रमहाव यथा ॥

वहुरैहरीयावैनजतिहिकों पदलावरकोमनआवतहै ॥ तियलानियरैयाराहीननलाल लुभैंचेललाइ ध्योआवतहै ॥ उलटीअरिदेदोहनीसोपनीको अँगुरीथनजानिकैदावतहै ॥ दुहिबोऔदुहाइबोदोउनको सखिदेखतहीवनिआवतहै ॥ १ ॥ हरिसोहिगईमनमोहनसौं मिलिमोहिनीमारकेसैरभरी ॥ कहिवेनीगुहैबिहँसैसतराय कसैगरेघूंघुरूखूंदखरी ॥ तमकै लटदैतप्योननआन टिकैनतियैयहआनपरी ॥ वरपीठितेंटारधरीउरपै सुथरीबड़ीसोंबेभरीकवरी ॥ २ ॥ साँझसमैचलिआवतजात जहाँतहाँलोगनकुंजनडरौगी ॥ प्रीतमसोंरतही यहरूप बैंाह्नै हैकहाजनअंकभरौगी ॥ जानतिहैंमतिरामत ऊ पहराईकीबातनहीथभरौगी ॥ किंकिनीकोउरहारकिये कहौकौनपैजायविहारकरौगी ॥ ३ ॥ नाइनकेकरतेंठकुराइन हौंमनिजावकआपहीलीनो ॥ ताहीसमैमनमोहनमूरति नंदलालउतआवनकीनो ॥ देखतरूपकीरासधुरंधर जद्यपि ओटहियेपटकीनो ॥ पायनकोसुधिभूलिगई अकुलायमहावर आँखिनदीनो ॥ ४ ॥ रैनिजगीपियप्रेमपगी उठिभोरहीसेजतेंभौनसिधारी ॥ पैंन्हिलईकरमैउरमाल सुलालकीमालनबालबिचारी ॥ आरसीकीछिगुनीछबिछाजत ऐसीनआरसी औरनिहारी ॥ संगसखीमुसकानलगी लखिओढ़ेपितंबर आवतप्यारी ॥ ५ ॥

॥ अथ किलकिंचितहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ हरषहासअभिलाषस्रम भीतिएकहीवार ॥
होतजहाँतासोंकहैं किलकिंचितनिरधार ॥ १ ॥

॥ किलकिंचित यथा ॥

बेनीसँवारतबेनीजुप्यारीकि सेलिफुलेलगुंदीवरफूलनि ॥
पोंछिपितंबरसोंपटियारचि चारुकसीनखलैसखतूलनि ॥ गो
रीकिपीठमैदीठिगड़ी चलिहाथपरयोतियकेभुजमूलनि ॥ चौं
कीचकीविहँसीसतराय समाथरह्योपियकेहियभूलनि ॥ १ ॥
लागतहीपियकेहियसोंहिय सोहिरहीतियकामकलानिसै ॥
देखसँघोगुनगेउमगेउर एकहीबारसवैसुखदानिसै ॥ हौसैजु
लासगरेखिसकी अधरानिहँसीच्वँसुवाअखियानिसै ॥ स्वास
सैचासविलासमैरोस सुसैंहनिमैअरुभैकुलकानिसै ॥ २ ॥
लालनबालकेहैं होदीनातें परीमनआयसनेहकीफाँसी ॥ का
मकलोलनिमैमतिरास लगेनलेबाँटनमोदकीरासी ॥ पीत
मकेउरवीचभए दुलहीकोविलासमनोजकीगाँसी ॥ स्वेदवढ़ो
तनकंपउरोजन आँखिनआँसूकपोलनिहाँसी ॥ ३ ॥ वैठीक
तीरतिमंदिरमै गएपाँयदवेपियपायपिछौंहीं ॥ लोनीसुजा
भरिकैहियलाय डेरायकैकाँपिपरीसतरौंहीं ॥ गोकुलछूटि
वेओविलकै चहीचंचलह्वै कहीवातरिसोंहीं ॥ फेरिकैनारिचि
तैपहिचानि भईसुखदानिसुजानलजोंहीं ॥ ४ ॥ मूठिगुलाल
भरेचलीलालके मारिबेकोंमुखपैसुखकोंचहि ॥ गोकुलनाथ
खिलारलईनव लोइनकूँभरिकेसरिघोलहि ॥ जायदईपहि
लेकुचपै पिचकारीकिधारनिहारिकेहाकहि ॥ आँचरओढ़ि
चितैसतराय लजायसखीनकीओटलईगहि ॥ ५ ॥ वहसाँक
रीकुंजकीखोरिअचानक राधिकामाधवभेटभई ॥ मुसकानि
भलीअँचराकीअली त्रिवलीकीवलीपरदीठिदई ॥ झहराय

भुकायरिसायमसारखु बाँसुरियाहँसिकैनिलई ॥ भृकुटीम टकायगोपालकेगालमै आँगुरीग्वारिगड़ायगई ॥ ६ ॥ घूम तीहैंभुकिभूमतीहैं सुखचूमतीहैंथिरह्वैनथकोए ॥ चौंकिपरैं चितवैबिफरैं सफरैंजलहीनज्यौंप्रेमपकोए ॥ रीझतीहैंखु लिखीझतीहैं अँसुवानसोंभींजतीसोभतकोए ॥ ताछिनतेंउ छकौनकह्ह सजनीअँखियाँहरिरूपछकोए ॥ ७ ॥ खेलतही सभनौनमैचौपर चंदमुखीरजनीभईतैसी ॥ आइगएकबिराज मुरारि लगेमिलिखेलनचोपसौंऐसी ॥ दावकेजातगह्योपिय हाथ पियाकौंकछूकहिबातअनैसी ॥ चौंकिखिझीथंहरानीहँ सी हरषीअँसुवाभरिमानकैबैसी ॥ ८ ॥

॥ अथ ललितहाव लच्छण ॥

दोहा ॥ मनप्रसन्नपियबसकरन चितचौगुनौसुभाव ॥
प्रतिअंगनरचनाललित बरनतललितसुहाव ॥ १ ॥

॥ ललितहाव यथा ॥

चंदसोआननचाँदनीसोपट तारेसीमोतीकीमालबिभा तिसी ॥ आँखैंकुमोदिनीसीफूलसी मनिदीपनिदीपकदानके जातिसी ॥ हेरघुनाथकहाकहिये पियकीतियपूरनपुन्यबिभा तिसी ॥ आईनोक्काइकेदेखिबेकौं बनिपून्यकीरातमैपून्यकी रातिसी ॥ १ ॥ देखिबेकोंदुतिपून्योकेचंदकी हेरघुनाथश्रीरा धिकारानी ॥ आईबिलोरिकेचौंतराऊपर ठाढ़ीभईसुखसौंर भसानी ॥ ऐसीगईमिलिजोन्हकीजोतिमैं रूपकीरासिनजाति बखानी ॥ बारमतैंकछुभौंहनतैं कछूनैननकीछबितेंपहिचानी ॥ २ ॥ मंदगयंदकीचालचलै कलकिंकिनीनेवरकौधुनिबाजै ॥

लोतिनहारनसोंछिपरो छिपरोहरिवेकेऊलासनिसाजै ॥ सा
रीसुहीमनिरासलसै सुखसंगकिनारीकेयेंछबिछाजै ॥ पूरन
विंबपियूषमयूष मनोपरिवेषकोरेखविराजै ॥ ३ ॥ देहकीदी
पतिकुंदनकैसी लगैरतिमंदिरकेबठौरै ॥ वैरहैंचँदनौसोसु
खसोलें सुबासतेंभौरकरेरहैंभौंरै ॥ सेतबिछौननसैहूंकहूं छि
नएककोंछायरहैछबिऔरै ॥ पगरोधरैपगुएकतहाँ पगद्वै फ
लौंईंगुरसोरँगदौरै ॥ ४ ॥ सोभासनेसबअंगनिभूषन न्याउ
हीकाक्लखेअनुरागै ॥ नैनबड़ेबिहसोंहँसनै सुखवैनसुमानो
सुधारसपागै ॥ कंचनबेलिसीदेखियेदेहँ दोऊकुचकौतुक
लागतआगै ॥ होतिहैवेलिपंदाँगिरिसे यहबीरकहागिरिवै
लिसैलागै ॥ ५ ॥

॥ अथ मोट्टाइतभाव लक्षण ॥

दोहा ॥ बातनकोंसुनिमिलनकी चाहहोतमनमाहिँ ॥
मोट्टाइतताकोंकहैं बरनग्रंथनिअवगाहि ॥ १ ॥

॥ मोट्टाइतभाव यथा ॥

रूपदुहूंकोदुहूनसुन्यो सुरहैंतबतेंमनोसंगसदाहीं ॥ मो
हिरहीअबकेयेंदुहूं पदमाकरऔरकछूसुधिनाहीं ॥ ध्यानमै
दोउदुहूनलखैं हरषैंअँगअंगअनंगउछाही ॥ मोहनकोमन
मोहिनीमैबस्यो मोहिनीकोमनमोहनमाहीं ॥ १ ॥ पियप्रा
तक्रियाकरैआँगनमैं तियबैठीसुजेठिनकेथलमैं ॥ सुखकोसु
धितेंउमहैअँसुवा बहरावैजभाँइनकेछलमैं ॥ नअघानीजऊसि
गरीनिसिदासजकामकलानिक्रियाकलमैं ॥ अँखियाँभखियाँ
ललकौंफिरिबूड़बे कोंहरिकोछबिकेजलमैं ॥ २ ॥ बूझतिहैज

कबाँधेखरी सुधैं।को हैंकहाँ वहैंकुंजबिहारी ॥ वाहीघरीतेंउ
सासबढ्यो औकढ़ेँअसुवा अँखियानितेंभारी ॥ आन्योहैबोलि
कहाँतेंधौंमै ठकुराइनकेढिगहायगँवारी ॥ काँटोनिकारिबेए
ककहूं बहितौसबदेहकटीलीकैडारी ॥ ३ ॥ फूलिरहैद्रुमबे
लिनसोंमिलि पूरिरहीअँधियारीनिहारी ॥ मोहिबिलोकि
अँधेरीइहाँ कछुऔरईसोभईदीठितिहारी ॥ जैसोइजानीहम
तेतुमतें अबहोयगौवैसियेप्रीतिठिहारी ॥ चाहतजौचितमै
हिततौ जनिबोलियेकुंजनकुंजबिहारी ॥ ४ ॥ मोहिनदेखोअ
केलियैदासजू घाटहुबाटहुलोगभरेसो ॥ बोलिउठौंगीवरतें
लैनावतौ लागिहैआपनौदाउघनेसो ॥ काहूकुबानिसँभारेर
ही निजवैसीनहैं तुमचाहतजैसो ॥ आवोइतैकरौलेनदही
को चलैबेकहींकोकहींकरकैसो ॥ ५ ॥ बाँधेनमैबछरालैगरै
यन छीरभरयोकछरासिरफूटिहै ॥ बेनीअबेरलगैइतकौं घरबै
रिन नंदकोजानैकाजटिहै ॥ प्रेमअहोनिबहौअबलों नकही
करियेइनबातनटूटिहै ॥ मोहिगहौनहहाहामैआनि कहातुम्है
काहूभईहटलूटिहै ॥ ६ ॥

॥ अथ कुट्टमितहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ समयमहासुखकोजहाँ दुखदरसावैबाल ॥
हावकुट्टमितकहतहैं ताकोंसुमतिरसाल ॥ १ ॥

॥ कुट्टमित यथा ॥

बलिदेखिरहैहैदुरैदुरदोउ गएमिलिगैलचलैछलना ॥
छतियाँसेतियापियलायलई रतिकौबतियाँपैपरीसलना ॥ क
बिबेनीबलारसलूटिकरी कोउआयपरोत्यौंपरीपलना ॥ छ

तियाँ कर कैचखफेरिचितै रद अँगुरी दाबि रहीललना ॥ १ ॥
गोकुलनायकसंगरसै कसिजोंबनिकौंरतिकीगतिबारे ॥ का
मकलापरवीनतजै नवसंगमकेअरिभावविहारे ॥ गाढ़ेगहेकु
चकेउचकै सबकैसिसकीनकीसोरपसारे ॥ नाकसिकोरिरहे
हाकरिकै सतरायचितैकरसोंकरटारे ॥ २ ॥ नाहसोंनाहीं
करैसुखसों सुखसोंरतिकेलिकरैरतियामै ॥ लागेनखच्छत
सीसीकरै कररुनायकरैपैबकैबतियामै ॥ देवकिरीरतिकूलत
कै तनकंपसजैनअजैघतियामै ॥ जानुभुजानहूंकोंभहरावति
आवतिछैलगरीछतियामै ॥ ३ ॥ जनिघेरौगोपालहौंटेरोक
है तुमजानतलोगलोगाइनकों ॥ यहगोकुलगाँवकोगैलगही
जनिछैलगहीचतुराइनकों ॥ यहसूनौनिकुंजनबेनीप्रवीन अ
धीनभईगहौंपाइनकों ॥ हमसोंतुमसोंइतआवनजानकै चौगु
नौचोपचबाइनकों ॥ ४ ॥ हायहियेनलगाओलला हरिजू
ठिकैअँगियानउतारो ॥ ताकतहौफफुंदीकीफुंदी तनताक
तबाबकुबासनेबारौ ॥ अंकभरेअधरारसकेलिये क्यौंगनिहै
कविराजबिचारौ ॥ सोसुखवेंकरिहैबिनुप्रान हहातुमकाहू
हूहाँतेंसिधारो ॥ ५ ॥ आनबेहूमनुहारिकरैं सतरायभुकैअँ
गियानउतारै ॥ संगनडोरीकेछोरतही रसकेमिसकैअँगुरी
गहिमारै ॥ लालकरैअपनोमनभायो चुरीभानकैंजबहाथनभा
रै ॥ कोइलसीकुहकैबहकै ससकैसतरायभकैभभकारै ॥ ६ ॥
करसोंकरखैंचतहौसतराय रुखौंहिंसिबातकहैनिदरै ॥ पर
जंकचढ़ावतसैंहैंचढ़ाय अनेकसतापसमूहहरै ॥ मुनिबेनीग
हैंमुहसोंमुहछाय ज्यौं ज्यौं मनभावनअंकभरै ॥ तियत्यौं त्यौं

हियेसुखपावैपैभूंठेई रोषरिसायतमासेकरै ॥ ७ ॥

॥ अथ बिव्वोकहाव लच्छन ॥

दोहा ॥ कपटअनादरकरतजहँ निपटनेहतेंबाल ॥
ताहिकहतबिव्वोकहैं पंडितगुनीरसाल ॥ १ ॥

॥ बिव्वोक यथा ॥

नंदकेधामतेंसुंदरसप्राम सिधारीजहाँमगलोचनीजागी ॥ जोबनजोरजलूसकीजोनति जाहिरजाकेहियेअनुरागी ॥ जो रहुहूंकरभोरेसेभाय निहोरतप्यारोपियावड़भागी ॥ चोरि कैडीठिमरोरिकैभौंह सखीसुखओरनिहारनलागी ॥ १ ॥ मा नकैबैठीसखीनकेसंमत बूझि.बेकोंपियप्रेमप्रभाइन ॥ दासद सासुनिहारतेंप्रीतम आतुरआयोभरोदुचिताइन ॥ बूझरह्यो पैनहेतलह्यो कहूंअंतहूहाकैगह्योतियपाइन ॥ आली लखैंबि नकोड़ीकोकौतुक ठोढ़ीगहेंबिहँसैठकुराइन ॥२॥ एकतौआ पबुलाएबिना हरिजातगनेसबऊपरलेखे ॥ तापरजायकैसो हैंभटू सिरनायप्रनामकियेतेंहैंपेखे ॥ जोरिकैहाथखरेभएटू रही पैरघुनाथसहाहितभेखे ॥ औरकहासनमानकहैं। गु नगौरिगुमाननतेंसूधेनदेखे ॥ ३ ॥ नीकोनहैकछुदेखतहू बिधि नेकुपैनैनबड़ेकरिडारे ॥ ताहीतेंएेंठिअकासनिहारत कूरकु रूपडेरावनकारे ॥ ढीठोदैदेढिगबैठतआन महादुखदानदईके सँवारे ॥ आपनीसौकतखैंचहमारीतूं पामरीओढ़तकामरी वारे ॥ ४ ॥ दानीभएनएमागतदानहौ जानिहैकंसतौबाँधन जैहौ ॥ टूटेछरावछरादिकगौधन जोधनहैसोसबैधनदैहौ ॥ रोकतहौबनमैरसखान चलावतहाथघनोदुखपैहौ ॥ जैहैजो

भूषनकाहूतियाको तोसोलहूराकेललानबिकैहौ ॥ ५ ॥ मोरकोपाखैंकिरीटबन्यो म.छूलाखैंलगाईननंदघनेरे ॥ गोबिंदए तोगहूरकरो गुनकौनसेबेनीप्रबीनघनेरे ॥ पीतपिछौरीकसे कटिमै घटिजानतऔरनआपुनतेरे ॥ चाकरचेरेपरचरवाह हैं ऐसेहमारेबबाकेघनेरे ॥ ६ ॥ आनहुँआयोहैराजकछू चढ़ि बैठतऐसेपलासकेखोढ़े ॥ गुंजगरेसिरमोरपखा अतिरास हौधेनुचढ़ावतचोढ़े ॥ मोतिनकोमेरोतोरयोहरा गहिहाथनसोंरहीचूंदरीपोढ़े ॥ ऐसेहौडोलतछैलभए तुम्हैलाजनआवतकामरीओढ़े ॥ ७ ॥ केसररंगमहासरसै सरसैरसरंगअनंगचमूके ॥ धूमधमारनकोपदमाकर छायेअकासअबीरकेमूके ॥ फागयालाहिलोकीतिहिँमै तुम्हैलाजनलागतगोपकहूके ॥ छैलभएछतियाँछिरको फिरोकामरीओढ़ेगुलालकोंढूंके ॥ ८ ॥

॥ अथ बिहितहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ पियमिलवेरूपैपिया लाजनिबचनकहैन ॥
बिहितहावतासोंकहैं जेकबिकबिताऐन ॥ १ ॥

॥ बिहित यथा ॥

हैउलसीकुलसीबलियें तुलसीबनआईबनायदुकूलनि ॥ देवजुतैव्रजभूपकुमार अनूपरूपललिअनुकूलनि ॥ भूठेहीठिसहेलीपठाइकै बैठीहैकुँहछिपीतरकूलनि ॥ केलिकेकुंजअकेलियैआपु चुनैचुपचापुचमेलीकेफूलनि ॥ १ ॥ वृषभानकीजाईव.छाईकेकौतुक आईसिँगारसबैरजिकै ॥ रसहासबिलासहुलासनिसों कबिदेवजूदोजरहैरजिकै ॥ हरिजूहँसिरंगमै

अंगछुयो तियसंगसखीनहूं कोंतजिकै ॥ धाईभटूभयकेमि
सभाँवती भीतरभौनगईभजिकै ॥ २ ॥ सुंदरिकोंमनिमंदिर
मैलखि आएगोविंदवनेवड़भागै ॥ आननओपसुधाकरसी प
दमाकरजोवनजोतिकेजागै ॥ औचकऐंचतअंचलके पुलकी
अँगअंगहियोअनुरागै ॥ मैनकोराजमैबोलिसकौन भटूबुजरा
जसोंलाजकेआगै ॥ ३ ॥ जातिचलीहृषभानललौ हरिआयग
एडुपटीमैछपायकै ॥ दैकुचपैपिचकारीछराकदै होंकहिजात
रहैहियलायकै ॥ गोकुलखोभिकैरीझिरही कछुचाह्योकह्यो
सुहतैंसतरायकै ॥ बोलअढ्योनगरोगरब्योकहि हारिसोहैरी
नफेरिलजायकै ॥ ४ ॥ होरीकेऔसरहेरिलला हरएंढिग
आयगलौमेलईगहि ॥ होछरकायलकूटिगई रघुनाथछबीले
नफेरिसकेलहि ॥ रीभअरीखीभदोउप्रगटी हृषभानललीइ
मिटूरिखरीरहि ॥ नैननचाएकछूकहिवेकों पैचाह्योकह्योन
हिंआयेकछूकहि ॥ ५ ॥ सूनेओराहनेजोरिहजारन दौवे
कोंहाथसखीकेवोलायो ॥ ज्यौं ज्यौं बिलंबलगीरघुनाथ घरी
मनत्यौं त्यौं महाअकुलायो ॥ प्रेमकेनेमकोन्यारोलख्योगुन
रीभिरहीकछुजातनगायो ॥ बागेबनायजयौं आगेभटू हँसिभाँ
वतोआयोतोबोलिनाआयो ॥ ६ ॥ आहटपाइहटींसजनी चित
चातुरीदोउनकीनतकोमै ॥ आइकेसेवकसप्रामगही सुरहीठ
गिठौरहीछाकछकोमै ॥ चाहीकरीकिसकौरिसकी सिसकौन
केसोरमचाइथकीमै ॥ साँकरेफंदनबोलिसको सुनबोलिसको
औनबोलिसकोमै ॥ ७ ॥ दीजियेसीखकहातुमतौ अठिलाहट
सोंमगदैडगडोलति ॥ मोढिंगपैहियखोलिकैखग्रालके खासे

खजानेकहाँतेंधौंखोलति ॥ ह्याँअबकौनसुनैहमसौं तुमजैसी
कछुबतियाँगढ़छोलति ॥ बोलिबोभावैतिहारोजिन्है तिनको
ढिंगपैकबहूँनहिँबोलति ॥ ८ ॥ कुंजतेंकुंजरलौरसपुंजमै गुंजति
डोलतिभौंरीभईहै ॥ एकौघरीघरमैठहरातिन ऐसीकछूइनटे
वलईहै ॥ एतोकहाकहियेकबिसुंदर जैसीचलीयहरीतिनईहै ॥
कालकीबालहुसारेईदेखत आजुहीछ्वैगईकाहूमईहै ॥ ९ ॥
बैठेहैंफूलकीसेजमजेजमै सेजसोनेहनयोउनयोरी ॥ चोपच
ढ़ीचितचाहबढ़ी बढ़िसात्विकअंगनअंगभयोरी ॥ चूमनचा
ह्योकपोलनकाहू हिएअभिलाषतहाँउदयोरी ॥ सौलसँको
चसोंतौलगिसुंदरी मंदिरदीपबढ़ायदयोरी ॥ १० ॥

॥ अथ वियोगशृङ्गार लक्षण ॥

दोहा ॥ बिछुरतदोउनकेजहाँ होतपरसपरखेद ॥
सोसिंगारबियोगहै जानिलेहुसबभेद ॥ १ ॥
सोहैतीनप्रकारको इकपूरबानुराग ॥
दूजोमानप्रवासये तीनोभेदअदाग ॥ २ ॥

॥ बियोगशृङ्गार यथा ॥

छैसीनदेखीसुनीसजनी घनीबाढ़तजातिबियोगकीबाधा ॥
त्यौंपद्माकरमोहनकौं तबतेंकलहैनकहूँपलआधा ॥ लाल
गुलाबघलावलसै दृगठोकरदैगईरूपअगाधा ॥ कौगईकैगईचे
टकसोमन लैगईलैगईलैगई राधा ॥ १ ॥ सुभसीतलमंदसु
गंधसमीर कछूछलछंदसोंछ्वैगएहैं ॥ पद्माकरचंदहुचाँद
नीये कछूऔरहीडौरनवैगएहैं ॥ मनमोहनसोंबिछुरेइतहीं
बनिकैनअबैदिनद्वैगएहैं ॥ सखियेहमवेतुमवेई बने पैकछूके

कछूमनह्वैगएहैं ॥ २ ॥ धीरसमीरसुतीरतैंतीछन ईछनकै
सहूंनासहतीमै ॥ त्यौंपद्माकरचाँदनीचंद चितैचहुँओर
नचौंकतीजीमै ॥ छायबिछायपुरैनिकेपातन लेटतीचंदनकी
चमचीमै ॥ नीचकहाबिरहाकरतो सखीहोतीकहूंजुपैमीच
सुठीमै ॥ ३ ॥ बनमैचटकीलीछबीलीलता लखिचाँदनीलाग
तज्वालमई ॥ तपसग्रामलरंगतरंगनकी दुतिनैननीरतरंग
छई ॥ हियनाहींफटैनकटैदुखरी पियरेपटवारेसुधीनलई ॥
ब्रजबासीविनाब्रजनेहिमकों बिसवासिनिबैरिनिरैनभई ॥ ४ ॥

॥ अथ पूर्वानुराग लक्षण ॥

दोहा ॥ देखतसुनतदुहूनके उपजतहियअनुराग ॥
पुनिमिनदेखेसोचई सोइपूरबअनुराग ॥ १ ॥

॥ पूर्वानुराग यथा ॥

न्यौतेगएकहूंनेहबढ़्यो मतिरामदुहूंकेलगेदृगगाढ़े ॥
लालचलेसुनिकैघरकों तियअंगअनंगकीआगिसोंडाढ़े ॥ ऊँ
चेअटापरकाँधेसहेलीके ठोढ़ीदियेचितवैदुखबाढ़े ॥ मोहन
जूमनगाढ़ोकिये पगद्वैकचलैंफिरिहोतहैंठाढ़े ॥ १ ॥ गुंजह
रारिषिनाथगरैं कढ़िकुंजनतेंछबिपुंजनछायगौ ॥ मंदहँसौ
हैबसीकरसो सरसीरुहलोचनलोलनचायगौ ॥ सूहोसजौ
सिरपैपगरी लियेफूलछरीइतऔचकआयगौ ॥ ह्वैनियरेसि
यरेदृगको पियरेपटकोहियरेमेसमायगौ ॥ २ ॥ मोरपखा
मतिरामकिरीट मनोहरमूरतिसोंमनलैगो ॥ कुण्डलडोल
निगोलकपोलनि बोलनिनेहकेबीजनिबैगो ॥ लोलविलोचन
कौलनिसों मुसकायइतैअरुभायचितैगो ॥ एकघरीघनसेतन

रौं अँखियाँनवनीघनसारसोदैगो ॥ ३ ॥ गुरुलोगनकोलगी
लाजघनी सँगहीलेचवाइनकोगनहै ॥ इतनैनसौंचैनमिलैनब
री बलिलैनकोप्रानगहेतनहै ॥ कछुसेवककासौंकह्योकहिये क
ह्योकीजियेसोजुगजोरेछनहै ॥ मिलिबेकोनहींबनिआवतराम
भयोचहैबावरोसोमनहै ॥ ४ ॥ चंदनखौरलिलाटबिराजत
मोरपखासिरऊपरसोहै ॥ कुण्डललोलकपोललसैं मुरली
कोबजावनिसैमनमोहै ॥ मोहिबिलोकिबिलोकिहँसै चितचो
रबड़ेबड़ेनैननजोहै ॥ पूछतिगोपवधूभगवंत यासाँवरोसोज
मुनातटकोहै ॥ ५ ॥ काहेअरीबहगैलचलोगयो बेनुबजावत
साँवरोसोहै ॥ सोहैसदाअँगअंगविभूषन पीरसुधासवकोम
नमोहै ॥ सोहिवतावसखीहितकै चलिगाँवओठाँवजहाँअब
सोहै ॥ जोहैसोहैतुमोरौसटू जनिआँखिकरोखिकोजानिये
कोहै ॥ ६ ॥ येखिकढ़ीक्रतीपौरितैंराधिका नंदकिसोरतहाँ
हरखाने ॥ वेगीप्रवीनदिखादिखोहीसे सनेहसमूहढोअसर
साने ॥ आँखिआरोखिसकैनसकोचन लोचननीरहियेउरसा
ने ॥ तेरीनमेरीतुनैससुओनवै फेरीसीदेतफिरैंबरसाने ॥ ७ ॥
अंबरपीतकसेकटिसुन्दर मैनहुजाहिबिलोकिलजोहै ॥ साँव
रोमोरहीसोहनीसूरति हेरतकोजुवतीनहींमोहै ॥ सोचौं
बतावसखीहितकै अरीतूहनुमानजोराखतिछोहै ॥ नेकुचितै
हुचितैकरिमोहि गयोरीहूतैसोकोजानियेकोहै ॥ ८ ॥ साँ
वरोरंगअनंगसोअंगहै गायनकेसँगजातउबानै ॥ येगुनदेवजू
हेरोअचानक कोबकहैंमुखदैगयोआनै ॥ जोनमुहातकछू
बिनदेखेरि कासोंकहैंकोउजोकोनजानै ॥ आयगोकाह्रसमा

यगोनैननि नायगौचेटकगायगौलानै ॥ ९ ॥ गैलमैछैलकढ़ै
जितहीं तहींबंसीबजावतहीयहटेकहै ॥ गेहसोंनेहभरीकढ़ै
कामिनी दामिनीसौछुटिजातबिबेकहै ॥ देखतींबेषनिकेखन
लावतीं लेखतींयाजगठाकुरएकहै ॥ होतिनिहालमहासोंव
ड़ी अँखियानसोंजाहिनिहारतनेकहै ॥ १० ॥ ठाढ़ीकहाढुचि
तौसुचितौ चलुदेखुरीकौनसोगोहनगो ॥ वहबेनुबजायरिझा
यहमैरी सुधेनुकहूं बनदोहनगो ॥ कबिठाकुरऐसिहौजानिप
री अरौगुंजकेहारनपोहनगो ॥ कोजदौरियोटेरियोफेरियो
री वाअहीरकोमोहनमोहनगो ॥ ११ ॥ बेषभयेबिषभावेनभू
षन भोजनकौंकछुह्नहींईछौ ॥ मीचकेसाधनसोंधेसुधादधि
दूधऔमाखनआदिऊछौछौ ॥ चंदनत्योंचितयोनहींजात चु
भीचितचारुचितौनितिरीछौ ॥ फूलज्योंसूलसिलासमसेज
बिछोननिबीचबिछीजनुबीछौ ॥ १२ ॥ ग्वारिगईएकह्याँकौउ
हाँ मगरोकौसुतौमिसुकैदधिदामको ॥ वासैंभटूभरिभेंटौभु
जा पुनिनातोनिकारयोकछूपहिचानको ॥ आईनिछावरिकै
मनमाजिक गोरसदैरसलैअधरानको ॥ वाहीदिनातेंहियेमे
गड़यो वहढोठबड़ोबड़रीअँखियानको ॥ १३ ॥ सासुकह्योद
धिबेचनकौं सुदईदुखहाईकहाँतेधौंहाँकरी ॥ मोहिमिलेनृप
संभुगोपाल तमालतरेवहगैलजोसाँकरी ॥ मोतनताकिबड़ी
अँखियानतें काँकरीलैफिरिमोतनघाँकरी ॥ काँकरीओड़िल
ईकरतें पैकरेजेकहाँधौंगईगड़िकाँकरी ॥ १४ ॥ आइगयेबनि
बानिकसोंहरि लाजतिनूकसौतोरिनाडारी ॥ बेनीप्रबीनक
हैमनकौ सखिसाधसोमैसबपूरिनाडारी ॥ काकरतीकुलकीक

लखी कुलकानिकलंकिनीदूरिनाडारी ॥ चैंचचँद्हाइनकेचित
चावले चायचढ़्दिशिभूरिनाडारी ॥ १५ ॥ गायकैतानवजा
यकैबाँसुरी सोहिकैमोहिनीमोसिरदोड़ी ॥ ऐंठिकैपागउमे
ठिकैपेंचनि टेढ़ीसोचालचलैरसभीनो ॥ रीझिरिझायकैजात
भए मकरंदकहोसुकहागतिलीड़ी ॥ आँवरीकापरनावरीबूझ
न साँवरीसूरतिबावरीकीड़ी ॥ १६ ॥ बैरबढ़ैतेंबढ़ैअतिहीं
अबकोकहिकैकढ़िकौनसोंजूझै ॥ जैसीभईहरिहेरतही सुती
सोहियकीजियकीगतिबूझै ॥ बाहिरकूंबरकूमैसखी अँखिया
निवहैछबिआनिअरूझै ॥ साँवरोरंगरह्योउरमै सिगरोजग
साँवरोसाँवरोसूझै ॥ १७ ॥

॥ अथ मानलच्छण ॥

दोहा ॥ सूचकपियअपराधकी चेष्टाकहियतमान ॥
सोहैतीनप्रकारको लघुमध्यमगुरुजान ॥ १ ॥

॥ लघुमान लच्छण ॥

दोहा ॥ देखतपियपरतीयकों करैतियाजवरोस ॥
ताहिकहतलघुमानहैं सुकबिसदानिरदोस ॥ २ ॥

॥ लघुमान यथा ॥

देखतऔरतियाहीछबीलेकों मानछबीलीकेनैननिछायो ॥
प्रीतमयोंचतुराईकरी मतिरामकछूपरिहासबढ़ायो ॥ राति
रचीबिपरीतिजोप्रीतिसों ताकोकबित्तबनाइसुनायो ॥ भूलि
गईरिसलाजनितें मुसकाइतिआमुखनीचेकोंनायो ॥ १ ॥
लाललख्योतियऔरकीओर गयोचढ़ियोरलखेंदुलहीको ॥
बेनीमनायबेकोंमनमोहन ज्यौंतरिझायबेकोरच्योतीको ॥

प्यारीकीमूरतिप्यारेउरेहिकै चित्रकोचूमिलियोमुहनीको ॥
फेरिरहीमुखनैनतरेरि दयोहँसिहेरिहरेंमुखपीको ॥ २ ॥
बैठेहुतेरँगरावटीमे जिनकेअनुरागरँगीव्रजभूम्यो ॥ किंकिनी
काहूकहूं भनकाई सुदेखनलालभरोखाह्वैभूम्यो ॥ देवपर
चियदेखतदेखिकै राधिकाकोमनमानमैंघूम्यो ॥ वातेंवनायम
नायकेलाल हँसायहरेंमुखवालकोचूम्यो ॥ ३ ॥ बोलैहँसैवि
हँसैनविलोकैतूं मौनभईयहकौनसयानहै ॥ चूकपरीसोवता
यनादीजिये दीजियेआपुनकोंहमआनहै ॥ प्रानप्रियाविनका
रनहीं यहरूसिवोवेनौप्रवीनअयानहै ॥ ह्वैनिरमूलविलोकिये
राधिके अंवरवेलिज्योंरावरोमानहै ॥ ४ ॥ हेरगोकाहू हरिऔ
रतियातन प्यारीकेकोपभयोमनमाहीं ॥ जानिगएमनमोहन
पीतम आएमनावनकोंहुनवाही ॥ भूंठेकह्योपरदेसकोंला
ल चलेहमवोलतहाँफिरिचाही ॥ मानतज्योउठिकैकविरा
ज गह्योपटुकाकह्योनाहींजुनाहीं ॥ ५ ॥ पियदेखतदेख्योजु
औरतियातन त्यौरतियाकेतहीवदले ॥ हरिजानोकिमानव
तीहैभई एहिँभाँतिमनावनकोविमले ॥ कहिसुंदरचातुरीसों
कियोगान सुजानकेतानमैचूकचले ॥ नरहीगयोवोलिउठी
तजिमान कहीहरिसीखिमलेंजूभले ॥ ६ ॥

॥ अथ मध्यममान लक्षण ॥

दोहा ॥ जवप्रियकेमुखतेंकढ़ै औरतियाकोनाम ॥
वढ़ैसुमध्यममानयौं होयसुनैतनछाम ॥ १ ॥

॥ मध्यममान यथा ॥

दोउअनंदसोंआँगनमाझ विराजेअसाढ़कीसाँभसुहाई ॥

प्यारी कै तू कान औरतिय को अचानक नाम लयो रसिकाई ॥ आयो उनै सुहलें हसै कोहनि त्यों सुरचाँपसी भौंहें चढ़ाई ॥ आँखिन तें गिरे आँसू के बूंद सो हाँस गयो उड़ि हंस की नाई ॥ १ ॥ नाम कढ्यो पिय के सुख तें तिय और को सो सुनि कै उर ऐंठो ॥ देवजू सोहैं कैसे हैं करी रिस को सिसको भरि भौंह अमेठो ॥ नीठ हठो हठि सों ऊठ नाजो रति ईठ सों रूठि के पीठ दै बैठो ॥ खोलि ये बोलि हिये पट खोलि कै सुंदरि मान के मंदिर पैठो ॥ २ ॥ नाम परो सिनके न अनैसु छबीली सेतो हिकहयो सुख सारसी ॥ यों बनि बेनी कुण्हरद्वै हरि मंदिर कौं कर कौकरी आरसी ॥ नैनन की कुटिलाई गई मुसकानी लजानी सुमार की लारसी ॥ स्वेद के भार सदां पकै प्यार प्रिया भई लेवक के उरहारसी ॥ ३ ॥ आँगी ति हो लखी ललिता सुनतै अमसों रिस राधिकै जागी ॥ लागी मना न मनायो न ह्यौं तब जान्यो दुहागिको आगि सोभागी ॥ पीठि दै पौढ़त से रक्क सराम के लाड़िली औं मति पीर नि पागी ॥ बागि बिरी अनुहारि कौंखे मनहारि कै हारि मनावन लागी ॥ ४ ॥ बैठी निकुंज घने सुखपुंज सनेह सराधिका औ दधिदानी ॥ हीन लगी चरचा कै चले सखि मान की प्रीति प्रतीति कहानी ॥ बेनी प्रवीन सुसीलता बानि कछू ललिता की बिसेष बखानी ॥ बान से बैन लगे पिय के कहे त्यों तय मैं इक मान सी तानी ॥ ५ ॥ बालके संग गो पाखकह्न निसि सोवत ती य कौ नाम उठे पढ़ि ॥ सो सुनि कै पटतानि परी तिय देव कहै मन मान गयो बढ़ि ॥ जागि परे हरि जानी रिसानी से सोहँ प्रतीत करी चित मै चढ़ि ॥ आँसुन सों तन ताप बुझ्यो अरु स्वासन सों सब रोस गयो कढ़ि ॥ ६ ॥ मिलिबे

लतिस्यामसोंवामसकाम सनोसुखसंचसिंगारकरै ॥ हियफू लमैनामलियेपियभूलमै आनतियाकोअजानहरै ॥ सुरबैठी तिहोंछिनछोभभरी पलतैंजलधारसुढारढरै ॥ बरजोरिनि होरिकैकोरिकला करजोरिकिसोरलगारुगरै ॥ ७ ॥

॥ अथ गुरुमान लच्छण ॥

दोहा ॥ करैजुकछुपरिहासपिय औरतियाकेसंग ॥

तासोंउपजतरोसतिय सोगुरुमानउतंग ॥

॥ गुरुमान यथा ॥

आयेकहूंरतिमानिकैमोहन मानकैबैठीतियातकिसाँई ॥ लागीमनावनकैहूंनमानति कैतोकियेकबिराजकन्हाई ॥ मेलि गरेपटुकाप्रियपीतम हाथकियेकछुपाँयकेघाँई ॥ ह्वैगईसौभौ कमानसीभौंह सुमानगयोछुटिबानकीनाई ॥ १ ॥ सौतिकोमा लगुपालगरेंलखि बालकियेमुखरोषउँजारो ॥ भौंहैंभ्रमीफ रकेअधरासु करोरिगुनोमगनैननिन्यारो ॥ यौंकबिदेवनिहा रिनिहोरि दुहूंकरजोरिपरोपगप्यारो ॥ पीकोउठायकछूरी हियलायकै हैकपटीनकोकौनपत्यारो ॥ २ ॥

॥ अथ प्रवास लच्छण ॥

दोहा ॥ पियकोबसबबिदेसमै कहियततापिप्रवास ॥

जातेंहोतवधूनके तनमैबिरहनिवास ॥

॥ प्रवास यथा ॥

नूतनसानदिसानसनो खरसानलुसुंभघरेसरपैना ॥ बार नबाजिबनेअलिगुंजत कुंजसमीरलगेरथगैना ॥ बेनीप्रबीन कुलाहलकै कलकोकिलकूकदिखावतनैना ॥ आयोनगेहबिदे

सुनैकंत सलोनबसंतबनावतसैना ॥ १ ॥ काकुपगेकुबिजाकेक
खेलनि बोलनिछोड़िदईहरखाती ॥ माधुरीमूरतिदेखेबिना
पदमाकरलागैनभूमिसुहाती ॥ कालिहयेउनसोंसजनी यह
बातहैआपनेभागसमाती ॥ दोसबसंतकोदीजैकहा उलहैन
करीलकीडारनपाती ॥ २ ॥ नीरउसीरकेसीरीभई कहिता
हिमिलायहैकोबकहाते ॥ आंचगुलाबकीह्वैहैकहा पजरोत
नचंदनकीचरचाते ॥ सीरेउपायनसोंनकछूभयो सैसखिसीख
दईअबताते ॥ मोहिघरीकलौंज्यायेचहैतौ कहैकिनवाहीबि
सासीकीबातें ॥ ३ ॥ मोहिबिनानपलौकललेतहे सोजनकोंके
हिँभाँतिकसेहैं ॥ गोकुलनाथबिदेसगए छितकोसितकोथि
तिह्नसोंहँसेहैं ॥ औधिकीऔधिनजानिपरै चलिसौंघसेका
ह्रकेजाइफँसेहैं ॥ मैनकेचैनकीआसकरें अबधौंपियकौनकेपा
सबसेहैं ॥ ४ ॥

॥ अथ दसा कथ्यते ॥

दोहा ॥ प्रथमकहतअभिलाषपुनि चिन्तादूजीजानि ॥
सुमिरनअरुउद्वेगपुनि कहतप्रलापबखानि ॥ १ ॥
गुनबरननउनमादहै औरव्याधिउरआनि ॥
जड़तानवईबिरहमै खेकदसापहिचानि ॥ २ ॥
दसमदसाशृङ्गारमै हैंनकहैंमनलाय ॥
मरनअवस्थाकेकहें रसाभासह्वैजाय ॥ ३ ॥

॥ अथ अभिलाष लक्षण ॥

दोहा ॥ जहाँपरसपरदुहुनको मिलनचाहअभिलाख ॥
छकिमनमथकेमोहमै करतमनोरथलाख ॥

॥ अभिलाष यथा ॥

सारीसुरंगरँगैअपनी बलितैसियैप्यारेजुपागबनैये ॥ चोवासोंकंचुकीबोरियेआपनी तैसीभगाकीयाचोलीरचैये ॥ बेनीपवाइनमैबसिकै नएओकरिव्यौंतसखीकछुँपैये ॥ भोजत कछनातरमै गलबाँहीदैदेोऊमलारनगैये ॥ १ ॥ गोकुलकेकुलकोंतजिकै भजिकैबनबीथिनमेबढ़िजैये ॥ त्यौंपदमाकरकुंजकछार बिहारपहारनमेचढ़िजैये ॥ हैंनदनंदगोबिंदजहाँ तहाँनंदकेमंदिरमेमढ़िजैये ॥ यौंचितचाहतएरीभटू मनमोहनलैकैकहूंकढ़िजैये ॥ २ ॥ वैहरबीरबरोसोबसंतकी बारतिहैयहकौनबरायहै ॥ कूकतिकैलियाक्रूकतिसी हूकिकोसुखमूंदिकोदूरिदुरायहै ॥ गोकुलनाथसोंमेरीव्यथा कहिकैकबतूंअँखियाँडबरायहै ॥ बीतिहैजोपियसंगभरी सजनीरजनी बहुरोकबआयहै ॥ ३ ॥ लावनचंदनऐहैंतिया कुलकेजपिया करिहैंघरआवन ॥ आवनकहैसुहावनलोग कहैंगेमभारखआएरिभावन ॥ भावनमेंानलगैगेतबै हजनाथफिरैंगेजोआपनेपावन ॥ बावनकहैहोंतबैसजनी रजनीभरिकंठजोपाइहोंलावन ॥ ४ ॥ मनपारदकूपलौंरूपचहै हमहैसुरहैनझीजतोगहैं ॥ गुनगाइनजायपरैअकुलाय मनोजकेओजनसूलसहैं ॥ घनआनदचेटकधूममैप्रान छुटैनछुटैगतिकासोंकहैं ॥ उरआवत यौंछविछाँहजोंहों हजकैलकीगैलसदाँहीरहैं ॥ ५ ॥ कौनकोलालसलोनोसखी वहजाकीबडीअँखियाँरतनारी ॥ हेरनिबंकबिसालकेबानन बेधतहैघटतीखनभारी ॥ यौंरसखानसँभारी परैनहीं चोटसुकोटिकरीसुखकारी ॥ मालिखगोविधिहैत

कोबंधन खोलिसकैंअसकोहितकारी ॥ ६ ॥ जमुनातटवीर गईजबतें तबतेंजगकेमनमांझनहैं। ॥ ह्रजमोहनगोहनलागि अटूहैं। लटूभई लूटिसीलाखलहैं। ॥ रसखानललोललचायब है गतिआपनीछोंकहिकासोंकहैं। ॥ जियआवतयैं।अबतोसब भाँति निसंकह्वै अंकलगाएरहैं। ॥ ७ ॥ जीवतएकहीआसलि येहै निरासभएपलएकनजीजिहै ॥ सोभकहूँबँसुरीबटमै वँसु रीघरकीरसलानसुनीजिहै ॥ एअँखियाँदुखियाँकवलारी च कोरीभई बिरहानलसीजिहै ॥ कादिनवाव्रजचंदचकोर चि तैसुखचंदसुधारसभीजिहै ॥ ८ ॥ कौनधौंसीखीरहीभईहै दु नमैनअनीखियैनेहकीनाधनि ॥ प्यारेसोंपुन्यनिभेंटभई यहलो कलीलाजबड़ीअपराधनि ॥ ओटकियेरहतेनबनै कहतेनबनै बिरहानलदाधनि ॥ स्यामसुधानिधिआननकी मरियेसखिसू धीचितैबेकिसाधनि ॥ ९ ॥ पहिलेसतराइरिसाइसखी ह्रजरा ह्रयेपाइगहाइयेतौ ॥ भरिभेंटभटूभरिअंकनिसंक बड़ेखनलों उरलाइयैतौ ॥ अपनोदुखऔरनिकोउपहास सबैकबिदेवब ताइयैतौ ॥ बनग्राममहिंनेकहूएकघरीकों दूहाँलगिजोकरि पाइयैतौ ॥ १० ॥

॥ अथ चिन्ता लक्षण ॥

दोहा ॥ कबमिलिहैमनभावतो यैंमनकरैविचार ॥
चिन्तातासोंकहतहैं जेकबिबुद्धिअगार ॥

॥ चिन्ता यथा ॥

काकहियेकोऊपीरकनाहिनै तातेंहियेकीजतैयतनाहीं ॥
भागनिभेटजोहोयकहूंतौ घरीकबिलोकेअघैयतनाहीं ॥ ठा

कुरवाघरचौचँदकोडर यातेंघरौघरीजैयतनाहीं ॥ भेंटनपैय
तुकैसेजिन्है तिन्है आँखिनदेखनपैयतुनाहीं ॥ १ ॥ गोरसलै
तौजेठानीचलै बरसासुपरीरहैंप्रानतिपोखे ॥ जानहींजायज
वालहैज्वालहै पौरिनपाँउसकौंधरिधोखे ॥ कपौंहूं परैकलए
कपरीन परोफखिबेनीप्रबीनअनोखे ॥ देखिबेकौंनदनंदनकौं
ननदीनदगाँउचलोंकेहिंओखे ॥ २ ॥ जैयेअकेलीमहाबनबी
च तहाँमतिरामअकेलोइआवै ॥ आपनेआननचंदकोचाँद
नी सौंपहिलेतनतापबुझावै ॥ कूलकलिंदीकेकुंजनिमंजुल मी
ठेअमोलसुबोलसुनावै ॥ ज्यौं हँसिहेरिलियोहियराहरि त्यौं
हँसिजोहियरेंहरिलावै ॥ ३ ॥ एविधिजीबिरहागिकेबानसौं
मारतहौतोयहैबरमागौं ॥ जोपसुहौंऊँतऊमरिकैसेहूं पाँव
रीह्वै प्रभुकेपगलागौं ॥ दासपखेरुनमैकरौमोरजु नंदकिसो
रप्रभाअनुरागौं ॥ भूषनकौंजियेतौबनमालहि जातेंगोपाल
हिकेहियलागौं ॥ ४ ॥

॥ सुमिरन लच्छन ॥

दोहा ॥ मनभावनकीबातकौं बिछुरिकरैजबयाद ॥
तासौंसुमिरनकहतहैं रसग्रंथनिअबिबाद ॥ १ ॥

॥ सुमिरन यथा ॥

वहबेसरकेमुकताकीहलोर अजौंहियभीतरिहालगोकरै ॥
वहदंतछटामुसकानिछबी नितचंचलासीचितचालगोकरै ॥
वहमाधुरीबोलनिकीअवली रसभीनीसदाँमनपालगोकरै ॥ व
हनैनकटाच्छकेबानकीनोक गड़ीनटसालसीसालगोकरै ॥ १ ॥
वहखंजनसेदृगमंदहँसी मृदुबैनगुलाबसेआननकी ॥ वहबंद

गविंदविराजतभाल पढ़ौवदनीनविज्ञाननकौ ॥ वहकोटीसी
छातीछकीछविसों गड़ीवेनीचिलोकनिवाननकौ ॥ वहआँखिन
आगेतेंटारीटरैन अईप्रतिसूरतिप्राननकौ ॥ २ ॥ लखिभूखत
नावहभाँतिअजौं करलागिगयोउरहारनकौं ॥ मुकताफलट
टिपरेसुवसे तिथलैननयेजुलिहारनकौं ॥ कविकौंविनतीकटि
सोंलिकुरी उपमाकविमञ्जविचारनकौं ॥ उरपैजुरसेरकेशृ
ङ्गधरयो निञ्जरयोसुसिलतहैतारनकौं ॥ ३ ॥ अलिसोरपखा
नकोसोरधरें पियरीपगियारँगओरधरयो ॥ सिरगोरजरेखव
ड़ीअँखियाँ परैगोलकपोलनरूपढरयो ॥ भृकुटीअसिरयोखरि
लाजैउरयो लखिवेनीकमैगलियाशिश्वरयो ॥ हँसिकैफिरि
कैनसिकैहियतें निकरयोनवहैघँसिकैनिकरयो ॥ ४ ॥ लतिउ
साँसैकपैपुलकै नवतावतिध्यावतिचित्तकहूँदै ॥ ध्यासमरयो
गुनपालेपरयो पियैपालयोसुवाअँसुवानकीवूँदै ॥ विद्रुमसेअ
धरानिधरे सुखदाड़िमबीजसेदंतनिमूँदै ॥ देवचितैचितचि
त्रवकी उमड़ोअँखियानिवड़ीबड़ीवूँदै ॥ ५ ॥ अंगछलैनउतंगक
रेउर ध्यानधरैंविरहज्जुरबाधति ॥ नासिकाछोरकीओरदि
यें अधमुद्रितलोचनकोरसमाधति ॥ आसनबाँधिउसाससरै
अवराधिकादेअकहाअवराधति ॥ भूलिगोभोगकहैलखिलोग
वियोगकिधौंयहजोगहीसाधति ॥ ६ ॥ काऊँचैतकीचाँदनीसेत
तभामाके स्यामसिधारेनिहारनमै ॥ गईआधिकजामिनीबीत
तऊ तईमानीनमानमरोरनमै ॥ कविसोभनूनैननीरबहै क
हैबैनमनोरसचोरनमै ॥ कबधौंवनघोरिहैंएमुरली बरसानेकी
साँकरीखोरनमै ॥ ७ ॥

॥ अथ उद्वेग लक्षण ॥

दोहा ॥ बिनमिलापपियकेजहाँ मनथिरतानलहाइ ॥
सुखदवस्तुलागैदुखद सोउदवेगकहाइ ॥ १ ॥

॥ उद्वेग यथा ॥

याहिहुमैसतिरासरसाल परीतियकेतनमैपियराई ॥ कामकेतीछनतीरनकी भरिभीरतुनीरभयोहियराई ॥ तेरेबि लोकनकौंउतकंठित कंठलौंआनिरह्योजियराई ॥ नेकपरैन मनोजकेओजनि सेजसरोजनमैसियराई ॥ १ ॥ आयकेचित्र केभौनममित्रको चित्रलिखैबिरहानलडाढ़ी ॥ फेरिअवायक ढैसजनीनको पायकैलेयउसासनगाढ़ी ॥ गोकुलफेरिपरैप लिका हियरेहिलभौनकोहूलसीबाढ़ी ॥ नैनभरेउठिआयइ नामकों हेरतिहैगथमैरथठाढ़ी ॥ २ ॥

॥ अथ प्रलाप लक्षण ॥

दोहा ॥ थिरताहीयनचित्तमैं बिरहबिथाअकुलाय ॥
जोआहैसोइवकिउठै वहैप्रलापकहाय ॥ १ ॥

॥ प्रलाप यथा ॥

नायहनंदकोमंदिरहै हृषभानकोभौनजहाँजकतीहौ ॥ हौंहीइहाँतुमहींकविदेवजू कौनकौंघूंघुटकैतकतीहौ ॥ भेंटत मोहिभटकिहिंकारन कौनकीधौंछविसौंछकतीहौ ॥ ऐसीभ ईहौकहौकिहिंकारन काहूकहाँहैकहावकतीहौ ॥ १ ॥ का ल्हगईब्रषभानसुताभई प्रीतिनईनइयेजियजैसी ॥ जानेकोदेव बिकानीसोडोलै लगैगुरलोगनिदेखिअनैसी ॥ ज्यौंज्यौंसखी बहरावतिबातनि त्यौंत्यौंबकैवहबावरीऐसी ॥ राधिकाप्यारी

हमारीसोंतूकहि कालिकीवेनुबजाईसैकैसी ॥ २ ॥ आपनेओ
रकोचाहैलिख्यो लिखिजातकथाउतमोहनओरकी ॥ प्यारी
दयाकरिवेगिमिलो सहिजातिव्यथानहिंमैनमरोरकी ॥ आ
पुहीआँचिलगावतिअंग अहोकिनआनीचिठीचितचोरकी ॥
राधिकेराधेरहीजकिभोरलौं ह्वैगईमूरतिनंदकिसोरकी ॥३॥
कोकिलकंठजित्योइहिंकों जिहितेंअतिहीयहरोसभरीहै ॥
प्रानपियारेतिहारीप्रिया हमैंजानिकेवेनीप्रवीनअरीहै ॥ एती
कहैकिननायकोऊ अवमोसोंकछूकनचूकपरीहै ॥ वैरतिहारे
हमारेहिये इहिंकोकिलकूककैहूककरीहै ॥ ४ ॥ बोलनवाले
हँसाएहँसैनहिँ हूसिरहीतौनफेरिमनावै ॥ कुंजकुटीवनबाग
तड़ागन ठाढ़ीठगीसीकहैनकहावै ॥ तासोंकहैंहितमानिभटू
इतमैनकेफंदनकेसुरझावै ॥ मोहनसंगरहैनिसवासर हाथ
पसारेतौहाथनआवै ॥ ५ ॥ आधेबिलोकिबिलोचनकोयन
फेरअकोभकोकहिदीवो ॥ आधोचलाइबोचंचलसोमन फे
रतहाँकोतहाँनहिँदीवो ॥ आधिकसोरपरैनिजपानिसों पोन
जहाँकोतहाँरहिदीवो ॥ ऐसीदसाविरहीजियदेखि मलोम
नआँवतेंसोंकहिदीवो ॥ ६ ॥

॥ अथ गुनबरनन लछन ॥

दोहा ॥ मनभावनकोरूपगुन बरनैतियकरिप्रीति ॥

गुनबरननतासोंकहैं लैसुकबिनकीरीति ॥ १ ॥

॥ गुनबरनन यथा ॥

लटकीपगियालपटीलुलफैं सिरमोरजरेखसँवारिदई ॥
मकराक्रतकुंडलगोलकपोल हियेलटकीवनमालनई ॥ गहि

डारकदंबकीभूमतहै इनभाँयनबेनीजुहौंचितई ॥ सुविसारेतें
कयौंविसरैनिधरै जियतेंवहमूरतिमैनमई ॥ १ ॥ देवमैसीस
बसायोसनेहकै भालमृगंमदबिंदुकैभाख्यो ॥ कंचुकीमैंचुप
र्योकरिचोवा लगायलयोउरसौंअभिलाख्यो ॥ कैमखतूलगु
हेगहनेरसमूरतिवंतसिंगारकैचाख्यो ॥ साँवरेलालकोसाँ
वरोरूपमैनैननिकोकजराकरिराख्यो ॥ २ ॥ कैसहूंकोऊ
करेउपहास छोंनीकेहौंनाचतिनेहनटह्वौं ॥ ऐगुनह्वौउकिधौं
गुनदेव करौगुनजाललपेटिलटूह्वौं ॥ चातकह्वौंघनस्यामकोरू
पं अघातिनह्वौंदिनरातिरटूह्वौं ॥ दूसरोकाजनलोककोलाज
भईब्रजराजकीभाटभटूह्वौं ॥ ३ ॥ मोरपखानतिरामकिरीटमैं
कछुकनीवनमालसुहाई ॥ मोहनकीमुसुकानिमनोहर कुंड
लडोलनिमैंछबिछाई ॥ लोचनलोलविलासविलोकनि कोन
बिलोकिभयोबसआई ॥ वामुखकीमधुराईकहाकहौं मीठील
गैअँखियानिलुनाई ॥ ४ ॥ मैनमसालसीचंपकमालसी बाल
रसालदिवालदुटीसी ॥ ठाढ़ीभईछिनएकगवाछन छायरहीछ
विपुंजपुरीसी ॥ देखैअचानकवानकह्वै गईदीठिकछूबनसार
घुरीसी ॥ आहोअटामहिँयाखिरकीमहिँ बारकदौंधगईबि
जुरीसी ॥ ५ ॥ बारलगेनलगैउरमैं चलिपैगतिमंदमहागजमो
है ॥ सीतलहोतलदेतकियेंपै लगैदहपावकसोलपको है ॥ सौ
धीसदांहमैबेनीप्रवीनपै टेढ़ीचितौनिकियेकहैंसोहै ॥ मालुकै
कैकबहूंनतनीपै समानह्वैवाकीकमानकीभौंहै ॥ ६ ॥ चोरिन
गोरिनमैंमिलिकै दूतआईहिडालगुवालिकहाँकी ॥ आकोन
कोअवलोकिरह्यो पदमाकरवाअवलोकनिबाँकी ॥ धीरम

वीरकोघूंघुरलै कछुफेरसोकैसुखफेरकैआँको ॥ कैगईकाटिक
रैनकोवातरेकातरेपतरेकरिहाँको ॥ ७ ॥

॥ अथ उन्माद लक्षण ॥

दोहा ॥ तरकिउठैगावैहँसै पुनिरोवैसुधिजाय ॥
आजिचलैचितवतरहै सोउनमादकहाय ॥ १ ॥

सेरोसिँगारकरौसिगरो अहियेसनिसैगहिनोपहिरायो ॥
सौंपैसनोप्रियरोपटलाय जोहैउनकेमनलाइसुहायो ॥गोकुल
नाथकीमूरतिध्यानसै देखिकहैबिरहाश्रमछायो ॥ सेजसज
सजनीरतिऔनसै बैठोकहाननआवनपायो ॥ १ ॥ जाछिन
तेंमतिरामकहै मुसकातकहूं निरखोनदलालहि ॥ ताछिन
तेंछिनहौंछिनछीन व्यथाबढ़बाढ़ीवियोगकीबालहि ॥ पौंछति
हैकरसोंकिसलैगहि बूझतिव्यालसरूपमृणालहि ॥ ओरीभई
हैसदंकमुखी भुजभेंटतिहैभरिअंकतमालहि ॥ २ ॥ आजुअ
लेगहिपायेगोपाल गुहौंगहिलालतुम्हैंगुनजालहि ॥ हौनन
देऊँकहूं चलचाल सुरावौंहियेपैंकिलायकैसालहि ॥ बोलत
काहेनबैनरसालहौ जानतआगमरेमिजमालहि ॥ सौंपिकैनै
नबिसालनकेमल बालसुभेंटतिबाखतसालहि ॥ ३ ॥ बाहुम
ईभईकोलसुखी जुकहौकुलटानिरहौकुलरीतिन ॥ देवसुदेह
सनेहसोंभीजि बिदेहकीआँचनदेहकीरीतिन ॥ हेरेहरीजब
तेंहरीकुंजमै औरकीहेरतिहेरहरीतिन ॥ अंचरहारनबारस
सेटति भेंटतिहैघरबारकीभीतिन ॥ ४ ॥ मोहनलालसोंके
हुंबाल बियोगकीज्वालनिसोंतनडाढ़ति ॥ लागिगईअँखि
याँचितचोरनि आगिगईगुरुलोगकीगाढ़ति ॥ औरकोऔर

कहैसुनैदेव मह्वादुचिताई सखीनकेबाढ़ति ॥ नावँलियेसुख
ओरचितैरहै सोचिबरीकसैघूंघुटकाढ़ति ॥ ५ ॥ आपुचलेज
बसोंमथुरा तबसोंयहतीतनतापसोंछीजै ॥ आएक्लपाकरिगो
कुलनाथ लगीहियसोंअधरामधुपीजै ॥ ध्यानकोमूरतिजानप्र
तच्छ कहैपुलकैअरिनैनपंसीजै ॥ आजुबड़ेमुकतानकोमाल
हमैघनश्यामहनामसैदीजै ॥ ६ ॥ आपुहीआपुपैकसिरहै कब
हूं पुनिआपुहीआपुमनावै ॥ त्यौंपद्माकरताकितमालनि
भेंटिबेकोंकबहूं उठिधावै ॥ जोहरिरावरोचित्तलखैतौ कहूं
कबहूं हँसिहेरिबुलावै ॥ व्याकुलबालसुआलिनमै कहौचाहै
कछूतौकछूकहिआवै ॥ ७ ॥ जबतेनिरखिहरिकुंजनमै तबतेंर
सपुंजकछूकीबिहरै ॥ छिनगायउठैछिनधायउठै छिनगोठतें
गैयनलैडगरै ॥ कबिबेनीधरैछबिमोहनकी मनमोहनीमोहि
येव्यालकरै ॥ परैपायनमानिनीकैललिता लताकैबनिताहूँ
सिअंकभरै ॥ ८ ॥ मोरकिरीटछुटीजुलफैं रुखचंदअमीसुख
कानिसहाहै ॥ गुंजहरामखतूलछरा बनमालत्रिभंगह्वैअंगर
हाहै ॥ गोकुलगोरजसाँवरोरंग रह्योपटपीतकीपूरिप्रभाहै ॥
मोहीसोंराधाकहैसजनी नबिलोकतिमोहिभईतूकहाहै ॥ ९ ॥
मोहिकहौसँगगोधनलै वृषभानपुराकोंचलौछबातीहौ ॥ गुंज
हरामुरलीपियरोपट मोरकिरीटकहातकतीहौ ॥ गोकुल
साँवरोह्वैगईहौ कहासाँवरोजोनकहैअपतीहौ ॥ काह्नकहाँ
नँदगाँवकहाँ तुमकैसोभईहौकहाबकतीहौ ॥ १० ॥ केसवचौं
कतिसौचितवै छतियाँधरकैतरकैतकिछाँहीं ॥ बूझियैऔ
रकहैकछुऔरही औरकीऔरभईपलमाहीं ॥ डीठिलगीकि

यौंप्रेतलगरो मनभूलिपरोकीकह्योकछुकाँहीं ॥ घूंघटकोपट कोपटको हरिआजककुसुधिराधिकैनाहीं ॥ ११ ॥

॥ अथ व्याधि लक्षण ॥

दोहा ॥ तचैतापवैवर्ण्यह्वै हीरथलेयउसासु ॥
भूखप्याससुधिबुधिघटै व्याधिकहतहैंतासु ॥ १ ॥

॥ व्याधि यथा ॥

तापचढ़ीसीरहैतनमै सुखसोयबोभूलिगई दिनराति है ॥
सायसखीअनिकुंजनलौं चलिव्याकुलह्वै दृगबारिसौंन्हाति है ॥
गोकुलभोजनकोकहैकौन सोपानीनपीवतिबीरीनखाति है ॥
जादिनतेंमथुराकोंचलेहरि तादिनतेंप्रियरीपरीजाति है ॥ १ ॥
रूपनिधानसुजानलखेबिन आँखिनदीठिहीपीठदई है ॥ ऊ
खरज्यौंखरकैपुतरीनमै सूलकीमूलसलाकभई है ॥ ठौरक
हूंनलहैठहरानको मूंदैमहाअकुलानमई है ॥ बूड़तज्यौंघन
आनदसोच दई बिधिव्याधिअसाधिनई है ॥ २ ॥ देखुरीआ
जुयागोपबधूअई बावरीनेकुनदेहसँभारै ॥ आयअथायनदेवन
पूजति सासुस्यानसयानपुकारै ॥ यौंरसखानघिरोसिगरो
ब्रज आनकेआनउपायबिचारै ॥ कोउजनसोहनकेउरतें यह
बैदिनबाँसुरियागहिडारै ॥ ३ ॥

॥ अथ जड़ता लक्षण ॥

दोहा ॥ सुखदुखहोयसमानजहँ सुधिबुधिकोनहिंलेस ॥
तासोंजड़ताकहतहैं जेकबिबुद्धिबिसेस ॥ १ ॥

॥ जड़ता यथा ॥

कालिंदीकेतटकालिभटूकाहू दीरतह्वैगई भेंटभलीसी ॥

ठौरहीठाढ़ेचितौतहूतौतन नेकहूएकटकौटहलौसी ॥ देव औरहेतदेवतासी दृपध्यानलौनहलौनचलौसी ॥ नंदको छोहरावौछविसों छिनएकरहीकहिकैछलौसी ॥ १ ॥ दौ नौफिरैउपचारकौएकै समीपसखीतेंमिल्हरतिठाढ़ी ॥ एकका हैअहोगानौनजातिहै लौनवग्रथातियकोतनबाढ़ी ॥ बीरकहा काहियेकहैएक गहैइकदाँतनिचाँगुरीगाढ़ी ॥ छोलेनबोलैबि लोकिरही कछुआगदपैलिखिचित्रसीकाढ़ी ॥ २ ॥ कौलसे पानिकपोलभरे दृगहारलौंनीरभरेहियहारे ॥ चित्रचरित्र जईसीभई गईलौनहुदौनटरैनहींटारे ॥ रावरीलागीमसार खदौठि नजातकहीहसजातपुकारे ॥ जागिहैजीहैतोजीहैंसबै नतौपीहैंहलाहलनंदकेहारे ॥ ३ ॥ बंसीबजावतमानिकज्यौ दृगलौनसेछैलकछूजादूसोडारे ॥ नेकुचितैतिरछीकरिमौंह न चलयौगयोमोहनसूठिसीमारे ॥ ताहीघरीकौघरीहैसेजपर बौलतप्यारीनबाग्रानकीवारे ॥ जागिहैजीहैतोजीहैंसबै नतस पीहैंहलाहलनंदकेहारे ॥ ४ ॥ नैनकेबाननतेंनितमोहन मा रतहीब्रजबामघनीनकौं ॥ आनकलंकलग्योतिहिकौं द्विजनं दकोनंदकीघरनीनकौं ॥ चेतैनजोवृषभानसुता दुखहुहैव डोहहिंकीसजनीनकौं ॥ जायकैखायपरैंगीसबै वाअहीरकेद्वा रपैंहीरकनीनकौं ॥ ५ ॥

दोहा ॥ इसादसमनीरसअहै औसवसौंविनप्रीति ॥
रससेविरसनवरनिये यहैकविनकोरीति ॥ १ ॥
यातेंबरनौनवरसा कविसेलोअनुसार ॥
कविकोविदलखिरीभिहैं जेहैंबुद्धिउदार ॥ २ ॥
महाराजअवधेसको प्रायकृपाअतिपीन ॥

रसिकनकोसर्वस्वयह कीन्होग्रंथनवीन ॥ ३ ॥

जेरसज्ञकोविदअहैं भाविकभ्यासाभ्यास ॥

तितवीजकरिराखिहैं याकोंआठोंजाम ॥ ४ ॥

शिष्यसुकविहनुमानको कमलापतिबुधिवान ॥

तिन्हिंसोंकहँइहिग्रंथसे दीन्हीमदतमहान ॥ ५ ॥

॥ इति श्री सुंदरीसर्वस्व समाप्तम् ॥

॥ अथ शुद्धाऽशुद्ध पत्र ॥

अशुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	शुद्ध
टटिहै	४	२२	टूटिहै
छमावली	७	२०	चमावली
जगमोंहन	१६	२१	जुगमोंहन
मदनद्दति	२३	११	मदनद्युति
डोड़ीदिये	२८	७	ठोड़ीदिये
क्योंनरए	३०	२०	क्योंनरहै
सतरानीकछ	३३	१२	सतरानीकछू
क्योंसुसकै	३४	१०	योंसुसकै
धूरीकपूरसी	३७	६	धूरिकपूरसी
हिमंवल	४५	१४	हिमंचल
छटिवेकों	४५	२३	छूटिवेकों
प्रौढ़को	६४	८	प्रौढ़ाको
इद्रवधूनके	६५	४	इन्द्रवधूनके
सवछत	८४	१७	सवछतें
पैय	९५	९	पैया
योए	९५	२१	योंहै
कांचकोयीच	९८	२०	कांचुकीवीचैं
जौनकर	१०५	९	जौनकरै
पनियासे	११२	१४	पनियासै
हांसी	११४	२२	हांसी
मालिनि	११४	२३	मालिनि
जोचलिदरितें	१२२	५	जोचलिदूरितें
ऐसोनदसरो	१२३	४	ऐसोनदूसरो
पनि	१२५	७	पुनि
जियऐमो	१२५	८	जियऐसो
करैकछ	१२५	१६	करैकछु
विछरे	१२६	२२	विछुरे
कहिका	१२८	८	कहिको
लताद्रम	१२९	८	लताद्रुम
जौनमेकुंजन	१२९	२०	जौनसेकुंजन
लाइकछ	१२९	२३	लाइकछू
सहाये	१३७	१७	सुहाये

अशुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	शुद्ध
छुटनपाये	१३७	१७	छूटनपाये
ऐसीकछ	१३७	१९	ऐसीकछू
सनोघनआनद	१३७	२०	सुनोघनआनद
नछिंछटत	१३८	२१	नछिंछूटत
घागुरीछोरते	१३९	४	घांगुरीछोरते
घवकैसे	१४१	६	घनकैसे
दाठलजोहैं	१४४	२२	दीठिलजोहैं
देवकछ	१४५	५	देवकछू
कवह् कछ	१४९	१९	कबहुं कछु
चौंचिसी	१६१	१	चौंधिसी
जीवह्ह	१६७	२	जीकह्ह
घौरभट	१८९	१७	घौरभटू
कछ	१९९	१७	कछू
घोछवरोज	१९१	१०	घोछवरोज
पगधर्रनि	१९१	१९	पगधार्रनि
भलेज	१९७	१७	भलेजु
देख्यातुमै	१९९	१९	देख्योतुमै
कछमजकूर	२०६	२२	कछूमजकूर
फालनसौं	२१०	१९	फूलनसों
बवासोंसे	२१५	१२	बवाकिसोंसे
घघुट	२२९	७	घूंघुट
चसकी	२३६	२१	घमूकी
भट	२३६	२२	भटू
छौनकछ	२५०	२	छौनकछू
कोजवाकन	२५४	१२	कोजकछून
दासज	२६०	२२	दासजू
घेनुचढ़ावत	२६४	७	घेनुचरावत
कछलिता	२७२	१८	कछूललिता
वलकेसंगगीपाल	२७२	१९	बालकेसंगगीपाल
कछतातरमै	२७५	३	एकछतातरमै
कावलारी	२७६	७	कबलोंरी
भट	२७९	१९	भटू